CMYK

सूर्योदय : 5:28
सूर्यास्त : 6:38
अधिकतम तापमान : 34.0
न्यूनतम : 28.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्याः
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-346 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, बुधवार, 11 जून 2025
14 जिलहिज्जा 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक

अवधनामा

www.avadhnama.com

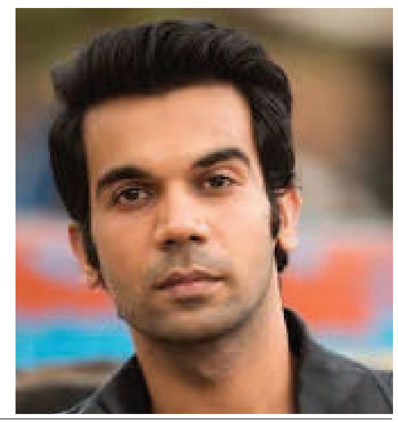

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मिले प्रधानमंत्री मोदी

सदस्यों ने साझा किए विदेश दौरों के अपने अनुभव

- प्रतिनिधिमंडलों में 50 से अधिक लोग थे शामिल
- 33 देशों व यूरोपीय संघ के मुख्यालय का किया दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार शाम उन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मुलाकात की, जिन्होंने पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को बेनकाब करने के लिए दुनिया के कई देशों की राजधानियों का दौरा किया। यह दौरे ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुए थे।

इन प्रतिनिधिमंडलों ने अपने दौरों का अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किया। केंद्र सरकार पहले ही इन सात प्रतिनिधिमंडलों के काम की सराहना कर चुकी है। इन प्रतिनिधिमंडलों में 50 से अधिक लोग शामिल थे, जिनमें ज्यादातर मौजूदा सांसद थे। इन प्रतिनिधिमंडलों में पूर्व सांसद और पूर्व राजनयिक भी शामिल थे। इन दलों ने 33 देशों की राजधानियों और यूरोपीय संघ के मुख्यालय का दौरा किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पहले ही इन प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की है और उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख को प्रभावी तरीके से दुनिया के सामने रखने के लिए उनकी सराहना की है।

चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने किया, जिनमें दो बीजेपी के, एक जेडीयू के और एक शिवसेना के सांसद शामिल थे। वहीं तीन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व विपक्षी सांसदों ने किया, जिनमें एक-एक कांग्रेस, द्रमुक और राकांपा (शरदचंद्र पवार) से थे। भाजपा के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, कांग्रेस के शशि थरूर, जेडीयू के संजय झा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे, द्रमुक की कनिमोई और राकांपा (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया।

सरकार ने इन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को यह संदेश देने के लिए भेजा था कि आतंकवाद के खिलाफ भारत एकजुट है। इस अभियान में कांग्रेस सांसद शशि थरूर और एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता भी शामिल हुए और उन्होंने मिलकर भारत का पक्ष विदेश में मजबूती से रखा। प्रतिनिधिमंडलों में शामिल प्रमुख पूर्व सांसदों में पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद और सलमान खुर्शीद भी थे।

22 अप्रैल को हुआ था पहलगाम में हमला

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमला हुआ था। जिसमें 26 निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इनमें अधिकांश पर्यटक शामिल थे। इन लोगों की हत्या करने से पहले आतंकवादियों ने इनकी धर्म की पहचान की थी। घटना के करीब दो हफ्ते बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इस सैन्य अभियान के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। हमलों में सैकड़ों आतंकी मारे गए। इसके बाद आतंकवादियों के बचाव में उतरी पाकिस्तानी सेना ने भारत पर ड्रोन और मिसाइलों से हमले की कोशिश की, लेकिन भारत की एस-400 और आकाशतीर जैसी रक्षा प्रणालियों ने इन्हें खाक कर दिया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के दस से ज्यादा एयरबेस को भी ध्वस्त किया।

भीषण गर्मी में टूटा बिजली खपत का इतिहास

- देश में एक दिन में सर्वाधिक आपूर्ति का बना रिकॉर्ड

लखनऊ। प्रदेश में बिजली की अधिकतम मांग 31104 मेगावाट पहुंच गई है। यह देश में सर्वाधिक आपूर्ति का रिकॉर्ड है। इस वर्ष 32 हजार मेगावाट से अधिक मांग होने का अनुमान है। इसके लिए ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को सभी तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश में भीषण गर्मी व बढ़ती उमस की वजह से बिजली की मांग प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। प्रदेश में छह जून से बिजली की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अधिकतम मांग के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। नौ जून की 9.53 बजे बिजली की मांग 31059 मेगावाट थी, जो रात 11 बजे बढ़कर 31,104 मेगावाट तक पहुंच गई। पिछले वर्ष बिजली की सर्वाधिक मांग 30,618 मेगावाट तक पहुंची थी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा बताया कि नौ जून को गुजरात में 25,230 मेगावाट, महाराष्ट्र में 25 191 मेगावॉट, तमिलनाडु में 17,867 मेगावाट, राजस्थान में 16,562 मेगावॉट, पंजाब में 15,508 मेगावॉट विद्युत की सर्वाधिक आपूर्ति की गई।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि उप्र ने सर्वाधिक बिजली आपूर्ति का रिकार्ड कायम किया है। पिछले तीन वर्षों से उत्तर प्रदेश सर्वाधिक आपूर्ति कर रहा है। उन्होंने सभी विद्युत कर्मियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है। प्रदेशवासियों से बिजली के संयमपूर्ण उपयोग कर सहयोग करने के अपील की है। इस वर्ष यूपी में विद्युत की अधिकतम मांग 32000 मेगावाट से अधिक जा सकती है, जिसको पूरा करने के लिए विद्युत की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। प्रदेश में तीन वर्षों से ट्रांसमिशन क्षमता, विद्युत उपकेंद्रों एवं ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाई गई है। जर्जर लाइनों व विद्युत पोल को बदला गया है, इससे विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और लोगों को लो वोल्टेज, ट्रिपिंग, ट्रांसफार्मर व तारों के जलने से हो रहे विद्युत व्यवधान से काफी हद तक राहत मिली है। आने वाले समय में अधिक सुधार देखने को मिलेगा।

शहर और ग्रामीण इलाके में न हो कटौती : शर्मा

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने निर्देशित किया है कि शहरी एवं ग्रामीण इलाके में बिजली कटौती न की जाए। सभी क्षेत्रों को निर्धारित शेड्यूल के अनुरूप विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, इसमें किसी भी प्रकार की कटौती स्वीकार नहीं होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ रही विद्युत मांग को पूरा करने के लिए सभी विद्युत कार्मिक सजग और तत्पर रहे। भीषण गर्मी में प्रदेशवासियों को परेशानी न हो, जहां कहीं से भी विद्युत व्यवधान की शिकायतें आए उसका तत्काल समाधान कराए। ट्रांसफार्मर के जलने व क्षतिग्रस्त होने पर निर्धारित समय पर बदले। ग्रामीण क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति भी सुचारू रहे, इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जाए। भीषण गर्मी में अनुरक्षण कार्यो को लेकर अनावश्यक विद्युत आपूर्ति बाधित न की जाए।

बनास नदी में बड़ा हादसा, नहाने गए 11 युवक डूबे, आठ की मौत

टोंक। राजस्थान के टोंक में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब जयपुर से आए 11 युवक बनास नदी में नहाने उतरे और तेज बहाव में बह गए। सभी युवक पिकनिक मनाने के लिए दोपहर करीब 12 बजे नदी के पुराने पुल के पास पहुंचे थे।

तेज बहाव में डूबते चले गए सभी युवक : स्थानीय लोगों के मुताबिक, सभी युवक एक साथ नदी में नहाने उतरे, लेकिन कुछ देर बाद तेज बहाव के कारण एक-एक कर गहराई में चले गए और डूबने लगे। स्थानीय ग्रामीणों ने बचाने की कोशिश की शोर मचाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही टोंक पुलिस, प्रशासन और आरडीएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। अब तक 8 युवकों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि बाकी 3 की तलाश जारी है। सभी को सआदत अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने 8 युवकों को मृत घोषित कर दिया।

दुनिया में पाक को बेनकाब करना जरूरी : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को एक कार्यक्रम में कहा कि, पहलगाम में आतंकियों ने जिस तरह धर्म पूछकर लोगों को निशाना बनाया, उसने देश को झकझोर दिया। उन्होंने धर्म पूछकर मारा, लेकिन हमने उनका धर्म पूछकर नहीं, उनका कर्म देखकर मारा। यह देश की सामाजिक एकता पर हुआ हमला था। धर्म पूछकर मारने के पीछे उनका उद्देश्य था भारत की सांस्कृतिक एकता को नुकसान पहुंचाना।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने उनके आतंकी ढांचे को तबाह कर दिया। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के मुख्यालयों पर पहली बार किसी ने हमला किया है, तो वह भारत है। यह आतंकियों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हम आतंकियों को नहीं, बल्कि आतंकी ढांचे को भी पूरी तरह से खत्म करें, यह जरूरी है। पूरी दुनिया में पाकिस्तान को बेनकाब करना जरूरी हो गया है। यह बात पूरी दुनिया के सामने आ रही है कि पाकिस्तान को फंडिंग का मतलब है कि आतंकवाद को फंडिंग। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान को मिलने वाली विदेशी आर्थिक मदद को बंद करना होगा। आतंकवाद को खाद-पानी नहीं मिलना चाहिए। इसमें संयुक्त राष्ट्र की भूमिका अहम है, लेकिन उसके निर्णयों पर सवालिया निशान लग रहे हैं। पाकिस्तान को आतंकवाद विरोधी समिति में उपाध्यक्ष बनाया गया है। यह बिल्ली से दूध की रखवाली करवाने वाली बात है। इससे बड़ी दुर्भाग्य की बात क्या हो सकती है। यह वही पाकिस्तान है, जिसकी जमीन का इस्तेमाल वैश्विक आतंकवाद के लिए होता रहा है। यहां हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकी खुले आम घूमते हैं और जहर उगलते हैं। उसे आप वाइस चेयरमैन बनाते हैं। आतंकी के जनाजे में पाकिस्तानी फौज के अफसर फातिहा पढ़ते नजर आते हैं, यह क्रूर मजाक से कम नहीं है। आतंकियों को तो हमने जवाब दे दिया, लेकिन इस तरह की घटना भविष्य में न हो, यह भारतीय सुरक्षा से जुड़ा अहम मुद्दा है। अब जनता के स्तर पर भी सतर्क होने का समय आ गया है। आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा अभिशाप है।

उन्होंने कहा, मानवीय सभ्यता के सबसे अहम मूल्यों का यह दुश्मन है। आतंकवाद हमारे लोकतंत्र और सह-अस्तित्व के समक्ष बड़ा खतरा है। यह विकृत मानसिकता है। मानवता पर कलंक है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मानवता के मूलभूत मूल्यों की रक्षा की लड़ाई है। मानवता के सामने जितनी भी भयावह बीमारियां आई, वह देर-सवेर खत्म हुई। आतंकवाद भी महामारी है, उसे मरना ही है। लेकिन इसे अपनी मौत मरने को नहीं छोड़ा जा सकता। यह चुनौती देता रहेगा। इसलिए आतंकवाद की समस्या का अब स्थायी समाधान बहुत आवश्यक है।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद वह भारत से पूरी तरह इंटिग्रेट हो गया है

अनुच्छेद 370 पर बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि आप सभी ने देखा होगा कि जब तक जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू था, तब तक सभी कहते थे कि कश्मीर भारत में तो है, लेकिन वह भारत से इंटिग्रेट नहीं है। अब 370 हटने के बाद वह भारत से पूरी तरह इंटिग्रेट हो गया है। जमीनी स्तर पर वहां सुशासन दिख रहा है। कश्मीर को भारत का मस्तक कहा जाता है, जब मस्तक चमकने लगा तो पड़ोसी को चमक बर्दाश्त नहीं हुई।

अब यूपी में टीचर्स का होगा तबादला ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

- आनलाइन प्रक्रिया से पहले सात जून तक आफलाइन का विकल्प था

लखनऊ। 4512 सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए स्थानांतरण की आनलाइन आवेदन प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया 14 जून तक चलेगी। हालांकि, बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षक भी हैं जो आवेदन की प्रक्रिया में फंस गए हैं, क्योंकि उन्होंने पहले आफलाइन आवेदन किया था और उनकी फाइलें अभी तक संबंधित कार्यालयों में लंबित हैं।

दरअसल, शिक्षा विभाग ने आनलाइन प्रक्रिया से पहले सात जून तक आफलाइन आवेदन करने का विकल्प भी दिया था। बहुत से शिक्षकों ने अपने वर्तमान विद्यालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर इच्छित विद्यालय में भी एनओसी के लिए आवेदन कर दिया था लेकिन सात और आठ जून को अवकाश होने और समय की कमी के कारण उनकी फाइलें मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक या जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से निदेशालय तक नहीं पहुंच पाई। इस वजह से अब वे शिक्षक आनलाइन आवेदन भी नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि एक विद्यालय से वे पहले ही एनओसी प्राप्त कर चुके हैं। इस स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा ने शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) डा. महेंद्र देव और अपर निदेशक सुरेन्द्र तिवारी से मुलाकात की।

प्राइवेट स्कूलों में फीस वृद्धि की मनमानी रोकने के लिए नया बिल

नई दिल्ली। मंगलवार को दिल्ली सरकार की आठवीं बैठक हुई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में एक बड़ा फैसला लिया गया है। दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण एवं विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक, 2025 को कैबिनेट ने पास कर दिया है। अब बिल को उपराज्यपाल और फिर राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। इनके हस्ताक्षर के बाद कानून बन जाएगा।

फिलहाल इस बिल को अध्यादेश के तौर पर मंजूरी दे दी गई है। बता दें कि सरकार अब अध्यादेश के जरिये प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ाने पर रोक लगाएगी। यह नियम 1 अप्रैल 2025 से लागू होगा। इस फैसले से दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए राहत मिलेगी।

राजा हत्याकांड से अब उठेगा पर्दा, पुलिस को मिला अहम सबूत

- आरोपी के मकान मालिक ने कहा यकीन नहीं कि आनंद ऐसा करेगा

इंदौर। शिलांग पुलिस ने इंदौर क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर मंगलवार को राजा रघुवंशी हत्याकांड के चार आरोपियों में से एक के घर की तलाशी ली। तलाशी इंदौर में आरोपी विशाल सिंह चौहान के घर पर की गई।

एसीपी पूनमचंद यादव ने बताया, हमें वो कपड़े मिले हैं, जो विशाल ने शिलांग में उस दिन पहने थे, जब वारदात हुई। उन्होंने कबूल किया है कि उन्होंने हत्या की। हम उनका मोबाइल तलाश रहे हैं। आरोपी आनंद कुर्मी के मकान मालिक ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि आनंद ऐसा काम कर सकता है। मकान मालकिन विमला पटेल ने कहा, आनंद कुर्मी पिछले 4-5 साल से यहां रह रहा था। वो मजदूरी करता था। वो ऐसा इंसान नहीं लगता था, जो इस तरह का काम करे। वो बीना का रहने वाला है। पुलिस यहां आई थी। उसे गए हुए 20-25 दिन हो गए हैं। उसने कहा था कि वो घूमने करने जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (क्राइम) राजेश दंडोतिया ने राजा रघुवंशी हत्याकांड के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक चार आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें आकाश राजपूत, विशाल सिंह चौहान, राज सिंह कुशवाहा और आनंद शामिल हैं। डीसीपी दंडोतिया ने बताया, सभी चार आरोपी इस वक्त इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में हैं।

चुनावी साल में नीतीश सरकार का एक और बड़ा फैसला, 8,414 पदों पर होगी भर्ती

पटना। मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कुल 22 प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने बताया कि 8414 पदों का सृजन किया जाएगा

मंत्रिमंडल ने प्रदेश की आठ हजार से अधिक पंचायतों में निम्न वर्गीय लिपिक के 8093 पदों के साथ ही कुल 8414 पदों पर नियुक्ति का प्रस्ताव स्वीकृत किया है।

निम्न वर्गीय लिपिकों को पंचायत सरकार भवन या पंचायत स्तरीय कार्यालय में तैनात किया जाएगा। निम्न वर्गीय लिपिकों का काम पंचायत स्तर की योजनाओं के क्रियान्वयन और उनका समुचित लेखन करना होगा। इन पदों के अलावा कृषि विपणन निदेशालय के लिए 14, पटना स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण हड्डी रोग अस्पताल अस्पताल में स्पोर्ट्स इंज्यूरी यूनिट की स्थापना के लिए 36 और इसी अस्पताल में 267 अन्य पद भी सृजित किए गए हैं। वायुयान संगठन में भी विभिन्न श्रेणी के चार संविदा पद सृजित किए गए हैं।

बिहार जन्म-मृत्यु नियमावली में हुआ संशोधन : बिहार जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 1999 के नियम-5 समेत अन्य धाराओं में संशोधन किया गया है। इसके बाद अब यह नियमावली बिहार जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) नियमावली, 2025 कही जाएगी। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विभिन्न डाटाबेस तैयार किया जाएगा। साथ ही किसी व्यक्ति के जन्म की तारीख और स्थान को साबित करने, किसी संस्थान में दाखिला लेने, चालान लाइसेंस जारी करने, मतदाता सूची तैयार करने, पासपोर्ट जारी करने में इसका उपयोग किया जा सकेगा। इसके लिए बकायदा एक समय सीमा भी तय की जाएगी।

संबोधन

गिनाई मोदी सरकार की उपलब्धियां, कांग्रेस पर साधा निशाना

पिछले 11 साल देश के लिए स्वर्णिम काल : योगी

- आजादी के 65 वर्षों में कांग्रेस व अस्थिर सरकारों के कारण आमजन का विश्वास टूटा
- पात्रता के अनुरूप हर व्यक्ति को बिना भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में केंद्र सरकार के अब तक के 11 वर्षों के कार्यकाल को विकसित भारत एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का स्वर्णिम काल करार देते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को न केवल वैश्विक पहचान दी है, बल्कि स्वयं को तपाकर और खपाकर 140 करोड़ भारतवासियों को भी एक विश्वास का प्रतीक बनाया है।

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 11 वर्ष का यह कार्यकाल नए भारत को एक विकसित, आत्मनिर्भर, स्वर्णिम कालखंड के रूप में प्रस्तुत करता है। इस स्वर्णिम कालखंड के लिए हम उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश वासियों की ओर से प्रधानमंत्री को बधाई देते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, आजादी के 65 वर्षों में कांग्रेस नेतृत्व और अन्य अस्थिर सरकारों के कारण आमजन का विश्वास टूटा था, विश्वास खंडित हुआ था, वैश्विक मंच पर भारत की छवि तार-तार हुई थी। पिछले 11 वर्षों के अंदर प्रधानमंत्री मोदी के रूप में भ्रष्टाचार से मुक्त, परिवारवाद से मुक्त, तुष्टिकरण की राजनीति से मुक्त, एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने वाला एक ऐसा नेतृत्व मिला है जिन्होंने पूरे भारत को विश्वास का प्रतीक बनाकर भारत को विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की एक सुदृढ़ नींव का निर्माण करते हुए अगले 25 वर्ष के व्यापक कार्य योजना पूरे भारतवासियों के सामने प्रस्तुत की है।

उन्होंने कहा कि इन 11 वर्षों में भारत में न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बल्कि सुरक्षा की मोर्चे पर, सुशासन के मोर्चे पर और आर्थिक मोर्चे पर भी एक नई पहचान बनाई है। शासन की नीति स्पष्टता, कार्य प्रणाली की पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही अब शासन की एक नई पहचान बनी है। विकास केवल नारे नहीं, बल्कि विरासत और विकास का बेहतर समन्वय करते हुए, आम जनमानस को साथ लेकर चलने की एक नई प्रवृत्ति को दुनिया के अंदर भारत को नई पहचान दिलाई है।

योगी ने कहा अब चेहरा देखकर नहीं, बल्कि पात्रता के अनुरूप हर व्यक्ति को बिना भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ मिलता है। शासन अब तुष्टीकरण के आधार पर नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक के संतुष्टीकरण के आधार पर अपनी कार्ययोजना को आगे बढ़ा रहा है। पिछले 11 वर्षों के अंदर भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस, डिजिटल इंडिया के माध्यम से मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस का एक मॉडल भी भारतवासियों को देखने को मिला है। राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दे पर जीरो टॉलरेंस भी भारत में 140 करोड़ भारतवासियों ने देखा है।

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में भारत की सैन्य शक्ति की पाकिस्तान में टेस्टेड और दुनिया के द्वारा ट्रस्टेड उस ताकत को देखा है जो अभी ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हम सबको देखने को मिला है। अब वह प्रवृत्ति नहीं जो 2014 के पहले आतंकवाद के मुद्दे पर देखने को मिलती था कि भारत तो केवल शांति का पक्षधर है।

ऑस्ट्रियाई शहर ग्राज के स्कूल में गोलीबारी, नौ लोग मारे गए

ऑस्ट्रिया। यहां एक स्कूल में फायरिंग की बात कही जा रही है। इस दौरान कम से कम नौ लोगों की हत्या की बात कही जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को ऑस्ट्रिया के शहर ग्राज के एक स्कूल में आठ लोगों की हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, स्कूल से गोलियों की आवाज आने के बाद सुरक्षा बलों को मौके पर तैनात कर दिया गया। आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि कई लोगों की मौत हुई है, लेकिन यह नहीं बताया कि कितने लोग मारे गए। किसी के घायल होने या अपराधी के बारे में भी तत्काल कोई जानकारी नहीं है।

ग्राज के मेयर एल्के कहर ने बताया कि मृतकों में शूटर भी शामिल है। सुबह 10 बजे एक कॉल के बाद स्कूल में विशेष बल भेजे गए। सुबह 11.30 बजे पुलिस ने सोशल नेटवर्क पर लिखा कि स्कूल को खाली करा लिया गया है और सभी को सुरक्षित मीटिंग पॉइंट पर ले जाया गया है।

भारत की जनसंख्या 1.46 अरब के करीब, यूएन रिपोर्ट में खुलासा

- लाखों लोग अपने वास्तविक प्रजनन लक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम नहीं

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र की एक नयी जनसांख्यिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की जनसंख्या 2025 के अंत तक 1.46 अरब पहुंचने का अनुमान है, जो दुनिया में सर्वाधिक होगी। रिपोर्ट में, यह भी खुलासा किया गया है कि देश की कुल प्रजनन दर प्रतिस्थापन दर से नीचे आ गई है।

'वास्तविक प्रजनन संकट' शीर्षक वाली 'विश्व जनसंख्या स्थिति (एसओडब्लूपी) रिपोर्ट 2025' घटती प्रजनन क्षमता से घबराने के बजाय अपूर्ण प्रजनन लक्ष्यों पर ध्यान देने का आह्वान करती है। इसमें कहा गया है कि लाखों लोग वास्तविक प्रजनन लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं। कम जनसंख्या या अधिक जनसंख्या के बजाय वास्तविक संकट यही है, तथा इसका उत्तर बेहतर प्रजनन क्षमता में निहित है- अर्थात किसी व्यक्ति की संभोग, गर्भनिरोधक और परिवार शुरू करने के बारे में निर्णय लेने की क्षमता। रिपोर्ट में जनसंख्या संरचना, प्रजनन क्षमता में महत्वपूर्ण बदलावों का खुलासा किया गया है, जो बड़े जनसांख्यिकीय परिवर्तन का संकेत है। रिपोर्ट में पाया गया कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर प्रति महिला 1.9 जन्म रह गई है, जो प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे है। इसका अर्थ यह है कि भारतीय महिलाएं एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जनसंख्या का आकार बनाए रखने के लिए आवश्यक संख्या से कम बच्चे पैदा कर रही हैं।

CMYK

कमिश्नर ने किया डीएम वार रूम का लोकार्पण

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिले के प्रशासनिक तंत्र ने आधुनिक तकनीक और जनहित की भावना को समेटते हुए एक नई पहल की है। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित डीएम वार रूम न केवल एक निगरानी केंद्र है, बल्कि यह पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित शिकायत निस्तारण का आधुनिक मॉडल बनकर उभरा है। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित डीएम वार रूम का मंगलवार को लखनऊ मंडल की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के साथ लोकार्पण किया। इस दौरान सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, सीओ सिटी रमेश कुमार तिवारी मौजूद रहे।इस अवसर पर आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने कहा कि यह वार रूम जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और त्वरित क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कमिश्नर को वार रूम की कार्यप्रणाली, कैमरा नेटवर्क, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया और मॉनिटरिंग सिस्टम की विस्तृत जानकारी दी। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि इस वार रूम के माध्यम से अब कलेक्ट्रेट की हर गतिविधि पर नजर रहेगी और आमजन की शिकायतों का समाधान समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाएगा बताते चलें कि ÷डीएम वार रूम जनपद का इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम है, जो प्रशासनिक निगरानी, शिकायत समाधान और पारदर्शिता का केंद्र बनकर कार्य करेगा। यह तकनीक और जवाबदेही का आधुनिक संगम है। इसका प्रभारी ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर ईडीएम अनुज वर्मा को बनाया गया है।जिला प्रशासन लखीमपुर खीरी ने कलेक्ट्रेट परिसर को हाईटेक निगरानी तंत्र से लैस कर दिया है। अब यहां की हर गतिविधि पर 32 सीसीटीवी कैमरे नजर रखेंगे। यह पूरा सिस्टम सीधे डीएम वार रूम से जुड़ा है, जिससे किसी भी अव्यवस्था, लापरवाही या संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी रूम में दर्ज करवा सकते हैं।

इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा हेल्पलाइन नंबर 05872-298002? जारी किया गया है। इस नंबर पर कॉल कर किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

दर्ज की गई शिकायत वार रूम में डिजिटल माध्यम से रिकॉर्ड होती है और संबंधित विभाग को त्वरित कार्यवाही हेतु भेजी जाती है। डीएम वार रूम न केवल शिकायतों के निस्तारण की निगरानी करता है, बल्कि सीसीटीवी नेटवर्क के माध्यम से पूरी प्रक्रिया पर सतत नजर भी रखी जाती है। यह व्यवस्था प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसुविधा की दिशा में एक अहम कदम है।

चोरी की योजना बनाते हुये 03 नफर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

लखीमपुर-खीरी। (अवधनामा संवाददाता) थाना फूलबेहड़ पुलिस द्वारा चोरी की योजना बनाते हुये 03 नफर अभियुक्तों सद्दाम उर्फ शब्बन पुत्र महमूद निवासी ग्राम राजापुर थाना फूलबेहड जिला खीरी शान मोहम्मद पुत्र मो0 उमर निवासी ग्राम मौलापुरवा मजरा श्रीनगर थाना फूलबेहड चांद मोहम्मद उर्फ गुड्डू पुत्र मो0 उमर निवासी ग्राम मौलापुरवा मजरा श्रीनगर थाना फूलबेहड को ग्राम पिपरा गूम नदी किनारे से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तो के कब्जे से 03 अदद अवैध तमंचा 12 बोर मय 03 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर व 01 अदद मिस कारतूस 12 बोर व एक प्लास्टिक के झोले में एक अदद पिलास, 01 अदद पेचकस, 01 अदद सुम्मी ,01 अदद टार्च, 01 अदद चाभी का छल्ला मोमबत्ती, माचिस आदि बरामद किया गया। जिसके संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 304/2025 धारा 313 बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तो के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुये अभियुक्तो को न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है।

अनियंत्रित होकर खाई में पलटी बस, एक महिला श्रद्धालु की मौत,30 से अधिक श्रद्धालु घायल

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। मनौना धाम से श्रद्धालुओं को दर्शन कराकर मंगलवार की तड़के वापस धौरहरा आ रही एक निजी बस के चालक को झपकी आ गई। इससे अनियंत्रित होकर बस कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र में गोकन बरैंचा के निकट गौशाला के पास खाई में जाकर पलट गई। हादसे में बस में सवार एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। सात घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है कोतवाली धौरहरा क्षेत्र से एक निजी बस श्रद्धालुओं को लेकर मनौना धाम गई थी। मंगलवार की तड़के वह सभी श्रद्धालुओं को दर्शन कराकर वापस आ रहा था। बताते हैं कि मंगलवार की तड़के करीब तीन बजे चालक को अचानक झपकी लग गई। इससे तेज रफ्तार बस कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र के गांव गोकन बरैंचा के निकट गौशाला के पास अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे के बाद यात्रियों में चीख पुकार मच गई। चीख पुकार सुनकर आसपास के तमाम ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और राहत-बचाव कार्य शुरू करते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर सीओ अरुण कुमार सिंह भारी पुलिस बल और एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी मोहम्मदी भेजा, जहां पर डॉक्टर ने धौरहरा निवासी कंचन लता तिवारी (30) पत्नी अशोक तिवारी को मृत घोषित कर दिया। कुछ घायलों को शाहजहांपुर जिला अस्पताल भेजा गया, जबकि सीएचसी मोहम्मदी से डॉक्टर ने हालत गंभीर होने पर देशराज पुत्र चुन्ना, रामरतन पुत्र चन्द्रभाल, पिंटू पुत्र राम रतन, संगीता पत्नी रामरतन, दुलरी देवी पत्नी अवधराम, कलावती पत्नी सुनारे और सुखराम पुत्र रमासारे को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद लहरपुर (सीतापुर) निवासी बस चालक पिंकू मौके से भाग निकला। बताया जा रहा है कि बस में करीब 60 यात्री सवार थे।

तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, बाइक सवार दो लोगों की मौत

लखीमपुर-खीरी। (अवधनामा संवाददाता) गोला खुटार मार्ग पर जंगल के समीप खुटार की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर घायल हो गया। तीनों को सूचना पर पहुंचे एंबुलेंस से सीएचसी गोला लाया गया। कार चालक जंगल में ही वाहन छोड़कर भाग गया। गोला खुटार मार्ग पर देर शाम शाहजहांपुर जिला के खुटार थाना क्षेत्र के गांव लखपेड़ा निवासी लाल बहादुर (35) पुत्र गौरी शंकर, छोटे (42) और बृजेश (32) पुत्र बाबूराम एक ही बाइक से गोला की ओर आ रहे थे। बताया जाता है कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार एक्सयूवी कार के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे तीनों बाइक समेत सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से तीनों को सीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने लाल बहादुर और छोटे को मृत घोषित कर दिया, जबकि बृजेश की प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

धौरहरा ब्लॉक की स्वयं सहायता समूह की केयरटेकर महिलाओं को निकाले जाने का शासनादेश हुआ जारी

लखीमपुर खीरी। (अवधनामा संवाददाता) धौरहरा ब्लॉक की स्वयं सहायता समूह की केयरटेकर महिलाओं को निकाले जाने का शासनादेश जारी हुआ है। इससे महिलाओं में रोष है। मंगलवार को स्वयं सहायता समूह की महिलाएं कलक्ट्रेट पहुंची। वहां पर कोई अधिकारी के न मिलने पर विकास भवन पहुंचीं। महिलाओं ने कहा कि बिना किसी कारण उनको हटाया जा रहा हैं। उनकी जगह नई महिलाओं को रखने की तैयारी है। महिलाओं ने कहा कि सरकार रोजगार देने के बजाय रोजगार छीन रही है। अगर उनकी कहीं सुनवाई नहीं हुई तो वह प्रदर्शन करने को मजबूर होंगी। महिलाओं ने कहा कि उनको मात्र छह हजार रूपये मानदेय मिलता है, जो अभी तक समय से नहीं मिला। अब अचानक उनको हटाया जा रहा है, जो गलत है। शासनादेश पर सीमा, शीलू, संगीता, रेखा, रूबी, प्रेमा, सावित्री, गायत्री, राजकुमारी आदि महिलाओं ने नाराजगी जाहिर की।

डॉ राधेश गुप्ता के हॉस्पिटल में मरीज को बनाया बंदी

लखीमपुर खीरी। शहर के डॉ राधेश गुप्ता के हॉस्पिटल में मरीज को बनाया बंदी,15 दिनों से चल रहा था युवक का इलाज आज 4 बजे हुई मौत, परिजनों ने बताया कि सड़क दुर्घटना में सुमित मिश्रा का पैर टूट गया था, जिसका इलाज कराने डॉक्टर राधेस गुप्ता के अस्पताल में आए थे, डॉक्टर साहब ने सुमित का पैर का ऑपरेशन किया और उसमें रॉड डाल दी, ऑपरेशन होने के बाद से ही सुमित की हालत बिगड़ने लगी, हालत बिगड़ती देख कर डॉक्टर ने लखनऊ रेफर कर दिया, परिजन सुमित को लेकर लखनऊ के कई अस्पतालों में गए लेकिन किसी ने वहां एडमिट नहीं किया, इसके बाद सुमित के परिजन वापस लखीमपुर डॉक्टर के पास पहुंचे, और डॉक्टर से कहा कि सुमित की हालत ठीक नहीं है, लेकिन डॉक्टर सुमित को देखने तक नहीं आए और 4ः00 बजे उसकी मौत हो गई, परिजनों ने बताया कि पैर में इंफेक्शन होने के चलते पर सब रहा था और शरीर में पूरे छाले पड़ गए थे, परिजनों ने डॉ राधेश गुप्ता पर लापरवाही का लगाया आरोप, परिजनों का कहना है कि 15 दिन में डॉक्टर ने करीब 2 लाख रुपए ले लिए थे, परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा काटा, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, परिजनों ने अस्पताल के खिलाफ पुलिस को दी तहरीर।

पुलिस पेंशनर्स के साथ संवादात्मक गोष्ठी का आयोजन

सम्मान, संवाद और सहयोग की भावना के साथ पेंशनर्स की समस्याओं पर चर्चा

बिजनौर। दिनांक 10 जून 2025 को श्री मुनिराज पुलिस उपमहानिरीक्षक, मुरादाबाद परिक्षेत्र (मुरादाबाद) द्वारा पुलिस लाइन, जनपद बिजनौर में पुलिस पेंशनर्स के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया । गोष्ठी में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही, जिसमें पुलिस पेंशनर्स से उनकी पेंशन, चिकित्सा सुविधा, कल्याणकारी योजनाएं, एवं अन्य प्रशासनिक विषयों से संबंधित सुझाव एवं समस्याओं की जानकारी की गयी! पुलिस उपमहानिरीक्षक महोदय ने सभी पेंशनर्स को पुलिस परिवार का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी विभाग की धरोहर हैं, जिन्होंने अपने सेवा काल में अनुकरणीय योगदान दिया है । उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पेंशनर्स की समस्याओं का समयबद्ध एवं संवेदनशील समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक, जनपद बिजनौर तथा अन्य पुलिस अधिकारीगण एवं सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी उपस्थित रहे!

कवि दिल की ओर से हुआ ईद पर शानदार तरही शेरी महफिल का आयोजन

शायरो ने तरही मिसरे अब तो देनी ही पड़ेगी दिल की कुर्बानी मुझे पर उम्दा ग़ज़ले पेश कर खूब वाहवाही लूटी

अवधनामा संवाददाता

नजीबाबाद। कवि दिल की जानिब से हुआ शायर आसिफ मिर्ज़ा के आवास पर तरही शेरी नशिस्त का आयोजन। शोअरा हज़रात ने तरही मिसरे ÷अब तो देनी ही पड़ेगी दिल की कुर्बानी मुझे ÷ पर उम्दा ग़ज़ले पेश कर खूब वाहवाही लूटी। मौहल्ला कलालान स्थित मशहूर शायर आसिफ मिर्ज़ा के आवास पर अदबी संस्था कवि दिल की जानिब से एक शेरी नशिस्त का आयोजन तरही मिसरे अब तो देनी ही पड़ेगी दिल की कुर्बानी मुझे पर किया गया। जिस पर उम्दा ग़ज़ले पेश कर नगर के शायरो ने खूब वाहवाही लूटी। शेरी नशिस्त का आगाज मशहूर शायर और कव्वाल सरफराज अहमद साबरी ने तरही मिसरे पर नात ए रसूल ए पाक से कुछ यूं किया किया ..काश मिल जाये दर ए आका की दरबानी मुझे, मैं ये समझू मिल गई दुनियां की सुल्तानी मुझे।

ग़ज़ल के दौर का आगाज नौजवान शायर नसीम नजीबाबादी ने करते हुए पढा.....अपने दिल के टूटने पर होती हैरानी मुझे, गर मुहब्बत तुमसे होती सिर्फ जिस्मानी मुझे। मुस्कुराकर पूछता है हाल मुझ से वो मेरा, अब ना पड़ जाए कहीं झूठी कसम खानी मुझे। नौजवान शायर शहबाज़ अख्तर मुल्तानी ने ग़ज़ल पेश करते हुए कहा..... किस कदर मिसरे में दे दी तुमने आसानी मुझे,अब तो करनी ही पड़ेगी दिल की कुर्बानी मुझे। दुश्मनों को रख रहा हु दोस्तो की खाल में, ले के डूबेगी ये एक दिन मेरी नादानी मुझे। मेज़बान और शेरी नशिस्त के कनवीनर शायर आसिफ मिर्ज़ा ने खूबसूरत ग़ज़ल पढते हुए कहा .... जब खुला उस पर हुई बस ये परेशानी मुझे, दे गया सोज़-ए-निहानी राज़-ए-पिन्हानी मुझे। डूबने के डर ने मुझको तैरना सिखला दिया, मुश्किलों से हो रही कितनी आसानी मुझे। शेरी नशिस्त का खूबसूरत संचालन कर रहे नौजवान शायर उबैद नजीबाबादी ने कहा .... यूं बुरी लगने लगी सदियों की सुल्तानी मुझे, मिल गई मक्का मदीने में जो दरबानी मुझे। जैसे दरिया हो उफानो पर डर जाते है लोग, यूं डरा देता है तेरी आंख का पानी मुझे। जलालाबाद से तशरीफ़ लाये बेहतरीन तरन्नुम के मशहूर शायर अकरम जलालाबादी ने ग़ज़ल पढ कर समा बांध दिया उन्होने कहा.....दोस्त होकर तूने समझा दुश्मन ए जानी मुझे, देखता हूँ जब तुझे होती है हैरानी मुझे।

डीएम साहिबा ने संभावित बाढ़ के दृष्गित ग्राम रावली नदी के रपटे का किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा संभावित बाढ़ के दृष्टिगत ग्राम रावली के पास बने रपटे का औचक रूप से निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा मालन नदी से प्रभावित ग्राम रावली के पास बने रपटे का निरीक्षण करते हुए रपटे के स्थान पर पुल के निर्माण कराये जाने के संबंध में जानकारी प्राप्त करने पर बताया गया कि ब्रिज कॉरपोरेशन मुरादाबाद द्वारा उक्त कार्य की कार्य योजना शासन को स्वीकृति के लिए प्रेषित की गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि विभागीय अधिकारी उनकी ओर से शासन को यथाशीघ्र स्वीकृति प्रदान करने के लिए अनुरोध पत्र जारी कराएं। उन्होंने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि रपटे के दोनों ओर पिलर्स बनाकर उनमें जंजीरे लगवाएं ताकि कोई भी अप्रिय

घटना न होने पाए। उन्होंने खंड विकास अधिकारी को यह भी निर्देश दिए की बरसात के मौसम में जल का प्रवाह सुचारू रूप से रखने के लिए रपटे के नीचे तत्काल सफाई का कार्य कराए और आसपास खुदाई करना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने ब्लॉक स्तरीय आरईएस विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि मालन नदी के खुदाई का कार्य तेजी के साथ कराएं ताकि बरसात से पहले मालन नदी की खुदाई का कार्य पूरा हो सके। तदोपरांत उन्होंने कण्व ऋषि आश्रम में संचालित निर्माणाधीन विकास कार्यों का मुआयना करते हुए कार्यदाई संस्था के अधिकारी को निर्देशित किया कि निर्माण सामग्री में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा संपूर्ण कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड-5 को निर्देशित किया गया कि तत्काल सभी बंधों के निर्माण का कार्य पूर्ण गुणवत्ता के आधार पर पूरा करना सुनिश्चित करें ताकि किसी भी स्तर पर गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण कटाव का अंदेशा न रहे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुनाल रस्तोगी, उप जिलाधिकारी सदर अवनीश कुमार, आपदा विशेषज्ञा प्रशांत श्रीवास्तव सहित सिंचाई तथा अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे!

आखरी बड़े मंगल को हनुमान मंदिरों में भक्तों की उमड़ी भीड़

लखीमपुर खीरी। (अवधनामा संवाददाता) ज्येष्ठ माह के आखिरी बड़े मंगल को हनुमान मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी शहर समेत आसपास के क्षेत्रों में हनुमान जी की पूजा-अर्चना की गई। जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भक्तों ने बजरंगबली के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य अर्जित किया। डीआईओएस कार्यालय परिसर में बने हनुमान मंदिर में माता अंजनी की गोद में बालरूप में हनुमान की मूर्ति के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचे। शहर के अन्य हनुमान मंदिरों में भक्तों की भीड़ सुबह से ही नजर आई। लखीमपुर के सदर चौराहा हनूमान मंदिर, वीरबाबा राजापुर, विकास भवन के सामने, गुलरीपुरवा ओयल, वीरबाबा गुलरीपुरवा जैसे प्रमुख हनुमान मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। आखिरी मंगल होने के कारण श्रद्धालुओं में अधिक उत्साह नजर आया। हनुमान चालीसा, बजरंग बाण, और सुंदरकांड का पाठ मंदिरों और घरों में गूंजता रहा।

बाघों ने अन्य पशुओं के साथ चार जर्मन शेफर्ड कुत्तों को भी बनाया निवाला

लखीमपुर खीरी ।जंगल से निकलकर बस्ती की ओर आ रहे बाघ जर्मन शेफर्ड कुत्तों की जान के दुश्मन बन रहे हैं। बाघ फार्म हाउसों के बाहर रात को मिल रहे इस प्रजाति के कुत्तों पर हमलावर हो रहे हैं। 15 दिनों के अंदर बाघों ने अन्य पशुओं के साथ चार जर्मन शेफर्ड कुत्तों को भी निवाला बनाया है। खास बात यह है कि पालतू कुत्तों के शिकार के बावजूद पशुपालकों को मुआवजा भी नहीं मिल पा रहा है मैलानी और गोला वन रेंज में बाघ जंगल से बाहर निकल रहे हैं। बाघों ने गोला रेंज के फार्म हाउसों समेत कुकरा इलाके की बस्तियों में चहलकदमी की है। खास बात यह है कि 15 दिनों के अंदर बाघ रात को फार्म हाउसों से जर्मन शेफर्ड कुत्ते को खींचकर ले गए और निवाला बना लिया। इन घटनाओं के बाद लोग अब इन कुत्तों को छत पर बांधने लगे हैं। हालांकि बाघ ने इन कुत्तों के अलावा भी कई पालतू पशुओं को अपना निवाला बनाया है।

लो वोल्टेज से मिले निजात नहीं तो होगा धरना प्रदर्शनः शेख मोहम्मद कैफ

अवधनामा संवाददाता

नजीबाबाद - तहसील क्षेत्र के ग्राम भनेड़ा में पिछले काफी दिनों से बिजली ओवरलोड होने से खेतों में तार टूट कर गिर जाने से ग्राम भनेड़ा वासियो को बिजली की काफी किल्लत हो रही थी, परंतु ग्राम पंचायत भनेड़ा से प्रधान पद के उम्मीदवार शेख मोहम्मद कैफ द्वारा अपनी टीम के साथ रात्रि में ही मौके पर पहुंचकर तार सही कर दिए गए थे, जिससे ग्राम वासियों को बिजली से राहत मिली थी, परंतु पिछले तीन-चार दिनों से ग्राम भनेड़ा में बिजली ओवरलोड के चलते ग्रामीणों को लो वोल्टेज की काफी दिक्कत हो रही थी। जिसके चलते आज ग्राम भनेड़ा के युवक ग्राम पंचायत भनेड़ा के प्रधान पद के संभावित प्रत्याशी शेख मोहम्मद कैफ के नेतृत्व में किरतपुर बिजली घर पहुंचे जहां पर उन्हें कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं मिला जिसके चलते युवक वहां से निराश होकर अपने घर लौट आए। वहीं शेख मोहम्मद कैफ ने मीडिया को जारी बयान में कहा कि अगर किरतपुर बिजली घर के अधिकारियों द्वारा भनेड़ा वासियो को तार टूटने एवं लो वोल्टेज की समस्या का समाधान नहीं कराया गया तो मुझे मजबूरन होकर ग्राम वासियों के साथ किरतपुर बिजली घर पर धरना दूंगा जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी इस मौके पर शेख मोहम्मद कैफ, मोहम्मद शान ,मोहम्मद मुस्लिम ,वसीम अहमद, वकील अहमद, मोहम्मद अनस, मोहम्मद शादाब बिजली वाले, मोहम्मद याकूब, मोहम्मद जुनेद, मोहम्मद दानिश, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद रिहान आदि मौजूद रहे। वहीं सोशल मीडिया पर ग्राम पंचायत भनेड़ा के प्रधान पद के युवा उम्मीदवार दय्यान अब्बास नकवी द्वारा एक पोस्ट वायरल की जा रही है। जिसमें भनेड़ा ग्राम वासियों को ग्राम भनेड़ा की बिजली की समस्या को लेकर बुधवार की सुबह 10:00 बिजली घर पहुंचने का आह्वान किया गया है। जब इस संबंध में हमारे तहसील प्रभारी शाहनवाज अहमद ने किरतपुर बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर से बात की तो उन्होंने बताया मैं छुट्टी पर हूं।

60 वर्ष के कर्मचारियों को बिना नोटिस के हटा दिये जाने का किया विरोध

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। नगर निगम में 60 वर्ष के कर्मचारियों को बिना किसी नोटिस के हटा दिये जाने के विरोध में उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ व अखिल भारतीय सफाई मजदूर के बैनर तले सफाई कर्मचारियों ने धरना दिया। धरने को समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भी अपना समर्थन दिया और इस संघर्ष में पूरा साथ देने का ऐलान किया। विदित हो कि उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ व अखिल भारतीय सफाई मजदूर के बैनर तले सफाई कर्मचारियों का धरना नगर निगम में चल रहा है और जो सफाई कर्मचारी 60 वर्ष के हो गए हैं, उन्हें बिना किसी नोटिस के हटा दिया गया है। सफाई कर्मचारियों का मानदेय अत्यधिक कम है, जिस संबंध में शांतिपूर्वक तरीके से धरना चल रहा है। धरने पर आज विधानसभा प्रभारी सहारनपुर नगर और पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फैसल सलमानी और महानगर अध्यक्ष युवजन सभा वासिल तोमर ने अपने साथियों के साथ पहुंचे और वाल्मीकि समाज द्वारा दिए जा रहे धरने में अपना समर्थन दिया। टिंकू अरोड़ा ने कहा कि वाल्मीकि समाज जो कार्य करता है।

बैंक शासकीय योजनाओं में ऋण देने में न बरतें ढिलाईः जिलाधिकारी

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सीडी रेशियो बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि आगामी बैठक में सभी बैंक सीडी राशियों बढ़ाने की कार्य योजना के साथ उपस्थित हों। उन्होंने निर्देशित किया कि बैंक शासकीय योजनाओं में ऋण देने में लापरवाही न बरतें।

जिलाधिकारी मनीष बंसल आज यहां कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि सभी बैंक के प्रतिनिधि पूर्ण जानकारी के साथ बैठक में आएं। उन्होने सभी बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि सभी लम्बित प्रकरणों को निस्तारित करने हेतु माह की 15 तारीख या 15 की छुट्टी होने पर अगले दिवस में एक ही स्थान पर

बैंक के सक्षम अधिकारी, संबंधित विभाग एवं लाभार्थी उपस्थित होंगे। उन्होने कहा कि सभी बैंक सकारात्मकता से कार्य कर परिणाम देने वाले बनें।

जिलाधिकारी ने कहा कि बैंकों द्वारा दिये गये छोटे-छोटे ऋण से ही आमजन की आर्थिक समृद्धि आएगी जिससे हम अपने आर्थिक उन्नति के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ शासन की मंशा के अनुरूप लाभार्थियों को दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होने सभी बैंकों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से आमजन को जागरूक कर योजनाओं का लाभ बताते हुए आच्छादित किया जाए। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अधिक से अधिक प्रचार प्रसार हेतु वित्तीय साक्षरता शिविर लगाए जाएं। कृषि अवसंरचना निधि योजना की जानकारी विभिन्न माध्यमों से कृषकों को दी जाए। सभी बैंकों को अपने वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की जानकारी हो।

एएमयू हॉस्टलों का निरीक्षण शुरू रख रखाव के सुधार पर जोर

अवधनामा संवाददाता

टीम ने छात्रावासों की छतों व टेरेस का बारीकी से निरीक्षण किया

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) प्रशासन ने अपने छात्रावासों की समग्र स्थिति का मूल्यांकन करने और आवश्यक मरम्मत की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने के उद्देश्य से व्यापक निरीक्षण शुरू कर दिया है। यह निरीक्षण विश्वविद्यालय के प्रो वाइस-चांसलर प्रो. एम. मोहसिन खान के नेतृत्व में किया जा रहा है, ताकि छात्रावासों की मरम्मत का काम ग्रीष्म अवकाश के दौरान किया जा सके।

निरीक्षण का पहला चरण आज अफताब हॉल और नदीम तरीन हॉल के दौरे के साथ शुरू हुआ। प्रो. खान के साथ डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर (कार्यवाहक) प्रो. शमशाद हुसैन, मेंबर इंचार्ज बिल्डिंग विभाग, प्रो. मेजर फरीद महदी, विश्वविद्यालय इंजीनियर, प्रो. इजहारुल हक फारूकी, मेंबर इंचार्ज जनसंपर्क कार्यालय प्रो. विभा शर्मा तथा अन्य वरिष्ठ विश्वविद्यालय अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अफताब हॉल के प्रोवोस्ट प्रो. फैयाजुर रहमान और नदीम तरीन हॉल के प्रोवोस्ट डॉ. राशिद अली भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान टीम ने छात्रावासों की छतों व टेरेस का बारीकी से निरीक्षण किया और विशेष रूप से खरपतवार की सफाई तथा रख-रखाव की स्थिति जानने के लिए कर्मचारियों से बातचीत की। विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द से जल्द आवश्यक मरम्मत बिल्डिंग डिपार्टमेंट के माध्यम से कराने का प्रयास कर रहा है।

इस अवसर पर प्रो. एम. मोहसिन खान ने कहा कि कुलपति प्रो. नइमा खातून के नेतृत्व में विश्वविद्यालय प्रशासन छात्र कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एएमयू छात्रों को बेहतर आवासीय और शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए हर संभव कदम उठाने को तैयार है। हॉस्टलों का निरीक्षण इसी दिशा में एक प्रयास है ताकि छात्रों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आवासीय सुविधाएं मिल सकें, जो उनके शैक्षणिक जीवन को सहयोग प्रदान करें। यह निरीक्षण आगामी दस दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें विश्वविद्यालय के सभी छात्रावासों को शामिल किया जाएगा। यह पहल विश्वविद्यालय प्रशासन की उत्कृष्ट अधोसंरचना बनाए रखने और छात्र कल्याण को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

संबंधित हॉलों के प्रोवोस्ट्स से आग्रह किया गया है कि वे निरीक्षण के समय अपनी टीमों के साथ उपस्थित रहें ताकि प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित किया जा सके और आवश्यक सुधारों के लिए सुझाव प्रदान किए जा सकें।

देश एवं समाज हित में कार्य करने वाला भाव हो कार्यकर्ता का : मिलिंद परांडे

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। विश्व हिन्दू परिषद् के कानपुर प्रान्त तथा अवध प्रान्त के संयुक्त 10 दिवसीय परिषद शिक्षा वर्ग के चतुर्थ दिवस पर उपस्थित प्रशिक्षार्थियों को जानकारी सत्र में संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री श्री मिलिंद परांडे जी ने कार्यकर्ता विकास पर संबोधित करते हुए कहा कि,

देश व सामाजिक में कार्य करने के लिए कार्यकर्ताओं को तत्पर होना चाहिए संगठन की पहचान एवं विस्तार कार्यकर्ताओं की योग्यता पर निर्भर करती है, संगठन की नींव कार्यकर्ता ही है। अतः कार्यकर्ता का निर्माण विकास एवं उसका उचित नियोजन करना पहली प्राथमिकता है। आगे उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता किसी न किसी गुण से परिपूर्ण होता है उसकी पहचान करना एवं उसके गुण का संगठन के हित में उपयोग करना एक आदर्श संगठनकर्ता की निशानी है। विश्व हिंदू परिषद सामाजिक परिवर्तन का कार्य करता है अतः कार्यकर्ता का चरित्र निर्माण आवश्यक है क्योंकि एक चरित्रवान कार्यकर्ता ही संगठन की पहचान होते है। कार्यकर्ता को ऐसा होना चाहिए जो समाज के सभी वर्गों को जोड़ सके धर्मांतरण, लव जिहाद आदि रोकने के लिए सक्रिय प्रयास कर सके। सत्र में मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री श्री गजेंद्र जी, कानपुर प्रान्त मंत्री श्री राजू पोरवाल जी, अवध प्रान्त मंत्री श्री देवेंद्र मिश्रा जी, प्रान्त सहमंत्री श्री अभिनव दीक्षित जी तथा श्री अवधेश भदौरिया जी, विहिप जिलाध्यक्ष श्री गुरुप्रसाद जी समेत बड़ी संख्या में भगिनी बंधु उपस्थित रहे।

थाना गोधा व साइबर सेल की संयुक्त कार्यवाही मे चोरी करने वाला शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। अभियुक्त द्वारा बताया गया कि मैने अफजाल पुत्र इस्लाम निवासी मोहल्ला नसिर कस्बा जलाली थाना हरदुआगंज जो पूर्व से मेरे मिलने वाले है। इनके घर से करीब 2 माह पूर्व सोने के जेवरात को चोरी कर ले जाने एवं वादी के भाई की इन्स्टाग्राम आईडी पर अन्य इस्टाग्राम आईडी के नाम की आईडी से मैसेज करना एवं उक्त सामान की फोटो भेजकर सामान को वापस करने के एवज में 260000-रू0 (दो लाख 60 हजार रूपये) की माँग की थी तथा मेरे द्वारा दिनांक 04.04.2025 को उपरोक्त जेवरात मुथुट फिनकोर्प पर गिरवी रखकर 2,60,000 का लॉन ले लिया था। 4 कंगन (बंदेल वाले) को सुनार को बेचकर मैने 60,000 रूपये ले लिये थे। जिन रूपये से मैने एक टाटा ऐस (लोडर) खरीद लिया था, कुछ रूपये बाकी होने के कारण टाटा ऐस (लोडर) में अपने नाम नहीं करा पाया था।

वही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अलीगढ के आदेशानुसार, पुलिस अधीक्षक अपराध/नोडल अधिकारी साइबर क्राइम के निर्देशन/पर्यवेक्षण में, जनदीय साइबर सेल टीम व थाना गोधा पुलिस टीम ने चोरी व ठगी का प्रयास करने वाले एक शातिर अभियुक्त सोहेल खान पुत्र गुलशेर खान निवासी धर्मपुर नगरिया पट्टी देवरी थाना हसायन जनपद हाथरस को मय घटना मे प्रयुक्त 2 मोबाइल फोन व कान के दो बाली (2.5 ग्राम), एक गले का हार (22.6 ग्राम), नाक की एक नथनी (1.3 ग्राम), एक अंगूठी (2.5 ग्राम), कान के दो छुमके (12.3 ग्राम), एक चैन (7.8 ग्राम) और 04 कंगन का गला हुआ सोना (6 ग्राम) व एक टाटा ऐस (लोडर) नम्बर क्ष81ष्ठञ्ज1769 के साथ अभियुक्त के मस्कन धर्मपुर नगरिया पट्टी देवरी थाना हसायन जनपद हाथरस से गिरफ्तार किया गया।

उपजिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जालौन का किया गया निरीक्षण

भर्ती मरीजों का हाल जाना तथा परिजनों से सुविधाओं के बारे में जानकारी ली

उरई (जालौन)। रात लगभग 1 बजे औचक निरीक्षण कर उपजिलाधिकारी , जालौन विनय मौर्य ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं की जांच की। मौके पर रात्रिकालीन ड्यूटी पर लगे डॉक्टर उमेश एवं अन्य स्टाफ मौजूद पाया गया।

उपजिलाधिकारी जालौन द्वारा भर्ती मरीजों का हाल जाना गया तथा साथ आए परिजनों से वार्ता कर मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। पड़ रही गर्मी को देखते हुए ओ आर एस वितरण एवं जीवन रक्षक दवाओं का वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

खाद्य पदार्थों में मिलावट के प्रति व्यापारियों को खाद्य सुरक्षा संगोष्ठी के माध्यम से किया जागरूक

किसी भी कीमत पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की नहीं होने दी जाएगी बिक्री

गोरखपुर। शासन के निर्देश पर व्यापारियों को जागरूक करने के लिए साहबगंज किराना मंडी में खाद्य सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी के मुख्य अतिथि सहायक खाद्य आयुक्त डॉ. सुधीर कुमार सिंह व मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी हितेंद्र मोहन त्रिपाठी ने व्यापारियों को जागरूक किया।

खाद्य सुरक्षा संगोष्ठी में व्यापारियों को संबोधित करते हुए सहायक आयुक्त खाद्य डॉ सुधीर कुमार सिंह ने कहा कि व्यापारी अपने खाद्य पदार्थ की खुद भी जांच करा सकते हैं । फूड विभाग की तरफ से जांच वैन महानगर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करती है । जागरूक व्यापारी बनें और बाज़ार में बिक रहे मिलावट सामानों के बारे में विभाग को जानकारी दें । ऐसे लोगों के खिलाफ विभाग कड़ी कार्रवाई करेगी ।

उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर बाजार में मिलावटी सामानों की बिक्री नहीं होने दी जाएगी। क्योंकि मिलावटी खाद्य पदार्थों की वजह से ज्यादातर लोग बीमार पड़ते हैं शासन की भी मंशा है कि व्यापारियों को जागरूक किया जाए उसी क्रम में आज खाद्य सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। संगोष्ठी में व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को भी अधिकारियों के समक्ष रखा अधिकारियों ने पूरी तरीके से अस्वस्थ किया कि किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न नहीं किया जाएगा । जांच की प्रक्रिया निरंतर चलती रहेगी जहां कहीं मिलावट की शिकायत मिलेगी विभाग वहां पर कार्रवाई करेगा।

संगोष्ठी के दौरान चेंबर ऑफ ट्रेडर्स ,किराना मंडी समिति, चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के पदाधिकारी व सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे। यह पहला मौका था जब सभागार पूरी तरीके से खचाखच भरा हुआ था और बाहर कुछ लोग भी संगोष्ठी के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे थे।

जनपद में नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल योजना के तहत बैठक कर दिए निर्देश

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल योजना के तहत गठित समितियों की महत्वपूर्ण बैठक कर संबंधित अधिकारियों को योजना के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने योजना के क्रियान्वयन हेतु सभी अधिकारियों को समर्पण और टीमवर्क के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उप कृषि निदेशक एस के उत्तम ने योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह मिशन भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 2025 से 2026-31 तक के लिए स्वीकृत किया गया है। इसका उद्देश्य तिलहनी फसलों जैसे तिल, मूँगफली, सोयावीन, राई/सरसों और अलसी के उत्पादन को बढ़ावा देना है, ताकि किसानों को तिलहन में आत्मनिर्भर बनाया जा सके और भारत की आयातित खाद्य तेलों पर निर्भरता कम की जा सके।नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल योजना के तहत कई प्रमुख कार्यों की योजना बनाई गई है, जिसमें प्रमुख तिलहन फसलों के लिए कलस्टर प्रदर्शन, उन्नत बीजों की उपलब्धता बढ़ाना और बाजार तक किसानों की पहुंच को मजबूत करना शामिल है। इसके अलावा, हर कलस्टर और ब्लॉक में मृदा स्वास्थ्य परीक्षण कराना अनिवार्य किया गया है, जिससे फसल की उर्वरता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। यह मिशन कृषकों को उन्नत बीज, नई तकनीक और बेहतर उत्पादन पद्धतियों के माध्यम से तिलहन उत्पादन में वृद्धि करने का अवसर प्रदान करेगा। इसके लिए जिले में 30 तिल फसल कलस्टर बनाए गए हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, उप कृषि निदेशक एस के उत्तम, और डीएचओ प्रशांत निरंजन समेत अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

बार काउंसिल सदस्य द्वारा बुंदेलखंड एडवोकेट बार एसो. जालौन का शपथग्रहण समारोह सम्पन्न

उरई (जालौन)। बुंदेलखंड एडवोकेट बार एसोसिएशन मुंसिफ कोर्ट जालौन का शपथ ग्रहण समारोह स्थानीय गेस्ट हाउस में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। बुंदेलखंड एडवोकेट बार एसोसिएशन मुंसिफ कोर्ट जालौन के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अंकज मिश्रा पूर्व उपाध्यक्ष व सदस्य राज्य विधिज्ञ परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज मौजूद रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से अपेक्षा है कि वह अधिवक्ताओं की समस्याओं को निस्तारण कराने का कार्य करेंगे और अधिवक्ता हित में जो संभव होगा वह प्रयास करेंगे। कहा कि उनके स्तर पर यदि कोई समस्या होती है तो उन्हें अवगत कराएं समस्या का उचित निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने एसोसिएशन के अध्यक्ष जितवार सिंह, महासचिव राघवेंद्र निरंजन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतीश जोशी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष नंदलाल पाल, संयुक्त सचिव दीपेश सिंह, वरिष्ठ सदस्य पवन अग्रवाल, श्याम सुन्दर दोहरे, कनिष्ठ सदस्य अनूप गुप्ता व पुष्पेंद्र यादव को शपथ ग्रहण कराई। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम अध्यक्ष व एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष अम्बिका प्रसाद निरंजन, योगेश चंद्र त्रिपाठी, राजेश सक्सेना, अशरफ अली, असलम सिद्दीकी, अजीज अहमद द्वारा मां सरस्वती के चित्र पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता संतोष कुमार यादव एवं प्रदीप सक्सेना द्वारा किया गया। इस मौके पर अमित श्रीवास्तव, गोपाल जी भारद्वाज, मुलायम सिंह यादव, अक्षय त्रिवेदी, उमेश, अमित सिंह, यासीन बाबू, हर्षित श्रीवास्तव, विनय निगम, बटुकनाथ शुक्ला, देवेश, अभिषेक, चन्द्रशेखर कुशवाहा, चन्द्रकिशोर दुबे, जेडी शुक्ला, साहुल त्रिपाठी, कमलेश प्रजापति, तारिक,प्रमोद चतुर्वेदी, ब्रजमोहन कुशवाहा आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

खुखुन्दू पुलिस द्वारा हत्या की घटना का खुलासा करते हुए 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया

देवरिया। पुलिस अधीक्षक देवरिया विक्रान्त वीर द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं गंभीर धाराओं में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में दिये गये आदेश-निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्री सुनील कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी सलेमपुर दीपक शुक्ल के कुशल पर्यवेक्षण में थाना खुखुन्दू पुलिस द्वारा थाना धारा 103(1) बीएनएस व बढ़ोत्तरी धारा 3(2)5 ह्यष/ह्यह्ल ड्डष्ह्ल में घटना कारित करने वालें अभियुक्तों में नितेश कुमार गौड़ पुत्र रामजनम गौड़ निवासी मुजुरी खुर्द थाना खुखुन्दू जनपद देवरिया

रितेश यादव उर्फ बचाउ पुत्र रामविश्वास निवासी मुजुरी खुर्द थाना खुखुन्दू जनपद देवरिया राकेश गौड़ पुत्र संतोष गौड़ निवासी मुजुरी खुर्द थाना खुखुन्दू जनपद देवरिया को मुखबिर की सूचना पर थाना खुखुन्दू क्षेत्रान्तर्गत पुरैनी मिश्र की तरफ जाने वाले मोड़ पर ईंट-भट्टे के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त नितेश उपरोक्त की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक अदद चाकू (आलाकत्ल) उसके घर के स्नानगृह के बगल खेत में मिट्टी में दबाया हुआ एवं अभियुक्त रितेश यादव उर्फ बचाउ उपरोक्त की निशानदेही पर मृतक आदित्य गौड़ का एक अदद एन्ड्रायड मोबाइल बभनी रोड के किनारे पीपल पेड़ के पास स्थित सूखे कुए से तथा अभियुक्त राकेश उपरोक्त के निशानदेही पर एक अदद खूनालूदा शर्ट को उसके घर के अन्दर से बरामद करते हुए नियमानुसार आवश्यक अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

मृतक आदित्य कुमार गौड़ पुत्र हरिप्रकाश गौड़ निवासी मुजुरी खुर्द थाना खुखुन्दू जनपद देवरिया का शव गाँव के बाहर राजीत यादव के खेत में मिला था जिसके सम्बन्ध में मृतक के पिता हरिप्रकाश गौड़ पुत्र स्व0 विशुनी गौड़ निवासी उपरोक्त के प्राप्त तहरीर पर दिनांक 09जून को थाना खुखुन्दू पर मु0अ0सं0 129/2025 धारा 103(1) बीएनएस बनाम अज्ञात का अभियोग पंजीकृत किया गया । घटना स्थल का निरीक्षण पुलिस अधीक्षक देवरिया विक्रान्त वीर द्वारा स्वाट टीम, सर्विलांस टीम, डाग स्क्वायड, फारेंसिक टीम के साथ करते हुए घटना के अनावरण हेतु पुलिस टीमों का गठन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया । उपरोक्त टीमों द्वारा मुखबिर खास की निशानदेही पर घटना में संदिग्ध नितेश कुमार गौड़, रितेश यादव उर्फ बचाउ व राकेश गौड़ को हिरासत में लिया गया ।

समर कैंप से बच्चों में नए ऊर्जा का संचार हुआ : बीईओ

अवधनामा संवाददाता

कंपोजिट विद्यालय मंगपुर में समर कैंप का हुआ समापन

मथौली बाजार, कुशीनगर। कम्पोजिट विद्यालय मंगलपुर, क्षेत्र मोतीचक में मंगलवार को समर कैंप का समापन हो गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि मुकेश नारायण मिश्र खण्ड शिक्षा अधिकारी मोतीचक व विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र सिंह जिलाध्यक्ष, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ कुशीनगर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता राधेश्याम वर्मा ने किया।

सर्वप्रथम मुख्य? अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण किया गया। छात्र एवं छात्राओं के द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता पर चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, योगाभ्यास, मेंहदी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी मोतीचक ने कहा कि समर कैंप में मुझे समापन के अवसर पर प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त हुआ। शासन के समर कैंप के निर्णय से 21 म?ई से 10 जून? के बीच छात्र एवं छात्राओं के बीच नवाचार सीखने को मिला है। बच्चों के अन्दर कुछ नया करने की अपार ऊर्जा, क्षमता एवं उत्साह दिख रहा था।

विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र सिंह ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में छात्र एवं छात्राओं के बीच प्रतिभाओं की कमी नहीं है बस उन्हें सवारने व निखारने की जरूरत है। कार्यक्रम को दिनेश कुमार सिंह ने भी संबोधित किया।

संकल्प के साथ सेवा करना ही व्यापार मंडल का मूल मंत्र हैं : संतोष गुप्ता

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। प्रति वर्ष अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संदीप बंसल जी के जन्मदिन को सेवा संकल्प दिवस के रूप में संगठन पिछले कई वर्षों से आयोजित करता आ रहा है ।

आज इसी संदर्भ में महिला जिला अस्पताल उरई में जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता के नेतृत्व में फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।सभी पदाधिकारियों ने वार्ड में पहुंचकर सेवा ही संगठन हे जैसे शब्द को चरितार्थ करते हुए मरीजों ओर उनके तीमारदारों को फल और बिस्कुट बांटे। इस अवसर पर क्षेत्रीय सह संयोजक ज्ञान सिंह खागर जिला संरक्षक केदार भारद्वाज राकेश अग्रवाल जिला महामंत्री प्रदीप द्विवेदी संजीव सिपोलिया जिला महामंत्री संगठन बबलू दुबे जी जिला उपाध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल धर्मेंद्र कुलश्रेष्ठ बंटू गुर्जर जिला मंत्री उदय करण प्रजापति प्रदीप शिवहरे उत्तम सिंह राजावत अंकित त्रिपाठी सुंदर लाल युवा नेता श्री गौरव राठौर जिला महामंत्री महिला श्री मती शांति गुप्ता जी सर्राफा एसोशिएशन से गोपाल जी सोनी एवं अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

बारात मे लूट की वारदात करने वाले गिरोह का पुलिस ने किया पर्दाफाश

अम्बेडकरनगर। बारात समारोह में लूट की घटना को अंजाम देने वाले अन्तर जनपदीय गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है! मामले में पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने प्रेसवार्ता कर अधिक जानकारी दी हैं! बता दें यह लूट 18 मई को भीटी थाना क्षेत्र में हुई थी! जहां बारात के दौरान गिरोह ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है! गिरोह का नेटवर्क कई जनपदों में फैला हुआ बताया जा रहा है। पुलिस इस गिरोह से जुड़े अन्य अपराधियों की तलाश में जुटी हुई है। वहीं पुलिस अधीक्षक ने भीटी थाना पुलिस के इस सराहनीय कार्य को देखते हुए पुलिस टीम को ?25000 रूपये नगद इनाम घोषित किया!

मिशन शक्ति अभियान-5 के अन्तर्गत महिलाओं को किया गया जागरूक

अवधनामा संवाददाता

महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा

अलीगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अलीगढ़ संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समस्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु शक्ति दीदी के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है।

मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों/कस्बों/मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड/बाजार/ गांव/कस्बा/स्कूल/ कालेज/कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं/ महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं/बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है । शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं/ बालिकाओं को शासन/यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे *वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों* के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है । महिलाओ एवं बालिकाओं से वार्ता कर उनके अन्दर आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

पालिका टांडा मे विगत दिनों नौ करोड़ रूपये के टेंडर पर उठा सवालिया निशान

दानिश मेहदी

टांडा,अम्बेडकरनगर। टांडा नगर पालिका परिषद में 9 करोड़ रुपये के टेंडर को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। टेंडर जारी होने के 35 दिन बाद भी इसे अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। नगर में चर्चाएं गर्म हैं कि पालिकाध्यक्ष अपने करीबी ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से पूरे टेंडर प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रही हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर पालिका परिषद द्वारा 2 मई को 95 कार्यों के लिए लगभग 9 करोड़ रुपये का टेंडर आमंत्रित किया गया था। आरोप है कि पालिकाध्यक्ष पहले से ही कुछ 'मैनेज' ठेकेदारों को काम दिलाने की योजना बना चुकी थीं। इन ठेकेदारों ने मात्र 2 से 5 प्रतिशत की दर से ही टेंडर डाला था। हालांकि, कई बाहरी ठेकेदारों ने भी निविदा प्रक्रिया में हिस्सा लिया और उचित प्रतिस्पर्धा प्रस्तुत कर दी, जिससे पूर्व निर्धारित योजना पर पानी फिर गया। सूत्रों के अनुसार, जब फाइनेंशियल टेंडर खुला और ठेकेदारों को उसका संदेश मिला, तब जाकर पालिका प्रशासन को पता चला कि कई बाहरी फर्मों ने भी निविदा डाल दी है।

इसके बाद, चर्चा है कि पालिकाध्यक्ष टेंडर को रद्द करने का प्रयास कर रही हैं, जिसमें टेंडर फीस की प्रक्रिया को आधार बनाया जा रहा है। जबकि अधिकांश ठेकेदारों का कहना है कि सिर्फ उन्हीं निविदाओं को अमान्य किया जाए जिन्होंने शुल्क सही से जमा नहीं किया, और शेष योग्य ठेकेदारों को कार्यादेश जारी किया जाए। नगर के जानकारों का यह भी कहना है कि फाइनेंशियल टेंडर खुल जाने के बाद टेंडर को निरस्त करना कानूनी रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कई स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यह पूरा मामला नियमों को ताक पर रखकर चहेतों को लाभ पहुंचाने का प्रयास है। यह पहली बार नहीं है जब टांडा नगर पालिका परिषद पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हों। इससे पहले टैक्सी स्टैंड निर्माण को लेकर भी घोटाले की चर्चाएं सामने आ चुकी हैं। अब एक बार फिर पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग को लेकर जनता में रोष बढ़ता जा रहा है।

अवधनामा

जेष्ठ के आख़री मंगलवार जगह-जगह पर भंडारे का हुआ आयोजन

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। जेष्ठ माह के आखिरी मंगलवार को सरियावां चौराहे पर एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य राजा मानसिंह ने भगवान श्री राम व हनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण व आरती कर भंडारे का शुभारंभ किया भंडारे का आयोजन भगवान श्री राम और हनुमान जी की भक्ति और श्रद्धा के प्रतीक के रूप में किया गया था। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सपा नेता राजा मानसिंह ने कहा भंडारा एक धार्मिक व सामाजिक आयोजन है, जिसमें भक्त एकत्र होकर भगवान की भक्ति और सेवा करते हैं। इस तरह के आयोजनों से समुदाय में एकता और सौहार्द की भावना बढ़ती है। इस दौरान पत्रकार ज्ञानेंद्र मिश्रा मौजूद रहे और उन्होंने कार्यक्रम का जायजा लिया। जिला पंचायत सदस्य राजा मानसिंह ने सभी श्रद्धालुओं को धन्यवाद दिया और भगवान श्री राम व हनुमान जी की कृपा की कामना की। इसी तरह ज्येष्ठ माह के पंचम मंगलवार को ट्रांसपोर्टनगर कृष्ण विहार कालोनी ऊसरू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं पंडित दीनदयाल नर नारायण सेवा न्यास ने राहगीरों के लिए ठंडे शरबत मट्ठे एवं व्रत धारी भक्तों के लिए फल वितरण कर सेवा की। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर (सेल्स) सहित महानगर सहसेवा प्रमुख एवं वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक डॉ उपेंद्र मणि त्रिपाठी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम व हनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण पुष्पार्चन कर आरती से सेवा का शुभारंभ किया। संयोजन नगर संपर्क प्रमुख एडवोकेट धीरेन्द्र मणि त्रिपाठी ने अतिथियों का तिलक कर स्वागत किया। सेवा में मातृशक्तियों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रसाद तैयार करने व वितरण में सहयोग किया। डॉ उपेंद्र मणि त्रिपाठी ने कहा अयोध्या में विगत वर्षों से भंडारे व प्रसाद वितरण के लिए जैसा श्रृद्धा भाव दिखाई देने लगा है यह भारत का मूल स्वभाव है।नगर में सभी आयोजकों से मिलकर इसके आयोजन स्वरूप को व्यवस्थित प्रारूप देने का प्रयास किया जाएगा जिससे अयोध्या दर्शन को दूर से आने वाले श्रद्धालुओं को वर्षभर जलपान आतिथ्य सेवा का लाभ मिलता रहे और सेवाभावी बंधुओं की सेवा भावना भी पूर्ण हो सके।

अयोध्या। पब्लिक सेवा संस्थान एवं गायत्री बचत बाजार के तत्वावधान में ज्येष्ठ के पांचवें मंगलवार को अयोध्या में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह ने दीप प्रज्वलन व प्रसाद वितरण से किया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे में भाग लिया और भक्ति संगीत का आनंद लिया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों व अतिथियों को अंगवस्त्र व राम दरबार भेंट कर सम्मानित किया गया।

बीकापुर विधानसभा में 11 जून को होगा संविधान बचाओ सम्मेलन कांग्रेस पार्टी का आयोजन

अयोध्या। कांग्रेस पार्टी द्वारा अयोध्या जिले में विधानसभा वार चलाए जा रहे संविधान बचाओ कार्यकर्ता सम्मेलन के अंतर्गत आगामी 11 जून (बुधवार) को बीकापुर विधानसभा क्षेत्र में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन पूर्व जिलाध्यक्ष रामदास वर्मा के संयोजन में संपन्न होगा।इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता शीतला पाठक ने बताया कि यह सम्मेलन सरियावां चौराहा स्थित शिव सावित्री गेस्ट हाउस में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए जागरूक करना है।सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के जिला प्रभारी वीरेंद्र प्रताप नारायण पांडेय उर्फ बबलू शिरकत करेंगे। पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार, यह सम्मेलन कार्यकर्ताओं को संगठित करने, वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर संवाद स्थापित करने और पार्टी की आगामी रणनीति को साझा करने के लिहाज से महत्वपूर्ण रहेगा।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न, जिलाधिकारी ने दिए ठोस निर्देश

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आज कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, ब्लैक स्पॉट की पहचान एवं सुधार, ट्रैफिक नियमों के पालन और गोल्डन ऑवर में घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के सभी मार्गों पर सड़क सुरक्षा के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही, जिन स्थलों पर बार-बार दुर्घटनाएं होती हैं, उन्हें चिन्हित कर वहां स्थायी समाधान की दिशा में कार्य किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि आमजन में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विशेष अभियान चलाए जाएं तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर, रिफ्लेक्टर आदि की व्यवस्था की जाए।बैठक में उपस्थित अधिकारी पुलिस अधीक्षक यातायात ए.पी. सिंह अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड सत्यप्रकाश भारतीय अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड-4 शशि भूषण सिंह सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी आर.पी. सिंह सहायक अभियंता प्रांतीय खंड शशांक पांडे डिप्टी सीएमओ राजेश चौधरी डिप्टी डीआईओएस डॉ. पवन कुमार तिवारी बीईओ तारकेश्वर पांडेय सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री करेंगे राम मंदिर के महानायक बाबू कल्याण सिंह की प्रतिमा का अनावरण

अयोध्या। (अवधनामा संवाददाता) आज के युग में जहाँ लोग छोटे छोटे पदों पर आसीन होने के लिए अपनी अस्मिता और मान सम्मान से समझौता कर लेते है। वही उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री की कुर्सी को छोड़ दिया परन्तु अपनें और पार्टी के सिद्धांतो और वसूलों से समझौता नहीं किया। ऐसा महान चरित्र था राम मंदिर के असली महानायक पूर्व मुख्यमंत्री बाबू कल्याण सिंह का जिन्होंने कुर्सी की परवाह किये बिना अपनें अडिग फैसलों पर कायम रहे। जिसकी प्रतिक्रिया स्वरूप तत्कालीन केंद्र की सत्ता में सत्तासीन कांग्रेस सरकार नें उत्तर प्रदेश सहित चार भाजपा शासित राज्यों की सरकारों को बर्खास्त कर दिया था। 12 जून बृहस्पतिवार को बाबू कल्याण सिंह की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में मुख्यातिथि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और विशिष्ट अतिथि के तौर पर राम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत साक्षी जी महराज व रुदौली विधायक रामचंद्र यादव की गरिमामयी उपस्थित में पौशाला रुदौली आ रहे है। रुदौली विधानसभा के सभी सम्मानित पार्टी कार्यकर्ताओ, समर्थको और मतदाता भाइयो बहिनों से सादर अनुरोध है कि कार्यक्रम में भारी भीड़ के साथ उपस्थित होकर ऐतिहासिक और साहसिक कार्यों की बदौलत इतिहास में अपना स्वर्णिम नाम दर्ज कराने वाले महामानव बाबू कल्याण सिंह की प्रतिमा स्थापना में शामिल हों। उक्त जानकारी डायरेक्टर सहकारी गन्ना विकास समिति गनौली व पूर्व अध्यक्ष प्रधान संघ रुदौली राम प्रेस यादव ने दी।

बीकापुर बार एसोसिएशन में चुनावी सरगर्मियां हुई तेज

अयोध्या। (अवधनामा संवाददाता) बार एसोसिएशन बीकापुर वार्षिक चुनाव 2025 - 26 अध्यक्ष वा मंत्री पद के लिए नामांकन किया गया। अध्यक्ष पद के लिए एडवोकेट अवध राम यादव तथा एडवोकेट वंशीधर शुक्ला ने नामांकन किया। तथा मंत्री पद के लिए एडवोकेट कुश राय तथा एडवोकेट देवी दयाल मिश्र ने भी नामांकन किया। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए अशोक सिंह सेकेंड ने भी नामांकन किया। संयुक्त सचिव पद के लिए प्रवीण यादव ने नामांकन किया। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री पद के प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र निर्वाचन अधिकारी बैजनाथ तिवारी को एल्डर कमेटी की मौजूदगी में सौंपा। 30 जून को मतदान किया जाएगा। 12 जून को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। और 17 जून को नामांकन पत्रों की वापसी होगी। 11 जून को नामांकन पत्र दाखिल करने का आखिरी दिन है। निर्वाचन अधिकारी बैजनाथ तिवारी ने बताया आज से बार एसोसिएशन बीकापुर वार्षिक चुनाव अध्यक्ष, मंत्री, उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव पद के लिए नामांकन लिया गया। उन्होंने बताया कि नामांकन का आखिरी दिन 11 जून है। 30 जून को चुनाव कराया जाएगा और 30 जून को ही 2:30 बजे के बाद मतगणना शुरू की जाएगी। बार एसोसिएशन बीकापुर के 123 अधिवक्ता अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री पद के लिए लड़ रहे चुनाव के प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 30 जून को करेंगे।चुनाव को सकुशल संपन्न करने के लिए एल्डर कमेटी पूरी तरीके से मुस्तैद है। वार्षिक चुनाव के नामांकन के दिन एडवोकेट मंत्री अमरनाथ दुबे, उपाध्यक्ष मोहम्मद शोएब एडवोकेट, एडवोकेट इशहाक अहमद आबाद अहमद एडवोकेट, श्याम मनोहर पांडे एडवोकेट, सुशील पांडे एडवोकेट अशोक मिश्रा एडवोकेट, मनोज यादव एडवोकेट, अजय भारती एडवोकेट, पुष्पेंद्र मिश्र एडवोकेट, एडवोकेट शक्ति सिंह, अखिल यादव एडवोकेट राम सिंह सहाय एडवोकेट ध्रुव देव एडवोकेट दिनेश पांडे एडवोकेट, बैजनाथ यादव एडवोकेट, हरिहर यादव एडवोकेट, बृजेश यादव एडवोकेट, विजय पांडे एडवोकेट, अवधेश पांडे एडवोकेट चंद्रभूषण दुबे एडवोकेट, तुलसीराम तिवारी एडवोकेट सदानंद पाठक एडवोकेट, आसाराम यादव एडवोकेट, समेत सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद रहे।

लता चौक पर दिखा भक्ति सेवा और सर्मपर्ण का अद्भुत संगम

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में आस्था का अनुपम दृश्य जेठ के अंतिम मंगलवार को देखने को मिला, जब लता चौक नया घाट पर महाबली हनुमान जी के चरणों में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से समर्पण किया। पूर्व सांसद लल्लू सिंह के संयोजन में उनकी संस्था श्री अयोध्या न्यास द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया था। लगभग 400 मीटर तक विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से श्रद्धालुओं की भोजन प्रसाद सेवा की जा रही थी। सुबह 10 बजे वैदिक विद्वानों द्वारा स्वास्तिवाचन, मंत्रोच्चार और शंखनाद के साथ दीप प्रज्वलन कर महाबली को भोग अर्पित किया गया। मणिराम छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास शास्त्री ने दीप प्रज्जवलित कर मंगलारंभ किया। हर दिशा से जयश्री राम व बजरंगबली की जय के जयघोष परिवेश को भक्तिमय बना रहे थे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश दास, हनुमत निवास के महंत अवध किशोर शरण, हनुमानगढ़ी सरपंच महंत रामकुमार दास, जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी राम दिनेशाचार्य, ख़ाक चौक के महंत बृजमोहन दास, संकटमोचन हनुमान किला के महंत परशुराम दास, गोस्वामी तुलसीदास छावनी के महंत जनार्दन दास, राम कचेहरी चार धाम के महंत शशिकांत दास, पत्थर मंदिर के महंत मनीष दास, अवधेश निवास के महंत रामशरण दास रामायणी, बरेली मंदिर के महंत सुरेन्द्र दास, जगन्नाथ मंदिर के महंत राघव दास रामायणी, हनुमान टेकरी के महंत प्रमोद शरण, हरे राम सदन के महंत रामलोचन शरण, तपस्वी छावनी के महंत परमहंसाचार्य, कथावाचक चंद्रांशु महाराज, गहोई मंदिर के महंत राम-लखन शरण के सानिध्य ने भण्डारे को अध्यात्मिकता से भर दिया।

इग्नू की सत्रांत परीक्षाएं 12 जून से

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। डॉ.राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र की जून 2025 की सत्रांत परीक्षाएं 12 जून से शुरू होकर 19 जुलाई तक चलेगी। यह परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा 2:00 बजे से 5:00 बजे तक होगी। अवध विश्वविद्यालय इग्नू अध्ययन केंद्र के कोऑर्डिनेटर प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि इग्नू की परीक्षा 32 जिलों के छात्र-छात्राओं के लिए 16 केंद्रों पर होगी। परीक्षार्थियों के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं। छात्र एडमिट कार्ड समर्थ पोर्टल के लिंक से डाउनलोड कर सकते हैं। यदि किसी छात्र को समर्थ पोर्टल से एडमिट कार्ड मिलने में कोई असुविधा हो रही है तो वह इग्नू के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र लखनऊ कार्यालय या दूरभाष 0522-244283 से संपर्क कर सकते हैं। यह परीक्षा विश्वविद्यालय के आईटी परिसर स्थित एमबीए भवन में होगी। परीक्षा की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। छात्रों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक दिशा निर्देश वेबसाइट एवं सूचना पट्ट के माध्यम से जारी किए जा चुके हैं। परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन के लिए निगरानी समिति का भी गठन किया गया है। केंद्र समन्वयक ने बताया कि परीक्षा के दौरान कोविड व अन्य स्वास्थ्य सुरक्षा के मानकों का पालन किया जाएगा। परीक्षा केंद्र पर किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स व मोबाइल पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की श्री राम लला नगर इकाई का सत्र 2025-26 का गठन संपन्न

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) अयोध्या पूरब जिले की श्री राम लला नगर इकाई का सत्र 2025-26 का गठन समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती व स्वामी विवेकानंद जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर अभाविप अवध प्रांत शोध आयाम के सह प्रमुख डॉ. आलोक सिंह, प्रांत स्नन्नष्ठ संयोजक शिवम् मिश्रा, अयोध्या एकेडमी की प्रधानाचार्या सौम्या आचारी, महानगर मंत्री मानवेन्द्र प्रताप सिंह एवं विभाग संगठन मंत्री अंकित भारतीय प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।चुनाव अधिकारी द्वारा डॉ. प्रशांत कुमार को नगर अध्यक्ष एवं कुलदीप वाल्मीकि को नगर मंत्री घोषित किया गया।अपने मनोगत में नव-निर्वाचित नगर मंत्री कुलदीप वाल्मीकि ने कहा कि, ÷विद्यार्थियों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर उच्च गुणवत्ता के शैक्षणिक वातावरण को बनाए रखना हमारी प्राथमिकता रहेगी। राम मंदिर और हनुमानगढ़ी जैसे पवित्र स्थलों के सान्निध्य में स्थित इस नगर इकाई का उद्देश्य देश भर से आने वाले विद्यार्थियों व शिक्षकों को दर्शन का अवसर प्रदान कराना भी रहेगा।÷नगर अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने कहा कि, ÷अभाविप एकमात्र ऐसा छात्र संगठन है जो छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को नेतृत्व देता है तथा उनकी समस्याओं को समाज और जिम्मेदार लोगों के बीच उठाता है। यह विश्वास जो संगठन ने हम पर जताया है, उसे पूर्ण रूप से निभाने का प्रयास किया जाएगा।÷मुख्य वक्ता शिवम् मिश्रा ने कहा कि नगर इकाई संगठन की आधारशिला होती है, और कार्यकारिणी के माध्यम से ही संगठन समाज के बीच अपनी गतिविधियाँ प्रस्तुत करता है। घोषित कार्यकारिणी नगर उपाध्यक्षः डॉ. पलव कुमार (अवध विश्वविद्यालय) जितेंद्र प्रजापति, सौम्या आचारी (अयोध्या एकेडमी)डॉ. संतोष सरोज (साकेत महाविद्यालय)सह मंत्रीः शिवम शुक्ला, अभिनव मिश्रा, अमरेंद्र श्रीवास्तव, मुस्कान सोनकर सोशल मीडिया संयोजकः ऋषिकांत दुबे, आकाश शुक्लामीडिया संयोजकः विवेक कनौजिया, अमर पांडेय स्न्नष्ठ संयोजकः प्रद्युम्न पाठक, आकाश मोदनवाल स्न्नस संयोजकः अंकुश मौर्या, ऋतिक पांडेय कला मंच संयोजकः विनोद कुमार, विनीत पांडेय कार्यकारिणी सदस्यः शिवा सैनी, कल्याणी पांडेय, पूजा पांडेय, प्रांजल।कार्यक्रम का संचालन महानगर स्न्नष्ठ संयोजक प्रियांशु तिवारी ने किया। कार्यक्रम में प्रांत कार्यकारिणी सदस्य उत्कर्ष मिश्रा, महानगर सह मंत्री आदर्श चतुर्वेदी, किशन सिंह, अभिषेक पांडेय, संतोष शुक्ला, अनुराग शुक्ला सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती के खिलाफ ग्रामीणों ने एसडीओ को दिया ज्ञापन्स

जैदपुर बाराबंकी। (अवधनामा संवाददाता) भयंकर गर्मी को देखते हुये बिजली कनेक्शन की समस्या गंभीर बनी हुई है। जिसे लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने मंगलवार को एसडीओ संदीप सिंह को ज्ञापन सौंपा।और छह नई बस्तियों में विद्युतीकरण की मांग की गई है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला चमन, लोधपुर, दलित नई बस्ती, नूर कालोनी, नयापुरा और शरीफाबाद बिजली की समस्या से परेशान लोगों को निजात दिलाने हेतु नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि दाऊद अलीम, सभासद कासिम, आलम अंसारी, निजामुद्दीन शाह ने विद्युतीकरण की मांग की। ज्ञापन की प्रति ऊर्जा मंत्री, सांसद तनुज पुनिया और जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी को भी भेजी गई है। पिछले पांच वर्षों में इन इलाकों में नई आबादी बस गई है। लोगों ने मकान बना लिए हैं, लेकिन बिजली कनेक्शन नहीं मिल पाया है। नयापुरा मोहल्ले में ओवर हेड टैंक का पंप भी बिजली कनेक्शन के अभाव में नहीं चल पा रहा है। इस संबंध में एसडीओ संदीप सिंह ने बताया कि स्टेटमेंट भी बन गया है। टैंडर भी हो चुका है। समान मुहैया होते ही संस्था द्वारा कार्य शुरू हो जायेगा।

मित्तई समर कैंप समापन में बिखरी बच्चों की प्रतिभा

बाराबंकी।(अवधनामा संवाददाता) देवा क्षेत्र के राजकीय हाई स्कूल मित्तई में चल रहे 21 दिवसीय समर कैंप का मंगलवार को रंगारंग समापन हुआ। मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक ओ.पी. त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की।विद्यार्थियों की बनाई कलाकृतियों, जूट बैग, मिट्टी शिल्प, ब्लॉक पेंटिंग और लोकनृत्य प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया। त्रिपाठी ने बच्चों को मेहनत और लक्ष्य साधने का संदेश देते हुए कहा सफलता झपकी लेने से नहीं, लगातार बढ़ने से मिलती है। स्वर्ग देखना है तो मेहनत करनी होगी।समारोह में प्रधानाध्यापिका दीपमाला वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रधान प्रतिनिधि संतोष, सामाजिक कार्यकर्ता सत्येंद्र मौर्य सहित अभिभावक, शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अंत में स्मृति चिन्ह भेंट कर अतिथियों का सम्मान किया गया।

लखनऊ-बाराबंकी में कैब लूट गैंग का पर्दाफाश, 5 शातिर गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। स्वाट, सर्विलांस व कोतवाली नगर-जहांगीराबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने दो लूट की वारदातों का खुलासा करते हुए 5 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्त लखनऊ में रात्रि में सवारियों को कैब में बैठाकर सूनसान रास्तों में डरा-धमकाकर नकदी, मोबाइल व गहने लूटते थे और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करा कर बीच रास्ते उतार देते थे।पुलिस ने कब्जे से 10,100 रुपये, 4 मोबाइल, एक ब्रेसलेट, ह्ठ्ठद्ग्क्ष्यह्लह्य ब्लूटूथ, टाटा नेक्सान कार, दो अवैध तमंचे व कारतूस बरामद किए। गिरोह लखनऊ व आस-पास के जिलों में सक्रिय था। गिरफ्तार अभियुक्तों में सुमित वर्मा, अभिषेक ठाकुर, नितिन यादव, हिमाचल चौहान व सुदेश यादव शामिल हैं। मुख्य सरगना शिवम यादव की तलाश जारी है। पूछताछ में गिरोह की आपराधिक गतिविधियों का बड़ा नेटवर्क सामने आया है। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने टीम को सराहना करते हुए अपराधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

खेती बनेगी कमाई का जरियाः मुख्य सचिव

अवधनामा संवाददाता

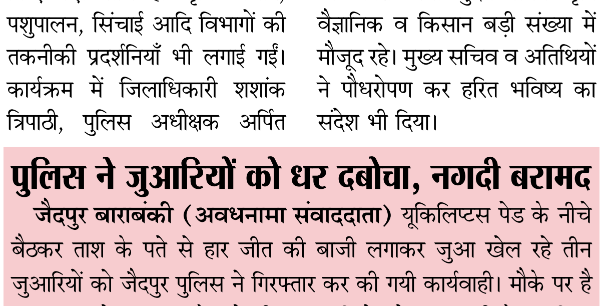

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने आज देवा ब्लॉक के कुसुम्भा गांव में ÷विकसित कृषि संकल्प अभियान÷ के तहत आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। मुख्य सचिव ने किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली उन्नत और वैज्ञानिक खेती के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट पर कृषि उत्पादों के निर्यात की विशेष व्यवस्था हो रही है, जिससे बाराबंकी समेत प्रदेश के किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुँच मिलेगी। मुख्य सचिव ने बताया कि उत्तर प्रदेश देश का इकलौता राज्य है, जहाँ 75त्न भू-भाग कृषि योग्य और 85त्न भूमि सिंचित है। इससे प्रदेश कृषि उत्पादन में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक उत्पाद और नवाचार आधारित खेती की सलाह दी।कार्यक्रम में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड, कृषि अनुदान व योजनाओं के प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। साथ ही कृषि विभाग, पशुपालन, सिंचाई आदि विभागों की तकनीकी प्रदर्शनियाँ भी लगाई गईं। कार्यक्रम में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय, मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन समेत कृषि वैज्ञानिक व किसान बड़ी संख्या में मौजूद रहे। मुख्य सचिव व अतिथियों ने पौधरोपण कर हरित भविष्य का संदेश भी दिया।

पुलिस ने जुआरियों को धर दबोचा, नगदी बरामद

जैदपुर बाराबंकी (अवधनामा संवाददाता) यूकिलिप्टस पेड के नीचे बैठकर ताश के पते से हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे तीन जुआरियों को जैदपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर की गयी कार्यवाही। मौके पर है 2160 रूपये? व ताश के पत्ते भी बरामद किये गये। जानकारी के मुताबिक कस्बा इंचार्ज विनय कुमार सहयोगी पुलिस के जवानों के साथ गश्त करते समय मुखबिर की सूचना पर नूर आलम पुत्र कुर्बान अहमद निवासी शाहकटरा जियाउर्रहमान पुत्र इस्लामुद्दीन निवासी कटारी टोला शादिक पुत्र मोहम्मद मुईन निवासी मिल्लतनगर शाबिर पुत्र मोहम्मद अलीम निवासी छोटी बाजार कस्बा व थाना जैदपुर बाराबंकी को गिरफ्तार कर 2160 रुपये व ताश के पत्ते बरामद कर संबंधित धाराओं में कार्यवाही की गयी।

843 विद्यालयों में 21 दिवसीय समर कैंप सम्पन्न, बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा मन

बाराबंकी। (अवधनामा संवाददाता) गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के हुनर और व्यक्तित्व निखारने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 21 मई से चल रहे समर कैंप का मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। जिले के 843 उच्च प्राथमिक और कम्पोजिट विद्यालयों में आयोजित इस कैंप में बच्चों ने योग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, डिजिटल कौशल, विज्ञान प्रयोग और जल संरक्षण जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया।समापन समारोह के मौके पर बच्चों ने नाटक, गीत, कविता, नृत्य और चित्रकला के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बनीकोडर विकास खण्ड के उच्च प्राथमिक विद्यालय लालपुर-राजपुर में मुख्य अतिथि मा. सदस्य विधान परिषद श्री अंगद कुमार सिंह और जिलाध्यक्ष श्री अरविंद कुमार मौर्य समेत कई जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

बेकारी से खुद को बचायें काम को इबादत समझ कर करें: मौ.आज़िम बाक़री

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। अपने बच्चों के लिए रिज़्क़ ए हलाल कमाना जिहाद है लिए राहे ख़ुदा में किया जाने वाला कोई काम छोटा नहीं होता बल्कि इज़्ज़त बक़्शने वाला होता है। रिज़्क़ ए इलाही की तलब जिहाद की हैसियत रखती है। बेकारी से खुद को बचायें, काम को इबादत समझ कर करें। यह बात अमानत अब्बास द्वारा आयोजित मंज़र हाशमी की ईसाल ए सवाब की मजलिस को सम्बोधित करते हुए मौलाना आज़िम बाक़री जौरासी साहब ने कही मौलाना ने यह भी बताया की बच्चे ने अपनी पहली सैलरी अपने उस मरहूम मोहसिन के ईसाल ए सवाब में लगाई जिसने उसे मुफ्त तालीम दी थी। मौलाना ने यह भी कहा कि लोगों से सिर्फ़ हासिल करने की न सोंचे बल्कि दूसरों के काम आने की सोंचे। दिखावे में किया गया काम इबादत नहीं होता! अहले बैत की सीरत अपनाये अपने काम को इबादत बनाएं! इस्लाम में वो हर काम हराम है जो इंसानियत और समाज को नुकसान पहुंचाता है। अंत में कर्बला वालों के दर्द नाक मसायब पेश किये जिसे सुनकर सभी रोने लगे। मजलिस से पहले डा. रज़ा मौरनवी, अज़मल किंतूरी, अहमद रज़ा, आरिज़ जरगाँवी, हाजी सरवर अली क़र्बलाई, फिरासत अब्बास और रज़ा मेंहदी ने नज़रानाये अक़ीदत पेश किया। आगाज़ तिलावत ए कलाम ए इलाही से मौलाना हिलाल अब्बास ने किया। निज़ामत के फरायज़ अजमल किंतूरी ने अंजाम दिये। बानिये मजलिस ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

अवधनामा
लखनऊ, बुधवार, 11 जून 2025

जिलाधिकारी ने तहसील कार्यालय बांसी का किया निरीक्षण

अधिकतर पत्रावलियों में प्रस्ताव पाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की

अवधनामा संवाददाता

बांसी सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा राजा गणपति आर ने मंगलवार को तहसील कार्यालय बांसी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खामी पाए जाने पर तहसीलदार से स्पष्टीकरण मांगा है।निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम एस डी एम कोर्ट एवं तहसीलदार कोर्ट को देखा। उपजिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी न्यायिक, तहसीलदार, नायब तहसीलदार के कोर्ट में पांच वर्ष से अधिक समय से लम्बित प्रकरणों की जानकारी प्राप्त किया ।

जिलाधिकारी ने तहसीलदार कोर्ट में विभिन्न प्रकरणों के अधिकतर पत्रावलियों में प्रस्ताव पाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तहसीलदार बांसी का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया साथ ही लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया। उन्होंने उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार कोर्ट के पेशकार को तीन साल के लम्बित पत्रावलियों की लाइन लिस्टिंग करने का निर्देश ।

इसके अलावा पारिवारिक सदस्यता प्रमाण-पत्र, पट्टा, आरसी वसूली, ई डब्ल्यू एस प्रमाण-पत्र आदि पत्रावली का गहनता से जांच किया गया। जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न पटलों में पत्रावलियों का रखरखाव ठीक करने एवं तहसील परिसर की साफ सफाई व्यवस्था ठीक कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर एस डी एम शशांक शेखर राय, तहसीलदार पियूष श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार व अन्य संबधित कर्मचारी उपस्थित थे।

रेलवे क्रासिंग पर जान जोखिम में डाल रहे लोग

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। रेलवे क्रॉसिंग बढ़नी पर लोग रेलवे फाटक बन्द होने के बावजूद बाइक सवार अपनी जान जोखिम में डालकर फाटक के नीचे से बाइक निकालकर इस पर आते-जाते रहते हैं। ऐसा खतरनाक मंजर आम हो गया है।

यह दृश्य न केवल चुकाने वाला है, बल्कि किसी दिन बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। रेलवे सुरक्षा बल को ऐसे लोग पर सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उनकी इस मजबूरी के पीछे एक बड़ा कारण है। अक्सर आधे-आधे घन्टे तक रेलवे फाटक बन्द रहता है, जिसमें लोगों को लम्बे समय तक इंतेजार करना पड़ता है। इस लम्बे इंतेजार से दिक्कत लोग अपनी सुरक्षा की परवाह किये बिना ऐसे खतरनाक तरीके अपनाने पर मजबूर हो जाते हैं।

ज्येष्ठ माह के अंतिम मंगलवार को हनुमानजी की आराधना के साथ भंडारे का हुआ आयोजन

अवधनामा संवाददाता

जलालपुर अंबेडकरनगर। ज्येष्ठ माह की पंचम मंगलवार को भक्तों ने भगवान श्रीराम के प्रिय भक्त तथा बल, बुद्धि एवं विद्या के प्रतीक हनुमान जी की विधिवत पूजा-अर्चना की। रजिस्ट्री ऑफिस मोड़ पर लगे पंडाल में जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष आनंद जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष देवेश मिश्र, जिला महामंत्री आदित्य गोयल, जिला कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रहरि,व्यापारी अमित गुप्ता आदि ने विधिवत पूजा के उपरांत भंडारे का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में हनुमान जी के भक्ति गीतों और जयकारों से पूरा वातावरण आस्था से सराबोर हो गया।चेयरमैन ओमकार गुप्ता,व्यापारी शंभु गुप्ता ,विनोद श्रीवास्तव, सोनू गुप्ता,बबलू गौड़, ,निखिल जायसवाल, राजा जायसवाल ,प्रहलाद शर्मा,सतनाम सिंह,गप्पू गौड़ ,मनीष सोनी,सुमित गुप्ता ,नगर महामंत्री विकाश निषाद, लड्डू गौड़ आदि ने प्रसाद वितरण में सहयोग दिया। वहीं सहचर सेवा संस्थान द्वारा जमालपुर चौराहे पर भंडारे का आयोजन किया गया, जहाँ अयोध्या जिला प्रभारी डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी ने अतिथियों को भगवा वस्त्र पहनाकर स्वागत करते हुए प्रसाद वितरित किया। जिला मंत्री पंकज वर्मा, सभासद अनुज सोनकर, आशीष सोनी, विपिन पांडे, पिछड़ा मोर्चा नगर अध्यक्ष सोनू गौड़ सहित कई लोग उपस्थित रहे। मिथिलेश त्रिपाठी ने बताया कि इस आयोजन से भक्तों के बीच आपसी भाईचारा और धार्मिक एकता का संचार हुआ। बजरंगबली की कृपा से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शाखा प्रबंधक के स्थानांतरण पर विदाई समारोह सम्पन्न

हजपुरा अम्बेडकरनगर। जलालपुर तहसील क्षेत्र के हजपुरा बाजार स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में शाखा प्रबंधक धीरज सिंह के स्थानांतरित होने पर रविवार को विदाई समारोह का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता उप प्रबंधक चारु सिंह ने की एवं संचालन हरिकेश यादव ने किया। कार्यक्रम में समस्त बैंक स्टाफ एवं सम्मानित अतिथियों ने फूल मालाएं पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया।

कार्यक्रम के दौरान शाखा प्रबंधक धीरज सिंह ने कहा कि बैंक की सफलता और ग्राहकों के साथ संबंधों की गुणवत्ता ग्राहकों को हमेशा संतुष्ट रखने पर निर्भर करती है। इससे बैंक का विश्वास बढ़ता है, ग्राहक वफादार होते हैं और बैंक की प्रतिष्ठा भी बढ़ती है। वहीं चारु सिंह ने कहा कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बैंक कर्मचारी ग्राहकों के साथ हमेशा सम्मानजनक और सकारात्मक व्यवहार करें। ग्राहकों को धैर्य से सुनें, उनके सवालों का जवाब दें और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए हर संभव प्रयास करें। कार्यक्रम के दौरान प्रशांत, शालिनी, स्नेहलता, हिमांशु, शहवार नकवी, दिलशाद अब्बास, राकेश यादव, मो. हाशिम, विशाल कुमार, संदीप यादव, अवकाश यादव, दिनेश सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

पडरौना के ढोरही में बनेगा मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय

कुशीनगर। पडरौना तहसील क्षेत्र के ढोरही गांव में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय बनने की कवायद तेज हो गई है। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में बैठक के दौरान जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देश पर जमीन हस्तांतरित किया जा रहा है। 2.900 हेक्टेयर भूमि में उक्त मॉडल विद्यालय बनेगा।

जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने प्रतिबंधों के क्रम में बताया की सीलिंग की उक्त भूमि बेसिक शिक्षा विभाग, उप्र शासन के निवर्तन रखी जायेगी। बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा ग्राम ढोरही तप बॉसी चिरगोडा, तहसील पडरौना में स्थित गाटा सं. 244/16.050 हे. जो राजस्व अभिलेखों में सीलिंग श्रेणी 4 (क) के अन्तर्गत है, में से 2.900 भूमि को मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय के निर्माण हेतु ही उक्त भूमि उपयोग किया जाएगा। प्रश्नगत भूमि का उपयोग केवल निर्धारित प्रयोजन हेतु ही किया जाए।

बड़े भाई के हिस्से की जमीन पर छोटे भाई की टेढ़ी नजर, डीएम से न्याय की गुहार

क्पुलिस के सह पर घर गिराने का आरोप, सोहसा पट्टी गौसी का मामला

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। कसया तहसील क्षेत्र के सोहसा पट्टी गौसी निवासिनी एक पीड़ित महिला ने जिलाधिकारी कुशीनगर को शिकायती पत्र देकर पट्टीदारों द्वारा हिस्से की जमीन हड़पने की नीयत से पुलिस के सह पर अपने गुर्गों के साथ मिलकर झोपडी व टीन शेड का मकान गिरा देने व ननिहाल के जमीन पर भी फर्जी तरीके से कब्जा कर लेने के मामले में न्याय की गुहार लगाई है।

दबंगों द्वारा तोड़ गया टाट और टीन शेड का घर

डीएम को दिए शिकायती पत्र में पीड़िता मलावती देवी पत्नी हरेंद्र प्रसाद निवासी सोहसा पट्टी गौसी ने जिक्र किया है कि मेरे पति के नाम आ. नं. 186 रकबा 0.036 हे. व आ. नं. 89 रकबा 0.134 हे. जमीन में अपने हिस्से पर अपना मकान, सहन व टीन शेड और टाट का दो रूम तैयार कर एक रूम मैं चूल्हा, चौकी व बिस्तर डाल कर रहते है जबकि दूसरे रूम में किराने की दुकान है जिसमें कॉपी किताब व अन्य समान था। लेकिन मेरे पति का छोटा भाई सुनील पुत्र बाबूलाल द्वारा अपने गुर्गों के साथ बीते 30 मई 2025 को दिन के तकरीबन एक बजे कसया थाने के एक इंस्पेक्टर व रामकोला थाना क्षेत्र के लक्ष्मीगंज निवासी विकास, सुधीर पुत्रगण किशोर भुजाली व कट्टा से लैश होकर आए और मेरा दोनों रूम तोड़कर गिरा दिया मेरे पति के भाई सुनील दबंग किस्म का है, इनका अपराधियों से संबंध है। इसके द्वारा सोहसा पट्टी गौसी की जमीन हड़पना चाहता है। इनके द्वारा सलेमपुर में ननिहाल की जमीन को फर्जी तरीके से हड़प लिया गया है, अब यहां के जमीन पर उसकी नजर है, चूंकि मेरे पति व परिवार के लोग सीधे है, नौकरी पेशा वाले है, इस लिए सुनील सिधेपन फायदा उठा रहा है। इतना ही नहीं घटना के दिन कसया पुलिस को सूचना दिया गया था, पुलिस आई तो विपक्ष पर कार्रवाई के बजाय हम लोगों को ही चालान कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि उक्त सब कार्यवाई थाना कसया के दारोगा व सिपाही के सह पर किया जा रहा है जबकि उक्त जमीन का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। प्रार्थी का पूरा परिवार डरा व सहमा हुआ है, अगर मेरे परिवार पर किसी तरह की घटना होती है तो मेरे पति का भाई सुनील व इसके गुर्गे तथा कसया पुलिस जिम्मेदार होगी।

गौहनिया राज में 17 दिवसीय समर कैंप का हुआ समापन

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। पूर्व माध्यमिक विद्यालय गौहनिया राज में दिनांक 21 मई से 10 जून तक आयोजित 17 दिवसीय समर कैंप का समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त स्काउट, बस्ती मंडल बस्ती संदीप कुमार रहे। उन्होंने कैंप में बच्चों द्वारा सीखी गई विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया और सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

उन्होंने शीतला खेत स्थित प्रादेशिक प्रशिक्षण केंद्र में संचालित एडवेंचर कैंप तथा प्रयागराज में चल रहे वेब डेवलपमेंट और एनीमेशन कोर्स की जानकारी दी और प्रतिभागियों को इनमें सहभागिता हेतु प्रेरित किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में अभिभावक संघ अध्यक्ष गुलाम हुसैन ने उपस्थित बच्चों व अभिभावकों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद आरिफ उस्मानी ने अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन करते हुए सभी प्रतिभागियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। इस समर कैंप का संचालन विद्यालय स्काउट मास्टर एवं ब्लॉक स्काउट मास्टर डुमरियागंज कुलदीप कुमार के नेतृत्व में किया गया। कैंप में प्राथमिक विद्यालय गौहनिया राज, कंचनपुर, पूर्व माध्यमिक विद्यालय गौहनिया राज तथा अन्य निजी विद्यालयों के लगभग 210 बच्चों ने प्रतिभाग किया। बच्चों को योग, पी.टी., शतरंज, लाठी संचालन का प्रशिक्षण दिया गया।

संविधान की रक्षा के लिए पीडीए ने लगाया जन चौपाल

अवधनामा संवाददाता

बांसी सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र के सोनखर,भावपुर एवं कोलुहवा गांव में मंगलवार को समाजवादी पार्टी ने पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक जन चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रदेश सदस्य कमाल अहमद खान ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर व उनके संविधान को अपमानित व खारिज करने वालों को सत्ता से बाहर करने का समय आ गया है । सामाजिक न्याय के लिए जातीय जनगणना बहुत जरूरी है। पीडीए समाज को उनकी आजादी के हिसाब से भागीदारी मिलनी चाहिए।

भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी ,भ्रष्टाचार, झूठे वादों से जनता त्रस्त है। मौजूदा भाजपा सरकार लोकतंत्र का गला घोट रही है। वहीं उन्होंने कहा कि जनता के उत्पीड़न और शोषण की घटनाएं आम हो गई है । समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक सहित समाज के सभी वर्गों का सम्मान और अधिकार सुनिश्चित होगा।

भीषण गर्मी और लू से बचाव हेतु नागरिक बरते सावधानी, डीएम ने जारी की एडवाइजरी

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। गर्मी के मौसम में तापमान में अत्यधिक वृद्धि और लू के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए जिलाधिकारी श्री महेंद्र सिंह तंवर ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे सतर्कता और सावधानी बरतते हुए स्वयं एवं अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा है कि लू एक गंभीर समस्या है, जिससे शरीर का तापमान असामान्य रूप से बढ़ जाता है और यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। विशेष रूप से छोटे बच्चों, बुजुर्गों, किसानों और पशुओं की देखभाल इस मौसम में अत्यंत आवश्यक है।

जिलाधिकारी ने बताया कि दिन के सबसे गर्म समय, विशेषकर पूर्वाह्न 11ः00 बजे से अपराह्न 4ः00 बजे तक बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो सिर को टोपी, गमछा या रूमाल से ढककर, हल्के रंग के ढीले और सूती कपड़े पहनकर ही बाहर निकलें। शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए नियमित अंतराल पर पानी, नींबू पानी, छाछ, आम पना जैसे तरल पदार्थों का सेवन करें। अधिक गर्मी होने पर ठंडी, छायादार, हवादार और स्वच्छ जगह पर ठहरना

डीएम महेंद्र सिंह तंवर

चाहिए। अगर किसी को चक्कर आना, बुखार, उल्टी या कमजोरी जैसे लक्षण महसूस हों तो उसे तत्काल निकटवर्ती स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर डॉक्टर से परामर्श कराना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बच्चों और बुजुर्गों को विशेष देखभाल की आवश्यकता है। उन्हें अनावश्यक रूप से धूप में न निकलने दें और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ देते रहें। घर के वातावरण को हवादार और साफ-सुथरा बनाए रखें। पशुओं की सुरक्षा को लेकर भी जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की है कि उन्हें छायादार, हवादार और स्वच्छ स्थान पर रखें। पशुओं को हर समय ठंडा और साफ पानी उपलब्ध कराएं। दिन में एक-दो बार ठंडे पानी से नहलाएं या शरीर पर पानी का छिड़काव करें। उन्हें चरागाह में ले जाने का कार्य केवल सुबह या शाम के समय करें। यदि किसी पशु में कमजोरी, सुस्ती या खाने में कमी जैसी कोई समस्या दिखे तो तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें।

किसानों को सुझाव दिया गया है कि वे खेतों में काम करने के लिए सुबह और शाम के समय का चयन करें। दोपहर में शरीर को पर्याप्त आराम दें। खेतों पर पानी, छाया और ओ.आर.एस. का प्रबंध रखें ताकि आवश्यकता पड़ने पर त्वरित राहत दी जा सके। हल्का भोजन करें और नियमित अंतराल पर तरल पदार्थों का सेवन करते रहें। अचानक थकावट या चक्कर आने की स्थिति में तत्काल काम रोककर छाया में विश्राम करें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी नंबर 102, 108, अग्निकांड या अन्य आपदा से संबंधित शिकायतों को दर्ज कराने हेतु जारी नंबर 05564 240590 या 1077 पर संपर्क कर सकते हैं।

राजकीय माध्यमिक विद्यालय मे समर कैम्प का हुआ समापन

अवधनामा संवाददाता

आलापुर अम्बेडकरनगर। राजकीय हाई स्कूल जहाँगीरगंज में 21 दिनों (21मई से 10 जून)तक चले समर कैम्प का समापन समारोह बहुत ही उत्साहपूर्वक मनाया गया।

प्रार्थना सभा से प्रारम्भ हुए आज के दिवस पर योग एवं व्यायाम के बाद 21 दिनों की समर कैम्प की गतिविधियों में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को सराहनीय कार्य करने के सन्दर्भ में मुख्य अतिथि स्वरूप उपस्थित शिक्षक अभिभावक संघ की अध्यक्ष बबिता की उपस्थिति में प्रधानाचार्य सुरेश लाल श्रीवास्तव द्वारा प्रतिभा प्रोत्साहन सम्मान समारोह के बैनर तले सम्मानित व पुरस्कृत किया गया।प्रत्येक प्रतिभागी बच्चे को एक डायरी पेन के साथ दी गई।इस पर वे वर्ष भर आयोजित होने वाले महत्वपूर्ण दिवसों व प्रतियोगिताओं की संक्षिप्तिका तैयार करेंगे। समारोह में सभी छात्र-छात्राओं द्वारा अपने 21 दिनों के अनुभवों को साझा किया गया। प्रधानाचार्य सुरेश लाल श्रीवास्तव व शिक्षक प्रदीप कुमार वर्मा द्वारा विद्यार्थियों को समर कैम्प की उपयोगिता, उससे प्राप्त होने वाले कला कौशलों पर अनुभव शेयर किये गये।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बबिता तथा अभिभावक श्रीमती कुसुम और राम सरन को प्रधानाचार्य सुरेश लाल श्रीवास्तव ने पेन व डायरी प्रदान कर सम्मानित किया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी ने छात्रों को वितरित किया सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन

अवधनामा संवाददाता

बर्डपुर सिद्धार्थनगर। ग्रीष्मकालीन शिविर के 21वें दिवस मंगलवार को प्रथम सत्र में योग अभ्यास एवं व्यायाम करवाया गया तथा दूसरे सत्र में छात्रों को हूला हूप, लेमन रेस, करवाया गया।

विकास क्षेत्र-बर्डपुर के नवागत खण्ड शिक्षा अधिकारी रामू प्रसाद का आगमन हुआ, उसी समय अभिभावक एवं बच्चे म्यूजिकल चेयर रेस खेल का आनंद ले रहे थे। समापन के अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक /जिला स्काउट मास्टर महेश कुमार की गाइड टीम ने खण्ड शिक्षा अधिकारी महोदय का स्वागत वंदन किया। छात्रों ने स्वागत गीत एवं संगीतमई योग प्रस्तुती देकर अभिभावक एवं अधिकारी महोदय का ध्यान आकर्षित किया। 21 दिनों से चल रहे इस कार्यक्रम का रिपोर्ट प्रधानाध्यापक महेश कुमार ने प्रस्तुत किया। विद्यालय में उपस्थित अभिभावक एवं छात्रों ने बारी बारी से अपनी समीक्षा अभिव्यक्ति प्रस्तुत किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने अपने कर कमलों से छात्रों को सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन वितरित किया तथा अपने संबोधन में सभी छात्रों एवं अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जुड़े रहने का संदेश प्रेषित किया साथ ही विद्यालय की गतिविधियों को अपने मुक्त कण्ठों से प्रशंसा किया।

इस अवसर पर विद्यालय की अनुदेशिका श्रीमती संगीता देवी अभिभावक श्रीमती कलावती देवी, शैलेंद्र नाथ शुक्ला, सुनीता, विद्यालय प्रबंध समिति की अध्यक्षा श्रीमती गुड़िया देवी, अजय वर्मा आदि उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया हल्लौर मिनी स्टेडियम का निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज विकास खंड के ग्राम हल्लौर में सरकार द्वारा खेल सुविधाओं को बढ़ावा मिनी स्टेडियम के लिए एक नई पहल की है उसी क्रम में ग्राम पंचायत हल्लौर में मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने निर्माणाधीन खेल मैदान का निरीक्षण किया। इस दौरान एडीओ महिला मानसी पटेल, एडीओ पंचायत अजय राय, एपीओ प्रमोद कुमार, जेई दीनानाथ चौधरी, ग्राम प्रधान ताकीब रिजवी, सेकेट्री हरिशंकर सिंह ग्राम सेवक हेलाल अनीस, राशिद हुसैन मौजूद रहे। मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम प्रधान को निर्देश दिए कि बरसात से पहले इसका काम पूरा करा दिया जाए। इस खेल मैदान से हल्लौर और आसपास जितने भी खेल में रूचि रखते हैं उन नवजवानों में एक खुशी की लहर है।

समर कैम्प का मकसद है बुनियादी शिक्षा को मजबूत करना : राही

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। समर कैम्प का असल मकसद ग्रीमावकाश में बच्चों को खेल खेल के माध्यम से उनके बुनियादी शिक्षा को मजबूत करना है। बच्चों के अन्दर गणित और विज्ञान की बहुत सी बुनियादी शिक्षा खेल खेल के माध्यम से जो उन्हें समर कैम्प में प्राप्त हुई है वह जीवन भर याद रहेगा।

उपरोक्त आशय का विचार ब्लॉक संसाधन केन्द्र जोगिया के सामने स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय जोगिया उदयपुर में सदर विधायक श्याम धनी राही ने समर कैम्प के समापन के अवसर पर उपस्थित छात्र छात्राओं और अभिभावकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया।

सबसे पहले सदर विधायक मश्याम धनी राही ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्याम धनी राही ने कहा कि ऐसे आयोजन से बच्चों में शारीरिक और बौद्धिक विकास होता है। ऐसे कार्यक्रम समय समय पर होते रहना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अनुरोध किया कि अपने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उनके पढ़ाई लिखाई में विशेष ध्यान दे, तथा होमवर्क में उनकी मदद करें। उन्होंने समर कैम्प के संचालन में लगे शिक्षा मित्र अनुदेशक एवं प्रथम संस्था की सराहना की।

कार्यक्रम कार्यक्रम के दौरान प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महेंद्र प्रसाद खण्ड शिक्षा अधिकारी जोगिया कमला प्रसाद, उसका बाजार के ओम प्रकाश मिश्र, एसआरजी अंशुमान सिंह, जिला समन्वयक प्रशिक्षण अमित शुक्ला, आशीष मिश्रा, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के सदस्य संदीप पाठक व सूर्य भान सिंह प्रधानाध्यापक राम प्रताप शर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सरकार जाति गणना करायेगी

जाति जनगणना को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर हमला कर रही है कि वह जाति जनगणना नहीं कराना चाहती। पर सरकार ने अब जाति जनगणना कराने की घोषणा कर दी है। शेडयूल के अनुसार एक मार्च 2027 के आधी रात को जनगणना खत्म होगी। इसके आकड़े कितनी जल्दी सार्वजनिक होते है। जातिगणना राउन्ड वाइज होती रहती है अब भी हो रही इसमें सरकार की जरूरतों के मुताबिक आंकड़े इकट्ठे किय जाते है और फिर उनका टेबुलेशन होता है जो काफी लम्बा प्रासेस होता है। मरा जाने वाला शिडयूल आईएसआई कलकता बनाता है धरे जाने वाले आइटमो की परिभाषा तय कर एक पूरा अमला प्रशिक्षित किया जाता है। प्रगणक चुने गोवों में और शहरों में जाकर शेडयूल भरते है। स्कुटनी के बाद टेबूलेशन होते है फिर आकड़े प्रकाशित होते है। इसमें सिर्फ जाति की गणना नहीं होती है। पर यह जनगणना सिर्फ जातियों को बांटने में होगी। इस बार के लोकसभा चुनाव क्षेत्रों के पारिसमन और महिला आरक्षण से जुड़ा हुआ है।

सरकार ने 2011 में सामाजिक आर्थिक और जांति जनगणना से आकड़े जुटाने में लगी थी। पर इसमें इतनी विसंगतियां थी की आकड़े प्रसारित नही किये गये। अब पिछले डेढ़ दशक में सामाजिक और राजनीतिक रूप से जातिगत जनगणना का दबाव बढ़ा है। हाल में बिहार और कर्नाटक जैसे राज्यों ने जातिय जनगणना कराई थी पर गणना विवादो में फंस गई। केन्द्र सरकार को ऐसे हालात से बचना होगा। आजाद भारत में जातियों पर राजनीति हुई पर उनका हिसाब नही रक्खा गया। ऐसे मे यह जन जाति गणना पूरे परिचय को बदल देगी। इसका पहला असर लोक सभा की सीटों पर होगा जो 50 सालो से टलता जा रहा है। देश में बढ़ती आजादी को अब संसद में अपने ज्यादा प्रतिनिधि चाहिये। लेकिन उत्तर दक्षिण में आबादी का अन्तर बडी रूकावट है। दक्षिसा अपनी आबादी पर नियन्त्रण किये है। उसे डर हे परिसीमन ने उसके यहां सीटे कम हो जायेगी।

1976 में इन्द्रागांधी और 2001 में अटल बिहारी वाजपेयी के सरकारों ने परिसीमन कराया था। पर सीटो की संख्या नही बढ़ाई थी। इन्द्रा सरकार ने 25 साल के लिये सीटे बढ़ाने पर रोक लगा दी थी। वाजपेयी सरकार ने इसमें छेड़छाड़ नही की थी। अब 2026 में नियाद खत्म हो रही है। अब जो गणना होने जा रही है। उसमें सरकार को उसमें बड़ा फैसला लेना है। पर यह अभी तय नही है कि इस विवाद का काट क्या होगा और कैसे होगा। जाति जनगणना के साथ एक अहम सवाल आरक्षण का है। आकड़ों के साथ आरक्षण बदलाव की मांग उठेगी। पर इस तरह का बदलाव करने में कई राजनीतिक और कानूनी जटिलतायें है। इनको सुलझाना होगा आगे बढ़ना मुशकिल होगा। इस जति जनगणना से सामाजिक और आर्थिक समीकरणों को समझाने में मदद मिलेगी। निश्चित है इसमें कुछ चुनौतियों की होगी। यह सवाल भी सामने है कि जनगणना आकड़े 2029 के इसका असर लोकसभा चुनाव पर जरूर पडेगा।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मीडिया को जानकारी दी कि घटना में ग्यारह लोगों की मौत हुई है और 33 लोग घायल हो गए हैं। आए दिन हम किसी न किसी हादसे की खबर सुनते रहते हैं। दो-चार दिन के शोर शराबे के बाद गाड़ी पुरानी पटरी पर दौड़ने लगती है। लिहाजा बड़ा सवाल ये है कि आखिर हम ऐसे हादसों से सबक क्यों नहीं लेते? बीती 3 मई को गोवा के शिरगाओ गांव में श्री लैराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान मची भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई और करीब 100 लोग घायल हो गए।

आखिर कौन है इस दर्द का गुनहगार?

3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग का फाइनल मैच खेला गया था, जिसमें 17 सीजन के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी ने जीत दर्ज की। इसके बाद 4 जून को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम जश्न मनाने के लिए समारोह का आयोजन किया गया था। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली को टीम ने खास तोहफा ही दिया। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक तब फीकी पड़ गई जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में ग्यारह लोगों की दुखद मृत्यु हो गई। इस दुखद घटना पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने गहरा दुख जताया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। हादसे ने पूरे देश को दहलाकर रख दिया है। हादसे के बाद सवाल उठ रहे हैं कि लोगों का क्या कसूर है, जो जश्न में शामिल होने गए थे? यकीनन दलीलें भी दी जाएगी, सफाई भी पेश की जाएगी, लेकिन सवाल ये है कि लोग जो बेमौत मारे गए हैं, उनकी जिम्मेदारी कौन लेगा? इस हादसे के बाद कुछ सवाल उठ रहे हैं. जैसे- इतना बड़ा हादसा कैसे हुआ, इसका जिम्मेदार कौन है? सवाल ये भी है कि क्या आयोजकों को पता भी नहीं था कि कितनी भीड़ मौजूद है? जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास दो लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मीडिया को जानकारी दी कि घटना में ग्यारह लोगों की मौत हुई है और 33 लोग घायल हो गए हैं। आए दिन हम किसी न किसी हादसे की खबर सुनते रहते हैं।

राजेश माहेश्वरी

दो-चार दिन के शोर शराबे के बाद गाड़ी पुरानी पटरी पर दौड़ने लगती है। लिहाजा बड़ा सवाल ये है कि आखिर हम ऐसे हादसों से सबक क्यों नहीं लेते? बीती 3 मई को गोवा के शिरगाओ गांव में श्री लैराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान मची भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई और करीब 100 लोग घायल हो गए। इस साल 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। वे महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाली ट्रेन में सवार होने का इंतजार कर रहे थे। 29 जनवरी को महाकुंभ के संगम क्षेत्र में मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई और 60 लोग घायल हो गए। इस साल 8 जनवरी को तिरुमला हिल्स में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम की खातिर टिकट लेने के लिए मची भगदड़ में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। 4 दिसंबर, 2024 को हैदराबाद के संध्या थिएटर में अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान मची भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई और एक लड़का घायल हो गया। इस मामले में अल्लू अर्जुन को एक रात जेल में गुजारनी पड़ी थी। पिछले साल 2 जुलाई को उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि द्वारा आयोजित सत्संग में भगदड़ से महिलाओं और बच्चों सहित 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई।

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि जब भी अनियंत्रित भीड़ एक जगह पर एकत्र होती है, वहां भगदड़ की संभावना बढ़ जाती है। अक्सर ऐसी घटनाएं दुखद होती हैं, जिनमें कई लोगों की जान चली जाती है। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि भगदड़ में गिरने से मौत होती है, लेकिन इसके पीछे कई वैज्ञानिक और शारीरिक कारण होते हैं। भगदड़ में कई लोग सांस लेने में परेशानी और शरीर पर दबाव पड़ने के बाद दम तोड़ देते हैं। भीड़ के दबाव से शरीर पर अत्यधिक जोर पड़ता है। यह दबाव सांस लेने के रास्ते को बंद कर देता है, जिससे सांस रुक जाती है और व्यक्ति दम तोड़ सकता है। इसको मेडिकल की भाषा में कंप्रेसिव एस्फिक्सिया कहते हैं। भगदड़ में डर और घबराहट सबसे अधिक जानलेवा साबित होते हैं। जब अचानक कोई अफवाह फैलती है तो लोग घबरा जाते हैं। यह घबराहट ही भगदड़ की सबसे बड़ी वजह बनती है। लोग एक-दूसरे को धक्का देने लगते हैं, बचने की होड़ में दूसरों को कुचल देते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक,फर्स्ट एड से लोगों की जान बचाई जा सकती है। अगर इन लोगों को कुछ ही समय में सीपीआर मिल जाए तो इनको मौत के मुंह में जाने से बचाया जा सकता है। अस्पताल जाने से पहले सीपीआर देने से हर 3 में से 1 व्यक्ति की जान बचने की संभावना रहती है। सीपीआर देने के लिए किसी मेडिकल डिवाइस की भी जरूरत नहीं है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने न्यायालय मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य को नोटिस जारी किया और उसे 10 जून तक विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। भगदड़ को लेकर कर्नाटक सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। सरकार ने पुलिस कमिश्नर, एसीपी और कई बड़े अधिकारी सस्पेंड कर दिया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश माइकल डी कुन्हा की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग द्वारा न्यायिक जांच की भी घोषणा की। अब ये जांच क्या उन सवालों का जवाब भी खोजेगी, जिससे पता चले कि आखिर ये हादसा क्यों हुआ। घटना के बाद, कब्बन पार्क पुलिस ने 5 जून को आरसीबी फ्रेंचाइजी, डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और अन्य गंभीर आरोपों के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। चिन्नास्वामी स्टेडियम पर हुआ हादसा हमारे सिस्टम के लिए बड़ा तमाचा है। लेकिन अफसोस ये कि ऐसे तमाचों से हमारा सिस्टम जागता नहीं। ऐसे हादसों के बाद मरने वालों की गिनती करके उन्हें फाइलों में दफन कर दिया जाता है। उन्हें इंसाफ कैसे मिले, ये कोई नहीं सोचता। ऐसे हादसे दोबारा फिर ना हों, वो कोई नहीं सोचता। सरकार दोषियों को सजा देने और हालात को संभाल लेने का दावा कर रही है, लेकिन अहम सवाल ये है कि आखिर ये नौबत आई क्यों। आखिर इतनी बड़ी तादाद में जुटी भीड़ को संभालने के लिए पहले से इंतजाम क्यों नहीं किए गए थे।

बेंगलुरु में भगदड़ से मौत के बाद बीजेपी ने राज्य सरकार पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया है। कांग्रेस भी इस मामले में जमकर राजनीति कर रही है। देश ये सवाल पूछ रहा है कि आखिर हम क्यों पुराने हादसों से सबक नहीं लेते। आखिर क्यों हमारी सरकारों के लिए आम आदमी की जिंदगी की कोई कीमत नहीं होती। आखिर क्यों ऐसे हादसों के बाद सिर्फ कागजी कार्रवाई होती है, कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता।

600 साल बाद भी प्रासंगिक हैं कबीर

कबीर जयंती

संत कवि कबीर के पदों का उर्दू शायरी में अनुवाद करने वाले युवा साहित्यकार हाशिम रज़ा जलालपुरी ने कहा कि कबीर 21वीं सदी में भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने 15वीं सदी में थे। उनके द्वारा किया गया कबीर के पदों का यह अनुवाद, पुस्तक के रूप में कबीर उर्दू शायरी में (नग़मा-ए-फ़हम-ओ-ज़का) के नाम से हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं में प्रकाशित हो चुका है। कबीर उर्दू शायरी में को मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश द्वारा सितम्बर 2024 में शादाँ इंदौरी अखिल भारतीय पुरुस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

हाशिम रज़ा जलालपुरी

हाशिम रज़ा जलालपुरी ने बताया कि दुनिया को अगर किसी चीज़ की सबसे ज़्यादा ज़रूरत है तो वो मोहब्बत और इंसान-दोस्ती है। कबीर मोहब्बत और इंसान-दोस्ती के अन्तर्राष्ट्रीय प्रचारक हैं इसलिये उनकी रचनाओं को लोगों तक पहुँचनी चाहिए जिससे विभिन्न संप्रदायों के मानने लोगों के बीच की दूरियों को कम किया जा सके। हिंदुस्तान संतों, सूफ़ियों और महात्माओं का देस है। इस देस की मिट्टी में न जाने कितने संतों, सूफ़ियों और महात्माओं ने जन्म लिया और अपनी तालीमात के दीपक से लोगों के दिलों की दहलीज़ पर मोहब्बत और इंसान-दोस्ती के चराग़ रोशन किये। संत, सूफ़ी या महात्मा किसी मज़हब, मसलक या मकतब-ए-फ़िक्र के नुमाइंदे नहीं होते बल्कि मोहब्बत और इंसानियत के पैरोकार होते हैं, जिनकी शख़्सियत और ज़िंदगी मज़हब की तफ़रीक़ और ज़ात-पात के झगड़ों से पाक होती है। कबीर भक्ति आंदोलन की साझा संस्कृति के अलमबरदार हैं, जिनकी नज़र में राम और रहीम एक हैं। कबीर की शायरी गंगा जमुना का हसीन संगम है। उनके कलाम में भक्ति और तसव्वुफ़ दोनों का रंग यकजा दिखाई देता है। कबीर के नज़दीक इंसानों के दरमियान तफ़रीक़ बे-मानी है, न कोई आला है न कोई अदना, सब एक ही ख़ुदा के बंदे हैं और बंदों में तफ़रीक़ कैसी? हिंदुस्तान की तारीख़ में जिन लोगों ने इंसानी बिरादरी को एक करने और उनमें इत्तिफ़ाक़-ओ-यकजहती पैदा करने की कोशिश की उन में कबीर का नाम सर-ए-फ़ेहरिस्त है।

हाशिम रज़ा जलालपुरी ने महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड यूनिवर्सिटी बरेली से बी.टेक और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी अलीगढ़ से एमटेक की डिग्री हासिल की। इस समय राजकीय पॉलीटेक्निक रामपुर में लेक्चरर के पद पर सेवाएं दे रहे हैं। पूर्व में हाशिम रज़ा जलालपुरी चोन्नम नेशनल यूनिवर्सिटी दक्षिण कोरिया, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी और रूहेलखंड यूनिवर्सिटी बरेली में कार्य कर चुके हैं। मीराबाई लोक साहित्य सम्मान 2021, सर सैय्यद अवॉर्ड 2024, गंगा जमुनी तहज़ीब सम्मान, उर्दू रत्न और फाखिर जलालपुरी सम्मान 2019 से सम्मानित हो चुके हैं। आज हाशिम रज़ा जलालपुरी अपनी शायरी के हवाले से साहित्य जगत में जाना पहचाना नाम हैं मगर कबीर के पदों को उर्दू शायरी में अनुवाद करने का कारनामा हाशिम रज़ा जलालपुरी को अपने दौर के शायरों से अलग करता है।

वरिष्ठ समाजसेवी सैय्यद आबिद हुसैन ने हाशिम के इस कारनामे को सराहना करते हुए कहा कि मैं प्रिय हाशिम रज़ा जलालपुरी को इस प्रयास के लिए हृदय से बधाई देता हूँ और उनकी निरन्तर सफलता के लिए दुआ करता हूँ। मुझे आशा है कि कबीर के पदों के माध्यम से हाशिम रज़ा जलालपुरी जी की पुस्तक भारतीय समाज में आपसी समझदारी और सहयोग, शांति और सौहार्द की भावना को मज़बूत करेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

भारतीय अध्यात्म जगत के महासूर्य हैं कबीर

कबीर ने भाईचारे, प्रेम और सद्भावना का संदेश दिया है। उनके प्रेरक एवं जीवन निर्माणकारी उपदेश उनकी साखी, रमैनी, बीजक, बावन अक्षरी, उलट बासी में देखे जा सकते हैं। कबीर एक ऐसे संत हैं, जिनके लिये पंथ और ग्रंथ का भेद बाधक नहीं। वे दो संस्कृतियों के संगम हैं। उनका मार्ग सहजता है, यही कारण है कि उन्होंने सहज योग का मार्ग सुझाया। वे जाति-पांति के भेदभावों से मुक्त एक सच्चा इंसान, क्रांतिकारी संतपुरुष एवं अनूठे योगी थे।

भारतीय संत परम्परा और संत-साहित्य में संत कबीर एक महान् हस्ताक्षर, समाज-सुधारक, अध्यात्म की सुदृढ़ परम्परा के संवाहक एवं अनूठे संत हैं। जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अधंकारमय था, एक तरफ मुसलमान शासकों की धर्मांधता से जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी और दूसरी तरफ हिंदूओं के कर्मकांडों, विधानों एवं पाखंडों से धर्म-बल का ह्रास हो रहा था, तब संत कबीर एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। कबीर ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ-ही-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में कबीर ने धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए कबीर ने संजीवनी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठोंक-पीट कर इंसान बनाने की घटना कबीर के काल में, कबीर के ही हाथों हुई। शायद तभी कबीर कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्त्रष्टा कहलाए।

ललित गर्ग

महात्मा कबीर सत्व, रज, तम तीनों गुणों को छोड़कर त्रिगुणातीत बन गये थे। उन्होंने निर्गुण रंगी चादरिया रे, कोई ओढ़े संत सुजान को चरितार्थ करते हुए सद्भावना और प्रेम की गंगा को प्रवाहित किया। उन्होंने इस निर्गुणी चदरिया को ओढ़ा है। उन्हें जो दृष्टि प्राप्त हुई है, उसमें अतीत और वर्तमान का वियोग नहीं है, योग है। उन्हें जो चेतना प्राप्त हुई, वह तन-मन के भेद से प्रतिबद्ध नहीं है, मुक्त है। उन्हें जो साधना मिली, वह सत्य की पूजा नहीं करती, शल्य-चिकित्सा करती है। सत्य की निरंकुश जिज्ञासा ही उनका जीवन-धर्म रहा है। वही उनका संतत्व रहा, वही उनकी साधना का अभिन्न अंग रहा। वे उसे चादर की भाँति ओढ़े हुए नहीं हैं बल्कि वह बीज की भाँति उनके अंतस्तल से अंकुरित होता रहा है। कबीर ने सगुण-साकार भक्ति पर जोर दिया है, जिसमें निर्गुण निहित है।

हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो - सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि कबीर में थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना कबीर के विश्व मानव या वसुधैव कुटुम्बकम् के दर्शन का द्योतक है। उन्होंने मन, चेतना, दंड, भय, सुख और मुक्ति जैसे सूक्ष्म विषयों पर भी किसी गंभीर मनोवैज्ञानिक की तरह विचार किया था और व्यक्ति को अध्यात्म की एकाकी यात्रा का मार्ग सुझाया था। कबीर ने लोगों को एक नई राह दिखाई। घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार

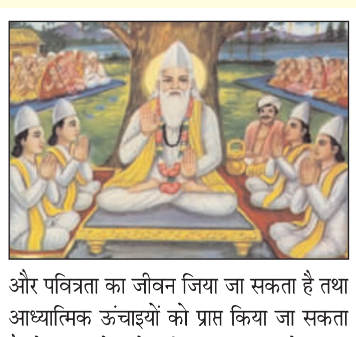

और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। वे संसार से भागे नहीं, बल्कि संसार में रहकर सादगी को, संतता को साधा। इसीलिये कबीर एक सामान्य मनुष्य के लिये आशा का द्वार है।

संत कबीर का जन्म लहरतारा के पास जेठ पूर्णिमा को हुआ था। उनके पिता नीरू नाम के जुलाहे थे। 119 वर्ष की आयु में उन्होने मगहर में अपना देह त्यागा। कुछ लोगों का कहना है कि वे जन्म से मुसलमान थे और युवा अवस्था में स्वामी रामानंद के प्रभाव से उन्होंने हिन्दू धर्म की विशेषताओं को स्वीकारा। कबीर ने हिन्दु, मुसलमान का भेद मिटाकर हिन्दू भक्तों तथा मुसलमान फकीरों के साथ सत्संग किया और दोनों की अच्छी बातों को आत्मसात किया। उनके जीवन में कुरान और वेद ऐसे एकाकार हो गये कि कोई भेदरेखा भी नहीं रही। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे पर उनकी बोली बातों को उनके अनुयायियों ने लिपिबद्ध किया जो लगभग 80 ग्रंथों के रूप में उपलब्ध है। कबीर ने भाईचारे, प्रेम और सद्भावना का संदेश दिया है। उनके प्रेरक एवं जीवन निर्माणकारी उपदेश उनकी साखी, रमैनी, बीजक, बावन अक्षरी, उलट बासी में देखे जा सकते हैं। कबीर एक ऐसे संत हैं, जिनके लिये पंथ और ग्रंथ का भेद बाधक नहीं। वे दो संस्कृतियों के संगम हैं। उनका मार्ग सहजता है, यही कारण है कि उन्होंने सहज योग का मार्ग सुझाया। वे जाति-पांति के भेदभावों से मुक्त एक सच्चा इंसान, क्रांतिकारी संतपुरुष एवं अनूठे योगी थे। कबीर ने इन क्रांतिकारी शब्दों के जरिये पाखंडियों को किया था लहूलुहान-कबीर बानी अटपटी, सुनकर लागे आग। अज्ञानी जन जल मुए,ज्ञानी जाए जाग। कबीर की वाणी धधकती हुई आग के समान थी, जिस अग्नि में अज्ञानी और पाखंडियों का भस्म होना निश्चित है। संत सज्जन व्यक्तियों का जीवन सुसज्जित तथा उन्हें परम सत्य की प्राप्ति होना सुनिश्चित है। सत्य परम प्रकाश हमारे अंदर है जिसकी प्राप्ति संत कबीर जैसे महापुरुषों के ज्ञान से की जा सकती है।

महात्मा कबीर ने स्वयं को ही पग-पग पर परखा और निथारा। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा। वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। शास्त्र और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी-सुनाई तथा लिखी-लिखाई बातों को मानना या उन पर अमल करना उनको गंवारा नहीं। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपने अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। कबीर शब्दों का महासागर है, ज्ञान का सूरज हैं। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूंद-बूंद में सागर है और किरण-किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है।

संत शिरोमणि कबीर सर्वधर्म सद्भाव के प्रतीक थे, साम्प्रदायिक सद्भावना एवं सौहार्द को बल दिया। उनको हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही संप्रदायों में बराबर का सम्मान प्राप्त था। दोनों संप्रदाय के लोग उनके अनुयायी थे। यही कारण था कि उनकी मृत्यु के बाद उनके शव को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। हिन्दू कहते थे कि उनका अंतिम संस्कार हिन्दू रीति से होना चाहिए और मुस्लिम कहते थे कि मुस्लिम रीति से। किंतु इसी छीना-झपटी में जब उनके शव पर से चादर हट गई, तब लोगों ने वहाँ फूलों का ढेर पड़ा देखा। यह कबीरजी की ओर से दिया गया बड़ा ही चमत्कारी और सशक्त संदेश था कि इंसान को फूलों की तरह होना चाहिए- सभी धर्मों के लिए एक जैसा भाव रखने वाले, सभी को स्वीकार्य। बाद में वहाँ से आधे फूल हिन्दुओं ने ले लिए और आधे मुसलमानों ने तथा अपनी-अपनी रीति से उनका अंतिम संस्कार किया। अध्यात्म के महासूर्य कबीर ने कहा है, 'बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय। जो मन खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।' इस दोहे में कबीर ने बताया है कि व्यर्थ में हम किसी दूसरे में दोष क्यों ढूंढ़ने लगते हैं? हमें अपने अंदर झांक कर देखना चाहिए कि कहीं मुझमें कोई गलती तो नहीं।

शायरी के सरताज : आम आदमी की आवाज़ कैफ़ी आज़मी

कैफी साहब पर सियासत का जनून इस कदर चढ गया कि उन्होंने पढाई छोड़ दी। बहराइच में एक मुशायरा हुआ। कैफी साहब ने पहली बार अपनी गजल पढी। जिसमें एक शेर था वह सबकी सुन रहे है सबको दाद-ए-शौक देते है, कही ऐसे में मेरा किस्स-ए-गम भी बया होता। लोगो ने कैफी साहब को बेइन्तिहा पसन्द किया। हालाकि उम्र में बहुत छोटे थे। घरवालों की यकीन नही था कि गजल कैफी साहब ने लिखी है इसलिये उनका इम्तहान लेना तय हुआ। उन्हें मिसरा दिया गया इतना हंसे की आंख में आंसू निकल पड़े। कैफी साहब की यह गजल बेगम अख्तर के हाथ लग गई।

पत्रकार खुशवन्त सिंह ने कैफी आजमी के उर्दू शायरी का बादशाह कहा था। कैफी आजमी आम आदमी की तकलीफो को प्रभावी ढंग से पेश करते है साथ ही आम आदमी को अपने हक के लिये लड़ने की ताकत भी देते है। साथ ही हुस्न और इश्क की भी बेजोड़ शायरी करते है। फिल्मी गीतों को भी अपनी कलम से खूब चमकाया है।

कैफी साहब आजमगढ़ के छोटे से गांव में पैदा हुये थे। घर में जमीदारी थी और खेती भी होती थी। बचपन में ही उन्हें मजहबी स्कूलों में मौलवी बनने के लिये पढ़ाया गया। पर उनका मन नहीं लगा। दो भाई शायरी करते थे वह बैठ कर सुनते थे। उम्र 9-10 साल की थी। बुर्जुग उन्हे डांट कर भगा देते थे तुम्हें क्या समझ में आयेगी जाओं पान लाओ। रूआंसे चले जाते मम्मी से कहते देखना एक दिन इन सबसे बड़ा शायर बनकर दिखाऊंगा। बात सच निकली। आज शायरों की लिस्ट में उनका नाम अलग चमकता रहता है।

एस.एन.वर्मा

उनके शायरी के विकास की कहानी बडी दिलचस्प है। गांव में फसल कट रही थी देखरेख कैफी साहब कर रहे थे। एक हंसीन लड़की फसल का बड़ा बोझ बनाती जा रही थी। कैफी साहब हुस्न पर फिदा उसे मदद कर रहे थे। तभी उनके चाचा आ गये। कैफी का कान पकड़ा घर में इनका किस्सा बताया कैफी साहब को लखनऊ भेज दिया गया। यहां शियों के स्कूल में उन्हें भरती करा दिया गया और हास्टल में रहने लगे। यहां मांगो को लेकर लम्बी हड़ताल चला रहे थे। रोज मीटिंग करते थे अपने लिखे शायरी से उनमें उत्साह भरते थे। मीटिग के दौरान एक बुजुर्ग आये और जो नज्म वह पढ़ रहे थे उनसे मांग लिया। कैफी साहब ने पूछा आप है कौन जवाब मिला मुझे अली अब्बास हुसैनी कहते है। उर्दू वालों में प्रेमचन्द्र के बाद यह दूसरा नाम है। उन्होंने कैफी साहब को घर आने को कहा कैफी साहब घर गये तो वहां सर्फराज के एडीडर से उन्हें मिलवाया और कैफी साहब की खूब तारीफ की। एडीटर ने सरदार जाफरी से कैफी साहब को मिलवाया।

कैफी साहब पर सियासत का जनून इस कदर चढ गया कि उन्होंने पढाई छोड़ दी। बहराइच में एक मुशायरा हुआ। कैफी साहब ने पहली बार अपनी गजल पढी। जिसमें एक शेर था वह सबकी सुन रहे है सबको दाद-ए-शौक देते है, कही ऐसे में मेरा किस्स-ए-गम भी बया होता। लोगो ने कैफी साहब को बेइन्तिहा पसन्द किया। हालाकि उम्र में बहुत छोटे थे। घरवालों की यकीन नही था कि गजल कैफी साहब ने लिखी है इसलिये उनका इम्तहान लेना तय हुआ। उन्हें मिसरा दिया गया इतना हंसे की आंख में आंसू निकल पड़े। कैफी साहब की यह गजल बेगम अख्तर के हाथ लग गई। जिसे गा कर उन्होंने अमर कर दिया। पहला शेर है इतना तो जिन्दगी में किसी की खलल पड़े हंसने से हो सुकूं न रोने से कल पड़े।

11 वर्ष की उम्र में लोगो की राय पर इस्लाह के लिये सफी साहब के यहां पहुंचे। उन्होंने कहा तुम 11 साल की गर्मी का मै 65 साल का मुकाबला नहीं कर सकता। सैफी साहब ने मशविरा दिया यू ही लिखते रहो और तारीफ से भटको नहीं सैफी साहब की राय लिये वह शायरी की दुनियां मे कूद पड़े। एक से एक अच्छी शायरी की।

कैफी साहब कम्युनिष्ट विचार धारा से प्रभावित थे। वह कम्यूनिष्ट में रहे। जहां इस विचारधारा के लोग अपने परिवार के साथ रहते थे। अपनी योग्यता के अनुसार कमाते थे पर जरूरत के मुताबिक लेते थे। बाकी पार्टी को दे दिया करते थे। शौचालय और स्नानगृह कामन हुआ करते थे। एक एक कमरे में लोग रहते थे। पार्टी की मीटिंग करते थे। जलूस निकालते थे। इसी एक कमरे में उनके यहां फैज अहमद फैज रघुपति सहत्य फिराक जैसे शायर आके रूका करते थे और खूब शेरो शायरी चलती थी।

कैफी साहब के नज्मों और गजलों के चार संग्रह प्रकाशित हुये है। झंकार आखिर-ए-शब, आवारा सिज्दे, इब्लीस की मज्लिस-ए-शूरा आवारा सिज्दे को लेकर दिल्ली के एक साहब और शाही इमाम ने संघर्ष छेड दिया और कैफी साहब की किताब जब्त करने और उन्हें जेल में डालने को कहा पर प्रदेश की उर्दू अकादमी ने उस साल का सबसे बेहतरीन किताब माना। इसी किताब के लिये सोवियत लैन्ड नेहरू अवार्ड और साहित्य अकादमी का अवार्ड दिया गया। पूरे साहित्यिक सेवा के लिये लोटस एवार्ड से नवाजा गया।

अलबेले शायर 8 फरवरी 1973 को लकवा का हमला हुआ बायां हाथ पांव बेकार हो गया। चार दिनों बाद होश आया। पर हिम्मत नही हारी। उसी हालत में शमा जैदी के एक नज्म सुनाई आज अंधेरा मेरे नस नस में उतार जायेगा। आखिरी शेर है राख हो जायेगा जलते जलते और फिर राख बिखर जायेगी।

जिस शायर ने लिखा

क्यो सवारी है चन्दन की चिता मेरे लिये
मै कोई जिस्म नही की जला दोगे मुझे
राख के साथ बिखर जाऊंगा मै दुनियां में
तुम जहां जाओंगे खोकर वही पाओगे मुझे

अतहर हुसैन रिजवी उर्फकैफी आज़मी 83 साल की उम्र में 10 मई 2002 को कब्र में सो गये। बड़े शौक से सुन रहा था जमाना, खुदी सो गये दास्ता कहते कहते।

सीएम योगी बोले- नया भारत शांति की रट नहीं लगाता...

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष का कार्यकाल भारत वर्ष के स्वर्णिम काल के रूप में जाना जाएगा। इस कार्यकाल में पीएम मोदी ने भारत को वैश्विक पहचान दी है। कांग्रेस समेत अन्य अस्थिर सरकारों में आमजन का विश्वास टूट गया था। वैश्विक स्तर पर भारत की छवि तार-तार हो गई थी। पीएम मोदी के भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद से मुक्त नेतृत्व ने देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाकर अगले 25 वर्ष के लिए कार्ययोजना प्रस्तुत की है। इन 11 वर्षों ने सामाजिक और संस्कृतिक पक्ष के साथ ही सेवा, सुशासन के साथ आर्थिक मोर्चे पर देश को एक नई पहचान दी है।

शासन की नीति स्पष्टता, कार्य प्रणाली की पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही शासन की नई पहचान बनी है। विकास केवल नारे नहीं हैं। इन वर्षों ने विरासत और विकास का समन्वय करते हुए हुए देश को दुनिया में नई पहचान दिलाई। अब चेहरा देख कर नहीं बल्कि जरूरत देख कर सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जाता है। मुख्यमंत्री योगी मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पिछले 11 साल में राष्ट्रीय एकता और

■ मोदी सरकार के 11 साल: ऑपरेशन सिंदूर से मुंहतोड़ जवाब देता है

अखंडता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस को हमने देखा है। यह 11 साल का समय उस वक्त पूरा हो रहा है जब भारत की सामरिक शक्ति को पूरे विश्व ने देखा है। पाकिस्तान में टेस्टेड और दुनिया में ट्रस्टेड भारत की सैन्य शक्ति मानी गई है। कोई हम पर युद्ध थोपेगा तो उसका जवाब सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर से दिया जाएगा। अब भारत दुनिया में शांति की रट लगाने वाला देश नहीं है बल्कि युद्ध थोपने पर कड़ा जवाब देने वाला देश है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इन 11 वर्षों में भारत को एक भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में प्रदर्शित किया गया है। विकसित भारत के लिए पंच प्रण और 11 संकल्प बताए गए हैं।

बड़े मंगल पर रॉयल कैफे ग्रुप ने किया विशाल भंडारे का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। जेठ माह के पांचवें अंतिम मंगलवार के अवसर पर पिछले 11 वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वाहन करते हुए रॉयल कैफे समूह ने अपने सहारागंज स्थित परिसर के बाहर प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

विभिन्न धर्मों के लोगो और परिवारी जनों की उपस्थिति में शाम 12:00 बजे से शुरू हुआ यह कार्यक्रम शाम तक चला। इस भंडारे में मुख्य अतिथि के रूप में डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव ने लोगो को प्रसाद बांटा। इस अवसर पर रॉयल कैफे ग्रुप के अध्यक्ष मुरलीधर आहूजा और एमडी संदीप आहूजा ने संयुक्त रूप से बताया कि भीषण गर्मी के इस मौके पर राह चलते हज़ारो लोगों को ठंडा शरबत और देसी घी से बने व्यंजन -वेज पुलाव, छोले, बूंदी आदि का प्रसाद वितरण किया गया।

इस अवसर पर लखन आहूजा, नवाब साहब, श्याम क्रिश्नानि, समाजसेवी अब्दुल वहीद, महेश दीक्षित, भाजपा नेता अनीता अग्रवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष अमित गुप्ता, सुशील दूबे, राम जी, अजय वर्मा, राजेश मखीजा, कुदरत उल्ला खान, मुर्तुजा अली, सैय्यद गुलाम हुसैन, परवेज अख्तर सहित होटल का स्टाफ और विशिष्ट अतिथि गण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर प्रकरण : प्रशासन की पहल पर विभिन्न संगठनों ने किया समर्थन

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों के साथ अब व्यापारिक संगठन भी श्री बांके बिहारी जी मंदिर कॉरिडोर के समर्थन में आ गए है। श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ प्रस्तावित कॉरिडोर को व्यापारिक दृष्टि से भी वृंदावन मथुरा की जरूरत बता रहे है। मंगलवार को मथुरा वृंदावन होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन, कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ब्रज क्षेत्र, जिला ओलंपिक संघ मथुरा एवं ऑल इंडिया ज्वैलर्स और गोल्डस्मिथ फेडरेशन ब्रज प्रांत ने बिहारी जी कॉरिडोर निर्माण के लिए जिलाधिकारी को अपना समर्थन व्यक्त किया है।

बिहारी कॉरिडोर निर्माण का समर्थन पत्र देते हुए पदाधिकारियों ने कहा है कि भगवान श्री राधा कृष्ण जी की लीला भूमि होने के कारण मथुरा वृंदावन आज विश्व पटल पर एक विशिष्ट पहचान बनाए हुए है। जैसा कि सर्वज्ञात है,

■ श्रद्धालुओं, स्थानीय व्यापारियों एवं नागरिकों को भी कठिनाई होती

भगवान श्री कृष्ण एवं राधा रानी जी के अनुयायी संपूर्ण विश्व में है, अपने आराध्य की झलक पाने के लिए करोड़ों की संख्या में अनुयाई संपूर्ण विश्व से उनके दर्शन करने के लिए वर्ष भर आते रहते हैं, जिससे यहां की व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा में व्यवधान पैदा होता है। भीड़ के दबाव श्रद्धालुओं, स्थानीय व्यापारियों एवं नागरिकों को भी कठिनाई होती है, उन सभी तीर्थ यात्रियों, पर्यटकों, स्थानीय लोगों की परेशानियों को देखते हुए सरकार द्वारा वृंदावन कॉरिडोर निर्माण के लिए जो कदम उठाया जा रहा है यह आवश्यक व उचित है। समय की मांग एवं जन भावनाओं को देखते हुए बृहद कॉरिडोर का निर्माण होना भविष्य में सभी के लिए उपयोगी होगा। काशी विश्वनाथ, महाकाल उज्जैन के उदाहरण हमारे सामने है, जहां कॉरिडोर बनने के बाद पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं का आगमन कई गुना बढ़ गया है। भगवान श्रीराम जी की नगरी अयोध्या आज विश्व में आस्था आकर्षण का केंद्र बन गई है। श्री बांके बिहारी जी कॉरिडोर निर्माण में समाज के सभी वर्ग का हित है। बृहद कॉरिडोर बनने के बाद मथुरा जिले का सर्वांगीण विकास होगा। अंतरराष्ट्रीय होटल ग्रुप, फूड चेन, रियल एस्टेट पुन, हॉस्पिटल, मल्टीनेशनल कंपनी इत्यादि यहां पर आएंगी। इससे केंद्र एवं प्रदेश का राजस्व बढ़ने के साथ साथ रोजगार के नए अवतर भी सृजन होगे।

इधर कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ब्रज क्षेत्र एवं ऑल इंडिया ज्वैलर्स और गोल्डस्मिथ फेडरेशन ब्रज प्रांत के सभी पदाधिकारियों ने श्री बांके बिहारी जी वृंदावन कॉरिडोर का पुरजोर समर्थन किया है। उन्होने सरकार से आग्रह किया है कि कॉरिडोर बनाते समय वृंदावन की कुंज गलियां, पारंपरिक स्वरूप, पुरातन संस्कृति, श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं, सेवा परंपरा आदि का भी सम्मान बरकरार रखा जाए।

शुभांशु के लिए सीएमएस में हुआ विशेष हवन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। जब देश का एक सपूत अंतरिक्ष में भारत का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी कर रहा है, तब लखनऊ स्थित सिटी मोन्टेसरी स्कूल के अलीगंज कैम्पस में मंगलवार को बड़े मंगल के पावन अवसर पर एक विशेष हवन का आयोजन किया गया। यह आयोजन सी.एम.एस. के पूर्व छात्र ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के सफल प्रक्षेपण और मंगलमय अंतरिक्ष यात्रा के लिए किया गया, जिनका एक्सिओम-4 मिशन अब 11 जून को प्रक्षेपित होने वाला है।

यह पावन अनुष्ठान उसी स्कूल में सम्पन्न हुआ जहाँ शुभांशु ने अपने जीवन की पहली उड़ान भरी थी यानि कि सी.एम.एस. अलीगंज प्रथम कैमपस। इस अवसर पर शुभांशु के परिजन, स्कूल के अधिकारी, शिक्षकगण व सैकड़ों छात्र उपस्थित रहे जिन्होंने वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ आहुतियाँ देते हुए शुभांशु की ऐतिहासिक अन्तरिक्ष यात्रा शानदार सफलता की कामना की।

दीवानी प्रांगण में वकीलों के चैंबर से पंखा हुआ चोरी

सुलतानपुर। दीवानी न्यायालय परिसर में स्थित वकीलों के चैंबर से चोरी की एक घटना सामने आई है। जिसने अधिवक्ताओं की सुरक्षा के साथ परिसर की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अधिवक्ता श्यामलाल प्रजापति और झिनकू राम विश्वकर्मा का चैंबर सिविल कोर्ट स्थित सम्मन सेल के सामने है। दोनों अधिवक्ता शुक्रवार की शाम को अपने चैंबर का सीलिंग फैन बंद करके घर चले गए थे। सोमवार सुबह जब वे अपने चैंबर पहुँचे तो देखा कि वहां से उनका सीलिंग फैन चोरी हो चुका है। प्रथम दृष्टया यह मामला चोरी का प्रतीत होता है। अधिवक्ताओं ने कोतवाली नगर थाना प्रभारी को इस घटना की लिखित सूचना दी है और प्राथमिकी दर्ज कर जांच की मांग की है। इस घटना के बाद दीवानी परिसर की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। अधिवक्ताओं ने गहरी नाराज़गी जताते हुए कहा है कि यदि न्यायालय जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली जगह पर भी चोर बेखौफ होकर हाथ साफ कर सकते हैं।

ठाकुर बांके बिहारी कॉरिडोर : भूमि अर्जन के लिए डीएम ने बदली प्रशासनिक टीम

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। वृंदावन में प्रस्तावित बिहारीजी कॉरिडोर के लिए जमीन क्रय के लिए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने एडीएम वित्त पंकज वर्मा के नेतत्व में कमेटी गठित कर दी है। यह कमेटी आपसी समझौते के आधार पर प्रस्तावित भूमि अर्जन करेगी।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि तहसील सदर में मथुरा-वृन्दावन की अवस्थापना सुविधाओं के विकास की कार्य योजना में वृन्दावन कोरीडोर का निर्माण प्रस्तावित है। इसकी संरचना के लिए भूमि का आपसी समझौते पर क्रय एवं भूमि अर्जन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त परियोजना में चयनित भूमि का स्थल निरीक्षण किया गया। 15 जनवरी 2023 को तैयार की गयी निरीक्षण आख्या के दो साल दौरान स्वामित्व एवं संरचना में परिवर्तन सम्भावित मानते हुए वर्तमान में पुनः मौके एवं राजस्व अभिलेख सहित अन्य अभिलेखों के आधार पर स्थलीय जाँच कराने का निर्णय लिया गया है।

जिलाधिकारी ने बताया कि हाईकोर्ट व उच्चतम न्यायालय के आदेश अनुपालन के दृष्टिगत प्रस्तावित कोरिडोर के निर्माण के लिए आपसी समझौते पर भूमि अर्जन हेतु पूर्व सर्वे का सत्यापन किये जाने के लिए टीम का गठन किया गया है।

इस टीम में पंकज कुमार वर्मा अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) अभिनव जे जैन उपजिलाधिकारी सदर अरविन्द द्विवेदी सचिव मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण सी.पी. पाठक अपर नगर आयुक्त वृन्दावन राकेश कुमार विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी अजय कुमार सिंह अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूड़ी अर्पिता शर्मा सहायक महानिरीक्षक स्टाम्प सतीश चन्द्र उपमुख्य कार्यपालक अधिकारी बृज तीर्थ विकास परिषद राजकुमार भास्कर डिप्टी कलेक्टर अजीत कुमार डिप्टी कलेक्टर संदीप सिंह क्षेत्राधिकारी सदर के साथ एक सहयोगी टीम भी बनाई गई है।

संक्षिप्त समाचार

भारत उन्नति के लिए किया गया सुंदरकाण्ड का पाठ

लखनऊ (अवधनामा संवाददाता)। ज्येष्ठ के अंतिम बड़े मंगल और पूर्णिमा के पावन अवसर पर सांस्कृतिक उत्थान के लिए विगत कई वर्षों से सक्रिय, बयार फाउण्डेशन की ओर से गोमती नगर विस्तार सेक्टर एक, 59 गायत्री शक्तिपीठ पुरम में विश्व शान्ति और भारत उन्नति के लिए सुंदरकाण्ड का पाठ किया गया। इस अनुष्ठान में कुसुम मिश्रा, अरविंद नारायण, लक्ष्मी नारायण, अनुपमा मिश्रा, श्रुति मिश्रा, ध्रुव नारायण, प्रवीन पाठक सहित कई विशिष्टजन उपस्थित रहे। पूजन अनुष्ठान के उपरांत पूड़ी-सब्जी, बूंदी-शर्बत का विशाल भंडारा भी आयोजित किया गया।

बड़े मंगल पर हुआ भंडारे का आयोजन

बिलग्राम (अवधनामा संवाददाता)। अंतिम बड़े मंगल के अवसर पर आज कलेक्ट्रेट परिसर के कर्मचारियों की ओर से कलेक्ट्रेट परिसर में भंडारे का आयोजन किया। भंडारे का उद्घाटन माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती, पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन व मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने किया। पुरोहित ने मंत्रोच्चार के बीच विधि भंडारे की शुरुआत कराई। अधिकारियों ने स्वयं अपने हाथों से भंडारे का प्रसाद वितरण किया। कलेक्ट्रेट परिसर के कर्मचारी अधिवक्तागण व बड़ी संख्या में आम जनता ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी विरा प्रियंका सिंह, अपर जिला अधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी, भाजपा नेता पीके वर्मा व संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला जनसुनवाई आज 11 जून को

सुलतानपुर (अवधनामा संवाददाता)। जिला प्रोबेशन अधिकारी वी0पी0 वर्मा द्वारा अवगत कराया गया है कि मा0 सदस्य सचिव, उ0प्र0 राज्य महिला आयोग, लखनऊ द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में जनपद सुलतानपुर में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से मा0 सदस्य, प्रभात के द्वारा विकास भवन के प्रेरणा सभागार में महिलाओं से सम्बन्धित जन-सुनवाई आज दिनांक 11 जून को पूर्वान्ह 10:30 बजे की जायेगी।

सड़क दुर्घटना में दर्जन भर श्रद्धालु हुए घायल, पांच गंभीर

कूरेभार, सुलतानपुर (अवधनामा संवाददाता)। 330 अयोध्या से प्रयागराज हाइवे मार्ग पर स्थित कूरेभार थाना क्षेत्र के दखिनवारा गांव के पास श्रद्धालुओं का वाहन अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा ग़या। उक्त दुर्घटना में 7 श्रद्धालु घायल हो गए। जिसमें 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। कूरेभार सीएचसी पर प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायलों को जिला अस्पताल सुलतानपुर भेज दिया गया। सभी श्रद्धालु महाराष्ट्र प्रान्त के निवासी बताए जा रहे हैं।

नगर आयुक्त ने दिए शिकायतों के तत्काल निवारण के आदेश

मथुरा। जन शिकायतों पर प्रभावी ढंग से कार्यवाही किए जाने के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को संभव संतुष्टि एवं समृद्धि दिवस के अंतर्गत जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण को लेकर वृंदावन जोनल कार्यालय में नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा जनसुनवाई की गई जबकि भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह द्वारा जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में नगर आयुक्त द्वारा सभी शिकायत कर्ताओं की शिकायत का संज्ञान लेकर मौके पर उपस्थित सम्बन्धित अधिकारी को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। कुल 09 शिकायत प्राप्त हुयी जिनमें सीवर सफाई व पेयजल से संबंधित 03 नजूल विभाग से संबंधित 01 अतिक्रमण से संबंधित 02 वृक्षारोपण एवं सफाई स्ट्रीट लाइट से संबंधित एक एक शिकायत प्राप्त हुयी। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त हुयी शिकायत का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत कराया जाये।

छाता डाक टिकट फर्जीवाड की...फाइल फॉक रही धूल

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। छाता उप डाकघर में फर्जी डाक टिकट चिपकाकर भेजी जा रही डाक विभाग के घपले की गुत्थी 5 माह बाद भी सुलझ नहीं सकीं। डाक विभाग के अधिकारियों ने प्रथम जांच में उप डाकपाल और क्लर्क दोषी पाए जाने पर उन्हें निलंबित कर दिया। तीन माह में जांच पूरी करने के आदेश पांच महीनें बीत जाने के बाद भी जांच फाइलों में ही घूम रही है। अब छाता के ग्राहकों ने डाकघर से दूरी बनानी शुरू कर दी है। उन्हें डाकघर में खाता खुलाने में डर सता रहा है।

छाता उप डाकघर में 20 दिसंबर 2024 के आसपास प्रतिदिन 1500 से अधिक डाक बुक होकर दूसरे शहरों में भेजी जा रही थी। जबकि डाकघर में डाक टिकट उपलब्ध नहीं थी। ऐसे में डाक विभाग के कर्मचारियों के षडयंत्र पर फर्जी टिकट चिपकाकर डाक प्रतिदिन बुक होकर जा रही थी। मामला 30

■ पांच महीने बाद भी नहीं सुलझ पा रही गुत्थी

दिसंबर को अधिकारियों के संज्ञान में आया तो उप डाकपाल मदन लाल और क्लर्क मोहित को निलंबित कर दिया था। 10 जनवरी 2025 को तीन सदस्ययी जांच टीम गठित की गई, तीन महीनें में पूरी जांच करने के निर्देश दिए थे लेकिन, 5 महीनें बीत जाने के बाद जांच फाइलों में घूम रही है। अब डाक घर में जांच की कर्मचारी चर्चा कर रहे है।

डाक विभाग के अधिकारियों की लापरवाहीं के चलते दोनों कर्मचारियों को अभी तक चार्जशीट भी नहीं दी है। उधर, छाता के लोगों को मामले का खुलासा नहीं होने से अब उनका डाकघर की योजनाओं से भरोसा दूर होने लगा है। ग्राहक डाकघर में बचत खाता खुलाने से भी दूरी बना रहे है। सोमवार को छाता डाकघर में सुनील, मोनू, दीपू ने बचत खाता बंद कराकर दूसरी जगह खुलाने की बात कहीं।

विकास और सुशासन पर रहा फोकस: श्याम

मथुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल का पहला वर्ष पूर्ण कर लिया है। इस एक वर्ष में सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल इंडिया, गरीब कल्याण, और वैश्विक मंच पर भारत की सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए कई अहम कदम उठाए। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने सरकार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मोदी सरकार का यह तीसरा कार्यकाल भारत को आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक निर्णायक प्रयास है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्र सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जो कार्य हुए हैं, वे आने वाले समय की नींव बनेंगे। उन्होंने आगे कहा कि सरकार की योजनाएं अब देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं और भारत तेज़ी से एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। गौरतलब है कि इस एक वर्ष में 'वंदे भारत' ट्रेनों का विस्तार, जी20 सम्मेलन की सफल मेज़बानी, डिजिटल तकनीक में भारत की प्रगति, और किसानों-गरीबों के लिए जारी योजनाएं सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में रहीं।

सनातन महासभा की 139वी गोमती महाआरती व सनातन समागम

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। सनातन महासभा की ओर से झूलेलाल वाटिका, गोमती तट पर ज्येष्ठ पूर्णिमा पर आयोजित सनातन महासमागम एवं 139वी आदि गंगा माँ गोमती महाआरती का आयोजन बड़े मंगलवार को किया गया। मंगलाचरण, स्वस्तिवाचन, पुष्पांजलि व शंखनाद के साथ 07 भव्य मंचो से पूज्य स्वामी आनंद नारायण जी, महंत बीना गिरी, स्वामी हरेन्द्र गिरी के सानिध्य में हुई। महाआरती में मृदंग, मंजीरा, ढोल, तासे, शंख की ध्वनि से पूरा प्रांगण गुंजायमान रहा।

अध्यक्ष डॉ. प्रवीण ने बताया कि महाआरती के पहले कलयुग के देवता श्री हनुमान जी के चित्र पर माल्यर्पण किया गया और श्री गणेश वंदना के बाद हनुमान चालीसा की गई और हनुमान जी के चरित्र पर ही सांस्कृतिक विभाग की ओर से अरुण कुमार द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ।

■ अंतिम बड़े मंगल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व सांस्कृतिक संध्या

उसके बाद अंतरराष्ट्रीय योग माह के अवसर पर योग से स्वस्थ्य जीवन विषय पर बच्चों ने योग प्रदर्शन व प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें बाद में पुरुस्कार वितरण भी हुए और सायं 4 बजे से आमजन के लिए निशुल्क दिव्यांग उपकरण रजिस्ट्रेशन, विधिक परामर्श शिविर एवं स्वैच्छिक दहेजमुक्त विवाह रजिस्ट्रेशन का आयोजन संस्था द्वारा किया गया। वरिष्ठ समाजसेवियो में प्रतिभा बालियान, अरुणा त्रिवेदी सहित पांच लोगो को सनातन शिरोमणि व गौरव सम्मान एवं गजेंद्र सिंह की स्मृति में विशेष समाजसेवी से सम्मानित किया गया। सम्मान से पूर्व 11 विशिष्ट समाजसेवियों का मंच पर भारतीय संस्कृति के अनुसार जन्म दिन व विवाह वर्षगांठ भी धूमधाम से मनाई गई।

अधीर लखनवी के सम्मान में काव्य गोष्ठी का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

बिलग्राम, हरदोई। नगर के मलकंठ मोहल्ले में श्री रामनारायण शुक्ला के निजी आवास पर प्रख्यात कवि राममूर्ति सिंह अधीर लखनवी के सम्मान में एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय कवियों और शायरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गोष्ठी की अध्यक्षता जयनारायण अवस्थी ने की, जबकि मंच संचालन असगर बिलग्रामी ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वाती कुशवाहा बिलग्रामी द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद कमर बिलग्रामी, हुजूर बिलग्रामी और असगर बिलग्रामी ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। मुख्य अतिथि कवि राममूर्ति सिंह अधीर ने अपने गीतों से सभी का मन मोह लिया। उनकी पंक्तियाँ, आओ सहो हजारों गम, आँख का काजल करो न नम ने श्रोताओं से खूब तालियाँ बटोरीं। राममूर्ति सिंह अधीर सांडी क्षेत्र के अलियापुर गाँव के निवासी हैं। उन्होंने सेंट्रल स्कूल में प्रिंसिपल के रूप में मणिपुर, ग्वालियर और लखनऊ जैसे शहरों में लंबे समय तक सेवाएँ दीं। वर्तमान में वह सेवा निवृत्त होकर लखनऊ के जानकीपुरम में रहते हैं। उनकी रचनाएँ नियमित रूप से आकाशवाणी लखनऊ से प्रसारित होती रहती हैं।

साहित्यकार अपने विचार आचरण में लाएं : डॉ. अखिलेश

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान, उप्र के तत्वावधान में 'जननी सम्मान एवं कवि सम्मेलन' का आयोजन सिटी मांटेसरी स्कूल, विशाल खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ के सभागार में किया गया, जिसमें अध्यक्षता डॉ अखिलेश कुमार मिश्रा, आईएएस द्वारा की गयी एवं मुख्य अतिथि के रूप में श्री अमित कुमार घोष, आईएएस, प्रमुख सचिव, सचिवालय प्रशासन, पशुपालन, दुग्ध विकास, मत्स्य विभाग, उप्र शासन , विशेष अतिथि देविका देवेंद्र एस मंगलमुखी, अंजु प्रजापति की गरिमामयी उपस्थिति थी।

गणमान्य अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती माँ की प्रतिमा के माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम में वाणी वन्दना डॉ0 शोभा दीक्षित 'भावना' द्वारा प्रस्तुत की गयी एवं माताओं का परिचय श्री उमेश यादव द्वारा बताया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्थान के अध्यक्ष डॉ अखिलेश कुमार मिश्रा आईएएस द्वारा कार्यक्रम के

संबंध में बताया गया कि राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान उत्तर प्रदेश न सिर्फ राष्ट्र हित हेतु साहित्य लेखन को प्रोत्साहित करता है बल्कि उक्त लेखनी को धरातल पर क्रियान्वयन कर साहित्यकारों को प्रोत्साहित भी करता है कि लेखनी के साथ साहित्यकार अपने विचार आचरण में भी लाए। संस्थान द्वारा उक्त उद्देश्य के क्रम में आज जननी सम्मान समारोह और कवि सम्मेलन को मना रहा है।

संस्थान की महामंत्री डॉ सीमा गुप्ता द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अमित कुमार घोष, आईएएस, प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और पशुपालन विभाग सहित विशेष अतिथि देविका देवेंद्र एस मंगलमुखी, श्रीमती अंजु प्रजापति और अन्य अतिथियों का स्वागत उद्बोधन करते हुए संस्थान की उपलब्धि सहित कार्यक्रम पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्थान के अध्यक्ष डॉ अखिलेश कुमार मिश्रा, आईएएस द्वारा किया गया।

उक्त कार्यक्रम में संस्थान द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विद्वता, त्याग, कर्मठता एवं समर्पण से उल्लेखनीय कार्य करने वाली माताओं चमेला देवी, उर्मिला मिश्रा, मीना गौतम, दमयंती मिश्रा, कल्पना खरे, अनीता सिंह, शारदा सिंह, गीता श्रीवास्तव, स्व. श्रीमती जानकी देवी, स्व. सरोज अवस्थी, गीता तिवारी, सन्तोष शर्मा, गौरी घोष एवं सुमित्रा दुबे को अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न, नारियल, माला, रामचरितमानस, पगड़ी आदि देकर सम्मानित किया गया।

साथ ही प्रोफेसर राजेश प्रताप सिंह, प्राथमिक विद्यालय, कटरामऊ, निन्दूरा बाराबंकी, अरुण कुमार वर्मा, उच्च प्राथमिक विद्यालय, मधावर देवा, बाराबंकी, कमलेश कुमार वर्मा, उच्च प्राथमिक विद्यालय, हैदरगंज फतेहपुर, बाराबंकी एवं श्री अनिल कुमार वर्मा, गोसाई गंज, लखनऊ को मोमेंटो, शाल, पुस्तक से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त डॉ दीपा अवस्थी, आचार्य नरेन्द्र देव टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, सीतापुर, डॉ0अमित राय, शिया पीजी कॉलेज, डॉ बैजू अब्राहम, लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज, डॉ रेशमा परवीन, उर्दू विभाग की विभागाध्यक्ष, खुनखुन जी गर्ल्स कॉलेज, डॉ शगुन रोहतगी, खुनखुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज, डॉ चेतना सावंत तोमर, खुन खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज, डॉ0 मुकेश कुमार मिश्रा, कालीचरण पीजी कॉलेज, लखनऊ, प्रोफेसर डॉक्टर शीलधर दुबे, दीनदयाल उपाध्याय गर्ल्स कॉलेज लखनऊ, डॉक्टर कल्याणी द्विवेदी, कालीचरण डिग्री कॉलेज, लखनऊ, डॉ0 मीनाक्षी, कृष्णा देवी कॉलेज आलमबाग, लखनऊ, डॉ0 मनीषा उपाध्याय आदि को उत्कृष्ट शिक्षा प्रसार कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

उर्स नसीरी में इंसानियत का पैगाम

अवधनामा संवाददाता

बिलग्राम। शरीफ़ की प्रसिद्ध दरगाह हज़रत सरकार सैय्यद शाह नसीरुद्दीन शाह सानी बिलग्रामी रहमतुल्लाह अलैह का उर्स बड़ी अकिदत मोहब्बत के साथ मानाया गया जिसमें बाद नमाज़ ए मगरिब नसीरी कॉन्फ्रेन्स हुई जिसमें सज्जादानशीन खानकाहे नसीरीया हज़रत सरकार सैय्यद अफसर मियां साहब क़िब्ला ने बयान किया व बाद नमाज़ ए ईशा महफ़िल ए समा कव्वाली हुई जियादा तादाद में लोगो ने शिरकत की कव्वाल शबी अहमद नसीरी गुफरान खैराबादी ने समा बांधा सुबह 4 बजे समापन हुआ मुल्क की तरक्की की दूआ हुई। मैहफिल में मौजूद सज्जादानशीन सरकार सैय्यद अफसर अली नसीरी चिश्ती सरपरस्त सैय्यद करम नसीर व सैय्यद औसाफ मियां नसीरी सैय्यद काशिफ अली नसीरी सैय्यद नदीम मियां सैय्यद दानिश मियां सैय्यद बासिर मियां माजू नसीरी हुरमत नसीरी वहीद नसीरी आदि लोग मौजूद रहे।

पैसा लेकर घर लौटते समय बदमाशों ने शराब व्यापारी पर हमला कर 5.65 लाख लूटे

■ घटना के बाद पुलिस आला अफसरों ने घटना का निरीक्षण कर की पूछताछ

अवधनामा संवाददाता

महोबा। थाना अजनर के ग्राम बघौरा और चमरुआ गांव की शराब की दुकानों से पैसा लेकर बाइक से अपने घर बेलाताल लौटते समय बुधवारा गांव के पास बाइक सवार बदमाशों ने ओवरटेक करके शराब कारोबारी पर हमला करके 5.65 लाख रुपये से भरा थैला लूट कर ले गए। सूचना पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ कुलपहाड़ ने घटना स्थल का जायजा लिया। शराब कारोबारी के अलावा आस पास के लोगों से भी पूछताछ की।

क्या कहती है अपर पुलिस अधीक्षक

अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने बताया कि थाना अजनर के बघौरा गांव में बदमाशों ने एक बाइक सवार शराब कारोबारी पर डंडे से हमला कर घायल कर दिया, और रुपयों से भरा थैला लेकर भाग गए। घटना का अनावरण करने के लिए पुलिस क्षेत्राधिकारी कुलपहाड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर दिया गया है। जल्द ही घटना का पर्दाफश किया जाएगा।

शराब कारोबारी सुधांशु दीक्षित की थाना अजनर के क्षेत्र के बघौरा और चमरुआ गांव में शराब की दुकानें है। सुधांशु दीक्षित अकसर दुकानों से पैसा लेने चार पहिया वाहन से जाता था, लेकिन सोमवार की रात को दुकानों से पैसा लेने बाइक से पहुंच गया, तभी बदमाशों ने उसका पीछा कर ग्राम बुधवारा के पास ओवरटेक करके शराब कारोबारी की बाइक रोक ली। और उसपर लाठी डंडों से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। गंभीर हालत में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जैतपुर भेजा गया।

उधर लूट की खबर मिलते ही पुलिस प्रशासन की नींद उड़ गई। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह, एएसपी वंदना, सिंह और क्षेत्राधिकारी हर्षिता गंगवार ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक ने शराब करोबारी से भी पूछताछ की। पुलिस अधीक्षक ने घटना का पर्दाफाश करने के लिए सीओ कुलपहाड़ के नेतृत्व में तीन टीमें गठित कर दी है। पुलिस टीमें बदमाशों की तलाश मे जुट गई है। इस घटना से क्षेत्र के लोगों में भय और दहशत व्याप्त है। घटना के बाद शराब करोबारी भी कुछ देर के लिए सन्न हो गया। पुलिस ने शराब करोबारी की तहरीर पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पिता पुत्रों व चाचा पर किया जानलेवा हमला

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम मझपुर्वा निवासी कासिद पुत्र हारून उर्फ मंगली द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि सोमवार को 04 बजे अपने पिता चाचा एवं भाई के साथ घर की ओर जा रहा था जैसे ही मुरादगंज क्रॉसिंग के निकट पहुंचा तभी गांव के ही इशरत शकीर पुत्र गढ़ इसरार सहीम पुत्र इदरीस साहिल पुत्र इशरत वकील पुत्र यासीन मुशर्रफ पुत्र बकरुद्दीन इस्तखार पुत्र रफीउद्दीन सलमान पुत्र कमर सलमान पुत्र बबलू ने एक राय होकर लाठी, डंडा, सरिया, चाकू राड से सुसज्जित होकर उसे व उसके पिता एवं भाई व चाचा के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी तथा जान से मारने की धमकी दी और उसके चाचा नौशाद के सर में चाकू मार कर घायल कर दिया तथा उसके पिता हारून उर्फ मंगली के सर में राड मार दी जिससे उसके पिता एवं चाचा गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा घटना का मुकदमा दर्ज कर जॉच शुरू कर दी गई है।

ऑनलाइन व्यापार ने खुदरा व्यापार कर दिया बर्बाद

अवधनामा संवाददाता

■ समाजवादी व्यापार सभा में व्यापारियों की लड़ाई लड़ने का लिया निर्णय

महोबा। समाजवादी व्यापार सभा की बैठक समाजवादी पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष संतोष कुमार साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य व्यापारियों द्वारा पीडीए पंचायत का आयोजन कर जागरूकता कार्यक्रम चलाये जाने के लिए व्यपारियो की सहभागिता पर जोर दिया गया।

सपा व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष संतोष साहू ने कहा कि जनपद में जिस तरह से जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नाम पर खुदरा दुकानदारों को परेशान किया जा रहा है, उनकी गुमटियों और छोटी छोटी दुकानों पर बुलडोजर चलाकर व्यपारियो का उत्पीड़न किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी व्यापारियों की लडे़ाई लड़ेगी। उन्होने कहा कि प्रशासन भू माफियायो के खिलाफ कोई कार्रवाई नही कर रहा है, जबकि भू माफिया तालाबों की जमीन पर अवैध कब्जे किए हुए है।

सपा के जिला उपाध्यक्ष शाहिद राजू ने कहा कि अक्सर छोटे खुदरा व्यापारियों को अतिक्रमण के नाम पर परेशान किया जाता है। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि अधिकांश खुदरा दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा के नाम पर जीएसटी के नाम पर और बाट माप आदि विभागों द्वारा जांच के नाम पर मानसिक परेशान किया जाता है, बल्कि समाजवादी व्यापार सभा हमेशा व्यापारी हितों की बात करती आई है जब भी समाजवादी सरकार रही इंस्पेक्टर राज को कभी व्यपारियो पर हावी नही होने दिया गया। उन्होने कहा कि ऑनलाइन व्यापार ने खुदरा व्यापार चौपट कर दिया है। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव जीतू यादव ने कहा कि आज महोबा में पानी की किल्लत से पूरे शहर में हाहाकार मचा हुआ है फिर भी प्रशासन इस बाबत ध्यान नही दे रहा है। बैठक में यश चौरसिया, राजेन्द्र शक्ति, बाबूलाल कुशवाहा, रमेश अग्रवाल, साजिद अली हेमंत शर्मा, असीस गुप्ता, शिवकुमार सोनी, प्रदीप अग्रवाल, मुहम्मद इरशाद राहुल यादव आदि समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

व्यापार की सफलता के लिए कठिन परिश्रम व ईमानदारी जरूरी

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। पश्चिमी बाईपास पर बाइक शोरूम का पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तहसीन सिद्दीकी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि व्यापार में सफलता के लिए परिश्रम एवं निष्ठा जरूरी है। इसलिए व्यापारी को पूरी ईमानदारी के साथ निष्ठा पूर्वक कार्य करना चाहिए।

मंगलवार को पश्चिमी बाईपास स्थित बाइक शोरूम का उद्घाटन करने के उपरांत पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष/सपा नेता एडवोकेट तहसीन सिद्दीकी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश में व्यापार की स्थिति दयनीय है। सपा सरकार में व्यापार प्रगति की ओर अग्रसर था। तत्कालीन सपा सरकार ने योजनाओं के माध्यम से व्यापारियों सहित छात्र-छात्राओं गरीबों मजदूरों एवं आम जनमानस को योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया था। बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाता था जो मेडिकल कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी सपा शासन काल में स्वीकृत हुई थी उन्हें भाजपा सरकार में आगे नहीं बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि 2027 में विधानसभा चुनाव की तैयारी में कार्यकर्ता अभी से जुट जाएं। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का आयोजको द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। अवसर पर उनके साथ एडवोकेट आफ्ताब हुसैन, इकलाख प्रिंस, अयूब खान, कैसर खान आदि सहित कार्यक्रम के आयोजक भी मौजूद रहे।

विद्युत पोल से टकराई वैन, बालिका समेत दो की मौत

उन्नाव। बीती देररात एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। दही थाना क्षेत्र के पुरवा-दही मार्ग पर दरोगाखेड़ा गांव के पास एक वैन बिजली के खंभे से टकराकर खंती में गिर गई। हादसे में वैन में सवार बुजुर्ग अर्जुन सिंह और 8 वर्षीय आरुषी की मौत हो गई। छह अन्य लोग घायल हुए हैं। वैन चालक मोनू सिंह अपने परिचितों को शादी समारोह से वापस ला रहा था। यह शादी दही थाना क्षेत्र के सोनिक गांव निवासी अर्जुन सिंह के बेटे बृजेश की थी। शादी मौरावां थाना क्षेत्र के दिरगजखेड़ा गांव में हुई थी। वैन में सोनिक गांव के सुभाष सिंह के दो बच्चे आरुषी और 5 वर्षीय गोलू सवार थे। इसके अलावा अजगैन के छतईखेड़ा गांव के सोनू कुमार, अजगैन कस्बा के जितेंद्र उर्फसरवन और तिलियानी गांव की आकांक्षा और प्रिया भी वैन में थे। दरोगाखेड़ा गांव के पास चालक ने वैन का नियंत्रण खो दिया। वैन बिजली के खंभे से टकराकर खंती में जा गिरी। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। दही थाने की पुलिस टीम ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकाला। सभी को बिछिया सीएचसी ले जाया गया।

भंडारा कार्यक्रम में नेता विरोधी दल माता प्रसाद ने चखा परसाद

■ कन्नौज में भाजपा की कमियों का किया बखान, चुनाव में जुटनें के निर्देश दिये

अवधनामा संवाददाता

कन्नौज। जुमलों की सरकार ने केबल देश और प्रदेश की सरकार को केबल गुमराह करने का काम किया है। जबकि कुछ बदलाव को छोड़कर स्थित केबल ढाक के तीन पात वाली है। कहा कि वर्तमान सरकार 11 साल पूरे होने की उपलब्धियां गिना रहा है, और हम उनकी कमियां गिना रहे हैं।

यह बात मंगलवार को विधानसभा नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय ने मकरंदनगर में सपा नेता जय कुमार तिवारी बउअन के पेट्रोल पंप पर आयोजित एक भंडारा कार्यक्रम में परसाद ग्रहण करनें के उपरान्त कही। कहा कि किसानों के हित में जो कदम स्व. नेता मुलायम सिंह ने उठाये, वो किसी ने करने की तो दूर सोची तक नहीं। आज पूरे देश और प्रदेश में भ्रष्टाचार का बोल बाला है, महंगाई की मार से आम तो दूर खास जनमानस तक प्रभावित है। बिकास कार्यों में धांधली खुलेआम चल रही है।कमीशनखोरी तो हर सरकारी योजना में आम बात है। नेता विरोधी दल का कहना था कि, आगामी वर्ष 2027 का चुनाव समाजवादी पार्टी बेरोजगारी, सामाजिक समरसता, और सबका विकास के मुद्दे पर लड़ेगी। प्रदेश सरकार पर भी भ्रष्टाचार पर लिप्त होने का आरोप लगाकर हर सरकारी योजना में पैसों का बंदरबांट होने की बात भी माता प्रसाद ने कही। जिला पंचायत कन्नौज द्वारा हंसेरन में सड़क तोड़कर नाला बनाने के मामले को भी विधानसभा में उठाने की बात कही। सरकार बनने पर जिला पंचायत सहित सभी भ्रष्टाचारी विभागों की जांच कराए जाने की बात भी माता प्रसाद ने कही। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में सपा की सरकार बनने पर सभी अधूरी परियोजनाएं और विकास कार्य पूरे कराये जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

सहायक श्रमायुक्त से मिले गौरीशंकर चौधरी

संभल, अवधनामा संवाददाता। जस्ट राइट्स एवं प्रयत्न संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर गौरीशंकर चौधरी लगातार बाल अपराधों को लेकर जिले में काम कर रहे हैं जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण के निर्देशन में एवं श्रम विभाग एवं थाना ए एच टी प्रभारी सत्यविजय सिंह के सहयोग से बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहे हैं आगामी 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस जो की पूरे विश्व में बाल श्रम के खात्मे के लिए जागरूकता अभियान के रूप में रैली गोष्ठी आदि करके मनाया जाता है इसी क्रम में गौरीशंकर चौधरी ने सहायक श्रमायुक्त सुरेंद्र कुमार से मिलकर विश्व बाल श्रम निषेध दिवस को मानने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की है जिसमे संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के आलावा बाल कल्याण के लिए कार्य करने बाली संस्थाओं के साथ व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों एवं ऐसे अभिभावक जिनके बच्चे बाल श्रम से मुक्त कराये गये हैं और जिन्हें शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा गया है को स्कूली बैग वितरित किये जाएंगे जिससे बाल श्रम में लिप्त बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी।

युवती को भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज

गुरसहायगंज, कन्नौज, अवधनामा संवाददाता। क्षेत्र के ग्राम निवासी महिला द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि सोमवार को 05:30 उसके घर से बड़े गांव गुगरापुर निवासी अनुरूप पुत्र सुभाष चंद्र उसकी 18 वर्षीय पुत्री को कहीं बहला फुसला कर भगा ले गया है। बताया कि उसकी पुत्री को भगवानें में गांव की ही माधुरी पत्नी अमर सिंह ने सहयोग किया है। घटना के संबंध में कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

महिला के फावड़ा मारकर किया घायल

गुरसहायगंज, कन्नौज, अवधनामा संवाददाता। क्षेत्र के ग्राम सराय दौलत निवासी रूबी पत्नी राजेंद्र सिंह द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि विगत 06 जून को 04:30 बजे वह अपने खेत पर पर थी तभी गांव के ही अमित सिंह पुत्र श्री कृष्ण आए और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए फावड़ा मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के संबंध में कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जॉच शुरू कर दी गई है।

चाचा भतीजे को मारपीट कर दी धमकी

गुरसहायगंज, कन्नौज, अवधनामा संवाददाता। क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर रतनपुर निवासी प्रदीप कुमार पुत्र राम आसरे द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि सोमवार को उसका भतीजा निखिल शुक्ला 04 बजे घर की ओर जा रहा था। जैसे ही मनोज के मकान के सामने पहुंचा तभी मनोज, विवेक, पवन निवासीगण यशोदा नगर कानपुर ने मारपीट करते हुए घर में खींच कर ले गए उसके द्वारा विरोध करने पर उक्त गणों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट कर घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी।

घरेलू कलह से क्षुब्ध युवक ने फांसी लगा की आत्महत्या

उन्नाव। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रबड़ी में घरेलू कलह के चलते एक युवक अपने घर के कमरे पंखे से दुपट्टे के सहारे फांसी के फंदे पर झूल गया। परिजनों ने उसे फांसी के फंदे से नीचे उतारा किंतु तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। ग्राम रबड़ी निवासी ज्वाला प्रसाद के बेटे वेद प्रकाश 38 वर्ष ने गृहकलह के चलते आज सोमवार की शाम घर के अंदर स्थित कमरे में विद्युत पंखे से दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। जानवरों को चारा-पानी कर रहे परिजन जब घर के अंदर आए तो वेद प्रकाश को फांसी पर झूलता देखकर उनकी चीखें निकल गईं और आनन-फानन उसे फांसी के फंदे से नीचे उतारा किंतु तब तक युवक की सांसें थम चुकी थीं। परिवार के मुखिया की अचानक मौत से परिजनों में चीख-पुकार मच गई। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत सिंह ने बताया कि अभी तक उन्हें घटना की सूचना नहीं मिली है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

हर घर जल योजना के अन्तर्गत प्रदेश के करोड़ों घरों में पहुँचा शुद्ध पेयजल

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। प्रदेश सरकार प्रत्येक परिवार को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कई कार्यक्रम संचालित किये, किन्तु वर्तमान सरकार द्वारा संचालित हर घर जल कार्यक्रम सबसे सफल कार्यक्रम रहा। भारत सरकार द्वारा पूर्व में संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना को वर्ष 2019-2020 में समाहित करते हुये जल जीवन मिशन प्रारम्भ किया गया है। प्रदेश में पूर्व में विश्व बैंक सहायतित 14 जनपदों में नीर निर्मल परियोजना भी चलायी गयी। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप द्वारा पेयजल की आपूर्ति हेतु राज्य ग्रामीण पेजयल कार्यक्रम भी संचालित किया गया है। भारत सरकार द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के अन्तर्गत वर्ष 2024 तक पाइप पेयजल योजना द्वारा ष्हर घर जलष् उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति हेतु केन्द्र सहायतित जल जीवन मिशन का संचालन केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा 45रू45 प्रतिशत तथा सामुदायिक अंशदान द्वारा 10 प्रतिशत वित्त पोषण के आधार पर किया जा रहा है। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर को जल उपलब्ध कराया जाना है। इस संबंध में भारत सरकार द्वारा निर्गत गाइडलाइन्स के क्रम में प्रदेश सरकार द्वारा दिशा-निर्देश जारी किये गये। जिसके तहत पाइपलाइन से घरों को नल से स्वच्छ पेयजल दिया जा रहा है। प्रदेश की समस्त बस्तियों को मानक के अनुसार 40 ली0 प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के आधार पर पेयजल सुविधा हैण्डपम्प/पाइप योजना के माध्यम से उपलब्ध कराई जा चुकी है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में 28,95,361 हैण्डपम्प अधिष्ठापित है। प्रदेश में वर्तमान में लगभग प्रत्येक 58 व्यक्ति पर एक हैण्डपम्प स्थापित किया गया है। इस प्रकार पेयजल की न्यूनतम आवश्यकता 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के मानक की दृष्टि से प्रदेश की सम्पूर्ण ग्राम/बस्तियों को संतृप्त किया जा चुका है। जल जीवन मिशन ''हर घर जल'' कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति हेतु केन्द्र सहायतित राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम का संचालन केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा 50:50 प्रतिशत वित्त पोषण के आधार पर किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत ''हर घर को नल से जल'' उपलब्ध कराया जाना है। भारत सरकार द्वारा प्रदेश के समस्त अनाच्छादित बस्तियों को पाइप पेयजल योजनाओं से वर्ष 2024 तक आच्छादित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रदेश में कुल 2.6689 करोड़ घरों को वर्ष 2024 तक शुद्ध पाइप पेयजल से अच्छादित किया जाना लक्षित है। अगस्त 2019 तक प्रदेश में मात्र 05.16 लाख (1.94:) एफ0एच0टी0सी0 के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप पेयजल उपलब्ध कराया जा सका था। प्रदेश में नवम्बर, 2024 तक लगभग 2.315 करोड (86.72) एफ0एच0टी0सी0 के माध्यम से ग्रामीण आबादी को पाइप पेयजल योजना से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा चुका है तथा अवशेष लगभग 35.39 लाख घरों में एफएच.टी. सी. का कार्य वर्ष 2025 तक पूर्ण किया जा रहा है।

शराब ठेके पर विवाद, नशेबाजों ने सेल्सैमन को किया लहूलुहान

उन्नाव। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के जमालुद्दीनपुर गांव स्थित देशी शराब के ठेके पर सोमवार देररात नमकीन को लेकर हुए विवाद ने झगड़े का रूप ले लिया। झगड़े में ठेके का सेल्समैन रणजीत कुमार घायल हो गया, जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के जमालुद्दीनपुर स्थित देशी शराब ठेका पर बीती देररात सुधीर और गुलाब नामक दो युवक शराब लेने पहुंचे। शराब लेने के बाद उन्होंने नमकीन मांगी, लेकिन किसी बात को लेकर सेल्समैन से कहासुनी हो गई। बात बढ़ने पर दोनो पक्षो में हाथापाई हो गई, जिसमें सेल्समैन का अंगूठा गंभीर रूप से चोटिल हो गया। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया, जबकि दूसरा फरार हो गया। सफीपुर कोतवाली प्रभारी सुब्रत नारायण तिवारी ने बताया कि सेल्समैन का मेडिकल कराया गया है। घटना की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

आम व्यापारियों की मनमानी से मियागंज चौराहे पर लगता है जाम

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के अंतर्गत मियागंज चौराहे के समीप कई संचालित आम मंडियों के चलते सोमवार की सुबह से ही जाम लगने का सिलसिला शुरू हो गया और चारों प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गयी। जाम के चलते एम्बुलेंस फंस गयी। जाम की सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद चार घंटे बाद जाम खुलवाकर यातायात बहाल कराया। मियागंज चौराहे से हैदराबाद कस्बा तक आधा दर्जन से अधिक आम फल मंडी संचालित हैं जहां आसपास के दर्जनों गांव के सैकड़ों किसान ट्रैक्टर-ट्राली ई-रिक्शा पिकअप लोडर से आम लादकर मियागंज मंडी पहुंचते हैं और वाहनों को सड़क किनारे खडा कर देते हैं वहीं कुछ किसान संडीला चकलवंशी मार्ग पर मियागंज चौराहे के चारों मार्गो पर सडक किनारे कैरेट लगा देते हैं जिससे आने जाने वाले वाहन फस जाते हैं और जाम लगने का सिलसिला शुरू हो जाता है जबकि चंद कदम की दूरी पर ही मियागंज स्वास्थ्य केंद्र स स्थित है जहां मरीजों को लाने ले जाने के लिए एम्बुलेंस भी जाम का शिकार हो जाती है। सोमवार की सुबह सात बजे से लगा जाम ग्यारह बजे तक चलता रहा इस सम्बंध में थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि अवैध रूप से सड़क किनारे खड़े वाहनों का चालान किया जायेगा साथ ही किसानों को मंडी के अंदर ही आम बेचने के लिए कहा जायेगा किसी भी हाल में जाम नहीं लगने दिया जायेगा।

बढ़ते तापमान और लू से बचाओ के लिए एडवाइजरी जारी

■ जिला प्रशासन ने दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक अधिक से अधिक पानी पीने पर दिया जोर

अवधनामा संवाददाता

महोबा। जिले में चल रही गर्म हवाओं, भीषण गर्मी और लू से बचाव के लिए जिला प्रशासन ने एडवाइजरी जारी कर दी है। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने बताया कि मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 11 और 12 जून को और अधिक गर्मी पड़ने से जिले में 45 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रहने की संभावना है, लू चलने की चेतावनी जारी की गयी है। मौसम संबंधी पूर्वानुमान को देखते हुए जनसाधारण को जागरूकता एवं बचाव के तरीके बताए गए है। लू के प्रकोप एवं गर्म हवा से जन . हानि भी हो सकती है। इसके असर को कम करने के लिए और लू से होने वाली मौत की रोकथाम के लिए कड़ी धूप में बाहर न निकलें, खासकर दोपहर 12:00 बजे से 3:00 बजे तक के बीच में जितनी बार हो सके पानी पियें, प्यास न लगे तो भी पानी पियें। हल्के रंग के ढीले ढीले सूती कपड़े पहनें। धूप से बचने के लिए गमछा, टोपी, छाता, धूप का चश्मा, जूते और चप्पल का इस्तेमाल करें। सफर में अपने साथ पानी रखें। शराब, चाय, कॉफी जैसे पेय पदार्थों का इस्तेमाल न करें, यह शरीर को निर्जलित कर सकते हैं अगर आपका काम बाहर का है तो टोपी, गमछा या छाते का इस्तेमाल जरूर करें ओर गीले कपडे को अपने चेहरे सिर और गर्दन पर रखें। अगर आपकी तबियत ठीक न लगे या चक्कर आए तो तुरन्त डॉक्टर से सम्पर्क करें। घर में बना पेय पदार्थ जैसे कि लस्सी, नमक चीनी का घोल, नींबू पानी, छाछ, आम का पना इत्यादि का सेवन करें। लू के चपेट में आने पर कतई लापरवाही न करें, शरीर को बर्फ या ठंडा पानी सें लागातार पोंछे। शरीर पर भीगा हुआ कपड़ा बिलकुल न लपेटे इससे शरीर का तापमान बढ़ेगा और हालत पहले से गंभीर हो जायेगी। जानवरों को छांव में रखें और उन्हें खूब पानी पीने को दें। अपने घर को ठंडा रखें, पर्दे शटर आदि का इस्तेमाल करे। रात में खिड़कियां खुली रखें। फैन, ढीले कपड़े का उपयोग करें। ठंडे पानी से बार . बार नहाएं।

क्या करें, क्या न करें

धूप में खड़े वाहनों में बच्चों एवं पालतू जानवरों को न छोड़ें। खाना बनाते समय कमरे के दरवाजे के खिड़की एवं दरवाजे खुलें रखें जिससे हवा का आना जाना बना रहे। नशीले पदार्थ, शराब तथा अल्कोहल के सेवन से बचें। उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचें। बासी भोजन न करें। खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एल्युमीनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढक कर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सके। उन खिड़कियों व दरवाजों पर जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आती है, काले पर्दे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूर्वनुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सतर्क रहें। बच्चों व पालतू जानवरों को कभी भी बंद वाहन में अकेला न छोड़े। जहा, तक संभव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के सम्पर्क से बचें।

पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा भाव के साथ संगठन में करें कार्य

गुरसहायगंज, कन्नौज। भारतीय किसान यूनियन टिकैत की जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जिलाध्यक्ष ठाकुर महेंद्र प्रताप सिंह ने मारूफ खान एवं शरद दुबे को जिला सचिव तथा सब नूर खान को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। मनोनयन से कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर दौड़ गई। मंगलवार को जिलाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने सभी पदाधिकारियों को मनो नयन पत्र प्रदान करते हुए कहा कि संगठन ही हमारी ताकत है। संगठन से अधिक हम किसी पर भी भरोसा नहीं करते हैं। उन्होंने मनोनीत पदाधिकारी से आशा व्यक्त करते हुए कहा कि मनोनीत पदाधिकारी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करेंगे। यदि कोई भी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता संगठन विरोधी क्रियाकलापों में पाया गया तो उसे तत्काल पद मुक्त कर दिया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुरेश यादव, डॉक्टर साजिद हुसैन, आमिर खान, हसमुद्दीन खान, मोहसिन सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

एसपी ने फरियादियों की सुनी समस्याएं

■ समस्याओं का निस्तारण कराए जाने का आश्वसन देकर पुलिस अधिकारियों को दिए निर्देश

अवधनामा संवाददाता

महोबा। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जन सुनवाई में आए हुए फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता के साथ सुनते हुए निस्तारण कराये जाने का आश्वासन दिया साथ ही अधिकारियों द्वारा प्राप्त शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किए जाने के लिए संबन्धित को निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई को अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाते हुये पीड़ितों से एक एक करके उनकी समस्याओं को गम्भीरता पूर्वक सुना। जनसुनवाई के दौरान जो भी फरियादी अपनी शिकायत के समाधान की उम्मीद के साथ पुलिस अधीक्षक के समक्ष आये थे उन सभी की समस्याओं को सुनकर निस्तारण कराये जाने का आश्वासन दिया गया साथ ही प्राप्त हुई शिकायत के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किये जाने के लिए निर्देश दिए । पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम के मौके पर सुबह से ही फरियादियों की भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई। एसपी ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कुछ समस्याओं का तत्काल निस्तारण किया, शेष समस्याओं के निस्तारण के लिए संबन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि दूर दराज ग्रामीण अंचलों से फरियादी बड़ी उम्मीद के साथ समस्याएं लेकर आते हैं, इसलिए समस्याओं के निस्तारण के लिए किसी भी तरह की हीलाहवाली नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटी छोटी शिकायतों को गंभीरता से लें क्योंकि छोटी शिकायतों का निस्तारण न होने पर वह बड़ा रूप लेती हैं। पुलिस कर्मचारी शिकायतकर्ता से समय समय पर निस्तारित समस्याओं के बावत फीडबैक लेते रहें, इससे फरियादियों का मनोबल के साथ साथ पुलिस के प्रति भी विश्वास बढ़ा है।

मुल्लांपुर स्टेडियम में फिर होगी चौके-छक्कों की बरसातः दो वनडे और एक टी-20 मैच

चंडीगढ़। ट्राईसिटी (चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली) के क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के न्यू चंडीगढ़ स्थित मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में फिर से चौके-छक्कों की बारिश होगी। आईपीएल मैचों के सफल आयोजन के बाद पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के मुल्लांपुर स्टेडियम को पहली बार बीसीसीआई की तरफ से दो वनडे और एक टी-20 मैच की मेजबानी मिली है। ऑस्ट्रेलिया और भारतीय महिला टीम के बीच पहला वनडे मुकाबला 14 सितंबर को दोपहर 1.30 बजे खेला जाएगा। वहीं, दूसरा वनडे मुकाबला 17 सितंबर को दोपहर 1.30 बजे होगा। इसके अलावा साउथ अफ्रीका के साथ भारतीय पुरुष सीनियर टीम का टी-20 सीरीज का मुकाबला 11 दिसंबर को शाम 7 बजे से खेला जाएगा।

चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आउट फील्ड और पिचों के नवीनीकरण के कारण टीम इंडिया (सीनियर महिला) और ऑस्ट्रेलिया महिला के बीच आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वनडे सीरीज को चेन्नई से स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके पहले दो वनडे न्यू चंडीगढ़ के नए पीसीए मुल्लांपुर स्टेडियम में होंगे जबकि तीसरा और अंतिम वनडे नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा।

आईएसएसएफ विश्व कप में तीन भारतीयों का डेब्यू अनुभवी इलावेनिल से पदक की उम्मीदें

म्यूनिख। दो बार की पदक विजेता इलावेनिल वालारिवन से मंगलवार को आईएसएसएफ (अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ) के साल के तीसरे विश्व कप के पहले दिन पदक की सबसे ज्यादा उम्मीदें होगी क्योंकि उनके अलावा देश के तीन निशानेबाज महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल और पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में पहली बार इस आयोजन में भाग लेंगे।

महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल और पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं के फाइनल मंगलवार को होंगे। इसके अलावा 10 स्पर्धाओं में से चार के लिए एलिमिनेशन और क्वालिफिकेशन शुरू होंगे। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने इस टूर्नामेंट के लिए निशानेबाजों की 22

सदस्यीय दल भेजी है। इसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के अलावा किरण अंकुश जाधव दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भाग लेंगी।

भारत पहले दिन दो पदक स्पर्धाओं में विश्व कप में पदार्पण करने वाले तीन खिलाड़ियों को मैदान में उतार रहा है। इसमें राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू महिला स्पर्धा में तथा आदित्य मालरा और निशांत रावत पुरुष स्पर्धा में इस स्तर पर पहली बार किस्मत आजमायेंगे। भारत की दूसरी एयर राइफल निशानेबाज आर्या बोरसे भी सीनियर स्तर पर अपने शुरुआती साल में है। वह हालांकि शानदार फॉर्म में है। उसने ब्यूनस आयर्स और लीमा में वर्ष के पहले दो विश्व कप चरणों में क्रमशः एक व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई तथा दो मिश्रित टीम रजत पदक जीते।

इससे दो बार की ओलंपियन और दो बार की व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता इलावेनिल और एशियाई चैंपियनशिप विजेता और चार बार के विश्व कप पदक विजेता वरुण तोमर को दोनों स्पर्धाओं में सीनियर की जिम्मेदारी संभालनी होगी।भारतीय राइफल कोच दीपाली देशपांडे ने सोमवार को टीम के अभ्यास सत्र से पहले कहा, म्यूनिख निशानेबाजी परिसर से हमारे निशानेबाज अच्छी तरह परिचित है। ये सभी यूरोपीय सर्किट पर विभिन्न आयोजनों के लिए कई बार यहां आ चूके है। वे अभ्यास में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, देखते हैं मुकाबले में क्या होता है।

भारत ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अमेरिका में हुए विश्व कप के पहले दो चरणों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय निशानेबाज विश्व कप के साल के शुरुआती दो चरण की सफलताओं को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। राष्ट्रीय पिस्टल कोच समरेश जंग ने कहा, हमारे निशानेबाज लय में हैं।

भारत के सुमित नागल का खराब प्रदर्शन जारी, एटीपी चैलेंजर सर्किट के पहले ही दौर में हारे

नई दिल्ली। भारत के स्टार एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल का खराब प्रदर्शन जारी है और उन्हें एटीपी चैलेंजर सर्किट टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा है। छठी वरीयता प्राप्त नागल को इस क्ले कोर्ट प्रतियोगिता के शुरुआती दौर में फ्रांस के गैरवरीय खिलाड़ी ज्योफ्रे ब्लैंकेनॉक्स के खिलाफ 4-6, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा।

नागल पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में एक ब्रेक से पिछड़ रहे थे जब उन्होंने आठवें गेम में विरोधी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर स्कोर बराबर किया और मुकाबले को निर्णायक सेट में खींचने की उम्मीद जगाई। ब्लैंकेनॉक्स और नागल को अपनी सर्विस बचाने में संघर्ष करना पड़ा और दूसरे सेट का फैसला टाईब्रेकर के जरिए हुआ जिसमें स्थानीय खिलाड़ी ने बाजी मारी। यह 2025 सत्र में चैलेंजर सर्किट पर नागल की छठी बार पहले दौर में हार थी। उन्होंने सत्र की शुरुआत शीर्ष 100 में की थी लेकिन अब उनकी रैंकिंग गिरकर 170 पर आ गई है।

यानिक सिनर शीर्ष पर, बोइसों ने 296 स्थान की लंबी छलांग लगाई, सबालेंका की बादशाहत बरकरार

नई दिल्ली। रोलां गैरो पर सबसे लंबे फाइनल में शीर्ष वरीय यानिक सिनर को हराकर अपने खिताब की रक्षा करने वाले कार्लोस अल्कारेज पुरुष एटीपी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर कायम हैं। इतालवी खिलाड़ी सिनर फाइनल में हार के बावजूद शीर्ष पर हैं।

फ्रेंच ओपन में शानदार प्रदर्शन करने वाली लोइस बोइसों सोमवार को जारी नवीनतम डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 296 अंक की लंबी छलांग के साथ 65वें स्थान पर पहुंच गई हैं। फ्रांस की बोइसों फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले 361वें स्थान पर थीं लेकिन पिछले हफ्ते इस क्ले कोर्ट प्रतियोगिता में सेमीफाइनल में जगह बनाने की बदौलत लंबी छलांग लगाने में सफल रहीं।

सबालेंका का दबदबा बरकरार

कोको गॉफ ने सेमीफाइनल में बोइसों को हराया और फिर अपना पहला फ्रेंच ओपन खिताब जीता। डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शीर्ष पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। आर्यना सबालेंका शीर्ष पर बरकरार हैं। गॉफ और उनकी साथी अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। सबालेंका को रोलां गैरो पर फाइनल में गॉफ के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी थी। वाइल्ड कार्ड धारक बोइसों ने तीसरी वरीय पेगुला को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी और फिर छठे नंबर की खिलाड़ी मीरा आंद्रीवा को हराया।

सिनर शीर्ष पर मौजूद

रोलां गैरो पर सबसे लंबे फाइनल में शीर्ष वरीय यानिक सिनर को हराकर अपने खिताब की रक्षा करने वाले कार्लोस अल्कारेज पुरुष एटीपी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर कायम हैं। इतालवी खिलाड़ी सिनर फाइनल में हार के बावजूद शीर्ष पर हैं। सिनर ने अल्कारेज पर 2030 अंक की बढ़त बना रखी है। एलेक्जेंडर ज्वेरेव तीसरे स्थान पर हैं। जैक ड्रैपर चौथे जबकि नोवाक जोकोविच पांचवें पायदान पर हैं।

पीएसी मैदान में फुटबॉल प्रतियोगिता

IPS अंशिका वर्मा ने किक मारकर किया शुभारंभ, बरेली की टीम ने जीता पहला मैच

बरेली। बरेली के पीएसी मैदान में 28वीं अंतर वाहिनी पीएसी पश्चिमी जोन फुटबॉल प्रतियोगिता सोमवार से शुरू हो गई। पहला मैच बरेली और मेरठ की टीमों के बीच हुआ, जिसमें बरेली ने जीत दर्ज की।

बरेली में 28वीं अंतर वाहिनी पीएसी पश्चिमी जोन फुटबॉल प्रतियोगिता वर्ष 2025 का सोमवार को शुभारंभ हो गया। आयोजन स्थल 8वीं वाहिनी पीएसी बरेली में एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने फुटबॉल में किक मारकर प्रतियोगिता का आगाज किया। तीन दिवसीयत प्रतियोगिता का 11 जून को समापन होगा। पहले दिन पहला मैच बरेली की टीम ने जीता है।

पहला मैच 8वीं वाहिनी बरेली और 44वीं वाहिनी मेरठ के बीच हुआ, जिसमें 8वीं वाहिनी पीएसी बरेली ने 6-0 से जीत दर्ज की। प्रथम मैच में 8वीं वाहिनी पीएसी बरेली की ओर से नवीन कुमार ने पहला गोल किया गया।

दूसरा मैच 28वीं वाहिनी इटावा और 47वीं वाहिनी गाजियाबाद के बीच हुआ। इसमें 28वीं वाहिनी पीएसी इटावा ने 5-0 से जीत दर्ज की। तीसरा मैच-49वीं वाहिनी गौतमबुद्धनगर और 43वीं वाहिनी एटा के बीच हुआ जिसमें 43वीं वाहिनी पीएसी एटा ने 4-0 से जीत दर्ज की।

खिलाड़ियों से लिया परिचय

फुटबॉल ग्राउंड पर पहले दिन की प्रतियोगिता का आयोजन सेनानायक 8वीं वाहिनी पीएसी बरेली आकाश तोमर की अध्यक्षता में किया गया। आकाश तोमर के साथ ही एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने फुटबाल ग्राउंड पर खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त किया।

अंशिका वर्मा ने फुटबॉल में किक मारकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में उद्घोषक का कार्य दलनायक सतीश चंद्र जोशी ने किया। बरेली वाहिनी की टीम के कैप्टन सुरेंद्र प्रसाद थपलियाल के द्वारा शपथ दिलाकर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दोहराई गलती, पेनल्टी कॉर्नर बना कमजोरी, नीदरलैंड से मिली लगातार दूसरी हार

नई दिल्ली। भारत को पूरे मैच में नौ पेनल्टी कॉर्नर मिले जिनमें से सिर्फ एक पर जुगराज सिंह ने 54वें मिनट में गोल किया। भारत के लिए पहला गोल अभिषेक ने 20वें मिनट में किया था।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग के मुकाबले में नीदरलैंड से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले शनिवार को भी भारतीय टीम को नीदरलैंड से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम के लिए पेनल्टी कॉर्नर एक बार फिर कमजोरी बना। भारतीय टीम इस मैच में नौ पेनल्टी कॉर्नर में से महज एक गोल में बदल सकी।

सात जून को पहले मैच में बढत बनाने के बावजूद 1-2 से हारी भारतीय टीम दूसरे मैच में भी उन्हीं गलतियों को दोहराती दिखी। भारत को पूरे मैच में नौ पेनल्टी कॉर्नर मिले जिनमें से सिर्फ एक पर जुगराज सिंह ने 54वें मिनट में गोल किया। भारत के लिए पहला गोल अभिषेक ने 20वें मिनट में किया था। नीदरलैंड के लिए थीज वैन डैम ने 24वें मिनट में, टी होडेमेकर्स ने 33वें और यिप यानसेन ने 57वें मिनट में गोल दागे।

एफआईएच प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण में आठ मैचों में 15 अंक लेकर भारत तीसरे स्थान पर है। उसे अगले साल विश्व कप के लिए प्रो लीग के जरिये क्वालिफाई करने के लिए यूरोप चरण से अधिकतम अंक बनाने होंगे लेकिन शुरुआती दोनों मैच हारने से राह कठिन हो गई है।

पिता मजदूर, फटे जूतों और घास के बोरों से किया अभ्यास

आज ऊंची कूद में नेशनल चैंपियन हैं पूजा सिंह

नई दिल्ली। पूजा सिंह हरियाणा के बोस्ती गांव के साधारण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनका जन्म एक ऐसी जगह पर हुआ, जहां महिला होना आसान नहीं है, लेकिन पूजा को माता-पिता का साथ मिला।

जब एथलीट पूजा सिंह ने दक्षिण कोरिया के गामी में 2025 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ऊंची कूद में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता, तो पूरी दुनिया देखती रह गई। प्रतियोगिता के इतिहास में महिलाओं की ऊंची कूद में भारत का यह दूसरा पदक था। उनसे पहले, बॉबी एलॉयसियस एशियाई चैंपियनशिप में ऊंची कूद में पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला थीं। यह जीत इसलिए भी खास है कि भारत का 25 साल का इंतजार खत्म हो गया। साथ ही पूजा एशियाई ऊंची कुद का खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बन गई। पूजा सिंह की स्वर्णिम छलांग इस बात का शानदार उदाहरण है कि दृढ़ संकल्प, परिवार व कोच का साथ किस तरह से जीवन में बदलाव ला सकता है। हरियाणा के एक छोटे-से गांव से एशियाई पोडियम (पदक तालिका में शीर्ष तीन स्थान) के शीर्ष तक की उनकी यात्रा कड़ी मेहनत का प्रतीक है।

शुरुआत ऐसे हुई

पूजा सिंह हरियाणा के बोस्ती गांव के साधारण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनका जन्म एक ऐसी जगह पर हुआ, जहां महिला होना आसान नहीं है, लेकिन पूजा को माता-पिता का साथ मिला। उनके पिता हंसराज भी एक कबड्डी खिलाड़ी बनना चाहते थे, लेकिन परिवार का भरण-पोषण करने के लिए परिस्थितियों ने उन्हें राजमिस्त्री बनने पर मजबूर कर दिया। शुरुआत में वह योग और जिमनास्टिक के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती थीं, इसके लिए दो साल तक ट्रेनिंग भी ली। लेकिन वर्ष 2018 में एक स्थानीय योग शिविर में कोच बलवान सिंह पात्रा से उनकी मुलाकात हुई और उन्होंने ही पूजा को ऊंची कूद में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

चोट के कारण लेना पड़ा ब्रेक

गंभीर चोट के कारण पूजा को पंद्रह महीने तक खेल से दूर रहना पड़ा। लेकिन उनका समर्पण अटूट था, इस परिस्थिति में भी उन्होंने अपना हौसला बनाए रखा और ठीक होकर फिर से अभ्यास करने लगीं। इस परिस्थिति ने उन्हें और मजबूत बनाया। उसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय अंडर-16 रिकॉर्ड बनाया और लगातार उनकी रैंकिंग में सुधार होता गया। आखिरकार उन्होंने एशियाई अंडर-18 चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और गुमी में 1.89 मीटर की छलांग के साथ अपना खुद का अंडर-20 का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

पराली से भरे बोरों पर अभ्यास

कोच बलवंत ने पूजा सिंह की एथलेटिक क्षमता और काबिलियत को पहचानते हुए, पूजा को एक हाई जंपर के रूप में प्रशिक्षित करना शुरू किया, लेकिन उनके सामने समस्या यह थी कि जिस अकादमी में पूजा प्रशिक्षण ले रही थीं, वहां खेल की सुविधाएं तो दूर, जंपिंग मैट तक नहीं था। इसकी कमी को पूरा करने के लिए उन्होंने पराली जैसे कृषि अपशिष्ट व घास की बोरियों का इस्तेमाल किया। क्रॉसबार की जगह धूल भरे मैदानों में बांस के खंभों का उपयोग तथा एक रबर टायर को स्प्रिंगबोर्ड के रूप में इस्तेमाल कर अभ्यास करती रहीं। दो से तीन साल तक अभ्यास करने के बाद उन्हें एक पुराना मैट मिला।

टूटे स्पाइक के साथ खेला

18 वर्षीय हाई जंपर पूजा सिंह जब दक्षिण कोरिया में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2025 में हिस्सा लेने वाली थी, तो अभ्यास सत्र के दौरान उनके बाए पैर के जूते में लगा स्पाइक टूट गया। इससे उनका जूता फट गया और जमीन पर सही से पकड़ भी नहीं बना पा रही थी। उनके पास एक जोड़ा स्पाइक और था, लेकिन जब उन्होंने उस स्पाइक्स को पहना तो उन्हें लगा कि यह अपनी छलांग को नियंत्रित नहीं कर सकती। लेकिन जमीन से जुड़ी हुई पूजा सिंह के लिए कभी भी कोई परिस्थिति ऐसी नहीं रही, जो उन्हें कमजोर कर सके। उन्होंने फटे हुए स्पाइक्स को काइनेसियोलॉजी टेप से चिपका कर खेलने का फैसला किया।

उपलब्धियों की भरमार

पूजा 2023 से ही भारतीय ट्रैक और फील्ड में अपना नाम बना रही थीं जब 16 साल की उम्र में उन्होंने 1.82 मीटर के तत्कालीन युद्ध राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ एशियाई अंडर 18 वैपियनशिप 2023, ताशकंद में स्वर्ग पदक जीता था। उन्होंने एशियाई अजर-20 चैंपियनशिप 2023, येचेओन में रजत पदक प्राप्त किया। इतना ही नहीं पूजा ने राष्ट्रमंडल युव खेल 2023, त्रिनिदाद और टोबैगों में कांस्य पदक भी जीता है।

युवाओं को सीख

कड़ी मेहनत अनुशासन और समर्पण से कुछ भी हासिल किया जा सकल है।

जिंदगी में ऐसी कोई चुनौती नहीं है, जो आपको आपके सपनों को हासिल करने से रोक सकें।

तब तक मेहनत करें, जब तक आप अपने लक्ष्य को प्राप्त न कर लें।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है।

खुद पर भरोसा रख मेहनत करते रहे, एक दिन कामयाबी जरूर मिलेगी।

2025 में 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने वालीं बॉलीवुड फिल्म मे, 'हाउसफुल 5' को लगे महज 4 दिन

मुंबई। साल 2025 में कई फिल्में रिलीज हुई हैं जो भारी भरकम स्टारकास्ट के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास परफॉर्म नहीं कर पाई हैं। वहीं कई फिल्में ऐसी रहीं जिन्होंने उम्मीदों से कई गुना ज्यादा अच्छा कलेक्शन किया। ऐसी ही फिल्मों के बारे में आपको बताते हैं जिन्होंने इस साल 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर लिया। अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' ने 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। लंबी-चौड़ी स्टारकास्ट वाली इस फिल्म ने महज 4 दिनों में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। हालांकि फिल्म को मिले-जुले रिएक्शन्स मिल रहे हैं लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये काफी तेजी से नंबर बटोर रही है। चलिए आपको बताते हैं हाउसफुल 5 की ही तरह इस साल वो कौन-कौन सी फिल्में हैं जिन्होंने 100 करोड़ के आंकड़े को पार किया है।

अजय देवगन और वाणी कपूर की फिल्म 'रेड 2' भी इस साल 100 करोड़ कमाने वाली फिल्मों की लिस्ट में शुमार है। इस फिल्म ने 9 दिनों में इस आंकड़े को छुआ था। हालांकि मेकर्स को उम्मीद थी कि ये फिल्म 100 करोड़ के नंबर को थोड़ा पहले पार करेगी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। करीब सात साल पहले आई फिल्म 'रेड' के सीक्वल इस फिल्म में इनकम टैक्स कमिश्नर अमय जयपुर में कार्यरत हैं।

राजकुमार राव की 'मालिक' का पहला गाना 'नामुमकिन' रिलीज, मानुषी छिल्लर संग रोमांस करते दिखे अभिनेता

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार इस वक्त अपनी आगामी फिल्म

मालिक से चर्चा में हैं, जिसमें एक्टर गैंगस्टर लुक में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का दर्शकों का बड़ी बेसब्री से इंतजार है। अब निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना नामुमकिन रिलीज किया है। इस गाने के जरिए मिस वर्ल्ड विजेता और अभिनेत्री मानुषी छिल्लर पहली बार स्क्रीन पर नजर आईं हैं।

मानुषी संग रोमांस करते दिखे राजकुमार राव

मालिक फिल्म के निर्माताओं ने आज मंगलवार के दिन फिल्म का पहला गाना नामुमकिन रिलीज किया है। इस गाने के जरिए पहली बार फिल्म की अभिनेत्री मानुषी छिल्लर की झलक ऑनस्क्रीन दिखाई दी है। गाने में दोनों रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं और इनकी केमिस्ट्री देखने लायक है। वे साथ में बहुत प्यारे दिख रहे हैं। नामुमकिन सॉन्ग को वरुण जैन, श्रेया घोषाल, सचिन-जिगर ने मिलकर गाया है। वहीं इस गाने को अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है।

फुल एक्शन में दिखे थे राजुमार राव

मालिक फिल्म का टीजर पिछले हफ्ते रिलीज हुआ था। इस टीजर में राजकुमार राव का खतरनाक अंदाज दिखा था, जिसमें उन्हें अपने दुश्मनों को बर्बर तरीके से मारते-काटते देखा गया था। फिल्म के टीजर ने दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए थे। पहली बार अभिनेता का ये अंदाज उनके फैंस देखेंगे। इस समय अभिनेता अपनी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म भूल चूक माफ से चर्चा में हैं। अब उन्हें फुल टू एक्शन में देखने के लिए तैयार हो जाएं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

पुलकित द्वारा निर्देशित 'मालिक' 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वहीं इस फिल्म का निर्माण टिप्स फिल्म्स और नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है।

नंदामुरी बालकृष्ण, बोयापति श्रीनु और 14 रील्स प्लस की अखंडा 2 तांडवम 25 सितंबर को दशहरे पर आ रही है

नंदामुरी बालकृष्ण और ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर बोयापति श्रीनु अपनी चौथी बड़ी फिल्म अखंडा 2 तांडवम के लिए एक बार फिर साथ मिलकर आए हैं। ये फिल्म, हिट अखंडा का अगला हिस्सा है और इसमें एक्शन-ड्रामा और भी ज़्यादा होगा। इसमें धमाकेदार एक्शन सीन के साथ-साथ कुछ आध्यात्मिक बातें भी देखने को मिलेंगी। राम आचार्य और गोपीचंद आचार्य के जाने-माने 14 रील्स प्लस बैनर ने इसे बनाया है और एम. तेजेस्विनी नंदामुरी इसे पेश कर रही हैं। मेकर्स ने बालकृष्ण के जन्मदिन पर फिल्म का टीज़र निकाला है, और ये सच में किसी भी हीरो को अपनी टीम से मिलने वाला सबसे अच्छा तोहफ़ा है।

टीज़र में बालकृष्ण का शानदार लुक सबसे ज़्यादा ध्यान खींच रहा है उनके किरदार को ये लुक बहुत सूट कर रहा है, जिसमें ताक़त और दिव्यता का गजब का मेल है। बोयापति ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो बालकृष्ण को किसी और से ज़्यादा समझते हैं।

किरदार

> टीज़र में बालकृष्ण का शानदार लुक सबसे ज़्यादा ध्यान खींच रहा है उनके किरदार को ये लुक बहुत सूट कर रहा है, जिसमें ताक़त और दिव्यता का गजब का मेल है।

उन्होंने जो फ़र्स्ट लुक और टीज़र दिया है, उससे बालकृष्ण का जलवा और बढ़ गया है।

त्रिशूल के साथ नंदी की तस्वीरें और बर्फ़ से ढका कैलाश पर्वत का सीन इतना खूबसूरत है कि नज़रें हटाना मुश्किल है। ये दिखाता है कि किरदार और फिल्म की कहानी पर कितनी रिसर्च की गई है। बालकृष्ण की चाल में भी एक शाही अंदाज़ है जो विज़ुअल्स को और दमदार

बनाता है।

जो सीन हैं, जहाँ वो गुंडों को हवा में उछाल रहे हैं और त्रिशूल का नेक शॉट, वो दिमाग हिला देने वाले हैं। एक्शन कोरियोग्राफर राम-लक्ष्मण ने बालकृष्ण के मास अपील को बहुत बढ़िया तरीके से इस्तेमाल किया है। उनकी डायलॉग डिलीवरी भी हमेशा की तरह पावरफुल है।

थमन का बैकग्राउंड म्यूज़िक कमाल का है, जो बालकृष्ण की मौजूदगी को और भी भव्य बनाता है। बालकृष्ण की फिल्मों के लिए म्यूज़िक बनाने में थमन तो जैसे किसी दूसरी ही दुनिया में चले जाते हैं।

14 रील्स प्लस की प्रोडक्शन वैल्यूज़ भी टॉप क्लास हैं, जिससे पूरी फिल्म बहुत बड़े पैमाने पर और शानदार लग रही है। ये टीज़र ऐसा है कि इसके हर फ्रेम में टीम की लगन और मेहनत साफ दिख रही है। अभी, फिल्म की शूटिंग जॉर्जिया की शानदार लोकेशन्स पर चल रही है, जहाँ एक बहुत ही बढ़िया सीन शूट किया जा रहा है।मेकर्स का वादा है कि ये फिल्म 25 सितंबर से दशहरा स्पेशल के तौर पर सिनेमाघरों में %तांडव% मचा देगी। फिल्म का दिव्य अंदाज़ यकीनन पूरे देश के दर्शकों को अपनी तरफ खींच लेगा। इस टीज़र ने तो ये जादू पहले ही कर दिया है। आदि पिनिसेट्टी विलेन का रोल निभा रहे हैं, जो अखंडा के सामने बुराई का चेहरा होंगे। संयुक्त मेनन इस बड़े सीक्वल में हीरोइन का रोल कर रही हैं, जिसे काफ़ी बड़े स्केल पर और ज़्यादा बजट के साथ बनाया जा रहा है। फिल्म में अनुभवी तकनीशियनों की एक टैलेंटेड टीम है, जिसमें संगीतकार एस. थमन, सिनेमैटोग्राफर सी. रामप्रसाद, एडिटर तम्मिराजू और आर्ट डायरेक्टर एएस प्रकाश शामिल हैं।

धर्म नहीं, ओबीसी का दर्जा तय करने के लिए पिछड़ापन ही एकमात्र मानदंड

कोलकाता पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग की वार्षिक रिपोर्ट पेश की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछड़ापन ही लोगों के ओबीसी दर्जे को तय करने का एकमात्र मानदंड है, धर्म नहीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को ओबीसी दर्ज तय करने को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने राज्य विधानसभा में कहा कि पिछड़ापन ही लोगों के ओबीसी दर्जे को तय करने का एकमात्र मानदंड है, धर्म नहीं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ लोग गलत जानकारी फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओबीसी श्रेणी में किसी व्यक्ति को शामिल करने का धर्म से कोई संबंध नहीं है। ममता बनर्जी ने राज्य में ओबीसी का दर्जा तय करने के लिए पिछड़ापन को एकमात्र मानदंड बताते हुए कहा कि राज्य सरकार ने एक आयोग का गठन किया है, जो ओबीसी में जोड़ने के लिए 50 नए उपवर्गों का सर्वे कर रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि ओबीसी-ए के तहत 49 उपवर्गों और ओबीसी-बी के तहत 91 उपवर्गों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि अधिक पिछड़े वर्ग के लोगों को ओबीसी-ए में रखा गया है, जबकि कम पिछड़े लोग ओबीसी-बी में शामिल किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग की वार्षिक रिपोर्ट सदन में पेश की। जिसके बाद उन्होंने सदन को संबोधित करते हुए बताया कि लोगों को ओबीसी में शामिल करने का फैसला क्षेत्रीय सर्वे और आयोग की सिफारिशों के आधार पर किया गया है।

केरल तट के पास जल रहे जहाज में आग बुझाने की कोशिश जारी, चीन ने नौसेना को कहा धन्यवाद

काबू

भारतीय तटरक्षक बल के जहाज सचेत और समुद्र प्रहरी आग पर काबू पाने की कोशिशों में जुटे हैं।

तिरुवनंतपुरम। जहाज पर करीब 650 कंटेनर लदे थे, जिनमें से कई कंटेनर समुद्र में गिर चुके हैं। माना जा रहा है कि जिस तेजी से आग धधक रही है, उसकी वजह जहाज के कंटेनर्स में कोई खतरनाक ज्वलनशील रसायन हो सकता है। फिलहाल जहाज के मालिकों से कंटेनर्स में रखे सामान की जानकारी मांगी गई है। केरल तट के नजदीक जल रहे सिंगापुर के झंडे वाले जहाज की आग बुझाने को कोशिश आज भी जारी है। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सूरत ने क्रू के 18 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है। वहीं क्रू के चार सदस्य अभी भी लापता हैं। जहाज में रविवार को आग लगी थी और मंगलवार को भी नौसेना, तटरक्षक बलों द्वारा संयुक्त और समन्वित बचाव अभियान चलाया जा रहा है। भारतीय तटरक्षक बल के जहाज सचेत और समुद्र प्रहरी आग पर काबू पाने की कोशिशों में जुटे हैं। तटरक्षक बल का डोर्नियर एयरक्राफ्ट बचाव अभियान का हवाई सर्वे कर रहा है। साथ ही मंगलवार को तटरक्षक बल का जहाज समर्थ भी बचाव अभियान में शामिल हो गया है। सोमवार को केरल तट से करीब 44 नॉटिकल मील दूर सिंगापुर का केंटनर जहाज हादसे का शिकार हुआ था। दरअसल कोलंबो से मुंबई जा रहा सिंगापुर का ध्वज लगा जहाज MV Wan Hai 503 अचानक आग की लपटों में घिर गया। आग के चलते जहाज में तेज विस्फोट हुआ। जहाज पर करीब 650 कंटेनर लदे थे, जिनमें से कई कंटेनर समुद्र में गिर चुके हैं। माना जा रहा है कि जिस तेजी से आग धधक रही है, उसकी वजह जहाज के कंटेनर्स में कोई खतरनाक ज्वलनशील रसायन हो सकता है। फिलहाल जहाज के मालिकों से कंटेनर्स में रखे सामान की जानकारी मांगी गई है। नौसेना के जहाज आईएनएस सूरत से जहाज पर मौजूद 18 क्रू सदस्यों को बचाया गया है। कुछ क्रू सदस्य घायल हैं और उनमें से दो की हालत गंभीर है। चार अन्य को हल्की चोटें हैं। क्रू सदस्यों को मंगलुरू बंदरगाह पर लाया गया है। घायलों का कुंतीकाना के एजे अस्पताल में इलाज चल रहा है। जहाज में आग लगने की घटना पर चीन की भारत में राजदूत यू जिंग ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जहाज के क्रू में 22 लोग थे, जिनमें से 14 चीनी नागरिक हैं। छह लोग ताइवान के हैं। हम भारतीय नौसेना और मुंबई तटरक्षक बल को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं। हम दुआ करते हैं कि घायल क्रू सदस्य जल्द ठीक हो जाएं। केरल तट पर तेल रिसाव को लेकर चेतावनी जारी की गई है। भारत के नेशनल सेंटर फॉर ओसीन इंफोर्मेशन सर्विसेज ने सिंगापुर के ध्वज लगे जहाज में भीषण आग लगने के बाद यह चेतावनी दी है। अभी भी जहाज में आग लगी हुई है और नौसेना और तटरक्षक बल आग बुझाने में जुटे हैं।

कांग्रेस ने फिर उठाया लोकसभा उपाध्यक्ष का मुद्दा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर चुनाव प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। खरगे ने यह मुद्दा तब उठाया है जब 21 जुलाई से संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो रही है।

कांग्रेस ने एक बार फिर लोकसभा उपाध्यक्ष के चुनाव का मुद्दा उठाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर चुनाव प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस पद को रिक्त रखना भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए अच्छा संकेत नहीं है और यह संविधान के प्रावधानों का भी उल्लंघन है। खरगे ने यह मांग 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से पहले की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पत्र में लिखा कि मैं लोकसभा में उपाध्यक्ष के पद की रिक्तता से संबंधित चिंताजनक मामले की ओर आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 93 में लोक सभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के चुनाव का प्रावधान है। संवैधानिक रूप से उपाध्यक्ष, लोक सभा अध्यक्ष के बाद दूसरा सबसे बड़ा पीठासीन अधिकारी होता है।खरगे ने कहा कि उपाध्यक्ष का चुनाव लोकसभा के दूसरे या तीसरे सत्र में किया जाता है। इस चुनाव की प्रक्रिया अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया के समान ही है। अंतर केवल इतना है कि उपाध्यक्ष के चुनाव की तारीख लोकसभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमों के नियम 8(1) के अनुसार अध्यक्ष द्वारा तय की जाती है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में खरगे ने कहा कि पहली से सोलहवीं लोकसभा तक प्रत्येक सदन में एक उपाध्यक्ष रहा है। यह एक स्थापित परंपरा है कि उपसभापति की नियुक्ति मुख्य विपक्षी दल के सदस्यों में से ही की जाती है। खरगे ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार यह पद लगातार दो लोकसभा कार्यकालों के लिए रिक्त रहा है। सत्रहवीं लोकसभा के दौरान कोई उपाध्यक्ष नहीं चुना गया था और यह अठारहवीं लोकसभा में भी जारी है। यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए शुभ संकेत नहीं है और यह संविधान के प्रावधानों का भी उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि इसलिए जरूरी है कि सदन की परंपराओं और हमारी संसद के लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए बिना किसी और देरी के लोकसभा के उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाए।

राजा हत्याकांड में गिरफ्तारियों पर क्या बोले टूरिस्ट गाइड

सोहरा। राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को मेघालय पुलिस शिलांग ले जा रही है। उसे गाजीपुर से पटना के फुलवारी शरीफ पुलिस स्टेशन ले जाया गया। यहां से पुलिस अब कोलकाता के लिए रवाना हो चुकी है। इसके बाद पुलिस सोनम को लेकर गुवाहाटी पहुंचेगी। फिर पुलिस सोनम को गुवाहाटी से शिलांग ले जाएगी। एक स्थानीय टूरिस्ट गाइड ने पिछले महीने लापता हुए नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम रघुवंशी के साथ तीन अज्ञात लोगों की मौजूदगी के बारे में पुलिस को मंगलवार को सूचित किया था। उन्होंने कहा कि उसे तसल्ली है कि उसकी जानकारी ने मामले को सुलझाने में मदद की। यह जोड़ा 23 मई को लापता हो गया था, जिसके बाद 2 जून को वेइसाडोंग फॉल्स के पास राजा का बुरी तरह सड़ चुका शव मिला था।

जस्टिस यादव मामले में सिब्बल के सवाल

खिलाफ

मुसलमानों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को लेकर राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सवाल उठाए हैं।

नई दिल्ली। मुस्लिमों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में विपक्ष के 55 सासंदों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस दिया था। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने नोटिस को सुप्रीम कोर्ट के महासचिव से साझा करने के लिए कहा था। इस पर सिब्बल ने सवाल उठाए हैं।

मुसलमानों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को लेकर राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मामले में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने महाभियोग प्रस्ताव लाने के नोटिस पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? ऐसा लगता है कि सरकार न्यायाधीश को बचाने की कोशिश कर रही है। जस्टिस की टिप्पणी पूरी तरह से सांप्रदायिक थी। सिब्बल ने कहा कि पूरी घटना में भेदभाव की बू आती है, क्योंकि एक ओर तो राज्यसभा के महासचिव ने भारत के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा कि वे यादव के खिलाफ आंतरिक जांच न करें, क्योंकि उनके खिलाफ उच्च सदन में एक याचिका लंबित है। मगर न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के मामले में ऐसा नहीं किया गया। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। जब संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति छह महीने में संवैधानिक दायित्वों को पूरा नहीं करता है तो सवाल उठना लाजिमी है। कपिल सिब्बल ने कहा कि 13 दिसंबर 2024 को हमने राज्यसभा के सभापति को महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस दिया था। इस पर 55 सांसदों के हस्ताक्षर थे, छह महीने बीत गए हैं, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया है। मैं संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों से पूछना चाहता हूं कि उनकी जिम्मेदारी सिर्फ यह सत्यापित करना है कि हस्ताक्षर हैं या नहीं, क्या इसमें छह महीने लगने चाहिए? एक और सवाल है कि क्या यह सरकार शेखर यादव को बचाने की कोशिश कर रही है? उन्होंने कहा कि विहिप के निर्देश पर यादव ने उच्च न्यायालय परिसर में भाषण दिया था और फिर मामला उच्चतम न्यायालय में आया जिसने कार्रवाई की। यादव से दिल्ली में पूछताछ की गई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से भी रिपोर्ट मांगी गई। मुझे तो यह तक सुनने में आया है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने नकारात्मक रिपोर्ट दी थी और इस बीच 13 फरवरी 2025 को अध्यक्ष ने कहा कि इस मामले को संवैधानिक तरीके से देखा जाना चाहिए और संसद इसे आगे बढ़ा सकती है। सिब्बल ने कहा कि राज्यसभा सचिवालय ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र भेजकर कोई कार्रवाई न करने को कहा है और कहा गया है कि इस मामले पर कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस है और सर्वोच्च न्यायालय को यादव के खिलाफ अपनी आंतरिक प्रक्रिया रोकनी चाहिए। सिब्बल ने कहा कि मुझे समझ में नहीं आ रहा कि ऐसा किस आधार पर हुआ? क्या चेयरमैन को सीजेआई को ऐसा पत्र लिखना चाहिए? आतंरिक प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट की अपनी है, इसका महाभियोग प्रस्ताव से कोई संबंध नहीं है।

हाईकोर्ट में बंगलूरू भगदड़ केस पर 12 जून को सुनवाई

बंगलूरू। बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर चार जून की शाम आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले का हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया। हाईकोर्ट ने सरकार ने घटना को लेकर कुछ सवाल पूछे हैं। बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर चार जून को आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट में 12 जून को अगली सुनवाई होगी। हाईकोर्ट ने महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी को सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।भगदड़ में 11 लोग मारे गए थे। सुनवाई के बाद गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि महाधिवक्ता हाईकोर्ट में सभी सवालों के जवाब देंगे।बंगलूरू भगदड़ मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान याचिका पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सीएम जोशी ने सुनवाई की।

ग्रेटा थनबर्ग को इस्राइल से निर्वासित किया गया

तेल अवीव। संगठन ने बताया कि इस्राइली सेना ने जहाज पर एक सफेद पेंट जैसा तत्व गिराया और जहाज के कम्युनिकेशन को जाम कर दिया। कार्यकर्ताओं ने शिकायत की कि पेंट जैसे तत्व से उनकी आंखों में जलन हुई। संगठन द्वारा सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो में ग्रेटा थनबर्ग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल सीमा से उनके जहाज को जब्त कर उसका अपहरण किया गया।

इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि ग्रेटा थनबर्ग को इस्राइल से निर्वासित कर दिया गया है। इस्राइल ने फ्रांस जाने वाले विमान में ग्रेटा को बिठाते हुए एक तस्वीर भी साझा की। ग्रेटा थनबर्ग का समर्थन कर रहे एक इस्राइली संगठन ने भी इसकी पुष्टि की और बताया कि थनबर्ग और दो अन्य कार्यकर्ताओं ने निर्वासित किए जाने की सहमति दे दी, जिसके बाद उन्हें फ्रांस जाने वाले विमान से भेज दिया गया। हालांकि अन्य कार्यकर्ताओं ने जाने से इनकार कर दिया और फिलहाल वे इस्राइली हिरासत में ही हैं। जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग समेत समेत कई अन्य कार्यकर्ताओं को इस्राइल ने सोमवार को हिरासत में ले लिया है। सोमवार को इस्राइल ने गाजा जा रहे जहाज मैडलीन को जब्त कर लिया था। इस जहाज पर राशन और अन्य जरूरी सामान लेकर ग्रेटा गाजा जा रहीं थी। हालांकि इस्राइली सेना ने रास्ते में ही इस जहाज को जब्त कर लिया और इस्राइली सेना इसे अशदोद बंदरगाह पर ले गई। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने बताया कि हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं का बंदरगाह पहुंचने पर मेडिकल चेकअप किया गया। रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने बताया कि %ग्रेटा थनबर्ग समेत सभी कार्यकर्ताओं को 7 अक्तूबर को हमास द्वारा की गई बर्बरता की डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई, लेकिन उन्होंने थोड़ी देर देखकर डॉक्यूमेंट्री देखने से ही इनकार कर दिया।% काट्ज ने कहा कि %थनबर्ग और अन्य ने हमास के अत्याचार को देखने से ही मना कर दिया और सच की तरफ से अपनी आंखें बंद कर लीं।%

गाजा में राहत सामग्री भेजने के इस मिशन का आयोजन %फ्रीडम फ्लोटिला कोएलिशन% (एफएफए) नामक संगठन ने किया था। संगठन का कहना है कि इस्राइली सेना ने अंतरराष्ट्रीय जल सीमा में जहाज पर हमला किया और गैरकानूनी तरीके से जहाज पर इस्राइली सैनिक सवार हो गए। संगठन ने बताया कि जहाज में बच्चों का सामान, खाना, मेडिकल सप्लाई थी, जो गाजा के लोगों की मदद के लिए भेजा जा रहा था, जहां बीते 11 हफ्तों से सामान की सप्लाई बंद है।

संगठन ने बताया कि इस्राइली सेना ने जहाज पर एक सफेद पेंट जैसा तत्व गिराया और जहाज के कम्युनिकेशन को जाम कर दिया। कार्यकर्ताओं ने शिकायत की कि पेंट जैसे तत्व से उनकी आंखों में जलन हुई। संगठन द्वारा सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो में ग्रेटा थनबर्ग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल सीमा से उनके जहाज को जब्त कर उसका अपहरण किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रेटा थनबर्ग को अनोखी, युवा और गुस्सैल बताया और सलाह दी कि ग्रेटा को क्रोध प्रबंधन की कक्षाएं लेने की जरूरत है। हमास ने ग्रेटा को रिहा करने की मांग की और कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल सीमा से जहाज को जब्त किया जाना, अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है।

निजी अनुवांशिक डेटा को ग्राहकों की अनुमति के बिना बेचने पर रोक की मांग

सहमति

स्वास्थ्य संबंधी लक्षण और चिकित्सा रिकॉर्ड को व्यक्ति की सहमति के बिना बेचा जाना बेहद संवेदनशील है।

वॉशिंगटन। अमेरिका की कंपनी 23andMe डीएनए परीक्षण किट बनाने, स्वास्थ्य अनुसंधान और दवा विकास का काम करती है। साल 2006 में बनी ये कंपनी बीते कई वर्षों से घाटे में चल रही थी। अमेरिका के कई राज्यों ने सोमवार को दिवालियापन अदालत में मुकदमा दायर किया है, जिसमें मांग की गई है कि 23andMe कंपनी के पास मौजूद ग्राहकों के अनुवंशिक डेटा को ग्राहकों की मंजूरी के बिना नहीं बेचा जाए। 27 राज्यों और कोलंबिया जिले ने यह मुकदमा दायर किया है। यह मुकदमा ऐसे समय दायर किया गया है, जब एक जैव प्रोद्योगिकी कंपनी घाटे में चल रही 23andMe कंपनी को खरीदने की प्रक्रिया में है। ओरेगन के अटॉर्नी जनरल डैन रेफील्ड ने कहा कि जैविक नमूने, डीएनए डेटा, स्वास्थ्य संबंधी लक्षण और चिकित्सा रिकॉर्ड को व्यक्ति की सहमति के बिना बेचा जाना बेहद संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को उसकी निजी जानकारी को नियंत्रित करने का अधिकार होना चाहिए और इसे सामान्य संपत्ति की तरह नहीं बेचा जा सकता। गौरतलब है कि अमेरिका की कंपनी 23andMe डीएनए परीक्षण किट बनाने, स्वास्थ्य अनुसंधान और दवा विकास का काम करती है। साल 2006 में बनी ये कंपनी बीते कई वर्षों से घाटे में चल रही थी। कंपनी ने मार्च में अपने 40 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी कर दी थी, लेकिन हालात नहीं सुधरने पर मिसौरी में दिवालिया संरक्षण के लिए अपील दायर की, जिससे ग्राहकों के निजी डेटा की सुरक्षा को लेकर चिंताए बढ़ गईं। बायोटेक कंपनी रीजेनरॉन अब 23andMe का अधिग्रहण करने की कोशिश कर रही है। डेटा की सुरक्षा चिंताओं के बीच रीजेनरॉन ने कहा है कि वे डेटा को सुरक्षित रखेंगे। हालांकि राज्यों ने इस पर चिंता जताई है और दिवालिया अदालत से डेटा की सुरक्षा करने की अपील की है।

रूस ने दो यूक्रेनी शहरों पर किया ड्रोन और मिसाइल हमला

कीव। रूस ने मंगलवार सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव और ओडेसा में ड्रोन और मिसाइल हमले किए। हमलों में दो लोगों की मौत हो गई और दोनों शहरों में कम से कम 13 लोग घायल हो गए। कीव में ड्रोन हमलों से बचने के लिए लोगों ने मेट्रो स्टेशन में शरण ली।

रूस ने मंगलवार सुबह यूक्रेन के दो शहरों- ओडेसा और कीव को निशाना बनाया। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों में दो लोगों की मौत हो घई और कम से कम 13 अन्य घायल हो गए। ताजा हमले रूस द्वारा यूक्रेन पर लगभग 500 ड्रोन दागे जाने के कुछ घंटों बाद हुए। यूक्रेन और पश्चिमी अधिकारी आशंका जता रहे हैं कि 1 जून को रूसी हवाई ठिकानों पर यूक्रेन द्वारा किए गए ड्रोन हमलों के बाद रूस जवाबी कार्रवाई कर रहा है। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर के अनुसार, ताजा हमला दक्षिणी बंदरगाह शहर ओडेसा में हुआ। इस हमले में प्रसूति अस्पताल और आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि रूसी हमले में शहर में दो लोगों की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए।

दूसरा ड्रोन हमला यूक्रेन की राजधानी कीव में हुआ। पत्रकारों ने घंटों तक शहर के चारों ओर विस्फोट और ड्रोन की गड़गड़ाहट सुनी। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि राजधानी पर हुए हमले में चार लोग घायल हो गए। हमलों के दौरान कीव में कई जगहों पर धुआं उठता दिखा। लोग डर के कारण मेट्रो स्टेशनों में जाकर छिप गए। अपने 8 महीने के बेटे के साथ मेट्रो स्टेशन में छिपी नीना नोसीवेट्स ने कहा कि मैं कोशिश करती हूं कि डरने के बजाय सब कुछ चुपचाप सह लूं, जैसे कोई चूहा छुप जाता है। अपने बच्चे का ध्यान भटकाने की कोशिश करती हूं ताकि उसे कम डर लगे। एक और निवासी क्रिस्टीना सेमक ने कहा कि धमाके की आवाज सुनकर वह डर गईं और रात 2 बजे मेट्रो स्टेशन की ओर भागीं। कीव शहर के सैन्य प्रशासन ने बताया कि कई ड्रोन को मार गिराया गया। ड्रोन का मलबा आवासीय भवनों और गोदामों की छपों पर गिरने के बाद कम से कम चार जिलों में आग लग गई। 25 वर्षीय वासिल पेसेंको ने हमले में क्षतिग्रस्त हुई अपनी रसोई में खड़े होकर बताया कि मैं बिस्तर पर लेटा हुआ था और सोच रहा था कि शायद ये ड्रोन इस बार भी निकल जाएंगे, लेकिन तभी एक ड्रोन हमारे घर के बहुत पास आ गया और बड़ा धमाका हो गया।

ऑस्ट्रियाई शहर ग्राज के स्कूल में गोलीबारी

ऑस्ट्रिया। ऑस्ट्रिया में बड़ी घटना हुई है। यहां एक स्कूल में फायरिंग की बात कही जा रही है। इस दौरान कई लोगों की हत्या की बात कही जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को ऑस्ट्रिया के शहर ग्राज के एक स्कूल में कई लोगों की हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, स्कूल से गोलियों की आवाज आने के बाद सुरक्षा बलों को मौके पर तैनात कर दिया गया। आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि कई लोगों की मौत हुई है, लेकिन यह नहीं बताया कि कितने लोग मारे गए। किसी के घायल होने या अपराधी के बारे में भी तत्काल कोई जानकारी नहीं है। ग्राज के मेयर एल्के कहर ने बताया कि मृतकों में शूटर भी शामिल है। सुबह 10 बजे एक कॉल के बाद BORG Dreierschutzengasse हाई स्कूल में विशेष बल भेजे गए।

क्या पीएम नेतन्याहू की सत्ता खतरे में? अति-रूढ़िवादी सैन्य कानून ने बढ़ाई परेशानी

इस्राइल। इस्राइल की बेंजामिन नेतन्याहू सरकार अति रूढ़वादी सैन्य कानून लागू करने जा रही है। इस कानून के तहत देश की सबसे सशक्त आबादी के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य कर दी गई है। इस समुदाय को अब तक अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट थी। आइए जानते हैं इसका सरकार पर क्या असर पड़ने वाला है? हमास के साथ युद्ध के बीच इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू सरकार संकट में फंस गई है। अति-रूढ़िवादी सैन्य कानून लागू करने के चलते उनके गठबंधन के सहयोगियों ने सरकार का साथ छोड़ने का एलान किया है। इस्राइल में बुधवार को संसद भंग करने के लिए मतदान हुआ। विपक्ष का कहना है कि अगर गठबंधन के साझेदार सरकार से नाता तोड़ लेंगे तो संसद भंग हो जाएगी। अभी यह साफ नहीं है कि कौन-कौन सहयोगी सरकार का साथ देंगे।

इस्राइल में अब तक यहूदी पुरुषों को लगभग तीन साल की सैन्य सेवा करनी होती है। इसके बाद कई साल रिजर्व ड्यूटी करनी होती है। वहीं यहूदी महिलाओं को दो वर्ष अनिवार्य सेवा करनी होती है। जबकि इस्राइल में राजनीतिक रूप से सशक्त अति-रूढ़िवादी समुदाय को इससे छूट थी। यह समुदाय धार्मिक कार्य संभालता है और इसके युवाओं को 26 साल की उम्र तक सरकार वजीफा देती है। अब इस्राइल की सरकार ने अति-रूढ़िवादी सैन्य कानून के तहत इस समुदाय के लोगों को भी सेना में काम करना अनिवार्य कर दिया। इस्राइल की सुप्रीम कोर्ट ने भी 2017 में अति रूढ़िवादी को सैन्य सेवा से मिलने वाली छूट को अवैध करार दिया था।

सैन्य सेवा में अति रूढ़िवादियों को शामिल करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि हमास के हमले के बाद से सैनिकों की बड़ी जरूरत महसूस हुई है। इस्राइल ने 360,000 रिजर्व सैनिकों को सक्रिय किया है। हालात यह हैं कि कई रिजर्व सैनिकों ने गाजा में सैकड़ों दिनों की कई बार ड्यूटी की है। कुछ रिजर्व सैनिक नए बुलावे को अस्वीकार कर रहे हैं। रिजर्व ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करने वाले इस्राइलियों की संख्या इतनी कम हो गई है कि सेना ने सेवा जारी रखने के लिए लोगों को भर्ती करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है।

नेतन्याहू सरकार के कानून लागू करने की तैयारी और सरकार गिराने के लिए विपक्ष ने आह्वान किया है कि अगर सरकार में शामिल अति-रूढ़िवादी साझेदार अपने समुदाय को सैन्य सेवा से छूट देने वाला कानून पारित करने में विफल रहते हैं तो उनके साथ नाता तोड़ लेंगे। नेतन्याहू के लिए हरेदीम या हिब्रू में दो पार्टियां बेहद जरूरी हैं। दोनों को सरकार को भंग करने के लिए मतदान करना होगा।

इसमें नेतन्याहू की सबसे बड़ी समर्थक पार्टी शास भी शामिल है। शास के प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी वर्तमान में विघटन के पक्ष में मतदान करने की योजना बना रही है।

जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे कार्यों का डीएम ने स्थलीय निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा विकासखंड बदलापुर के द्वारा देहूरा गांव में जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि निर्माण कार्य अभी चल रहा है, कार्यदाई संस्था एफकॉन के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि कनेक्शन का कार्य हो रहा है, पाइप लाइन को जोड़ने का कार्य अभी अवशेष है, 650 के सापेक्ष लगभग 355 लाभार्थियों को नल का कनेक्शन देने का कार्य किया गया है। जिलाधिकारी के द्वारा ग्राम प्रधान से पाइप लाइन कनेक्शन, पानी की सप्लाई, परियोजना की प्रगति आदि के सन्दर्भ में फीडबैक भी लिया गया और कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया गया कि प्राइमरी स्कूल सहित सभी सरकारी भवनों में कनेक्शन अनिवार्य रूप से कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह योजना शासन तथा मा0 प्रधानमंत्री जी की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है स्वच्छ पेयजल से लोग बीमार नही होंगे। उन्होंने कहा कि जो भी कार्य अवशेष है, उन्हें माह जुलाई तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लिया जाए और जो भी सड़के खोदी गई है, उसे शासन के निर्देशों के क्रम में मानक के अनुरुप रिस्टोर/रिपेयर कर दिया जाए। इसके पश्चात जिलाधिकारी द्वारा सिगरामऊ बदलापुर स्थित जल जीवन मिशन के अन्तर्गत स्थापित प्री-कास्ट यार्ड का भी निरीक्षण किया गया। जहां ओवर हेड टैंक की संरचना का निर्माण हो रहा था, इस दौरान पाया गया कि लगभग 98 ओवर हेड टैंक का निर्माण हो गया है तथा अवशेष पर कार्य हो रहा है, जो माह दिसम्बर तक पूर्ण होना प्रस्तावित है। जिलाधिकारी ने ओवर हेड टैंकों की क्षमता आदि के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए कार्यदायी संस्था एफकॉन के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि कार्य को गति दीजिए तथा जितने भी ओवर हेड टैंक की संरचना का निर्माण कार्य हो चुका है उन्हें निर्धारित साइट पर लगा दिया जाए। इस दौरान कार्य स्थल पर जितने भी श्रमिक कार्य करते हुए पाये गये, उनके श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन, बीमा आदि के सन्दर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया गया कि श्रमिको का प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अन्तर्गत पंजीकरण भी कराया जाए। उन्होंने श्रमिको से संवाद भी किया। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन योजना अन्तर्गत व्यापक स्तर पर ओवर हेड टैंक का निर्माण कराया जा रहा है। कार्य को गति देने के निर्देश दिये गये है जिससे कार्य ससमय पूर्ण हो सके। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता जल निगम महेंद्र राम, उप जिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह, खंड विकास अधिकारी सहित कार्यदाई संस्था के प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान और ग्रामीण उपस्थित रहें।

महेंद्र राजभर को पार्टी के नेता ने किया थप्पड़ से स्वागत

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र स्थित नहोरा आशापुर गांव में आयोजित एक स्वागत समारोह के दौरान सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र राजभर पर हमला हुआ। इस घटना ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, जब पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बृजेश राजभर ने उन्हें पहले माला पहनाया और फिर थप्पड़ों की बरसात कर दी। यह घटना समारोह के दौरान हुई, जहाँ महेंद्र राजभर का गर्मजोशी से स्वागत किया जा रहा था।

वीडियो में देखा जा सकता है कि बृजेश राजभर ने महेंद्र राजभर को माला पहनाने के बाद अचानक उन्हें थप्पड़ मार दिए। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो गया, जिससे पार्टी और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएँ तेज हो गई हैं।

महेंद्र राजभर ने इस घटना को लेकर जलालपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह हमला ओमप्रकाश राजभर के इशारे पर किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि यह हमला पार्टी के अंदर की खींचतान का हिस्सा हो सकता है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

महेंद्र राजभर, जो मऊ जिले के निवासी हैं, ने पहले भी 2017 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से ओमप्रकाश राजभर के गठबंधन में चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में उन्हें बाहुबली माफिया मुख्तार अंसारी से लगभग 6000 वोटों से हार का सामना करना पड़ा था।

2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महेंद्र राजभर को कटप्पा के नाम से संबोधित करते हुए कहा था कि यह वही व्यक्ति है, जो बाहुबली का सफाया करेगा। ऐसे में यह नया हमला महेंद्र राजभर के राजनीतिक जीवन के लिए एक नया विवाद बन गया है।

पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है, और यह देखना होगा कि क्या इस घटना के पीछे कोई गहरी साजिश है या यह केवल पार्टी में आंतरिक संघर्ष का परिणाम है।

शिक्षक भर्ती के लिए प्रशिक्षुओं का विरोध जारी

प्रयागराज। शिक्षा सेवा चयन आयोग कार्यालय पर डीएलएड, बीएड व बीटीसी अभ्यर्थियों का शिक्षक भर्ती को लेकर प्रदर्शन 14वें दिन भी जारी है। मंगलवार को प्रदर्शनकारी छात्रों ने आयोग कार्यालय के सामने कान पकड़कर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। डीएलएड प्रदेश अध्यक्ष रजत सिंह के अनुसार, आयोग अध्यक्ष और उपसचिव संवाद से बच रहे हैं। 28 मई को आयोग ने 10 दिन में सकारात्मक निर्णय का आश्वासन दिया था। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। चयन आयोग के परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि आयोग भर्ती प्रक्रिया को गंभीरता से ले रहा है। अधियाचन मिलते ही विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा। उधर छात्रों ने चेतावनी दी है कि विज्ञापन जारी होने तक धरना जारी रहेगा। 13 जून तक स्पष्ट निर्णय नहीं आने पर आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शनकारी छात्रों ने 13 जून को आयोग के दोनों गेटों पर महाधरना देने का निर्णय लिया है। प्रदर्शन में रिंकू सिंह, सोनू कुमार, विनय सिंह, राहुल पांडेय, राहुल पाल, रोहित तिवारी, अनुराग मौर्या और अंकित पटेल सहित कई अभ्यर्थी मौजूद थे।

योग के महत्व को पूरी दुनिया ने समझा: कुलपति

स्वस्थ समाज के लिए विश्वविद्यालय में मैराथन का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में 10 दिवसीय कार्यक्रमों के अंतर्गत मंगलवार को स्वस्थ समाज के लिए मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। मैराथन दौड़ विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण करते हुए मुख्य द्वार पर संपन्न हुई। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ का शुभारम्भ किया।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योग के महत्व को आज पूरी दुनिया ने समझ लिया है। उन्होंने कहा कि योग को सदा अपने जीवन से जोड़े रखे। इसके पूर्व मुक्तांगन में योग प्रशिक्षक जय सिंह ने उपस्थित जन को योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया।

कार्यक्रम का समन्वय नोडल अधिकारी डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव वं डॉ. शशिकांत यादव ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. विक्रम देव शर्मा, उपकुलसचिव बबीता सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. मनोज पाण्डेय, डॉ. पुनीत सिंह, डॉ. इन्द्रेश गंगवार समेत कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्रेयांश की गेंदबाजी से भानु प्रताप क्लब फाइनल में

प्रयागराज, अवधनामा संवाददाता। भानु प्रताप सिंह क्रिकेट क्लब ने डी फैमिली बिस्ट्रो कैफे एंड रेस्टोरेंट अंडर -12 क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मैच में वर्मा क्रिकेट क्लब को 14 रन से हराकर प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाई हैं। विजेता टीम के श्रेयांश मिश्रा के उम्दा गेंदबाजी (3.5 - 0 - 12 - 3) कर अपनी टीम को जीत दिलाई हैं। मंगलवार को भानु प्रताप मैदान पर टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भानु प्रताप सिंह क्रिकेट क्लब ने 25 ओवर में 11 9 रन (राज विश्वकर्मा 39, प्रतीक यादव 15, रितेश 12 रन, प्रपोद्ध 3/26, सार्थक 2/15, अंकुश सिंह 2/29, अंश शुक्ला 19, लकी 1/20) पर बनाए। जवाब में वर्मा क्रिकेट क्लब की टीम 24.5 ओवर में 105 रन (हरिओम 28, ऋषिक कुमार 22 रन, श्रेयांश मिश्रा 3/12, रितेश 2/07) ही बना सकी। प्रतियोगिता में दूसरा सेमीफाइनल मैच विप्लव स्पोर्टिंग क्लब व हनुमानगंज एएस क्रिकेट क्लब का बीच दिनांक 12 जून को प्रातः सात बजे से भानु प्रताप मैदान पर खेला जाएगा।

कायस्थ पाठशाला कप का फाइनल आज

प्रयागराज, अवधनामा संवाददाता। कायस्थ पाठशाला कैशमनी क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल बुधवार को केपी कॉलेज मैदान पर खेला जाएगा। आयोजन सचिव सोमेश्वर पांडेय के अनुसार प्रतियोगिता का फाइनल मैच कायस्थ पाठशाला क्रिकेट क्लब व जय सेल्स वारियर्स क्रिकेट क्लब के बीच प्रातः आठ बजे से खेला जाएगा। प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण व समापन समरोह के मुख्य अतिथि इलाहाबाद सांसद मानीय उज्जवल रमण सिंह शाम साढ़े चार बजे करेंगे।

केशरी नाथ त्रिपाठी क्रिकेट का फाइनल आज

प्रयागराज, अवधनामा संवाददाता। स्वर्गीय केशरी नाथ त्रिपाठी स्मृति अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बुधवार को प्रयाग क्लब और एमआईसी के बीच सुबह आठ बजे से सीएवी कालेज मैदान पर खेला जाएगा। आयोजन सचिव शिवार्जित पाल के अनुसार फाइनल के बाद दोपहर 12:30 बजे मुख्य अतिथि महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी पुरस्कार वितरित करेंगे।

कंपोजिट विद्यालय राजापुर में समर कैंप का समापन

प्रयागराज, अवधनामा संवाददाता। कंपोजिट विद्यालय राजापुर प्रथम नगर क्षेत्र प्रयागराज में समर कैंप 2025 का समापन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य मोहम्मद अमानुल्लाह द्वारा अतिथियों का माला पहनकर स्वागत किया गया। श्रीमती अनुरागिनी सिंह द्वारा कार्यक्रम में यह बताया गया समर कैंप से छात्रों में बहुत सी प्रतिभाओं का विकास हुआ। सुषमा वर्मा व मीनू कुमारी द्वारा भी यह बताया गया कि बच्चों द्वारा समर कैंप की सभी गतिविधियों में काफी उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में नीतू गुप्ता, अरुण केसरवानी, तथा नेहा गुप्ता समेत छात्र एवं अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कई लोगों को स्मृति चिन्ह देकर इस कार्यक्रम की यादों को बहुत दिनों तक सबके दिलों में सुरक्षित कर दिया गया।

वेतन के लिए मेला कार्यालय पर गरजे सफाई कर्मचारी

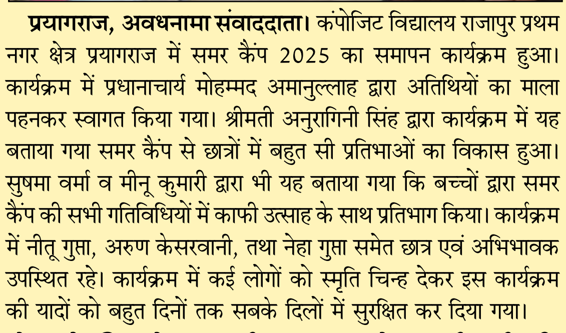

प्रयागराज, अवधनामा संवाददाता। मेला प्राधिकारी प्रयागराज मेला में काम कर रहे कर्मचरियों का तीन महीने का बकाया वेतन को लेकर आज रितेश कुमार हेला के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन किया। जिसके उपरांत मेला अधिकारी से वार्ता हुई तो मेला अधिकारी ने कहा कि कल तक दो महीने का वेतन दे दिया जायेगा और बकाया वेतन भी जल्द दे दिया जायेगा। रितेश कुमार हेला ने कर्मचरियों को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक कर्मचरियों का पैसा नहीं मिलता तब तक काम बंद रहेगा। अगर कल भुगतान नहीं किया गया तो हम लोग आगे भी कार्य बहिष्कार करेगे। प्रदर्शन करने वालो में गीता देवी, रितेश कुमार हेला, संजय, मनोज, रवि, कल्लू, ममता, मंजू, आरती, शोभा, महेश, सूरज, प्रदीप, पंकज, सुनील, राकेश, लल्लू, बाबू लाल आदि कर्मचारी थे।

महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा

मैनपुरी, अवधनामा संवाददाता। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि उ.प्र. राज्य महिला आयोग द्वारा महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा आवेदक, आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टि से महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा, महिला जन सुनवाई के अन्तर्गत सदस्य उ.प्र. राज्य महिला आयोग मीना कुमारी दि. 11 जून को पूर्वान्ह 11 बजे ट्रॉजिस्ट हॉस्टल में महिला जन-सुनवाई करेंगी, तत्पश्चात सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा बालिका, महिला गृह एवं ऑगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण भी करेंगी।

सेंटर तय होने से टीजीटी पीजीटी प्रशिक्षु नाराज

प्रयागराज। उप्र शिक्षा चयन आयोग के दूसरे गेट पर टीजीटी पीजीटी के अभ्यर्थियों ने मंगलवार दोपहर प्रदर्शन किया। आयोग के गेट को बंद कर दिया। दरअसल, 18 और 19 जून को टीजीटी और पीजीटी का एग्जाम है, लेकिन अभी सेंटर आदि की जानकारी नहीं दी गई है। इससे नाराज अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी की। वहीं, दूसरे वाले गेट पर डीएलएड के भी अभ्यर्थी 13 दिनों से धरने पर हैं। सचिव, परीक्षा नियंत्रक की संपत्ति की सीबीआई जांच की मांग व परीक्षा को लेकर स्थिति स्पष्ट करने व परीक्षा तय समय पर कराने की मांग की जाएगी। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया, 2 बार परीक्षा तिथि बदलने के बाद तीसरी बार परीक्षा की तिथि निश्चित की गई, लेकिन उसके बाद केंद्र के संबंध में कुछ स्पष्ट नहीं किए जाने से प्रतियोगियों ने आयोग का घेराव करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष, सचिव व परीक्षा नियंत्रक को वाट्सएप पर पत्र भेजकर पीजीटी परीक्षा- 2022 को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया।

समर कैंप से होता है बच्चो में शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास: अरविंद

पी एस श्री नाथूपुर में हुआ समर कैंप का समापन

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विभागीय निर्देशों के क्रम में सरकारी स्कूलों के कंपोजिट एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयो में 21 मई से आयोजित 21 दिवसीय समर कैंप का आज पी एम श्री कंपोजिट विद्यालय नाथूपुर विकास क्षेत्र सिरकोनी में समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ। 21दिवसीय चले समर कैंप के समापन समारोह में आज बच्चो के साथ साथ एसएमसी के सदस्य, अभिभावक एवं ग्रामप्रधान भी उपस्थित हुए और बच्चो के साथ अपने अनुभवों को साझा किया। समर कैंप में उत्कृष्ट गतिविधि करने वाले बच्चो को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समर कैंप के समापन के अवसर पर बच्चो एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जौनपुर के जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ल ने कहा कि विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जहां बच्चो के विभिन्न कौशलों का एक तरफ विकास हुआ वही दूसरी तरफ रूचिपूर्ण गतिविधियां बच्चो के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास में सहायक भी सिद्ध होगी।

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए ग्राम प्रधान शुचिता सिंह ने अभिभावकों से बच्चो को प्रत्येक दिन विद्यालय भेजने एवं उनके सीखने की प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की।

समर कैंप के समापन कार्यक्रम में एसएमसी अध्यक्ष रविंदर यादव, सुषमा, आशा, बिंदु, नगीना, शहनाज, जमीला, जुलैखा, सरिता देवी, सुनीता, शीलादेवी , बृजेश यादव, संजय कुमार, राजबली गौतम सहित अन्य अभिभावक उपस्थित रहे। समर कैंप के समारोह की अध्यक्षता ग्राम प्रधान शुचिता सिंह और संचालन अभिषेक सिंह ने किया।

सपा एमएलसी पर लगा भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप जांच करा की कार्यवाही की मांग

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। सपा एमएलसी पर लगा भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप, आजाद अधिकार सेना ने निजी, बंजर सहित सरकारी जमीन पर बड़े पैमाने पर कब्जा किए जाने का आरोप लगा मुख्यमंत्री को संबोधित पत्रक भेज की जांच सहित कार्यवाही की मांग। सोमवार को जिला कलेक्ट्रेक्ट आजाद अधिकार सेना के बैनर तले जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी से नेता प्रतिपक्ष एमएलसी लाल बिहारी यादव पर बड़े पैमाने पर लोगो की निजी जमीनों, सरकारी भूमि, जंगल, ताल आदि को स्थानीय अधिकारियों की मिलीभगत से कब्जा करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंप है। सपा एमएलसी के उत्पीड़न से प्रताड़ित मेहनगर तहसील क्षेत्र के रोशनपुर, करटा, विशुनपुर और कुशमुलिया के ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी जमीनों के साथ साथ हमारी निजी जमीनों पर भी कब्जा किया जा रहा है। आरोप है कि स्थानीय तहसील पर शिकायत करने के बावजूद एसडीम सुनवाई नहीं करते है। उल्टा एमएलसी के प्रभाव मे सबूतों को मिटाने का काम करते है। सेना ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से एमएलसी को नेता प्रतिपक्ष के पद से हटाने और प्रशासन को एक हफ्ते के भीतर निष्पक्ष कार्यवाही की चेतावनी दी है। इस दौरान राममिलन यादव, कांता यादव, पंचदेव यादव, विनोद यादव, मनोज गिरी, अखिलेश यादव, प्रेमचंद्र यादव, गोपाल यादव, संजय, रविकांत यादव, गुलाब सिंह, बद्री सिंह आदि मौजूद रहे।

रिमोट एप्लीकेशन सेन्टर ने किया कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनिमेष वर्मा की अध्यक्षता में रिमोट एप्लीकेशन सेन्टर, उ.प्र. लखनऊ (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) विभाग की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एक दिवसीय कार्यशाला में रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन सेन्टर के परियोजना वैज्ञानिकों नरेन्द्र कुमार, एस.के.एस. यादव, डॉ. जय कुमार मिश्रा एवं डॉ. अजय प्रताप सिंह द्वारा रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन सेन्टर में विभिन्न परियोजनाओं में रिमोट सेन्सिंग एवं जी.आई.एस. तकनीक का उपयोग करके जनपदवार तैयार किये गये डिजिटल डाटाबेस का प्रस्तीकरण किया गया एवं उक्त के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त वैज्ञानिकों द्वारा रिमोट सेन्सिंग, जी.आई.एस. एवं जी.पी.एस. तकनीक के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। उक्त अतिरिक्त लिडार तकनीक के बारे में भी जाकनारी दी गयी। प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों के डाटाबेस के बारे में भी जानकारी दी गयी।

समर कैम्प सृजन का भव्य समापन

राजकीय माध्यमिक विद्यालय गोहरी प्रयागराज में आयोजन

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। राजकीय माध्यमिक विद्यालय गोहरी प्रयागराज में संचालित समर कैम्प गतिविधि का आज भव्य समापन हुआ।

इस बीच बच्चों ने प्रत्येक दिन नई नई गतिविधियों को कर के सीखा, डाक्टरों व स्काउट की टीम ने प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा की जानकारी के साथ साथ सीपीआर देने का तरीका प्रैक्टिकल रूप में बताया। इसी तरह पुलिस विभाग के द्वारा बच्चों को साइबर अपराध की जानकारी के साथ साथ पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली से अवगत करवाया गया। बैंक के अधिकारी द्वारा बैंक की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। शिक्षकों द्वारा कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी, करियर चयन एवं करियर के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई , जूट व कपड़े का बैग बनाना, लिफाफा बनाना, पेंटिंग करना , पौधों का संरक्षण करना, लोक गायिकी, कचरा प्रबंधन, इत्यादि की जानकारी बच्चों ने प्राप्त की। इसी के साथ प्रतिदिन बच्चों ने अपने मनपसंद खेलों को विद्यालय के मैदान में खेला।

आज समर कैम्प ÷सृजन÷ के अंतिम दिन समारोह का उद्घाटन प्रधानाचार्य डॉ रवि भूषण द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ शुरू किया गया। कार्यक्रम में सर्व प्रथम बच्चों ने 21 दिन की गतिविधियों पर अपने अपने विचार प्रस्तुत किए। पुनः अभिभावकों ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में कार्य करने की रुचि पैदा होती है। इसी प्रकार शिक्षिका श्रीमती पूनम व शिक्षक लालचंद ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बताया कि समर कैम्प से बच्चों में सृजनात्मकता का गुण विकसित होता है। शायद इसी बात को दृष्टिगत रखते हुए प्रधानाचार्य ने इस कार्यक्रम का नामकरण ÷सृजन ÷ रखा जो अपने नाम के अनुसार सार्थक रहा।

अंत में प्रधानाचार्य डॉ रवि भूषण ने सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरण किया एवं बीच बीच में कराई गई प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मेडल एवं प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित किया। समर कैम्प में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु श्रेष्ठ बालक बालिका को पुरस्कृत करते हुए मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

जिला विद्यालय निरीक्षक पी. एन. सिंह का आभार व्यक्त किया जिनके संरक्षण में यह आयोजन पूर्ण हुआ, साथ ही विद्यालय के शिक्षक लालचंद, रोली कुदेशिया, पूनम यादव, हेमलता पटेल, डॉ रीना प्रधान, अनीता पटेल, कार्यालय सहायक ऋषि सोनी को उनके विशेष योगदान के लिए धन्यवाद कहा जिन्होंने प्रतिदिन सुबह से बच्चों के साथ रहकर पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया, कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के किया गया।

संक्षिप्त समाचार

समर कैंप से खेलकूद कलाओं एवं सामाजिक कौशलों का विकास होता है : सुबाष गुप्ता

जौनपुर, अवधनामा संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं कंपोजिट विद्यालयों में बच्चों के समग्र विकास हेतु दिनांक 21-05-2025 से 10-6-2025 तक समर कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर विकासखंड रामनगर कि प्रत्येक विद्यालयों में समर कैंप के समापन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी रामनगर सुबाष गुप्ता ने समापन दिवस पर कंपोजिट विद्यालय जेठपुरा , कम्पोजिट विद्यालय जमालापुर, पूर्व माध्यमिक विद्यालय भगवानपुर सहित रामनगर के अन्य विद्यालयों पर कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने बताया कि समर कैंप के आयोजन से बच्चों के अंदर अभिरुचि, खेलकूद कलाओं एवं सामाजिक कौशलों का विकास होता है और विद्यालय परिवार के पहल की सराहना करते हुए समस्त शिक्षकों एवं अभिभावकों और बच्चों को शुभकामनाएं और बधाई दी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सत्य प्रकाश मिश्र, आनन्द मौर्य, तथा बिनोद सिंह,ब्लॉक अध्यक्ष रामनगर डॉ अरुण सिंह ने सभी को आभार ज्ञापित किया। विकासखंड रामनगर ब्लॉक संसाधन केंद्र से डॉ प्रमोद गुप्ता, अशोक कुमार गौतम, छोटेलाल, ऋषभ यादव एवं आनंद पांडे आदि द्वारा सहयोग किया गया।

सुंदरकांड हुआ संपन्न

मैनपुरी, अवधनामा संवाददाता। महीने के अंतिम बड़े मंगल पर सुंदरकांड का पाठ सत्यकुमार दुबे ने संपन्न कराया। इसमें समाज के तमाम प्रतिष्ठित लोगों ने भाग लिया इस अवसर पर शांति कुमार दुबे, प्रदीप कुमार मिश्रा, संतोष दुबे, रविदुबे सुबोध आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी कार्यालय पर ग्रामीणों ने सौपा ज्ञापन

आजमगढ़, अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे निजामाबाद तहसील थाना क्षेत्र के ग्रामसभा मोलनापुर के ग्रामीणों ने चकमार्ग निर्माण में ग्रामप्रधान और लेखपाल कानूनगो पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौंप जांच सहित कार्यवाही की मांग की है। पीड़ित सुरेश ने बताया कि गांव में चकमार्ग निर्माण का कार्य हो रहा है जिसमें हमारी जमीनों का रकबा कम पड़ रहा है। आरोप है कि गांव के ही एक व्यक्ति विशेष द्वारा प्रधान, लेखपाल और कानूनगो को अपने प्रभाव में लेकर उक्त चकमार्ग निर्माण को मूल नक्शे से हटाकर भौगोलिक परिवर्तन करना चाहते है। मना करने पर मारपीट पर आमादा हो जा रहे है। डीएम से हमारी मांग है कि उक्त जमीन की सही पैमाईश करके मूल नक्शे के आधार पर चकमार्ग का निर्माण करवाया जाए। इस दौरान पंचम, लालचंद, शर्मा राम, दिनेश, अनिल, त्रिभुवन, त्रिवेनी, सुनील, रामू, पंकज, मुन्नीलाल सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि 04.07.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।
निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेगे।

1	निविदा सूचना संख्या	06402025 दिनांक:- 10.06.2025
2	निविदा सख्या	14-Sr-DEN-VI-LKO-2025-26
3	कार्य का नाम	सहायक मण्डल इंजीनियर–उन्नाव के अंतर्गत ALD-RBL-CNB सेक्शन में LLJ-RRS स्टेशन के बीच किमी 119/5-6 पर समपार संख्या 74 के स्थान पर सीमित ऊंचाई वाले सबवे (LHS) के प्रावधान का कार्य।
4	अनुमानित लागत	Rs. 3,48,32,947.98
5	धरोहर राशि	Rs. 3,24,200.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छः माह।
7	निविदा डालने का प्रारंभ	20.06.2025
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	04.07.2025 15:00 बजे
9	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट : निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 1721/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

तनिष्क को मिला डायमंड्स डु गुड अवार्ड

उद्देश्य-आधारित अनुकरणीय नेतृत्व का सम्मान

नई दिल्ली। टाटा परिवार के अग्रणी ज्वेलरी ब्रांड, तनिष्क और मिआ बाए तनिष्क को डायमंड्स डु गुड सस्टेनेबिलिटी और समाज की उन्नति को दृढ़ता से जोड़ने में इन ब्रांडों के नेतृत्व का सम्मान इस पुरस्कार में किया

पर्पज़-ड्रिवन बिज़नेस लीडरशिप अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है। लास वेगस में संपन्न हुए प्रतिष्ठित डायमंड्स डु गुड अवार्ड्स 2025 समारोह में यह पुरस्कार दिया गया। टाइटन कंपनी लिमिटेड के ज्वेलरी डिवीज़न के सीईओ, श्री अजॉय चावला ने तनिष्क और मिआ बाए तनिष्क की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया। प्राकृतिक हीरों के उद्यम के मूल में नैतिकता, गया है। डायमंड्स डू गुड फाउंडेशन द्वारा दिया जाने वाला, यह नामचीन पुरस्कार नैतिक सोर्सिंग, समाज की उन्नति और शिक्षा के माध्यम से प्राकृतिक हीरा उद्योग में सार्थक बदलाव लाने वाले वैश्विक नेताओं का सम्मान करता है। यह पुरस्कार तनिष्क और मिआ को न केवल आभूषण ब्रांड के रूप में, बल्कि भारत और विश्व स्तर पर ज़िम्मेदारी का ध्यान रखते हुए लक्ज़री के चैंपियन के रूप में भी सुर्खियों में लाता है। दोनों ब्रांडों द्वारा टाइटन सप्लायर एंगेजमेंट प्रोटोकॉल का पालन करना इस पुरस्कार के लिए ध्यान में ली गयी सबसे बड़ी बात है, टीएसईपी में 4क्क फ्रेमवर्क-प्लेस, पीपल, प्रोसेस और प्लैनेट के माध्यम से जिम्मेदार सोर्सिंग सुनिश्चित की जाती है और थर्ड पार्टी ऑडिट से उसे वैलिडेट किया जाता है। उनके हीरे पूरी तरह से ट्रेस किए जा सकते हैं और किम्बरली प्रोसेस सर्टिफिकेशन स्कीम के अनुरूप हैं। इसके अलावा, दोनों ब्रांड आगे के खनन के लिए एक स्थायी विकल्प के रूप में सोने के एक्सचेंज को बढ़ावा देते हैं। तनिष्क और मिआ ने कारीगर पार्क भी स्थापित किए हैं, जो भारत के कुशल कारीगरों को सुरक्षित, प्रदूषण मुक्त और सम्मानजनक कार्यस्थल प्रदान करते हैं। यह पहल शिल्प कौशल और कारीगरों के कल्याण के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित करती है। ये प्रयास टाइटन के व्यापक, महत्वाकांक्षी श्वस्त्र एजेंडे का हिस्सा हैं, जो उद्योग के लिए नए मानक स्थापित कर रहे हैं। तनिष्क और मिआ बाए तनिष्क को विशेष रूप से उनकी स्थायी प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया, जिसमें शामिल हैं प्राकृतिक हीरों की नैतिक सोर्सिंग और पूरी तरह से ट्रेस किए जाने की क्षमता। कारीगर समुदायों, विशेष रूप से भारत के कारीगरों की उन्नति मूल्य श्रृंखला में स्थिरता को बढ़ावा देना। ज़िम्मेदारी का ध्यान रखते हुए लक्ज़री को भारत और विश्व स्तर पर नए सिरे से परिभाषित करना। इस अवसर पर टाइटन कंपनी लिमिटेड के ज्वेलरी डिवीज़न के सीईओ श्री अजय चावला ने कहा, ÷श्री जमशेट जी टाटा ने कहा था, फ्री एंटरप्राइज़ में, समुदाय केवल व्यवसाय में एक और हितधारक नहीं है, बल्कि वास्तव में, व्यवसाय के अस्तित्व का उद्देश्य है। टाटा समूह में, इस मार्गदर्शक सिद्धांत ने एक विरासत को आकार दिया है -जो विश्वास, सहानुभूति और समावेशी प्रगति पर आधारित है। टाइटन का निर्माण उस विरासत से हुआ था, और तनिष्क इसकी जीवंत अभिव्यक्ति है - यहां हम जो भी आभूषण डिज़ाइन करते हैं, वह इसे पहनने वालों की पसंद और मान्यताओं को दर्शाता है और उन्हें बनाने वाले हाथों का सम्मान करता है। तनिष्क और टाइटन कंपनी लिमिटेड में सभी की ओर से, मैं आपको इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए धन्यवाद देता हूं। मुझे गर्व है कि मैं ऐसे वैश्विक समुदाय के बीच

खड़ा हूं जो हीरे द्वारा किए जा सकने वाले अच्छे कामों को सम्मानित करता है। इस उद्योग के एक जिम्मेदार सदस्य के रूप में और जिसने लाभ से उद्देश्य और समुदाय को रखा उस टाटा समूह के एक हिस्से के रूप में, हम अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लेते हैं।

शुरू हो रहा है अल्ट्रा का नया अध्याय

गुरुग्राम। सैमसंग वर्षों से अपने यूजर्स की बात सुनता आया है और हमेशा उनकी उम्मीदों से आगे बढ़ने का वादा करता रहा है। आज की डिजिटल दुनिया में लोग चाहते हैं – बड़ी स्क्रीन, शानदार कैमरा और ऐसे स्मार्ट फीचर्स जो उनकी रचनात्मकता को नई उड़ान दें। इसी वादे को पूरा करते हुए सैमसंग लेकर आया है नया अल्ट्रा अनुभव – जो पोर्टेबिलिटी के साथ दमदार परफॉर्मेंस, शानदार कैमरा और स्मार्ट कनेक्टिविटी का बेहतरीन मेल है। गैलेक्सी का यह नया अध्याय तकनीक और कला को इस तरह जोड़ता है, जो रोज़मर्रा की ज़िंदगी को पहले से कहीं बेहतर बना देता है। भीड़भाड़ वाले मेट्रो स्टेशन से लेकर पूरे दिन की व्यस्त दिनचर्या तक – नया गैलेक्सी डिवाइस हर पल को स्मार्ट और आसान बनाता है। इसे हाथ में लेकर वॉयस कमांड से एआई की मदद लें, परफेक्ट रेस्टोरेंट ढूंढें और अपने डाइनिंग पार्टनर को तुरंत मैसेज भेजें। रास्ते में अधूरा ईमेल पूरा करें और फिर हाई-क्वालिटी कैमरे से उन पलों को तस्वीरों में कैद करें जो यादगार बन जाएं। एआई-पावर्ड टूल्स की मदद से आप दिनभर मैसेजिंग, ब्राउज़िंग और गेमिंग का मज़ा ले सकते हैं, वो भी बिना किसी बोझ या रुकावट के। बेहतर हार्डवेयर, अत्याधुनिक परफॉर्मेंस और फोल्डेबल डिजाइन के लिए खासतौर पर तैयार एआई इंटीग्रेशन – यही तो अल्ट्रा का असली अनुभव है, जिसकी उम्मीद यूजर्स गैलेक्सी से करते हैं। और जब यह डिवाइस खुलता है, तो यह बन जाता है एक शानदार एंटरटेनमेंट हब, एक बड़ा वर्कस्पेस या एक ऐसा उपकरण जो मल्टीटास्किंग को नई परिभाषा देता है। इसमें खास गैलेक्सी एआई फीचर्स भी हैं, जो फोल्डेबल डिजाइन के लिए खासतौर पर तैयार किए गए हैं और इस अनुभव को और भी स्मार्ट और उपयोगी बना देते हैं। अल्ट्रा अनुभव का नया दौर अब शुरू होने वाला है।

जी5ने नई ब्रांड पहचान का अनावरण किया

कानपुर। जी5 ने आज एक नए और सशक्त ब्रांड पहचान एवं रणनीतिक बदलाव की घोषणा की, जो इसे भारत के प्रमुख स्वदेशी प्लेटफ़ॉर्म के रूप में और मज़बूती से स्थापित कर रहा है। यह पुनः लॉन्च जी5 के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अपनी भाषा, अपनी कहानियां (अनेक भाषाएं, अनगिनत कहानियां) के वादे पर आधारित है और इसमें सांस्कृतिक रूप से प्रामाणिक कहानियों, भाषा आधारित वैयक्तिकरण और अत्याधुनिक तकनीक पर विशेष जोर दिया गया है। एक शानदार और जीवंत नया लोगो जो आधुनिक भारत की भावना और उसकी समृद्ध बहुभाषी पहचान को दर्शाता है । जी5 की भाषा कंटेंट रणनीति लोककथाओं, असली जीवन के नायकों और क्षेत्रीय कहानियों से प्रेरित, बेहद स्थानीय और भावनात्मक रूप से जुड़ी कहानियां पेश करेगी। हर भाषा की योजना को एक अलग सेक्शन के रूप में बनाया जाएगा ताकि प्रामाणिकता और व्यापक पहुंच सुनिश्चित हो सके। वित्त वर्ष 2026 में 130 से अधिक नए कंटेंट शीर्षक होंगे, जिनमें ओरिजिनल्स, फिल्में, नॉन-फिक्शन, लाइव कंटेंट और अन्य भाषाओं में कई अन्य प्रकार के कंटेंट शामिल है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के डिजिटल बिजनेस और प्लेटफॉर्म के अध्यक्ष अमित गोयनका ने कहा, ÷हमारी नई ब्रांड पहचान, भारतीय दर्शकों की विविधता को प्रतिबिंबित करने वाले एक गहन व्यक्तिगत, भाषा-प्रथम मंच बनने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारी रणनीतिक दिशा बिल्कुल स्पष्ट है - भारत और वैश्विक बाजारों में अपनी मौजूदगी को और मज़बूत करना, सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के ज़रिए दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाना, और एक तकनीक-सक्षम, स्केलेबल, व्यक्तिगत व सहज प्लेटफ़ॉर्म को लगातार विकसित करते रहना। यह एक सांस्कृतिक बदलाव है कि उपभोक्ता वैश्विक स्तर पर भारतीय मनोरंजन की खोज कैसे करते हैं, उससे जुड़ते हैं और उसका उपभोग करते हैं। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर कार्तिक महादेव ने कहा, हमारा ब्रांड कैंपेन, जिसका टैगलाइन है 'अपनी भाषा. अपनी कहानियां', इस विचार पर आधारित है कि भाषा का एक अपनापन होता है, और यह गहरे व्यक्तिगत भावनाओं का उत्सव है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के मुख्य कंटेंट अधिकारी राघवेंद्र हुनसुर ने कहा, जी5 में हम हमेशा इस बात में विश्वास रखते हैं कि प्रभावशाली कहानी कहने की शुरुआत गहरी सांस्कृतिक समझ से होती है। जहाँ भाषा पैक 120 रुपए प्रति माह से शुरू होंगे, वहीं हिंदी पैक (जिसमें पंजाबी और भोजपुरी कंटेंट शामिल है) 220 रुपए प्रति माह में उपलब्ध होगा। ऑल एक्सेस पैक 320 रुपए प्रति माह की कीमत पर मिलेगा, और सभी पैकों के वार्षिक वेरिएंट भी उपलब्ध होंगे। आगामी भाषा शीर्षकों में शामिल हैं - डिटेक्टिव शेरदिल (हिंदी), छल कपट~ द डीसप्शन (हिंदी), सत्तमुम नीतियुम (तमिल), मोथुबारु लव स्टोरी (तेलुगु), इंस्पेक्शन बंगला (मलयालम), मारिगल्लू (कन्नड़), आटा थांभया नाय (मराठी) और विभीषण (बंगाली) और अन्य। नई विज़ुअल पहचान, एक नए अंदाज़ में तैयार किया गया प्रोडक्ट एक्सपीरियंस, और भारत की मुख्य भाषाओं के आधार पर बनाई गई भाषा योजनाओं के साथ, जी5 अपने दर्शकों के साथ अपने जुड़ाव को और मजबूत करता है।

भारत के रक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत, 64 लाख करोड़ के पूंजी निवेश की संभावना

मुंबई। भारत का रक्षा क्षेत्र एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ऑम्नीसाइंस कैपिटल की नई रिपोर्ट भारत डिफेंस एक निर्णायक मोड़ के अनुसार, अगले एक दशक में इस क्षेत्र में 64 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय होने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में हुआ ऑपरेशन सिंदूर भारत की रणनीतिक सोच में एक बड़ा बदलाव साबित हुआ है, जिसने उच्च-प्रेसिशन और सॉफ्टवेयर-समन्वित युद्ध प्रणाली के नए युग की शुरुआत की है। रिपोर्ट के अनुसार, जहां FY25 में भारत का रक्षा उत्पादन 1.4 लाख करोड़ था, वहीं FYw9 तक इसके 3 लाख करोड़ को पार करने की उम्मीद है। इस तेज़ वृद्धि के पीछे सरकार की आक्रामक रक्षा खरीद, निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी और रक्षा निर्यात को लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रमुख कारण बताए गए हैं। डॉ. विकास वी. गुप्ता, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रमुख निवेश रणनीतिकार, ऑम्नीसाइंस कैपिटल ने कहा, भारत का रक्षा क्षेत्र रणनीतिक गहराई और आर्थिक योगदान के नए चरण में प्रवेश कर रहा है। यह एक राष्ट्रीय विकास इंजन बनने की ओर अग्रसर है। इसके लिए नीति निर्माताओं, उद्योग और निवेशकों को मिलकर दीर्घकालिक सोच और अनुशासन अपनाना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब अपने रक्षा खर्च को जीडीपी के 3-4% तक बढ़ा सकता है, जो वर्तमान वैश्विक प्रवृत्तियों के अनुरूप होगा। सरकार ने 2029 तक ?50,000 करोड़ के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक विश्वास में वृद्धि के चलते यह लक्ष्य समय से पहले हासिल किया जा सकता है।

स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने लॉन्च किया एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंड

लखनऊ। स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसयूडी लाइफ) ने पॉलिसीबाज़ार के साथ साझेदारी करएसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंडपेश किया है। यह उच्च संभावनाओं वाला नया इक्विटी फंड एसयूडी लाइफ कीयूलिप पेंशन योजना एसयूडी लाइफ पेंशन प्लस के लिए तैयार किया गया है। यह अभिनव फंड ग्राहकों को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का रणनीतिक विकल्प प्रदान करता है, जिससे वे अपने सेवानिवृत्ति के बाद की आर्थिक सुरक्षा को और अधिक मजबूत बना सकें।एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंडभारत की शीर्ष 300 कंपनियों में से चयनित 50 उच्च प्रदर्शन करने वाले शेयरों में निवेश करता है। एसयूडी लाइफ का यह फंड

निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स÷ को ट्रैक करता है, जो बारह वर्षों से बाज़ार में मौजूद है और इसका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। इस बेंचमार्क ने 30 अप्रैल 2025 क के पाँच वर्षों में लगभग 33.29 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्शाई है, जो इसकी मूल्य सृजन की क्षमता को दर्शाता है। रणनीतिक सेक्टर आवंटन और सख्त स्टॉक चयन के साथ यह फंड निवेशकों को भारत की प्रगति में भागीदार बनने का अवसर देता है।एसयूडी लाइफ के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अभय तिवारी ने कहा,÷एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंडके ज़रिए हम अपने ग्राहकों को एक मजबूत दीर्घकालिक निवेश माध्यम प्रदान कर रहे हैं। यह फंड विशेष रूप से सेवानिवृत्ति योजना के लिए डिज़ाइन किया गया है और हमें विश्वास है कि यह फंड ग्राहकों को एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

यह फंड अब पॉलिसीबाज़ार के ग्राहकों के लिए उपलब्ध है, जो दोनों संगठनों की नवाचारी और मूल्य-संचालित वित्तीय समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जैसे-जैसे भारत में सेवानिवृत्ति योजना को लेकर जागरूकता बढ़ रही है, एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स पेंशन फंड इक्विटी मार्केट में निवेश और यूलिप के अनुशासित बचत ढांचे का आदर्श संयोजन बनकर उभर रहा है। यह उन लोगों के लिए एक दूरदर्शी समाधान है जो आत्मविश्वास के साथ अपने रिटायरमेंट को सुरक्षित बनाना चाहते हैं।

हजरतगंज सोशल प्रस्तुत करता है द सोशल वीकेंडर: लखनऊ में चार दिवसीय शानदार पार्टी

लखनऊ। हजरतगंज सोशल 12 से 15 जून तक चलने वाले चार दिवसीय उत्सव द सोशल वीकेंडर के साथ शहर में माहौल को और बेहतर बनाने के लिए तैयार है। इस उच्च-ऊर्जा सांस्कृतिक शोकेस को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि लखनऊ अपने सप्ताहांत कैसे बिताता है, यह शहर में आने वालों को लंबे समय तक बाहर रहने, ज़्यादा जोश से रहने और स्थानीय रचनात्मक ऊर्जा में खुद को डुबोने का एक नया कारण प्रदान करता है। क्यूरेटेड लाइनअप में लाइव म्यूज़िक एक्ट, हैंड्स-ऑन क्रिएटिव एक्सपीरियंस और स्पेशल ऑफ़र का एक शानदार मिश्रण है, जो शहर के युवाओं और संस्कृति चाहने वालों के लिए नए वीकेंड अनुष्ठानों को जगाने के लिए तैयार किया गया है। लखनऊ के विकसित होते सामाजिक परिदृश्य की नब्ज़ के साथ, द सोशल वीकेंडर हजरतगंज के बीचों-बीच एक जीवंत वीकेंड संस्कृति के निर्माण की दिशा में एक साहसिक कदम है। सोशल वीकेंडर की शुरुआत पूरे दिन चलने वाले ऐसे ऑफर से होती है जिसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल है~ पूरे ड्रिंक्स मेन्यू पर 50त्न की छूट। शानदार स्ल्द्धद्बज्ञह्य (लॉन्गेस्ट लॉन्ग आइलैंड आइस्ड टी) जैसे कल्ट क्लासिक्स से लेकर बेबाक बनारसी पटियाला तक, यह सोशल का सबसे बेहतरीन अनुभव है। चाहे आप किसी पसंदीदा ड्रिंक को फिर से आजमा रहे हों या कुछ नया ट्राई कर रहे हों, सोशल के सबसे पसंदीदा कॉकटेल को आधे दाम पर पीने के लिए इससे बेहतर दिन कभी नहीं रहा।

सोशल की शुक्रवार की रात सिकफ्लिप के नाम है, जो एक शैली-मिश्रण इलेक्ट्रॉनिक कलाकार है, जिसे गहरी, वायुमंडलीय बेसलाइन के साथ विश्व वाद्य यंत्रों को मिलाने के लिए जाना जाता है। आदिवासी लय से लेकर भविष्य की ध्वनियों तक, उनके सेट डांस-फ्लोर से प्रेरित, उच्च वाइब और इमर्सिव अनुभवों के लिए बनाए गए हैं। शनिवार की रात सेक्युलर चाय के साथ स्क्रिप्ट को पलट देती है, एक शैली-तरल डीजे जिसके सेट बॉलीवुड की यादों और समकालीन ऊर्जा को एक साथ लाते हैं। चाहे आप 2000 के दशक की यादों के लिए यहाँ आए हों या उस अप्रत्याशित अरिजीत-से-एक्का संक्रमण के लिए, यह रात बिना किसी निर्णय और अधिकतम आनंद के साथ नृत्य करने के लिए बनाई गई है। उन लोगों के लिए बिल्कुल सही है जो गुप्त रूप से (या गुप्त रूप से नहीं) एक बड़े साउंड सिस्टम पर बॉलीवुड बैंगर ड्रॉप पसंद करते हैं। सोशल एक धीमी, हाथों से किए जाने वाले अनुभव के साथ चीजों को शांत करता है जो रविवार को वह विराम देता है जिसका वह हकदार है।

इस मोमबत्ती बनाने की कार्यशाला में, उपस्थित लोग एक विशेषज्ञ सुविधाकर्ता के नेतृत्व में कुछ व्यक्तिगत बना सकते हैं, और सभी सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। अकेले आएं या किसी मित्र को साथ लेकर आएं; किसी भी तरह से, आप अपनी खुद की कस्टम मोमबत्ती और मन की तरोताजा स्थिति के साथ घर लौटेंगे।

जलवायु परिवर्तन से पूरे भारत में अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की तीव्रता 43 प्रतिशत बढ़ने की संभावनाः आईपीई ग्लोबल एवं एसरी इंडिया का अध्ययन

नई दिल्ली। मुंबई, चेन्नई, दिल्ली, सूरत, ठाणे, हैदराबाद, भुबनेश्वर और पटना में लू वाले दिनों की संख्या दो गुना बढ़ने का अनुमान है। लू की स्थितियां बढ़ने से कहीं अधिक बार अनवर और अनियमित बारिश की घटनाएं घट सकती हैं। भारत में 2030 तक 10 में से 8 जिलों में इस तरह के अत्यधिक बारिश की अनेक घटनाएं घटने जा रही हैं। यह खुलासा आईपीई-ग्लोबल और एसरी इंडिया द्वारा आज जारी अपने तरह के पहले स्वतंत्र अध्ययन में किया गया है।

बार-बार अप्रत्याशित और अत्यधिक गर्मी एवं बारिश होने की ये घटनाएं हाल के दशकों में काफी बढ़ी हैं। भारत में पिछले तीन दशकों (1993-2024 के बीच) में मार्च-अप्रैल-मई और जून-जुलाई-अगस्त-सितंबर के महीनों में अत्यधिक गर्म हवाएं चलने वाले दिन 15 गुना बढ़े हैं। अकेले पिछले दशक में अत्यधिक लू वाले दिवस 19 गुना बढ़े हैं। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि भारत में मॉनसून सीजन में गैर बारिश के दिनों को छोड़कर गर्मी जैसी स्थिति देखी जा रही है। यह अध्ययन आईपीई ग्लोबल और एसरी इंडिया द्वारा पेविंग ए क्लाइमेट रेजिलिएंट फ्यूचर शीर्षक से आयोजित इंटरनेशनल ग्लोबल-

साउथ क्लाइमेट रिस्क सिंपोजियम में पेश किया गया। यह अध्ययन ऐसे समय में किया गया है जब दुनिया जर्मनी के बोन में एसबी-61-यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कनवेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज के 62वें सत्र के लिए तैयारी कर रही है।

आईपीई ग्लोबल में जलवायु परिवर्तन एवं स्टैनबिलिटीव्यवस्था के प्रमुख और इस अध्ययन के अग्रणी लेखक अबिनाश मोहंती ने कहा, ÷यह अध्ययन और इसके कठोर निष्कर्ष यह बताते हैं कि किस तरह से जलवायु परिवर्तन ने भारत में अत्यधिक गर्मी और बारिश की स्थिति पैदा की है और वर्ष 2030 तक यह स्थिति अधिक गंभीर और कठोर होने जा रही है जिसमें ज्यादातर शहरी केंद्र सबसे अधिक प्रभावित होने जा रहे हैं। इसके अलावा, अल नीनो और ला नीना जैसी मौसम संबंधी घटनाओं में तेजी आने जा रही है जिसके परिणाम स्वरूप बाढ़, चक्रवात, तूफान और अत्यधिक गर्मी जैसी घटनाएं तेज होंगी। हमारा विश्लेषण बताता है कि करीब 72 प्रतिशत टियर-1 और टियर-2 शहरों में गर्मी का दबावऔर अत्यधिक बारिश की घटनाएं बढ़ने जा रही हैं जिसके साथ ही आंधी तूफान, आकाशीय बिजली और मूसलाधार बारिश की घटनाएं बढ़ेंगी।

भारत चीनी निर्यात में बन रहा अग्रणी, 6 जून तक किया 5.16 लाख टन का निर्यात

नई दिल्ली। एआईएसटीए ने बताया कि भारत ने कुछ महीनों में ही 5.16 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। इसमें से सबसे ज्यादा निर्यात सोमालिया को 1,18,553 टन किया गया है। निर्यात की अधिकतम मात्रा 10 लाख टन तय की गई है। भारत का चीनी निर्यात बढ़ता जा रहा है। भारत ने चालू विपणन वर्ष 2024-25 के 6 जून तक 5.16 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। व्यापार निकाय अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। भारत में 2024-25 विपणन वर्ष के लिए चीनी निर्यात की अनुमति 20 जनवरी 2025 को दी गई थी। निर्यात की अधिकतम मात्रा 10 लाख टन तय की गई है। एआईएसटीए के अनुसार, मिलों ने चालू विपणन वर्ष के 6 जून तक कुल 5,16,782 टन चीनी का निर्यात किया है।

इंदिरा आईवीएफ ने उत्तर प्रदेश के सीतापुर में शुरू किया नया फर्टिलिटी सेंटर

सीतापुर। इंदिरा आईवीएफ ने उत्तर प्रदेश के सीतापुर मड्डें अपने नवीनतम फर्टिलिटी क्लिनिक का उद्घाटन किया है जिससे राज्य में इसकी उपस्थिति और भी सुदृढ़ हुई है। यह सेंटर ग्राउंड फ्लोर होटल मधुरसा के पास स्टेशन रोड सेकेंड बटालियन सीतापुर पर स्थित है। यह विस्तार इन्दिरा आईवीएफ की नवीन रिप्रोडक्टिव तकनीकों को व्यक्तिगत देखभाल के साथ जोड़कर फर्टिलिटी ट्रीटमेंट को अधिक सुलभ बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस सेंटर का उद्घाटन डॉ. पवन यादव चीफ आईवीएफ स्पेशलिस्ट एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (लखनऊ) जोनल बिजनेस डायरेक्टर इंदिरा आईवीएफ के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर डॉ. ज्योति द्विवेदी सेंटर हेड इंदिरा आईवीएफ सीतापुर भी उपस्थित रहे।इन्दिरा आईवीएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर और कॉ-फाउण्डर नितिज मुर्डिया

सुलभ

> **यह विस्तार इन्दिरा आईवीएफ की नवीन रिप्रोडक्टिव तकनीकों को व्यक्तिगत देखभाल के साथ जोड़कर फर्टिलिटी ट्रीटमेंट को अधिक सुलभ बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।**

ने कहा इंदिरा आईवीएफ का लक्ष्य भारत के हर कोने तक फर्टिलिटी ट्रीटमेंट सेवाएं सुलभ कराना है। सीतापुर सेंटर की शुरुआत हमारे इसी प्रयास का प्रमाण है जिसमें हम अत्याधुनिक रिप्रोडक्टिव तकनीकों और मरीज-केंद्रित देखभाल को उत्तर प्रदेश के परिवारों के करीब ला रहे हैं। हमारा मानना है कि हर व्यक्ति को माता-पिता बनने के सपने को

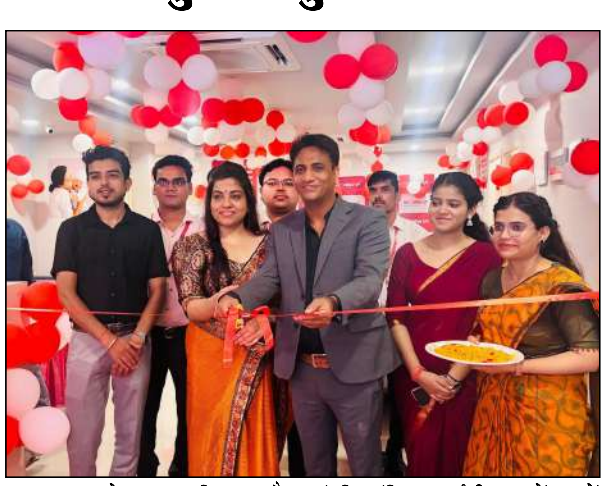

साकार करने का अधिकार है, और यह नया सेंटर उसी दिशा में एक और कदम है। डॉ. पवन यादव, चीफ आईवीएफ स्पेशलिस्ट एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (इन्दिरा आईवीएफ लखनऊ) ने कहा, हमारा उद्देश्य निःसंतानता को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना और तकनीक-समर्थित आईवीएफ उपचार प्रदान करना है। जब कोई दंपत्ति इंदिरा आईवीएफ सेंटर में परामर्श और जांच के लिए आता है, तो हमारे विशेषज्ञ न केवल कारण बताते हैं बल्कि पूरी उपचार प्रक्रिया में उनका साथ भी निभाते हैं। हम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप व्यक्तिगत और प्रमाण-आधारित फर्टिलिटी केयर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा विनम्र प्रयास है कि हम उनकी आशाओं को साकार करें और उनके जीवन में खुशियाँ लौटाएं।

डॉ. ज्योति द्विवेदी, सेंटर हेड, इंदिरा आईवीएफ सीतापुर ने कहा, हमारे पास आने वाले अधिकतर मरीजों को यह जानकारी नहीं होती कि जीवनशैली, उम्र या पहले से मौजूद स्वास्थ्य समस्याएं भी उनकी प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकती हैं। हमारा उद्देश्य न केवल उपचार उपलब्ध कराना है, बल्कि सही समय पर सही जानकारी भी देना है। हमारे नए सेंटर में, हम मरीजों को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, भरोसेमंद और विशिष्ट देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे वे आत्मविश्वास और उम्मीद के साथ अपनी यात्रा शुरू कर सकें।

भारत भर में 150+ क्लीनिकों के अपने नेटवर्क को और विस्तारित करते हुए इंदिरा आईवीएफ का सीतापुर सेंटर इस तेजी से विकसित होते क्षेत्र में विशेषज्ञ प्रजनन सेवाओं की पहुँच को बेहतर बनाएगा।

भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर में 2.2 ट्रिलियन डॉलर निवेश की जरूरत, सीमेंट उद्योग की बड़ी भूमिका

नई दिल्ली। सीमेंट उद्योग कंपनी एससी के चेयरमें ने कहा कि भारत की 2030 तक आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचे में लगभग 2.2 ट्रिलियन डॉलर के निवेश की जरूरत है। इससे सीमेंट उद्योग को बहुत लाभ मिलेगा और इसका विस्तार होगा। सीमेंट उद्योग आने वाले वर्षों में भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में अहम भूमिका निभाने वाला है। एसोसिएटेड सीमेंट कंपनीज (एसीसी) के चेयरमैन करण अदाणी ने यह बात कही। उनके अनुसार साल 2030 तक बुनियादी ढांचे में अनुमानित 2.2 ट्रिलियन डॉलर के निवेश से इस क्षेत्र को काफी फायदा होगा। एसीसी अंबुजा सीमेंट का हिस्सा है। इसके पास अरबपति गौतम अदणी समूह का सीमेंट कारोबार है। कंपनी ने अप्रैल 2025 में 100 मिलियन टन सालाना (एमपीटीए) उत्पाद क्षमता का मुकाम हासिल किया है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027-28 तक 140 मिलियन टन सालाना उत्पाद क्षमता तक पहुंचना है। कंपनी की ताजा रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। करण अदाणी ने कहा कि भारत की 2030 तक आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को साकार करने के लिए बुनियादी ढांचा क्षेत्र में लगभग 2.2 ट्रिलियन डॉलर के निवेश की जरूरत है।

सूचना बोर्ड लगाए बिना ही हो रहा सड़क निर्माण, जिम्मेदार मौन

रगड़गंज नहर की पटरी से होते हुए पुरैनी कुटी तक हो रहा है सड़क निर्माण

अवधनामा संवाददाता

मथौली बाजार, कुशीनगर। मोतीचक विकास खंड के पुरैनी गांव से होते हुए नहर की पटरी होते हुए रगड़गंज पुलिया तक सड़क निर्माण कराया जा रहा है लेकिन विभाग द्वारा यहां निर्माण कार्य से संबंधित कोई जानकारी नहीं दी गई है जिससे बड़े पैमाने पर सरकारी धन का बंदरबांट होने की आशंका है।

बिना बोर्ड लगाए सड़क का हो रहा निर्माण कार्य

बता दें कि रगड़गंज नहर की पटरी से होते हुए पुरैनी कुटी तक करीब एक किमी लंबी सड़क पर मनमाने तरीके से ठिकेदार द्वारा गिट्टी बिछाकर निर्माण कराया जा रहा है। नियमानुसार किसी विभाग द्वारा कार्य प्रारंभ करने से पहले कार्य स्थल में सूचना पटल लगाया जाता है, जिससे पता चलता है कि ये सड़क किस विभाग द्वारा बनवाया जा रहा है लेकिन जिम्मेदारों ऐसा नहीं किया गया है। जबकि कोई भी शासकीय कार्य प्रारंभ करने से पहले वहां पर कार्य का नाम, सड़क की लंबाई, प्रशासनिक स्वीकृति राशि, अनुबंधक का नाम, अनुबंध क्रमांक, दर, कार्य प्रारंभ एवं कार्य पूर्ण होने की तारीख, उप अभियंता का नाम एवं मोबाइल नंबर, कार्यपालन अभियंता एवं अनुविभागीय अधिकारी का नाम एवं मोबाइल नंबर की जानकारी प्रदर्शित करना होता है ताकि निर्माण कार्य में पारदर्शिता बनी रहे और लोग गड़बड़ी की शिकायत संबंधित अधिकारी से कर सकें। मगर यहां तकनीकी विवरण का कोई भी सूचना पटल नहीं लगाया गया है। सड़क निर्माण कार्य के बारे ग्रामीणों को पता ही नहीं है कौन से विभाग का काम है, कितनी लागत से सड़क बन रही है और कहां से कहां तक सड़क बनना है। अब इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है सड़क निर्माण कार्य में मानक की खूब धज्जियां उड़ाई जा रही है तो वहीं ग्रामीणों की मानें तो स्टीमेट में जो मानक है उस अनुसार सड़क का निर्माण कार्य नहीं हो रहा है। अब देखना है जिले के आला अधिकारी इसका संज्ञान लेता है या इसी तरह ठिकेदार मनमानी तरीके से सड़क निर्माण कार्य चलता रहेगा।

लापरवाही के आरोप में विशुनपुरा थानेदार पर गोरी गाज, निलंबित

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। बिशनपुर थाने पर तैनात प्रभारी निरीक्षक राजू सिंह को लापरवाही के आरोप में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। एसपी के इस कार्रवाई से दायित्वों के प्रति लापरवाह पुलिस कर्मियों में हड़कंप मचा हुआ है।

बता दें कि जिले में कानून व्यवस्था को और चुस्त दुरुस्त करने के लिए एसपी संतोष कुमार मिश्र पूरी तरह से मुस्तैद है। साथ ही मातहतों को सख्त निर्देश देने के बावजूद भी लापरवाही सामने आ रही है। जिसके क्रम में थाना विशुनपुरा पर तैनात प्रभारी निरीक्षक राजू सिंह के द्वारा उनके पदीय कर्तव्यों में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही आसन्न की गई है। एसपी के इस कार्रवाई से महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

भूटान की राष्ट्रीय तीरंदाजी (कंपाउंड) टीम के खिलाड़ियों का डीएम ने किया सम्मान

जनपद में प्रशिक्षणरत है भूटान की तीरंदाजी टीम

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। पड़ोसी देशों के विकास एवं सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत भूटान की राष्ट्रीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम इन दिनों जनपद देवरिया में प्रशिक्षणरत है। यह टीम 18 मई से 12 जून 2025 तक ग्राम कन्हौली स्थित संजीव सिंह तीरंदाजी संस्थान, श्रीनेत ग्लोबल स्कूल में एशिया कप-2025 की तैयारियों के तहत विशेष प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रही है। आगामी 14 से 19 जून 2025 तक सिंगापुर में आयोजित होने वाले एशिया कप को ध्यान में रखते हुए यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।

यह पहला अवसर है जब किसी राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाजी टीम ने देवरिया में प्रशिक्षण के लिए शिविर लगाया है। आज जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल जी ने भूटान टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और सभी छह सदस्यों को सम्मानित भी किया। सम्मानित खिलाड़ियों में मुख्य कोच श्री अजीत, श्री काजांग दोरबू, श्री तंडिन दोरजी, श्री खेंड्रुप, श्री त्शिवांग दोरजी एवं सुश्री डोलमा दोरजी शामिल रहे। भूटान टीम के खिलाड़ियों ने तीरंदाजी संस्थान में उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से 3ष्ठ रिंग शॉट वीडियो विश्लेषण , हृदय गति निगरानी, फोर्स प्लेटफॉर्म द्वारा स्थिरता परीक्षण जैसी उन्नत तकनीकों तथा कोच संजीव सिंह और अजीत द्वारा दिए गए तकनीकी सुझावों से प्राप्त लाभ का उल्लेख किया।

जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने टीम को एशिया कप-2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं और भविष्य में पुनः देवरिया आने का आमंत्रण भी दिया।उल्लेखनीय है कि मिक्स्ड कंपाउंड टीम इवेंट को लॉस एंजेलेस-2028 ओलंपिक खेलों में भी शामिल किया गया है, जिससे इस खेल की लोकप्रियता एवं प्रतिस्पर्धात्मकता को और बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन जैनेंद्र सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव मौजूद थे।

तिलोई में लगा रोजगार मेला, 71 अभ्यर्थियों का प्लेसमेंट हुआ

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। मंगलवार को डीबीएस निजी आईटीआई तिलोई में जिला सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय आईटीआई गौरीगंज की मदद से रोजगार मेले एवं करियर काउन्सलिंग का आयोजन किया गया। मेले में कुल 173 युवाओं ने भाग लिया एवं 71 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आईटीआई के प्रबंधक संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम में राजकीय आईटीआई के प्लेसमेंट प्रभारी अजय कुमार सिंह एवं राजकीय आईटीआई तिलोई के प्रभारी संजय श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अजय कुमार ने प्रोग्राम की जानकारी देकर की। उन्होने बताया कि रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य है उन सभी युवक व युवतियों को रोजगार से जोड़ना जोकि 18 वर्ष से ऊपर हैं एवं रोजगार से जुड़ना चाहते हैं। आज का कार्यक्रम उन सभी युवाओं के लिए आयोजित किया गया है। मुख्य अतिथि संजय सिंह ने कार्यक्रम में सभी युवाओं को आयी हुई सभी कंपनी को समझने एवं जुडने हेतु प्रेरित किया।

उन्होने कहा कि इसे देखकर आस पास के अन्य युवाओं में अपने हुनर को निखारने का मौका मिलेगा और रोजगार से उनकी आजीविका बढ़ेगी। इसके उपरांत जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी ने अभ्यर्थियों को विविध करियर विकल्पों व स्वरोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 2 कंपनियों ने प्रतिभाग किया। जिसमे एजी इंटरप्राइजेज में 43, ब्राइट फ्युचर में 28 युवाओं का चयन किया गया। कार्यक्रम में निजी आईटीआई एवं सेवायोजन कार्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समर कैंप का हुआ समापन

कम्पोजिट विद्यालय भादर प्रथम में शिक्षा अधिकारी ने बच्चों से किया संवाद

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। कम्पोजिट एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में तीन सप्ताह से चल रहे समर कैंप का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। आखिरी दिन खंड शिक्षा अधिकारी और एआर पी भी समरकैम्प में पहुंचे।समर कैंप के अच्छे वीडियो परियोजना कार्यालय को भेजे गए हैं। कम्पोजिट विद्यालय भादर प्रथम में खंड शिक्षा अधिकारी शिव कुमार यादव ने समर कैंप का समापन किया।

कम्पोजिट विद्यालय भादर प्रथम में मंगलवार को प्रार्थना सभा के बाद योगासन और प्राणायाम हुआ। बच्चों ने कबड्डी, वालीबाल और बैड मिंटन के खेल खेले। द्वितीय सत्र में लोकगीत, समूहगान और लोक नृत्य हुआ। प्रशिक्षक लालती देवी और कौशलेंद्र सिंह के साथ ए आर पी चिंता मणि भी उपस्थित रहे।

समापन सत्र में बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के बाद खंड शिक्षा अधिकारी शिव कुमार यादव ने बच्चों से समर कैंप में क्या क्या सीखा?इस बारे में जानकारी ली।अंशू सिंह ने कहानी सुनाई। बालिकाओं ने गीत सुनाए और बताया कि समर कैंप में बहुत मज़ा आया।हम लोगों को खेलने का खूब अवसर मिला।गीत संगीत हुआ। योगासन सीखने का अवसर मिला।एल बी डी लैब में हम लोगों ने तिलवा और गुड़ लैया बनाना सीखा है। मैडम ने कागज के लिफाफे बनाना सिखाया।चार्ट पेपर पर खूब चित्र भी बनाए गए। पांच जून को हम लोगों ने स्कूल में आम, आंवला और सहजन के पेड़ भी लगाए।

बच्चों से समर कैंप का फीड बैक लेने के बाद खंड शिक्षा अधिकारी ने उन्हें पुरस्कार प्रदान किए और छुट्टी के बाद स्कूल खुलने पर नियमित स्कूल आने के लिए प्रेरित किया। बच्चों से कहा कि समर कैंप में उन्होंने जो सीखा है,उसको याद रखने के लिए रोज अभ्यास जरूरी है। इं प्र अ संजीव कुमार ने समापन सत्र का संचालन किया। समापन के समय दिनेश यादव क्वालिटी कोआर्डिनेटर, घनश्याम,रिपु मौर्य, सीता देवी, धनपती ,सोनम आदि मौजूद रहे।

पी एम श्री विद्यालय सवनगी,कम्पोजिट विद्यालय नेवढ़िया,कम्पोजिट विद्यालय भदांव, उच्च प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर और इस्माइलपुर में बच्चों ने सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

मुंशीगंज और भेंटुआ संवाद के अनुसार शासन के निर्देश पर गर्मियों की छुट्टी में सभी उच्च प्राथमिक हो एवं कंपोजिट विद्यालय में तीन सप्ताह से चल रहे समर कैंप का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। समर कैंप में बच्चों ने 3 सप्ताह में अलग-अलग गतिविधियों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रशिक्षकों सभी बच्चों को निर्धारित बिंदुओं पर सीखाने का काम किया। शिक्षामित्र और अनुदेशकों को प्रशिक्षक के रूप में तैनात किया गया था। बच्चों ने अलग-अलग गतिविधियों पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

मंगलवार को कंपोजिट विद्यालय रणबीर नगर में जन प्रतिनिधियों और विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों के समक्ष समर कैंप का समापन किया गया। बच्चों ने पिछले तीन सप्ताह से चल रहे समर कैंप में सीखे हुए गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कंपोजिट विद्यालय हारीपुर में प्रधानाध्यापक अमर बहादुर सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर पूजा अर्चना के बाद कार्यक्रम की शुरुआत की प्रशिक्षक ललित कुमार और सर्वेश कृष्ण यादव ने बच्चों को निश्चित है। बिंदुओं के आधार पर गतिविधियां कराई। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

घने कोहरे में -पीड़ित चेतना का प्रतिनिधि कविता संग्रह

अवधनामा संवाददाता

समाज की वर्तमान समस्याओं के साथ शोषण, जातीय दंभ, अंधविश्वास से लड़ते हुए संघर्ष पथ पर बढ़ने का संदेश दे रही बृज लाल कोरी की रचनाएं

अमेठी। एक दर्जन से अधिक सामाजिक और शैक्षिक संगठनों से जुड़े और भारतीय दलित साहित्य अकादमी नई दिल्ली की ओर से सम्मानित साहित्यकार बृज लाल कोरी की नई रचना -घने कोहरे में-साहित्य प्रेमियों और आम्बेडकरवादी सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं के बीच खासी चर्चा में है।इस रचना का प्रकाशन एस के पब्लिकेशन, प्रयागराज ने किया है।इस रचना में कविताएं, क्षणिकाएं और दोहा शतक शामिल हैं।कवि ने विकृत समाज की अवधारणाओं और जातीय दंभ पर करारी चोट करते हुए पीड़ित और वंचित समाज की चेतना को वाणी देने का सुंदर प्रयास किया है।

समता साहित्य संस्था बहजोई के संस्थापक बृजलाल कोरी, इंटर कालेज बहजोई -सम्भल में अंग्रेजी विषय के प्रवक्ता है। राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र और अंग्रेजी से परास्नातक बृजलाल कोई का हिंदी भाषा पर अच्छा अधिकार है। कविता,गीत, कहानी और उपन्यास उनकी लेखनी विधाएं हैं। उनके दो कविता संग्रह अर्पण,समय की गंगा में, कहानी संग्रह -तडप और उपन्यास मुखाग्नि पूर्व में प्रकाशित हो चुके हैं। घने कोहरे में, रचना एक अलग तरह का कविता संग्रह है,इस कविता संग्रह में छोटी छोटी रचनाएं हैं जो समाज की वर्तमान समस्याओं को उठाने के साथ सवाल खड़े करती हैं।कई रचनाएं ऐसी भी हैं जो कवि की पीडा को प्रदर्शित कर रही हैं। आधुनिकता का जहर, शीर्षक से उनकी रचना आज के मार्डन परिवारों में टूट रहे लज्जा और शर्म के बंधन की तरफ संकेत करते हुए सोचने पर मजबूर करती है। लिंग भेद रचना के माध्यम से कवि ने बेटी बेटा विभेद खत्म कर कर बेटे और बेटियों को आगे बढ़ने के लिए बराबर के अवसर देने का संदेश दिया है।आम आदमी के आंसू शीर्षक रचना में कवि ने मजदूरों की दशा का चित्रण किया है, कहा है कि आम आदमी मेहनत करने में विश्वास करता है, खुशामद में नहीं ।हे !देव रचना में कवि देवताओं के चमत्कार पर सवाल उठाते हुए कहता है कि मेहनत और खून पसीना एक कर रोजी रोटी जुटाने वाले लोगों का दर्द वह क्यों नहीं बन सकता। नासूर, शीर्षक से कवि की रचना अंधविश्वास, पाखंड और अहंकार से दबी भारतीय संस्कृति, संविधान और कानून को कमजोर करने की कोशिशों के बीच वर्तमान सामाजिक व्यवस्था पर चोट करते हुए व्यवस्था परिवर्तन की तरफ संकेत करती है। मैं मंहगाई हूं, रचना में कवि ने मंहगाई के वर्तमान रुप का चित्रण किया है और मंहगाई को सरकार की चेरी और अमीरों की भौजाई के रूप में परिभाषित किया है। हे, शीर्षक रचना में कवि ने दलितों की दशा का उल्लेख किया है। लगभग सभी रचनाओं में कवि ने सवाल उठाए हैं और पीड़ित चेतना को आवाज देने और बदलाव का वातावरण तैयार करने का संदेश दिया है।

सेंटर पर ताला लटका मिला तो रोका जाए सीएचओ का वेतन : सीएमओ

जिला स्वास्थ्य समिति (कार्यकारी समिति) की बैठक में हुई समीक्षा

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। जिला स्वास्थ्य समिति (कार्यकारी समिति)की बैठक मंगलवार को सीएमओ डॉ. अनिल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में सीएमओ कार्यालय के धन्वंतरि सभागार में हुई। बैठक में सीएचसी, पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षकों व अन्य अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी।

सीएमओ निर्देश दिया कि प्रभारी चिकित्साधिकारी सुनिश्चित करें कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर तैनात सीएचओ सेंटर पर प्रति दिन सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक रहकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएं। किसी भी सेंटर पर ताला लटका मिला तो सीएचओ का वेतन रोकते हुए एमओआईसी का भी वेतन बाधित कर करवाई की जाए। उन्होंने संस्थागत प्रसव बढ़ाने का निर्देश एमओआईसी को दिया। सीएमओ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भटनी में कम प्रसव होने पर एमओआईसी, बीपीएम व बीसीपीएम का वेतन रोकने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जननी सुरक्षा योजना के तहत शत प्रतिशत भुगतान किया जाए। ई-कवच पर शत-प्रतिशत आभा आईडी फीड कराई जाए। गर्भवती महिलाओं, बच्चो की सभी अनुमन्य जांचे, टीकाकरण समय से, गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण कराते हुए संबंधित पोर्टल पर फीड अवश्य कराएं। उन्होंने कहा जिन आशाओं का कार्य सही नही है, उन्हें नोटिस देते हुए करवाई की जाय। गर्भवती महिलाओं, बच्चो की सभी अनुमन्य जांचे, टीकाकरण समय से, गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण कराते हुए संबंधित पोर्टल पर फीड अवश्य कराए। एफआरयू पर प्रसव की संख्या बढ़ाई जाए। पीएमएसए डे पर अधिक से अधिक गर्भवती की जांच की जाए और उनका ई रूपी वाउचर से इनपैनेल्ड अल्ट्रासॉउन्ड के केंद्रों पर अल्ट्रासॉउन्ड कराएं। इस दौरान उन्होने हाईरिस्क प्रेगनेंसी वाली महिलाओं की जांच संवेदनशीलता के साथ कराते हुए निगरानी बनाए रखने और स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने का निर्देश दिया।

बैठक में एसीएमओ डॉ.अजय शाही, एसीएमओ डॉ.एसके सिन्हा, डीएमओ डॉ.सीपी मिश्रा, डीपीएम पूनम, डीसीपीएम राजेश गुप्ता, जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता विश्वनाथ मल्ल सहित सीफार, यूनिसेफ़, यूपीटीएसयू, के प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

डीएम के आदेश को नहीं मानते भादर के कानूनगो और लेखपाल

अमेठी। तहसील अमेठी के कानूनगो और लेखपाल डी एम और एस डी एम के आदेश को भी नहीं मानते हैं। सबसे अधिक शिकायतें कानूनगो सर्किल भादर और रामगंज से आ रही हैं। सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत के बाद लगभग दो सप्ताह का समय बीत चुका है, तिवारीपुर में ग्राम समाज की जमीनों पर अवैध निर्माण और अतिक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है।भादर में डी एम की ओर से मना किए जाने के बावजूद एक परिवार दबंगई से दूसरे के हिस्से की जमीन पर जबरन निर्माण कर रहा है।

तिवारी पुर में गाटा संख्या 573क,574,581और474मि इमारती लकड़ी के जंगल और कृषि योग्य बंजर के रूप में दर्ज हैं। गांव के कुछ लोग इस जमीन पर जबरन मकान का निर्माण कर रहे हैं। प्रहलाद तिवारी की ओर से पिछले तीन महीने से लगातार शिकायत के बावजूद अभी तक अवैध निर्माण बंद नहीं हुआ है। विकास खंड भादर के अन्तर्गत लाल पट्टी शाह , भादर में एक परिवार दूसरे के हिस्से की जमीन पर जबरन मकान का निर्माण कर रहा है। राजाराम उर्फ रजऊ ने डी एम से मिलकर जबरन निर्माण रोकने का अनुरोध किया था। डी एम ने एस डी एम आशीष सिंह को भूखंड संख्या -613में गलत तरीके से किए जा रहे निर्माण को रोकने का आदेश दिया था।एस डी एम ने राजस्व निरीक्षक अशोक सिंह को मौके पर जाकर निर्माण रोकने और स्थलीय रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

रामगंज थाने की पुलिस भी पीड़ित की कुछ सुनने को तैयार नहीं

अमेठी। भादर के फरियादी राजाराम उर्फ रजऊ का कहना है कि उसके पड़ोसी को ग़लत तरीके से लाभ देने के लिए बिना किसी सक्षम अधिकारी के आदेश के परिवार रजिस्टर में कटिंग की गई है और नाम बदला गया है। एस डी एम आशीष सिंह से जानकारी के लिए उनके सी ओ जी नम्बर पर फोन किया गया, उन्होंने फोन नहीं उठाया। तहसीलदार ने कहा कि मुझे प्रकरण की पूरी जानकारी नहीं है,आप फरियादियों को हमारे पास भेजिए,हम समुचित कार्रवाई करेंगे।

ज्येष्ठ माह के अंतिम मंगलवार को हुआ प्रसाद और शरबत वितरण कार्यक्रम

अमेठी। ज्येष्ठ माह के अंतिम पांचवें बड़े मंगलवार को नगर से लेकर ग्रामीण अंचल तक प्रसाद एवं शरबत कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं के साथ बच्चें भी राहगीरों का रास्ता रोककर उन्हें प्रसाद ग्रहण कराने का काम किया।

नगर में रजिस्ट्री ऑफिस, गांधी चौक, ददन सदन तिराहा ,सगरा तिराहा ,मुंशीगंज गुड़ मंडी के साथ कई जगह प्रसाद वितरण के साथ शहर बात वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। रामनगर बाजार में कई जगह श्रद्धालुओं की ओर से स्टाल लगाकर शरबत वितरण के साथ प्रसाद के रूप में पूड़ी सब्जी बंट रही थी। श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान जी के चित्र पर पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। उधर राजकीय महिला पॉलिटेक्निक के सामने डॉ राजकुमार अपने परिवार के साथ राहगीरों को शरबत वितरण करते देखे। कई श्रद्धालुओं ने बताया कि हर वर्ष ज्येष्ठ माह के सभी मंगलवार को बड़ी संख्या में वितरण के साथ प्रसाद वितरण भी किया जाता है। लोगों का मानना है कि श्रद्धा भाव से आयोजन करने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

बृजभूषण शुक्ल चुने गए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष

अमेठी। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद स्थानीय शाखा -शारदा सहायक खंड -49का चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ। बृजभूषण शुक्ल को अध्यक्ष, सूर्यपाल को मंत्री और शिवप्रकाश गुप्ता को कोषाध्यक्ष चुना गया है।

चुनाव में पूर्व अध्यक्ष देवानंद यादव, पूर्व मंत्री रहम अली,शिवजनम राव, राजेन्द्र प्रियदर्शन, नीलेश सिंह, रामराज यादव, जगदीश? प्रसाद , आशीष श्रीवास्तव, बृजेश कुमार, विश्व नाथ पाल, हरिशंकर मिश्र आदि मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा, दुर्घटनाएं रोकने पर जोर, ब्लैक स्पाट्स की रिपोर्ट मांगी

अमेठी। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन और अब तक हुए कार्यों की रिपोर्टिंग के लिए अधिशासी अभियंता इंजीनियर रमेश चंद्र ने जिम्मेदार अभियंताओं को पत्र जारी किया है। अधिशासी अभियंता ने एक सप्ताह के भीतर किए गए कार्यों के फोटोग्राफ्स के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के बाद इंजीनियर रमेश चंद्र ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, प्रांतीय खंड, परियोजना निदेशक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, और अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय मार्ग खंड,लोक निर्माण विभाग को पत्र लिख ब्लैक स्पाट बनने के कारण और उसको समाप्त करने के दीर्घकालिक उपायों के बारे में जानकारी मांगी है। पूर्व में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों पर 28ब्लैक स्पाट बनाए गए थे। दुर्घटनाओं की स्थिति और यातायात की गंभीरता को देखते हुए इनमें से 16ब्लाक स्पाट्स को फोकस किया गया है। काजी पट्टी,पूरे हकीम,जमुआरी,तेतारपुर हाइवे,कंजास, उतेलवा, इन्हौना, वारामासी, भोंए, मुंशीगंज चौराहा,नहर कोठी, फुरसतगंज कस्बा, बाबू गंज और दुर्गापुर में बने हुए ब्लैक स्पाट के सम्बन्ध में रिपोर्ट मांगी गई है।

अस्पतालों में बढ़ी मरीजों की भीड़, 380 से अधिक का हुआ इलाज

अल्ट्रासाउंड कक्ष के सामने जमीन पर बैठी देखी गई महिलाएं

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। पिछले एक सप्ताह से अधिक गर्मी होने के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हर परिवार में लोग बड़ी संख्या में बीमार हो रहे हैं। ग्रामीण अंचल में झोलाछाप डॉक्टर भी चांदी काट रहे हैं।

मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमेठी में मरीजों की संख्या सबसे अधिक रही। डॉक्टर सौरभ सिंह ने 400 से अधिक मरीज का इलाज किया। पंजीकरण काउंटर पर 380 नये मरीजों का नामांकन किया गया था।

अल्ट्रासाउंड कक्ष के लंबी कतार में महिलाएं फर्श पर बैठकर अपनी पारी का इंतजार करती देखी गई। अस्पताल में अल्ट्रासाउंड करने का काम अधीक्षक डॉक्टर आलोक तिवारी के जिम्मे पर हैं। कई मरीजों ने बताया कि अल्ट्रासाउंड करने के लिए मरीजों को नंबर लगाने पड़ते हैं।

डॉक्टर सौरभ सिंह ने बताया कि गर्मी अधिक होने के कारण लोग अधिक बीमार पड़ रहे हैं। बुखार उल्टी दस्त के मरीज अस्पताल में अधिक आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस समय तापमान में काफी बढ़ोतरी हुई है। हर व्यक्ति अगर थोड़ी सी लापरवाही बरतना भी स्वास्थ्य के लिए हानिप्रद हो सकता है। इसलिए अधिक धूप में न घूमें। धूप से बचने के लिए सिर पर गमछे के साथ महिलाएं स्टॉल का प्रयोग करें। जिससे गर्मी से बचा जा सके। कई मरीजों ने बताया कि अस्पताल में बैठने की व्यवस्था कम है। जिसके कारण अधिक भीड़ होने पर मरीजों को फर्श पर बैठना पड़ता है।

प्रदेश के 2.32 करोड़ घरों में पहुँचा पेयजल

शाहजहांपुर। प्रदेश सरकार प्रत्येक परिवार को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कई कार्यक्रम संचालित किये, किन्तु वर्तमान सरकार द्वारा संचालित हर घर जल कार्यक्रम सबसे सफल कार्यक्रम रहा। भारत सरकार द्वारा पूर्व में संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना को वर्ष 2019-2020 में समाहित करते हुये जल जीवन मिशन प्रारम्भ किया गया है। प्रदेश में पूर्व में विश्व बैंक सहायतित 14 जनपदों में नीर निर्मल परियोजना भी चलायी गयी। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप द्वारा पेयजल की आपूर्ति हेतु राज्य ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम भी संचालित किया गया है। भारत सरकार द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के अन्तर्गत वर्ष 2024 तक पाइप पेयजल योजना द्वारा घर जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति हेतु केन्द्र सहायतित जल जीवन मिशन का संचालन केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा 45 स्न 45 प्रतिशत तथा सामुदायिक अंशदान द्वारा 10 प्रतिशत वित्त पोषण के आधार पर किया जा रहा है।

डीएम ने वृक्षारोपण हेतु चयनित स्थानों का किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी रमेश रंजन ने मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य के साथ जनपद के प्रमुख पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण और पर्यटन की संभावनाओं को जनपद में ऐतिहासिक स्थानों से सम्बद्ध करने के दृष्टिगत विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया, इस क्रम में जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम विकासखंड शिकोहाबाद के ग्राम रूपसपुर में सिरसा नदी के पुनरोद्धार के पश्चात् नदी के तटबन्ध पर किए जा रहे वृक्षारोपण हेतु चयनित स्थानों का निरीक्षण किया, रूपसपुर में सिरसा नदी की कुल लंबाई 1960 मीटर है, इसके आसपास तटबन्धों पर लगभग 1100 गड्ढे खोदे गए हैं, जिलाधिकारी ने कहा कि नदी की चौड़ाई जो 20 मीटर है, इसे घटाकर 15 मीटर और तटबन्धों को और चौड़ा किया जाए, यहां पर लगने वाले पौधे सुरक्षित हो सकें, और दीर्घायु हो सकें, उन्होंने उप

जिलाधिकारी शिकोहाबाद को निर्देशित किया कि यहां पर जमीन की पैमाइश कराकर तटबंधों को बढ़ाया जाए। इसके बाद जिलाधिकारी ने पर्यटन की संभावनाओं को और बढ़ाने हेतु जनपद के दो महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया, इसमें सर्वप्रथम वह चंद्रवार के किले को देखने गए, कहा जाता है कि, इसका निर्माण चंद्रसेन के बेटे चंद्रपाल ने कराया था, खंडहर में तब्दील हुए इस किले पर आज भी ऐतिहासिक कलाकारी देखने को मिलती है, इसे देखने के लिए फिरोजाबाद से ही नहीं अपितु आसपास के जिलों से लोग भारी संख्या में आते हैं, जिलाधिकारी ने कहा कि इस विरासत को सजोने के लिए यह जरूरी है, कि यहां पर आवागमन के मार्ग को सहज और सरल बनाया जाए, साथ ही साथ यहां पर इस महत्वपूर्ण भवन को पुरातत्व विभाग की ओर से इसको सजोया और संवारा जाए, इस बात का प्रयास प्रशासन पूरी तरह से कर रहा है। इसके बाद जिलाधिकारी दतौंजी नगर वन केंद्र का भी निरीक्षण करने गए, यहां पर भी उन्होंने यहां की आधारभूत संरचना को मजबूत करने हेतु संबंधित लोगों को निर्देशित किया, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वन केंद्र की साफ-सफाई पौधों की स्थिति और पर्यावरण गतिविधियों का मूल्यांकन भी किया, उन्होंने कहा कि यह स्थल भी जनपद का एक महत्वपूर्ण पर्यटन का केंद्र बन सकता है, इसलिए जरूरी है कि इस स्थल पर आवागमन के साथ-साथ अन्य आधारभूत संरचनाओं को विकसित करते हुए, इसे आकर्षक स्थल के रूप में विकसित किया जाए, जिससे यहां आकर लोग न केवल पर्यावरणीय सौंदर्य का लाभ उठा सके, अपितु सुख एवं शांति का अनुभव प्राप्त कर सके, जिलाधिकारी के साथ मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, डीएफओ विकास नायक, परियोजना निदेशक सुभाष चन्द्र त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद व सदर फिरोजाबाद इत्यादि उपस्थित रहें।

साक्षात्कार आज

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फिरोजाबाद द्वारा शासकीय योजनाओं एवं प्राधिकरण की योजनाओं को जनमानस तक पहुंचाने हेतु पैरा विधिक स्वयं सेवक (पी0एल0वी0) के पद पर चयन हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं. वर्ष 2025-26 के लिए उक्त चयन हेतु साक्षात्कार 11-06-2025 से 12-06-2025 तक अपराह्न 1:00 बजे से जनपद न्यायालय फिरोजाबाद के सभागार में लिया जायेगा। साक्षात्कार तिथि के बारे में आवेदकों को टेलीफोन एवं मैसेज के माध्यम से अवगत कराया जायेगा। पैरा विधिक स्वयं सेवक का चयन एक वर्ष (2025-26) के कार्यकाल के लिए किया जायेगा। आवेदक को साक्षात्कार हेतु को कोई भी किराया भत्ता आदि देय नहीं होगा। पैरा विधिक स्वयं सेवक को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अधीन समय-समय पर निर्धारित मात्र मानदेय प्रदान किया जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

अमन चैन की दुआ के साथ बकरीद मनाई

शिकोहाबाद। नगर के ईदगाह पर शनिवार सुबह साढ़े सात बजे से ईद की नमाज अता की गई। सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समाज के लोग सुबह सात बजे से ही ईदगाह पर पहुंचना शुरु हो गए। साढ़े सात बजे मोलाना ने ईद की नमाज अदा कराई। इस दौरान देश में अमन चौन की दुआ की और अल्ला ताला से मुल्क की सलामती की दुआ की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नमाज अता करने पहुंचे लोगों ने भी अमन चैन की तरक्की के साथ ही अमन चौन कायम रहे इसके लिए दुआ की। इस दौरान एसपी ग्रामीण के नेतृत्व में सीओ सिटी प्रवीन कुमार, एसएचओ अनुज राणा, एसडीएम गजेंद्र सिंह सहित प्रशासन अमला भी मौजूद रहा। तहसील परिसर के बाहर समाजवादी पार्टी ने पूर्व एमएलसी असीम यादव व वर्तमान विधायक मुकेश वर्मा, पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि अब्दुल वाहिद के नेतृत्व मे ईद मिलन के लिए कैंप लगाया जहां ईद की नमाज पढ़ कर लौट रहे सभी लोगों को गले मिल कर ईद की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर सपा नगर अध्यक्ष शीटू यादव, अनिल यादव, रवि यादव, इंजी. अभिषेक यादव, गौरव यादव, आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

बड़े मंगलवार का प्रसाद वितरित

सुल्तानपुर। यातायात पुलिस सुल्तानपुर के द्वारा पांचवें बड़े मंगलवार के शुभ अवसर पर पुलिस बूथ रोडवेज बस स्टॉप के पास बजरंगबली के जयकारे के साथ प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक यातायात नरेंद्र सिंह द्वारा बजरंगबली को धूप माला चढ़ाकर समस्त स्टाफ के साथ प्रसाद वितरण किया गया। उन्होंने राहगिरो को ट्रैफिक के बारे में यात्रा करते समय जरूरी जानकारियां भी दी।

संविधान बचाओ सम्मेलन को लेकर कांग्रेस के सिपाही क्षेत्र में हुए सक्रिय

सुल्तानपुर। 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने संगठन सृजन के साथ-साथ प्रत्येक जनपद में संविधान बचाओ सम्मेलन कर चुनावी रणनीति मजबूत करने में जुटी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर प्रत्येक विधानसभा में संविधान बचाओ सम्मेलन का बृहस्पतिवार से शुभारंभ किया जाएगा। इस संबंध में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने बताया कि बृहस्पतिवार 12 जून को इसौली, शुक्रवार 13 जून को लंभुआ और 14 तारीख को कादीपुर विधानसभा में किया जाएगा। संविधान बचाओ सम्मेलन मे जनपद के सभी कोऑर्डिनेटर समेत कांग्रेस के अन्य नेता शामिल होंगे। वहीं उन्होंने बताया कि जनपद के समस्त ब्लॉक के निवर्तमान अध्यक्षों को निर्देशित कर दिया गया है कि कार्यक्रम में बूथ स्तर से लेकर ग्राम सभा, न्याय पंचायत के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल होंगे। वहीं उन्होंने बताया कि संविधान बचाओ सम्मेलन को सफल बनाने के लिये उस विधानसभा क्षेत्र के सभी ब्लॉक अध्यक्ष, पदाधिकारी व नेता पूरी ताकत और मेहनत के साथ लोगों को कार्यक्रम में पहुंचने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

अंकित ने राष्ट्रीय जल अकादमी में सहायक निदेशक का कार्यभार ग्रहण कर जिले को किया गौरवान्वित

सुल्तानपुर। जिले के चांदा के टटेरीपुर गांव निवासी अंकित सिंह ने इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस में चयन के बाद केंद्रीय जल आयोग,दिल्ली में 9 जून को सहायक निदेशक के पद पर कार्यभार ग्रहण कर जिले को गौरवान्वित किया है। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित इंडियन इंजीनियरिंग सर्विसेज में अंकित सिंह ऑल इंडिया में पांचवीं रैंक प्राप्त कर चयनित हुए थे। इनके पिता अनिल सिंह बड़ौदा ग्रामीण बैंक से अधिकारी के पद से 31 मई को सेवानिवृत्त हुए हैं। अंकित की माता गृहणी है और छोटा भाई भरत सिंह सीतापुर में यूनियन बैंक में मैनेजर है। अंकित के चयन और भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय में सहायक निदेशक का कार्यभार ग्रहण करने पर शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया है। अंकित ने बताया कि उसकी प्राथमिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर चांदा और हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की पढ़ाई सुल्तानपुर नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय विवेकानंदनगर से की। बीटेक गलगोटिया कॉलेज नोएडा, एमटेक आईआईटी बीएचयू बनारस से किया। इसके बाद दिल्ली में रहकर आईएस की परीक्षा में सफल हुए। अंकित ने अपनी उपलब्धि के लिए इंटर स्तर पर अपने शिक्षक महेंद्र कुमार तिवारी, रमेश मिश्र, जय बहादुर सिंह और अन्य शिक्षकों को श्रेय दिया है।

बुलडोजर का हुआ विरोध तो सेना ने संभाली कमान

अवधनामा संवाददाता

■ दूर दूर तक नजर नही आये विरोध करने वाले

शाहजहांपुर। जनपद में अतिक्रमणकारियों के हौसले इतने बुलंद हो गए कि जब जिला एवं पुलिस प्रशासन से स्थिति नहीं संभाली गई तो सेना को मौके पर बुलाना पड़ा। सेना के पहुंचते ही अतिक्रमण करने वाले दूर दूर तक नजर नहीं आए. तब कहीं जाकर अधिकारियों की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम दिया गया।

दरअसल सदर बाजार थाना क्षेत्र में स्थित रोडवेज परिसर के सामने अवैध रूप से आर्मी कैंट की जमीन पर लोगों ने अतिक्रमण कर लिया था. जिसको लेकर कई बार जिला प्रशासन एवं आर्मी कैंट प्रशासन संयुक्त रूप से नोटिस जारी कर चुका था,लेकिन अतिक्रमण करने वाले बाज नहीं आ रहे थे। मंगलवार को जब सिटी मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार संबंधित अधिकारी और पुलिस प्रशासन के साथ बुलडोजर लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंचे तो आर्मी कैंट की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा जमाए लोगों ने विरोध शुरू कर दिया और पुलिस प्रशासन भी उनके आगे बौना साबित हुआ तभी आर्मी कैंट प्रशासन द्वारा मौके पर सेना के जवानों को भेज कर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही शुरू करवाई गई। मौके पर सेना के पहुंचते ही अतिक्रमण करने वाले दूर दूर तक नजर नहीं आए।

रोडवेज परिसर के रिनोवेशन का कार्य वर्तमान में किया जा रहा है इसके साथ ही आर्मी कैंट की जगह को भी कब्जा मुक्त करवा कर साफ सफाई शुरू करने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए थे। हालांकि सेना के जवानों के पहुंचने पर अतिक्रमण करने वालो से आर्मी कैंट की जमीन को कब्जा मुक्त करवा लिया गया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रतिनिधित्व विधायन समिति की बैठक सम्पन्न

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रतिनिधित्व विधायन समिति (वर्ष 2024-25) की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन नगर स्थित रिलायंस गेस्ट हाउस में किया गया। बैठक की अध्यक्षता सभापति विपिन कुमार डेविड द्वारा की गई। समिति में सदस्य अरुण पाठक एवं गणेश चंद्र भी उपस्थित रहे।बैठक में राज्य कर विभाग, नगर विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, वन विभाग, पर्यटन विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग, चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग तथा भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के जनपदीय अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा व विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। सभापति ने सहायक आयुक्त, व्यापार कर को निर्देशित किया कि व्यापारियों के साथ समय-समय पर बैठकें कराकर उन्हें पंजीकृत किया जाए तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता पर समाधान किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि व्यापारियों के साथ सद्व्यवहार होना चाहिए तथा किसी भी स्थिति में उनका उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में व्यापारियों एवं किसानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जिला ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ द्वारा सम्मान समारोह आयोजित

अवधनामा संवाददाता

शिकोहाबाद। जिला ब्राह्मण महासभा पंजीकृत फिरोजाबाद महिला प्रकोष्ठ द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन बौद्ध आश्रम स्थित गोपाल मैरिज होम में किया गया जिसमें महिला जिला अध्यक्ष पंडित मिथिलेश वशिष्ठ एवं महानगर अध्यक्ष पंडित रिचा दिक्षित द्वारा भगवान महर्षि परशुराम शोभायात्रा में जिन महिलाओं ने अपनी टीम के साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया उन महिलाओं को पके पहनकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर उनका सम्मान किया तथा उनका उत्साह वर्णन किया गया पूर्व जिला अध्यक्ष पंडित सीताराम शर्मा एवं जिला ब्राह्मण महासभा पंजीकृत फिरोजाबाद के महामंत्री पंडित दिनेश वशिष्ठ तथा महिला की जिलाध्यक्ष पंडित मिथिलेश वशिष्ठ तथा महानगर अध्यक्ष पंडित रिचा दिक्षित द्वारा महिलाओं का सम्मान किया गया इस मौके पर जिला अध्यक्ष पंडित मिथलेश वशिष्ठ ने कहा की महिलाओं को एकजुट के साथ जिला ब्राह्मण महासभा को बढ़ाना है तथा जनपद में प्रत्येक महिला को संगठन से जोड़कर संगठन को मजबूत करना है समझ में आगामी कार्यक्रमों के विषय में भी चर्चा की गई कार्यक्रम में संचालन पंडित प्रतीक्षा शर्मा द्वारा किया गया अंत में पूर्व जिला अध्यक्ष संदीप तिवारी द्वारा महिला जिला अध्यक्ष पंडित मिथलेश वशिष्ठ तथा महानगर अध्यक्ष पंडित रिचा दिक्षित जी का शॉल उड़ाकर गुलदस्ता देकर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में परशुराम शोभायात्रा अध्यक्ष तरुण उपाध्याय, शोभायात्रा संयोजक पंडित दिनेश वशिष्ठ, पंडित सीताराम शर्मा, पंडित सुनील वशिष्ठ, पंडित अश्वनी शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष पंडित संदीप तिवारी, जिलाध्यक्ष मिथलेश वशिष्ठ, महानगर अध्यक्ष पंडित ऋचा दीक्षित, पंडित मीरा शर्मा,पंडित राधा शर्मा, पंडित शशि शर्मा, पंडित सरोज शर्मा, पंडित मधुरिमा वशिष्ठ, पंडित रश्मि शर्मा, पंडित कीर्ति शर्मा, पंडित लवली मुदुल, पंडित मधु शुक्ला, पंडित रेखा पचौरी, पंडित नेहा दुबे, पंडित जया दुबे, पंडित आशा भट्ट, पंडित सुमित्रा शर्मा,पंडित सुनीता तिवारी, पंडित रीना शर्मा, पंडित पुराण मिश्रा, पंडित शीला शर्मा, पंडित रमा शर्मा, पंडित उमा दीक्षित, पंडित कमलेश शर्मा, पंडित प्रीति शर्मा,पंडित ऋतु शर्मा, पंडित शुभांगी, पंडित संजू लता शर्मा, पंडित तनु शर्मा, पंडित कल्पना उपाध्याय, पंडित गीता शर्मा, पंडित ललित शर्मा, पंडित साक्षी शर्मा, पंडित मनु शर्मा, पंडित काजल दुबे, पंडित रिंकी वशिष्ठ, पंडित कविता शर्मा, पंडित प्रदीप शर्मा, पंडित दीपक शर्मा, पंडित प्रशांत वशिष्ठ, पंडित संजय शर्मा, पंडित अंबिका पाण्डेय, पंडित संदीप शर्मा, पंडित अनूप शर्मा, पंडित नवनीत शर्मा,पंडित कृष्णकांत वशिष्ठ कन्हैया, आदि लोग उपस्थित थे।

राजकीय बाल ग्रह में अनाथ बच्चों के साथ अमानवीय बर्ताव का वीडियो वायरल

■ सीडीओ ने जांच कर केयरटेकर की सेवा समाप्त करने के निर्देश दिए

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। जनपद में बरेली मोड़ स्थित राजकीय बाल ग्रह एक बार फिर से विवादों में घिर गया है। यहां निवास कर रहे 13 अनाथ बच्चों के साथ क्रूरता की शर्मनाक तस्वीरें सामने आई हैं। वायरल हुए वीडियो में केयरटेकर पूनम गंगवार बच्चों को डंडे से पीटती, थप्पड़ मारती और उनके कान खींचती नजर आ रही है। राजकीय बाल गृह में इस तरह का मामला पहले भी उठ चुका है। जिला पंचायत सदस्य मुकेश दीक्षित ने बताया कि यह घटना सितम्बर 2024 की है। उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर 2024 को इस पूरे प्रकरण की शिकायत उच्चाधिकारियों से की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, इसके बाद उन्होंने लखनऊ तक पत्राचार किया और तमाम शिकायतों की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई तब जाकर उन्होंने घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए।

अब चूंकि वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। शिकायत और वायरल वीडियो के आधार पर मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) द्वारा आनन फानन में जांच करवाकर अनाथ बच्चों पर अत्याचार करने वाली केयरटेकर की सेवा समाप्त करने करने के निर्देश देते हुए, जिला प्रोबेशन अधिकारी से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। वायरल हो रहे वीडियो में स्पष्ट रूप से बच्चों के साथ की गई मारपीट और शारीरिक उत्पीड़न की तस्वीरें देखी जा सकती हैं,जिससे आमजन में आक्रोश व्याप्त है

सवाल यह उठता है कि जब शिकायत 2024 में की गई तो आखिर इस मामले को दबाया क्यों गया जिला प्रोविजन अधिकारी जिनकी जिम्मेदारी थी उन्होंने केयरटेकर पर कार्यवाही क्यों नहीं की, इसके पीछे भी एक बड़ी वजह मानी जा रही है क्योंकि केयरटेकर इसी विभाग से संबंधित एक अधिकारी की कसम खास बताई जा रही हैं। इसीलिए अबोध अनाथ बच्चों पर अमानवीय व्यवहार विभाग के अधिकारी आंख मुड़ कर देखते रहे और नौनिहालों पर अत्याचार और जुल्म ज्यादती होती रही।

मानव कल्याण के लिए श्रेष्ठ कर्म है यज्ञ : आचार्य स्वदेश

अवधनामा संवाददाता

शिकोहाबाद। 1008 दिवसीय योग यज्ञ संकल्प यात्रा के तत्वावधान, स्वदेशी समाज सेवा समिति के सहयोग से 51 कुंडीय महायज्ञ आयोजन ग्राम नगला जोरे में किया गया जिसमें यज्ञ के ब्रह्म वृंदावन से पधारे आचार्य स्वदेश जी महाराज रहे उन्होंने यज्ञ की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि वातावरण और पर्यावरण की शुद्धि के लिए यज्ञ संसार का सबसे श्रेष्ठ कार्य है और इसे करना चाहिए और बताया कि ईश्वर की आज्ञा का पालन करना ही सच्ची ईश्वर भक्ति है।वहीं संकल्प यात्रा का नेतृत्व कर रहे योगाचार्य अभय आर्य ने बताया कि इस प्रकल्प के माध्यम से योग और यज्ञ को जन जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं जिससे लोगों को स्वस्थ-पर्यावरण सुख शांति मिले। यज्ञ आचार्य नवीन शास्त्री ने यज्ञ कराया। कार्यक्रम के संयोजक मुख्य यजमान के रूप में स्वदेशी समाज सेवा समिति के संस्थापक सचिव विवेक यादव 'रुद्राक्ष मेन' रहे, जिसमें एस एस. विश्व विद्यालय के कुलाधिपति डॉ. दिलीप यादव, डॉ राम कैलाश यादव, विजेन्द्र सिंह, मातादीन यादव, हरीशंकर यादव, शिवराज, कमल किशोर, पुनीत, कमलेश, महेश आदि साधकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जन शिकायतों का निस्तारण

फिरोजाबाद। जनपद में जनशिकायतों के निस्तारण में तेजी व पारदर्शिता निष्पक्षता हेतु एसएसपी फिरोजाबाद द्वारा शुरु किए गए विशेष अभियान के अंतर्गत सोमवार को फिरोजाबाद पुलिस द्वारा शिकायतकर्ताओं के मौके पर जा कर कुल 32 शिकायतों का किया निस्तारण किया गया।

सूचना

मै मेराज आलम पुत्र मोहम्मद शरीफ निवासी 318ए, सज्जादिया कालोनी, बादशाह खेड़ा मार्ग, आलम नगर, लखनऊ अपने पुत्र मो0 औन जोकि चोरी चकारी मे पड़ गया है अक्सर चोरी के मामले अंजाम देता रहता है तथा चाल चलन ठीक नहीं है इसलिये मैं उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ तथा आज के बाद से मो0 औन से मेरा व मेरे परिवार वालों का किसी प्रकार का कोई वास्ता व सरोकार न होगा। उसके द्वारा किये गए किसी भी कृत्य के लिये मो0 औन स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राम फेर निवासी म न.388 गली मोहल्ला गोपीनाथपुर रौनाही फैजाबाद जिला अयोध्या के निवासी थे जिनकी मृत्यु दिनांक 17/11/2013 को हुई थी जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र समय से ना बन पाने के कारण आगे के कार्यो में बाधा उत्पन्न हो रही है जिसके वारिसान हरिलाल हैं। जो कि कथन की पूरी जिम्मेदारी लिए हैं।

सूचना

जनसाधारण को सूचित करना है कि मेरी पुत्री इफ्फत ज़हरा को आज से इफ्फत ज़हरा रिज़वी (IFFAT ZEHRA RIZVI) के नाम से जाना जायेगा।
रज़ा हैदर रिज़वी
निवासी- 75 बैरनी खेदक, केशव भादुड़ी रोड, लखनऊ

निर्यातकों की समस्याएं सुन स्थिति को बेहतर बनाएं

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी रमेश रंजन ने मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य के साथ जयना ग्लास वर्क्स इकाई का निरीक्षण किया तथा जनपद के निर्यातकों मुकेश बंसल, श्रेय बंसल, नमन बंसल के अलावा नगर मजिस्ट्रेट, सहायक श्रमायुक्त, उपायुक्त उद्योग व प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी उपस्थित थे, इस बैठक में जिलाधिकारी ने निर्यातकों की समस्याओं को सुना साथ ही जनपद में निर्यात की स्थिति को और बेहतर बनाने की बात कहीं, निर्यातकों ने जिलाधिकारी के सामने यह मांग रखी की, फैक्ट्री में लगी भट्ठी का साइज बढ़ाने की अनुमति दी जाए, जिससे कांच के उत्पादन में और बढ़ोतरी की जा सके, साथ ही साथ यहां पर गैस की आपूर्ति निरंतर बनी रहें, इसमें किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो, जिलाधिकारी को उपस्थित उद्योगपतियों ने अवगत कराया कि यहां के मुख्य मार्ग पर अक्सर जाम की समस्या बनी रहती है, जिससे उद्योगों से आने वाले और जाने वाले वाहनों को अत्यधिक असुविधा होती है, इसलिए आपसे अनुरोध है की मुख्य मार्गों पर जाम की समस्याएं न होने पाए, इसके लिए संबंधित को निर्देशित करें, जिलाधिकारी ने यहां की फैक्ट्री में बन रहे कांच के सामानो को बारीकी से निरीक्षण भी किया, इसके बाद जिलाधिकारी डेंडो स्टार ग्लास वर्क्स जो की ग्राम मोढ़ा में स्थित है, का भी निरीक्षण करने गये, इनके साथ मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, उपायुक्त उद्योग संध्या सहित सम्बन्धित अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

नगर आयुक्त ने सुनी जन समस्याएं

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। नगर आयुक्त डॉ0 विपिन कुमार मिश्र की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रातः 10 बजे से 02 बजे तक सिस्टेमैटिक एडमिनस्ट्रेटिव, मैकेनिज्म, ब्रिगिंग, हैपीनेन्स एण्ड वैल्यू (सम्भव) के अन्तर्गत नगर निगम कार्यालय में जन सुनवाई दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नगर क्षेत्र के जन-सामान्य द्वारा जन-सुनवाई दिवस में सम्मलित होकर साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, प्रकाश बिन्दु, नाली निर्माण एवं कर विभाग से सम्बन्धित अपनी-अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को रखा गया। जन सुनवाई दिवस में नगर क्षेत्र से प्राप्त जन समस्याओं-शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया व जन-समस्याओं का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुये संबन्धित विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित

किया गया कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर जन-सामान्य की संतुष्टि, समदृष्टि को ध्यान में रखते हुये ससमय निस्तारण कराया जाये। जन-सुनवाई दिवस में 05 समस्यायें / शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 02 समस्याओं का मौके पर निस्तारण कराया गया, शेष समस्याओं के निस्तारण हेतु संबन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। समस्त नगरवासियों से अपील की गई कि प्रत्येक मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में आयोजित होने वाले जन सुनवाई दिवस में सक्रिय प्रतिभाग कर नगर निगम शाहजहाँपुर द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं से सम्बन्धित समस्याओं को रख सकते है, जिनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जायेगा। जन सुनवाई दिवस में अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह, संयुक्त नगर आयुक्त संगीता कुमारी, सहायक नगर आयुक्त राजकुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता निर्माण एस0के0 अम्बेडकर, महाप्रबंधक जल सौरभ श्रीवास्तव व अन्य अधिकारी कर्मचारीगण, जन-प्रतिनिधिगण तथा नगर के जन-सामान्य द्वारा सक्रिय प्रतिभाग किया गया।

बच्ची की मौत पर सपा और भाजपा बीच जुबानी जंग तेज

■ समाजवादी पार्टी अफवाह फैला रही, बच्ची की हालत पर गलत सूचना दे रहे पूर्व सांसद: भाजपा जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत

अवधनामा संवाददाता

बांदा। ग्राम चकला चिल्ला में तीन वर्षीय बच्ची के साथ हुई घटना पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत ने समाजवादी पार्टी और उसके नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व राज्यसभा सांसद विशम्भर प्रसाद निषाद द्वारा बच्ची की मृत्यु की झूठी अफवाह फैलाई जा रही है, जबकि सच्चाई यह है कि बच्ची का इलाज प्रदेश सरकार के निर्देश पर कानपुर के हैलेट अस्पताल में हो रहा था। वहां जलशक्ति मंत्री, प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस की देखरेख में उपचार हो रहा था। भाजपा जिलाध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि जिस व्यक्ति ने यह घिनौना कृत्य किया, वह समाजवादी पार्टी की ग्राम इकाई का सक्रिय सदस्य है। स्थानीय लोगों ने जानकारी दी कि वह पहले भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। अब उसे बचाने का प्रयास समाजवादी पार्टी के कुछ नेता कर रहे हैं। कल्लू सिंह राजपूत ने स्पष्ट किया कि भाजपा सरकार ने त्वरित कार्यवाही की है। आरोपी को पकड़ने और सख्त सजा दिलाने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तत्परता से जुटा है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने तुरंत एक्शन लिया, जबकि सपा नेता अब आरोपी के पक्ष में खड़े होकर इंसानियत को शर्मसार कर रहे हैं। उन्होंने सपा नेताओं से आग्रह किया कि वे ऐसी ओछी और भ्रामक राजनीति से बाज आएं और पीड़ित परिवार की भावनाओं से न खेलें। यह मामला अब राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का केंद्र बन गया है, लेकिन बच्ची के स्वास्थ्य और न्याय की मांग जनता के लिए प्राथमिकता बनी हुई है।

बैंकों के सीडी रेसियो में सुधार के लिए जिलाधिकारी की सख्ती

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। जिले के बैंकों के जमा-ऋण अनुपात (सीडी रेसियो) में सुधार के लिए कलेक्ट्रेट के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में मंगलवार को जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। मुख्य विकास अधिकारी चन्द्र शेखर शुक्ला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।जिलाधिकारी ने केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के तहत ऋण वितरण में देरी और भारतीय स्टेट बैंक व पंजाब नेशनल बैंक के खराब सीडी रेसियो पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने बैंकों को प्राथमिकता के साथ ऋण वितरण करने और किसी भी शिथिलता पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जानबूझकर ऋण न देने वाले बैंकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।जिलाधिकारी ने स्वरोजगार योजनाओं के लंबित प्रकरणों को समयबद्ध ढंग से निस्तारित करने और बैंकों को सकारात्मक कार्यशैली अपनाने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों को कैश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) के लिए प्रत्येक गुरुवार को रोस्टर बनाकर औपचारिकताएं एक बार में पूरी करने को कहा गया, ताकि समूह की महिलाओं को बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उपायुक्त उद्योग को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निर्देशित किया गया।बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त उद्योग, डीसीएआरएलएम, एसबीआई के सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड के जिला प्रबंधक, जीएमडीआईसी, एलडीएम सहित अन्य बैंकर्स और अधिकारी उपस्थित रहे।

21 दिवसीय समर कैंप का हुआ समापन

अवधनामा ब्यूरो

इटावा, जसवंतनगर। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में 21 दिवसीय समर कैंप का समापन हुआ। प्रतिभागी मेधावी और विजेता छात्राओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डा.अंजना पुरवार व विशिष्ट अतिथि समाजसेवी प्रेम कुमार शाक्य ने कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत के पश्चात अध्यात्म से ओतप्रोत लोक नृत्य तथा देश प्रेम गीत हम इंडिया वाले आदि की प्रस्तुति दी।

अतिथिद्वय ने सैकड़ा भर से अधिक छात्राओं द्वारा तैयार किए गए विभिन्न हस्तशिल्प उत्पादों व पोस्टर आदि की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा 21 दिवसीय समर कैंप की प्रतिभागी मेधावी व विजेता छात्राओं को मेडल पहनाकर सर्टिफिकेट देते हुए सम्मानित करते हुए लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रेरित किया। प्रधानाचार्या प्रज्ञा ने अपने सम्बोधन में कहा कि समर कैंप का आयोजन प्रतिभागी छात्राओं के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध हुआ है। शिक्षिका डिंपल पालीवाल ने समर कैंप की सभी गतिविधियों में छात्राओं की प्रतिभा व कौशल को निखारने का काम किया। मनोज कुमार ने भी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान कॉलेज शिक्षिकाएं व अभिभावकगण मौजूद रहे।

युवाओं का तकनीकी रूप से सशक्त होना समय की मांग

इटावा। अखिल भारतीय कुर्मि क्षत्रिय महासभा द्वारा के.के.इंटर कॉलेज में बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर, समाज उत्थान समिति के अध्यक्ष, समाजसेवी डॉ0हरीशंकर पटेल के द्वारा बैडमिंटन प्रशिक्षण के साथ ही बच्चों को जनहितकारी, संस्कारवान, शिक्षाप्रद तथा मोटीवेट करने वाली आदि जानकारियाँ प्रदान की जा रही हैं। उसी कड़ी में मंगलवार को बैडमिंटन प्रशिक्षार्थियों को कम्प्यूटर की महत्वपूर्ण जानकारियाँ अभिराज कुमारछात्रचंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने दी। अभिराज कुमार छात्र चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कम्प्यूटर की जानकारी देते हुए कहा कि आज के दौर में कम्प्यूटर ज्ञान प्रत्येक व्यक्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आने वाला समय पूरी तरह डिजिटल तकनीक पर आधारित होगा, ऐसे में युवाओं का तकनीकी रूप से सशक्त होना समय की मांग है। उन्होंने बच्चों को बेसिक कम्प्यूटर स्किल्स, इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग, साइबर सुरक्षा, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, गूगल टूल्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों की सरल भाषा में जानकारी दी।

एकीकृत कृषि विकास योजना प्रस्तावित

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। बुन्देलखण्ड के किसानों को जंगली और निराश्रित पशुओं से फसलों की रक्षा, आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण, और दलहन, तिलहन व श्री अन्न की उन्नत प्रजातियों को बढ़ावा देने के लिए ÷बुन्देलखण्ड एकीकृत कृषि विकास योजना÷ शुरू की जा रही है। यह जानकारी उप कृषि निदेशक, हमीरपुर ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी। बुन्देलखण्ड में 10 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र जंगली जानवरों और निराश्रित पशुओं के प्रकोप से प्रभावित है। जंगलों के घटते क्षेत्रफल के कारण जानवरों को पर्याप्त भोजन न मिलने से कृषि फसलों को नुकसान हो रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए योजना के तहत कम से कम 10 हेक्टेयर के क्लस्टर बनाकर किसान समूहों को सोलर फेंसिंग की सुविधा दी जाएगी।सोलर फेंसिंग के तीन मॉडल प्रस्तावित हैं:मॉडल-1ः ऊंचाई 1.5 मीटर, लागत 10.23 लाख रुपये, 80 प्रतिशत अनुदान (8.18 लाख रुपये), किसान अंश 2.05 लाख रुपये। मॉडल-2ः ऊंचाई 1.8 मीटर, लागत 11.56 लाख रुपये, 80 प्रतिशत अनुदान (9.25 लाख रुपये), किसान अंश 2.31 लाख रुपये। मॉडल-3ः ऊंचाई 2.1 मीटर, लागत 9.12 लाख रुपये, 80 प्रतिशत अनुदान (7.30 लाख रुपये), किसान अंश 1.82 लाख रुपये। योजना के तहत 10 से 20 हेक्टेयर के क्लस्टर में कम से कम 5 किसानों का समूह बनाया जाएगा, जिसमें 1500 से 2500 रनिंग मीटर सोलर फेंसिंग (सोलर पैनल, बैटरी, तार सहित) पर 80 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। साथ ही, प्रत्येक क्लस्टर में न्यूनतम 500 सहजन या कृषि वानिकी के उन्नत पौधे रोपे जाएंगे, जिन पर प्रति पौधा 15 रुपये व्यय होगा। किसान समूहों को AGRIDARSHAN.UP.GOV.IN पर पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण के बाद प्राप्त संख्या से सोलर फेंसिंग की बुकिंग की जा सकती है। किसानों से अपील की गई है कि वे 10 हेक्टेयर का क्लस्टर बनाकर योजना का लाभ लें। अधिक जानकारी के लिए विकास खंड स्तर पर सहायक विकास अधिकारी (कृषि) या उप कृषि निदेशक कार्यालय, हमीरपुर से संपर्क किया जा सकता है।

सी0एम0 डैशबोर्ड, फ्लैगशिप कार्यक्रमों की, की समीक्षा बैठक

सोनभद्र। आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल, मीरजापुर बाल कृष्ण त्रिपाठी ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में सी.एम. डैशबार्ड,फ्लैगशिप कार्यक्रमों की समीक्षा किये, इस दौरान मण्डलायुक्त ने आई.जी.आर.एस. पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के संबंध में अधिकारियों समीक्षा करते हुए कहा कि आई.जी.आर.एस. पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण तत्परता के साथ सुनिश्चित किया जाये, जिससे ज्यादा से ज्यादा शिकायतों का निस्तारण ससमय व गुणवत्ता पूर्ण तरीके से किया जा सकें। उन्होंने कहा कि आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के समय शिकायतकर्ता से फिडबैक प्राथमिकता के आधार पर लिया जाये, जिससे शिकायत के निस्तारण से वह भी संतुष्ट हो सकें। बैठक में मण्डलायुक्त ने पूर्व में किये गये भ्रमण के दौरान दिये गये निर्देश के अनुपालन की समीक्षा किये, बाल विकास परियोजना विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर सहजन के वृक्ष लगाने के निर्देश दिये गये थे, की प्रगति की समीक्षा किये और निर्देशित किये कि सहजन का वृक्ष लगाया जाये और उसे सुरक्षा के दृष्टिगत उसका संरक्षण भी किया, जिससे वृक्ष बड़ा होकर छाया देने के साथ ही उसके फल का उपयोग भी किया जा सकें। समीक्षा के दौरान मण्डलायुक्त ने जिला कार्यक्रम अधिकारी से सहजन का पौधा कितने दिनों में तैयार होता है, के संबंध में जानकारी प्राप्त किये, जिस पर उनके द्वारा संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया, जिस पर मण्डलायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान मंडल आयुक्त ने जनपद में प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्रों के आधार कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा की, तो आधार कार्ड बनाने की प्रगति संतोषजनक नहीं पायी गयी, जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नोडल अधिकारी कहा कि आधार कार्ड बनाने की प्रगति में यदि सुधार नहीं होता तो संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी बभनी के विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही के लिए शासन पर पत्राचार की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। इसी प्रकार से मण्डलायुक्त ने पी.एम. कुसुम योजना के अंतर्गत लघु सीमांत कृषकों को सोलर पंप की स्थापना के संबंध में भी समीक्षा किये और निर्देशित किये कि सभी पात्र व्यक्तियों को पी.एम. कुसुम योजना से लाभान्वित किया जाए, इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि सम्बन्धित अधिकारीगण यह सुनिश्चित करें कि गरीब व पात्र व्यक्तियों को आवास से वंचित न रखा जाये।

कानपुर-सागर हाईवे पर भीषण हादसा

अवधनामा संवाददाता

अमरोहा के 10 मजदूर गंभीर घायल

हमीरपुर। कानपुर-सागर हाईवे पर मौदहा कस्बे के बड़ा चौराहा के पास मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे एक भीषण सड़क हादसे में अमरोहा के मजदूरों से भरी वैन खड़े ट्रक से टकरा गई।

हादसे में वैन में सवार 11 मजदूरों में से 10 गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।हादसा इतना भयावह था कि वैन का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। घायल मजदूर अमरोहा जिले के बड़ा हसनपुर गांव गंगाचोली के निवासी हैं, जो बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से खन्ना के पास उतरकर कानपुर की ओर जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, वैन में चालक सहित 11 लोग सवार थे, जो काम के सिलसिले में अमरोहा से कानपुर जा रहे थे।स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को मौदहा सीएचसी पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल रेफर किया गया। घायलों में छह की पहचान विनय (35), अयान (21), गौरव (18), विवेक (18), रामबहादुर (30), और सद्दाम (25) के रूप में हुई है। शेष पांच घायल बोलने की स्थिति में नहीं हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ट्रक को कब्जे में ले लिया है। हादसे के कारण हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

राष्ट्रीय कवि संगम के प्रांत कार्यालय का उद्घाटन

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल ने एकता कालोनी में संस्था के कानपुर-बुंदेलखंड प्रांत कार्यालय का उदघाटन किया। इस अवसर पर श्री मित्तल ने कहा कि राष्ट्रीय कवि संगम एक विचार है, यह एक रचनात्मक आंदोलन है जो राष्ट्र जागरण धर्म हमारा के ध्येय वाक्य के साथ शुद्ध और राष्ट्रवादी रचना धार्मिता को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने उपस्थित रचनाकारों से आव्हान किया कि वह देश और समाज को सकारात्मक दिशा देने का काम कविताओं के माध्यम से करें। संस्था के प्रांत अध्यक्ष राष्ट्रीय कवि रोहित चौधरी ने कहा कि इटावा का यह कार्यालय साहित्यिक सक्रियता को गति प्रदान करेगा। इस अवसर पर संरक्षक डॉ कुश चतुर्वेदी, संजीव मिश्रा, कार्यालय प्रभारी कुलदीप चौधरी, प्रांत मंत्री गोपाल पांडेय, जिला अध्यक्ष प्रशांत तिवारी, महासचिव हर्ष शर्मा, डॉ.गोविंद द्विवेदी, विश्व हिंदू परिषद क्षेत्रीय सम्पर्क प्रमुख अनिल दीक्षित, राघवेंद्र यादव, शेखर राजपूत, अंकित मिश्रा, शरद बरुआ, अंकित यादव आदि उपस्थित रहे।

सी0डी0 रेशियो बढ़ाने पर ज़ोर दिया जाए : डीएम

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। बैंकर्स समिति की बैठक जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आहूति की गई। जिसमें जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम बताया कि राज्य स्तर पर सी.डी. रेशियो 59.64 प्रतिशत जनपद स्तर पर 49.75 प्रतिशत बहुत ही कम है। उन्होंने बताया कि जनपद इटावा का सी.डी. रेशियो राज्य स्तर पर 46 वीं रैंक पर है। उन्होंने कहा कि सी.डी. रेशियो बढ़ाने पर ज़ोर दिया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद का विकास सी.डी.रेशियो पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि सी.डी. रेशियो बढ़ाने के लिए सरकारी योजना में क्रेडिट फैसिलिटी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि एम.एस.एम.ई. सेक्टर में अधिक से अधिक लोन स्वीकृत करके ज्यादा से ज्यादा लोगों को लोन दिया जाए। उन्होंने 60 प्रतिशत से कम सी.डी. रेशियो वाली बैंकों को स्ट्रेटजी बनाकर काम करने एवं सी.डी.रेशियो की ग्रोथ को बढ़ाने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कल्चरल सेक्टर एवं एम.एस.एम.ई. सेक्टर में क्रेडिट फैसिलिटी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने लंबित प्रकरणों को देखा एवं निस्तारण हेतु निर्देश दिए। उन्होंने क्रॉप लोन की स्थिति के बारे में पूछा एवं कहा कि क्रॉप लोन को बढ़ाया जाए। उन्होंने ग्रामीण बैंक को ब्रांच बढ़ाने के लिए कहा। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया जसवन्तनगर को कार्य में लापरवाही बरतने हेतु नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार के अंतर्गत 79 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि ओ.डी.ओ.पी. पर भी फोकस किया जाए। उन्होंने कहा कि बैंकवाइज़ अलग से मीटिंग कराई जाए और साथ ही खराब और अच्छे परफॉर्मर के बारे में बताया जाए। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार गौतम, उपायुक्त उद्योग सुधीर कुमार, एल.डी.एम. सहित सभी बैंकर्स आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मॉर्निंग वॉक पर निकले शिक्षक को ईंट लदे ट्रक ने रौंदा, मौत से परिजनों में कोहराम

हमीरपुर, अवधनामा संवाददाता। राठ-हमीरपुर स्टेट हाईवे पर मंगलवार सुबह लोदीपुर निवादा गांव के पास एक दर्दनाक हादसे में मॉर्निंग वॉक पर निकले निजी स्कूल शिक्षक अनूप सिंह (28) की ईंट लदे तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर से परिजनों और बच्चों में कोहराम मच गया। लोदीपुर निवासी जयसिंह ने बताया कि उनका बेटा अनूप सिंह रोजाना की तरह सुबह करीब 6 बजे टहलने निकला था। इसी दौरान हाईवे पर ट्रक (यूपी 91सीटी 0384) ने उसे रौंद दिया। हादसे में ट्रक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराकर पलट गया, जिसमें चालक भी घायल हो गया। विंवार थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि दुर्घटना का कारण ट्रक की तेज रफ्तार थी। घायल चालक को अस्पताल भेजा गया है, जबकि अनूप सिंह के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनीं 92 शिकायतें, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

हमीरपुर, अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर आम जनता की शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्राप्त 92 शिकायतों में से अधिकांश का मौके पर ही त्वरित निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के लिए जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम, खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल/जूम ऐप के माध्यम से बैठक की और तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम, बीडीओ और अधिकारियों को नियमित रूप से अपने कार्यालयों में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने और किसी भी तरह की शिथिलता न बरतने की हिदायत दी। जिलाधिकारी ने जोर देकर कहा कि जनसुनवाई, आईजीआरएस और अन्य माध्यमों से प्राप्त प्रकरणों का संबंधित अधिकारी मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करें और समयबद्ध तरीके से आख्या प्रस्तुत करें।

आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एनसीएल में चलाया जा रहा जन-जागरूकता अभियान

सोनभद्र/सिंगरौली, अवधनामा संवाददाता। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर स्थानीय परिक्षेत्र में योग के महत्व को जन-जन पहुंचाने के उद्देश्य से जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष अंतराष्ट्रीय योग दिवस एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग% थीम पर मनाया जाएगा। इसी कड़ी में एनसीएल की सभी परियोजना एवं इकाइयों में योग एवं इसके महत्व के प्रति जन-जागरूकता फैलाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का जैसे योग जागरूकता रैली, निबंध लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग, योगाभ्यास इत्यादि का आयोजन किया जाएगा।

व्यसनों का राजा व लाडो शिक्षाप्रद नाटकों का हुआ मंचन

अवधनामा ब्यूरो

इटावा, जसवंतनगर। नगर के जैन बाजार में स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित हो रहे 8 दिवसीय संस्कार शिक्षण शिविर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शिक्षाप्रद कार्यक्रमों से धर्म के साथ-साथ बच्चे सदाचार व जीवन उपयोगी बातों को भी सीख रहे हैं। इसी क्रम में रात्रि में ÷व्यसनों का राजा मंच पर प्रदर्शित किया गया जिसमें गुटका, पान, तंबाकू, सिगरेट, ड्रग्स, शराब इत्यादि कैसे अपने जीवन को प्रतिदिन खराब कर रहे हैं इसके बारे में नाटकीय ढंग से बताया गया। इस कार्यक्रम की संयोजिका टिया जैन ने बताया वास्तव में इस तरह के नाटकीय मंचन से कुछ सीखने को मिलता है एवं समाज में मौजूद भ्रांतियो को मिटाने में मदद मिलती है। इसके अलावा एक और शिक्षाप्रद नाटक लाडो का भी मंचन किया गया। जिसमें बताया गया किस तरह आजकल मां के उपकार को बच्चे बड़े होने तक धीरे-धीरे भूलते चले जाते हैं। बचपन में मां के लाड़, प्यारे उनके दुलार की बलि चढ़ाते हुए उनकी उम्मीद पर पानी फेरते चले जाते हैं। अपने आत्मसम्मान के नाम पर उनका तिरस्कार एवं अपमान करते रहते हैं। शिविर के प्रभारी निकेतन जैन ने बताया बच्चे प्रतिदिन सभी कक्षाओं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे। भीषण गर्मी मैं बच्चों की सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बताया गया है कि शिविर में प्रतिदिन शिविरार्थीयो की संख्या बढ़ती ही जा रही है।

समर कैम्प का समापन

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। समर कैम्प में प्रागैतिहासिक काल के चित्रो को बनवाकर रवीन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि आदिमानव कि उत्पत्ति का अवशेष सोनभद्र व मिर्जापुर जिले के सैकडों गुफाओं में हजारों वर्ष पूर्व आदिमानवों के द्वारा बनाये गये पत्थरों पर प्रागैतिहासिक काल के चित्रो पता चलता है,कि सोनभद्र व मिर्जापुर जिला कितना खास है। रवीन्द्र ने बताया कि प्रागैतिहासिक काल के चित्रो को उचित संरक्षण नही मिलने के कारण यह धरोहर नष्ट हो रहे है अतः सरकार से हम सभी समर कैम्प के माध्यम से निवेदन करते है कि इस धरोहर को संरक्षित कर सोनभद्र को पर्यटन स्थल के रुम में विकसित करने कि कृपा करें,और रवीन्द्र एक शिक्षक होने के साथ साथ कलाकार भी है जो नेशनल नेवल पर गलभग 20 सलेक्शन व एवार्ड से कला क्षेत्र में सम्मानित हो चूकें। कम्पोजिट विघालय तकिया दरगाह,ब्लॉक करमा,जिला सोनभद्र उ0प्र0 में दिनांक 21/05/2025 से 10/06/2025 अब तक समर कैम्प चला जिसका आज समापन हुआ,समर कैम्प मे प्रशिक्षण दे रहे थे,रवीन्द्र बहादुर सिंह अनुदेशक, बृजेश चंद्र मिश्रा अनुदेशक ने बेहतर कार्य से बच्चों व समाज को जागरूक किये। समर कैम्प में ग्राम सभा तकिया बी0 डी0सी0 रेनू मौर्या व कोशिश आर्ट वेलफेयर सोसायटी उ0प्र0 टीम का भी भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ समर कैम्प मे। अभिभावक भी आज समर कैम्प में मौजूद थे और कहा कि समर कैम्प से बच्चों को बहुत लाभ मिला और शिक्षकों को धन्यवाद इसके लिए।

नगर के आर एस एम इंटर कालेज में 51 वा प्रांतीय एक वर्षीय अधिवेशन

अवधनामा ब्यूरो

तीन दिवसी अधिवेशन में विंध्याचल मंडल के सम्मिलित हुए लिपिकीय संवर्ग

सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित राजा शारदा महेश इंटर कॉलेज परिसर में मंगलवार को तीन दिवसी उप एजुकेशन मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स संगठन की 51वा क्रांति 1 वर्षीय अधिवेशन का आयोजन आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राम सकल एवं मिर्जापुर मंडल अध्यक्ष कमलेश सिंह यादव व सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा मां सरस्वती प्रतिमा प्रदीप प्रचलित कर कार्यक्रम का किया गया शुभारंभ। वही मौजूद कार्यक्रम में अतिथियों व विशिष्ट अतिथियों का राजा शारदा इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रिंसिपल बृजेश सिंह द्वारा माल अर्पण अंग वस्त्र स्मृति चिन्ह देखकर सम्मान किया गया। वही मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद राम सकल के विंध्याचल मंडल मिर्जापुर के विभिन्न जनपदों से आए अध्यापक व अन्य साथियों का अभिवादन करते हुए बताया कि आज विद्यालय प्रांगण में जो कार्यक्रम आयोजित किया गया है उसे कार्यक्रम के नेतृत्व करता हुआ पूरे टीम को हृदय से बधाई देते हुए तीन दिवसीय गोष्ठी सभा के माध्यम से बताया शिक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जो हर धर्म हर जात मजहब के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है और इसे एक मजबूत पेड़ के रूप में छायादार बनाने के लिए शिक्षक की अहम भूमिका होती है पर्यटन से लेकर शिक्षित समाज तक शिक्षकों के मार्गदर्शन पर एक समाज की उन्नति होती है जिससे समाज में विभिन्न प्रकार के गतिविधियां प्राप्त होने से सामाजिक आर्थिक राजनीतिक विभिन्न दायित्वों का निर्वहन आमजन कर पाते हैं शिक्षकों के इस अहम योगदान का कभी भी छात्र रीढ़ नहीं उतार सकते हम बता दें कि सोनभद्र के इतिहास के सौंदर्य की सुंदरता का विस्तार वर्णन शिक्षक के माध्यम से हर छात्र हर समाज हर घर तक पहुंचाने का काम एकमात्र शिक्षक के शिक्षित समाज से ही संपन्न हो पता है। वहीं उपस्थित विशिष्ट अतिथि मंडल अध्यक्ष मिर्जापुर कमलेश सिंह यादव, सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत,रविंद्र दुबे मंडल मंत्री ,राजेश कुमार जनपद सोनभद्र अध्यक्ष, संतोष सिंह मंत्री द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुए जनपद सोनभद्र पर्यटन क्षेत्र से मिर्जापुर पर्यटन स्थल उद्योग के विषय में विस्तार पूर्वक मौजूद अतिथियों को बताते हुए उन पर फोकस किया गया अथवा बुकलेट वितरित कर उनका विस्तृत इस संदर्भ में जानकारी दी गई। वहीं विशिष्ट अतिथि अजीत रावत ने बताया कि सोनभद्र का इतिहास कुतूहल है जिसमें सोन इको पॉइंट, गोठांनि शिव मंदिर , कुंडवासनी धाम, अमिला भवानी धाम, पंचमुखी महादेव मंदिर, गुप्तकाशी शिवद्वार मंदिर, मुक्काफाल, ज्शक्तिपीठ शक्तिपीठ, रिहंद जलाशय बांध, सलखन जीवाश्म पार्क, खत्ता पिकनिक स्पॉट, धधरौल बांध सहित अन्य कई स्थल पर्यटन से जुड़े हैं जहां सैलानियों के माध्यम से जनपद का नाम मंडल व प्रदेश देश में पहुंचने का काम कर रहा है। यह हम सभी जनपद वासियों के लिए गौरव का विषय है। इस मौके पर अप एजुकेशनल मिनिस्टर अप एजुकेशन मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष विवेक यादव श्रीवास्तव प्रांतीय महामंत्री राजेश चंद्र श्रीवास्तव एवं सभी जनपदों के मंडली अध्यक्ष मंडली सचिव एवं अन्य पदाधिकारी व सदस्य गण उपस्थित रहे इस अधिवेशन के संयोजक कमलेश सिंह यादव मंडली अध्यक्ष विंध्याचल मंडल सहसंयोजक राजेश कुमार संतोष कुमार सिंह विद्यालय के प्राधिकृत नियंत्रक ऋषिकेश पाठक प्रधानाचार्य डॉक्टर बृजेश सिंह प्रधानाचार्य संतोष मौर्य सुनील कुमार राव अनिल कुमार पासवान अतुल श्रीवास्तव अमर सिंह संदीप कुमार चौधरी हुआ है।

11 साल, देश बेहाल : राघवेंद्र नारायण

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय सचिव राघवेंद्र नारायण ने मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर तंज कसते हुए कहा कि अच्छे दिन अभी तक नहीं आए, लेकिन अब वे आने वाले हैं, क्योंकि भाजपा जाने वाली है। उन्होंने कटाक्ष किया कि भाजपा जानती है कि अच्छे दिन तभी आएंगे जब कांग्रेस सत्ता में आएगी, इसलिए भाजपाई हमेशा कहते हैं कि अच्छे दिन आने वाले हैं, लेकिन कभी नहीं कहते कि अच्छे दिन आ गए हैं। राघवेंद्र नारायण ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में 140 करोड़ देशवासियों ने अपने आप को ठगा और छला हुआ महशूस किया। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, लूट, नफरत, हिंसा, महिलाओं के खिलाफ अपराध, ट्रेन दुर्घटनाएं, सीमा असुरक्षा, कोविड-19 जैसी महामारी और नोटबंदी जैसे संकटों का सामना किया। उन्होंने इसे महामहंगाई का काल, महाबेरोजगारी का काल, महाभ्रष्टाचार का काल, महालूट का काल, महानफरत का काल, महाहिंसा का काल, बहन-बेटियों के महारेप काल, ट्रेन दुर्घटनाओं का काल, देश की सीमाओं की असुरक्षा का काल और नोटबंदी के नाम पर लोगों की हत्या का काल करार दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह सब देश की जनता के लिए महासंकट का काल है, लेकिन भाजपा सरकार इसे अमृत काल मानती है। उन्होंने भाजपा के साथियों से सवाल उठाते हुए कहा, सांसदों द्वारा गोद लिए गए गांव क्या हमेशा गोद में ही रहेंगे या कभी धरातल पर उतरेंगे? स्मार्ट सिटी बनाने का सपना पूरा करने के लिए इन्हें अगला जन्म लेना पड़ेगा लेकिन स्मार्ट गांव बनाने की शुरुआत तो अभी से कर दें, तो देश का कल्याण हो सकता है। उन्होंने काला धन वापस लाने में नाकामी पर चुटकी लेते हुए कहा, काला धन नहीं ला सके तो कोई बात नहीं, काले मन को ही मिटा दें, ताकि जनता को नफ़रत भरे माहौल से कुछ राहत मिल सके। राघवेंद्र नारायण ने पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर, सोना और डॉलर को आज की तारीख में सरकार से ज्यादा मज़बूत बताया और कहा कि सरकार का इनपर कोई कंट्रोल नहीं रह गया है। उन्होंने साइबर ठगी पर भी सवाल उठाया, जिसमें देश भर में 6,000 से अधिक लोगों से करोड़ों रुपये ठगे जा रहे हैं और बूढ़ा चौकीदार इसे रोकपाने में नाकाम है। राघवेंद्र नारायण ने प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी से 11 साल के कार्यकाल के बाद देश की मीडिया के सामने पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पाप खुद करें और सफाई दूसरा दे जैसे अभियानों से अब भला होने वाला नहीं देश की जनता सब कुछ जान चुकी है।

राष्ट्रनायकों के साथ अब नहीं होगी नाइंसाफी : योगी

■ चक्रवर्ती सम्राट राष्ट्रवीर महाराजा सुहेलदेव के स्मारक का लोकार्पण

अवधनामा ब्यूरो

बहराइच/लखनऊ। चक्रवर्ती सम्राट राष्ट्रवीर महाराजा सुहेलदेव के स्मारक के उद्घाटन/लोकार्पण के अवसर पर चित्तौरा झील के तट पर आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपने शौर्य और वीरता से विदेशी आक्रांताओं के दाँत खट्टे करने वाले शूरवीर महाराजा सुहेलदेव को जो सम्मान मिलना चाहिए था वह नहीं मिल सका। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ने विरासत और विकास की नीति को आगे बढ़ाते हुए जनपद में महाराजा सुहेलदेव के नाम पर भव्य स्मारक का निर्माण किया तथा जनपद के मेडिकल कॉलेज तथा आजमगढ़ के विश्वविद्यालय का नाम भी महाराजा सुहेलदेव के नाम पर रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास ने भले ही महाराजा सुहेल देव के साथ नाइंसाफी की है लेकिन डबल इंजन की सरकार नाइंसाफी नहीं होने देगी। जिन लोगों ने धर्म और धरा को बचाने के लिए युद्ध में योगदान दिया था उन लोगों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पूर्व में लोग वोट बैंक की लालच में महापुरूषों का सम्मान करने से बचते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम महापुरुषों के प्रति सम्मान में क्या होना चाहिए उसकी एक अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रनायकों का सम्मान होना चाहिए तथा विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन बंद होना चाहिए। महाराजा सुहेलदेव के युद्ध कौशल का ज़िक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेशी आक्रांता को रोकने की युक्ति ऐसी थी कि मथुरा से लेकर बहराइच तक इतनी बाधाएं खड़ी की कि यहां पहुंचते-पहुंचते उसकी आधी सेना समाप्त हो चुकी थी और जब वह महाराजा सुहेलदेव के सामने पड़ा तो महाराजा सुहेलदेव ने कुल 20 से 25 हजार सैनिकों के साथ उन विदेशी आक्रांताओं को परास्त कर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार तब सरदार पटेल की जयन्ती मनाती है तो कुछ लोगों पर भारी गुज़रता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार बिजली पासी के नाम पर लखनऊ में स्मारक का निर्माण करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 1250 करोड़ लागत की परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास से जिले की कनेक्टिविटी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन विकास, बुनियादी सुविधाएं, लोक कल्याणकारी योजनाओं को पंख लगेंगे।

मुख्यमंत्री ने भव्य आयोजन के लिए भारतीय जनता पार्टी तथा महाराजा सुहेलदेव राजभर पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण का आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि अगले वर्ष से महाराजा सुहेलइदेव के स्मारक स्थल पर तीन दिवसीय भव्य आयोजन होगा। उन्होंने महाराजा सुहेलदेव स्मृति न्यास द्वारा प्रकाशित वीर शिरोमणि महाराजा सुहेलदेव शौर्य स्मारिका को घर-घर तक पहुचाने तथा महाराजा सुहेलदेव के जीवन पर शोध के लिए छात्राओं को स्कालरशिप देने की बात कही। जिससे आने वाले समय में महाराजा सुहेलदेव जैसे राष्ट्र नायकों को इतिहास के पन्नों से गायब करने का दुस्साहस न किया जा सके। मुख्यमंत्री ने महाराजा सुहेलदेव को उचित सम्मान देने के लिए संघर्ष करने वाले एक-एक जनपदवासियों का नाम लेकर नमन किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पंचायती राज मंत्री, ओमप्रकाश राजभर, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, सांसद आनन्द गोंड, सदर विधायक अनुपमा जायसवाल, पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी, पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा, बलहा विधायक सरोज सोनकर, सुभासपा राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डा. अरविन्द राजभर ने अपने सम्बोधन में महाराजा सुहेलदेव की वीरगाथा पर प्रकाश डालते हुए जनपद में भव्य स्मारक का निर्माण कराये जाने के लिए प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों की सराहना भी की।

लखनऊ वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन का भव्य भंडारा

■ प्रेस क्लब में उप मुख्यमंत्री समेत सहित श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन द्वारा आयोजित ज्येष्ठ माह के पांचवे मंगलवार को यूपी प्रेस क्लब में आयोजित भंडारे में बजरंगबली भगवान एवं श्री राम पूजन के साथ भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह की उपस्थिति में हुआ।

इस अवसर पर प्रेस क्लब में भंडारा प्रसाद वितरण एवं भंडारे के कार्यक्रम में यूपी विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, राकेश सचान, संजय निशाद, दयाशंकर सिंह, दिनेश प्रताप सिंह एवं राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, दानिश आजाद, विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी प्रमुख सचिव , मुख्यमंत्री गृह एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप दुबे , प्रमुख सचिव विधाई जे पी सिंह, पीसीएस संघ के संरक्षक बाबा हरदेव सिंह, राजकुमार शर्मा विशेष सचिव ऊर्जा, सुनील कुमार वर्मा निदेशक रेशम, रविंद्र सिंह विशेष सचिव कृषि,अपर निदेशक सूचना अंशुमान राम त्रिपाठी , चेयरमैन इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स यूपी मुकेश बहादुर सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त राजेंद्र सिंह, वीरेंद्र प्रताप सिंह, पीके द्विवेदी, दिलीप अग्निहोत्री सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। जिसमें प्रमुख रूप से समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र चौधरी , श्रीमती जूही सिंह, सोनू यादव , अरविंद सिंह गोप , राष्ट्रीय लोक दल के अनिल दुबे , रोहित अग्रवाल, मनोज सिंह , राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह, कांग्रेस पार्टी के अंशु अवस्थी , अमरनाथ अग्रवाल, ओंकार सिंह, वीरेंद्र मदान सहित राजनेता और प्रशासनिक अधिकारी पत्रकारों ने प्रसाद ग्रहण किया।

आगंतुकों का स्वागत यूपी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रविंद्र सिंह , यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी , महामंत्री देवराज सिंह , लखनऊ वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के अध्यक्ष शिव शरण सिंह व महामंत्री विश्वदेव राव ने किया।

आईटीआई प्रवेश 2025 की अंतिम तिथि 22 जून

■ राजकीय आईटीआई अलीगंज लखनऊ में रोजगारपरक प्रशिक्षण हेतु करें आवेदन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि अब 22 जून 2025 है। प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि आईटीआई प्रवेश 2025 के अंतर्गत इच्छुक अभ्यर्थियों को यह एक और अवसर प्रदान किया गया है।संस्थान में कुल 26 व्यवसाय संचालित हैं, साथ ही 3 टीटीएल यवसाय भी उपलब्ध हैं, जिनमें गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जाता है। इन कोर्सो के माध्यम से प्रशिक्षार्थियों को स्वरोजगार एवं रोजगार दोनों की दिशा में प्रोत्साहित किया जाता है। विशेष रूप से टाटा मोटर्स द्वारा संचालित डीएसटी (कैज) प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान के 13 व्यवसायों के प्रशिक्षार्थियों को स्टाइपेन्ड भी प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें आर्थिक सहयोग भी मिलेगा।

प्रवेश हेतु इच्छुक 8वीं या 10वीं उत्तीर्ण (कोर्स के अनुसार) अभ्यर्थी वेबसाइट पर शीघ्र पंजीकरण करें। पंजीकरण के संबंध में अधिक जानकारी व सहायता के लिए कार्यदिवसों में संस्थान से सीधे संपर्क किया जा सकता है या हेल्पलाइन नंबरों पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

आंदोलन जारी रखते हुए 31,104 मेगावाट बिजली बनाया कीर्तिमान

बिजली कर्मचारियों का अनूठा प्रदर्शनः आंदोलन से नहीं, रिकॉर्ड तोड़ काम से करेंगे निजीकरण का विरोध

■ यूपी के बिजली कर्मीः नो निजीकरण को, यस रिकॉर्ड तोड़ आपूर्ति को

■ विरोध में भी कर्तव्यनिष्ठः बिजली कर्मियों ने आपूर्ति का नया इतिहास रचा

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निजीकरण के विरोध में विगत 195 दिनों से आंदोलनरत बिजली कर्मियों ने एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर, आंदोलनकारियों ने अपने संघर्ष के साथ-साथ सुधार के संकल्प को भी व्यक्त करते हुए 31,104 मेगावाट की रिकॉर्ड-तोड़ विद्युत आपूर्ति कर एक नया कीर्तिमान बनाया है। यह न केवल उत्तर प्रदेश के लिए एक रिकॉर्ड है, बल्कि आज की तारीख तक देश के किसी भी प्रांत में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति का एक नया कीर्तिमान भी है।

संघर्ष समिति के आह्वान पर आज भी प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन जारी रहा। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि बिजली कर्मी निजीकरण के विरोध में संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उनका यह स्पष्ट मत रहा है कि इस आंदोलन के दौरान उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। गर्मी में बिजली की लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए, संघर्ष समिति ने बिजली कर्मियों से उपभोक्ताओं को कोई परेशानी न होने देने का आह्वान किया था। संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अपना पूरा विश्वास व्यक्त करते हुए उनसे अपील की है कि वे प्रभावी हस्तक्षेप कर निजीकरण की प्रक्रिया को निरस्त करें। इससे इस भीषण गर्मी में उपभोक्ताओं को कोई तकलीफ नहीं होगी और विद्युत कर्मी पूर्ण मनोयोग के साथ उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति के नए कीर्तिमान स्थापित करते रहेंगे। निजीकरण के विरोध में आज लगातार 195वें दिन बिजली कर्मचारियों ने प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। आज वाराणसी, आगरा, मेरठ, कानपुर, गोरखपुर, मिर्जापुर, आजमगढ़, बस्ती, अलीगढ़, मथुरा, एटा, झांसी, बांदा, बरेली, देवीपाटन, अयोध्या, सुल्तानपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, हरदुआगंज, पारीछा, ओबरा, पिपरी और अनपरा सहित विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया गया।

बाघिन को बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद गोरखपुर प्राणि उद्यान बंद

■ 15 जून से बंद हो जाएंगे तीनों टाइगर रिजर्व

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। कानपुर प्राणि उद्यान के बाद गोरखपुर के शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान में भी बाघिन को एविएंजा फ्लू की पुष्टि हो गई है। इसके बाद गोरखपुर और कानपुर प्राणि उद्यान को बंद करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में प्रधान मुख्य संरक्षक वन्य जीव अनुराधा वेमुरी ने निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने वन्य जीवों के स्वास्थ्य पर निरंतर नजर रखने के निर्देश भी दिए हैं। इसके पहले प्रदेश के कई जिलों के जू बीते दिनों बंद रहे थे।

मानसून सीजन को देखते हुए प्रदेश के तीनों टाइगर रिजर्व 15 जून से पर्यटकों के लिए बंद हो जाएंगे। मुख्य वन संरक्षक व फील्ड डायरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर रानीपुर टाइगर रिजर्व चित्रकूट और प्रभागीय वनाधिकारी पीलीभीत टाइगर रिजर्व की संस्तुति और मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमानों के आधार पर वर्षाकाल की संभावना देखते हुए पर्यटन सत्र 15 जून से बंद करने का निर्णय लिया गया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव अनुराधा वेमूरी ने इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं।

दलित शोधार्थी को धमकाने के आरोप में भाजपा नेता पर एफआईआर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता के खिलाफ लखनऊ विश्वविद्यालय के एक दलित शोधार्थी को फोन पर धमकाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय में दलित शोधार्थी और तुर्तीपार गांव के निवासी दीपक कन्नौजिया की शिकायत पर सोमवार देर रात को उभांव थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। शिकायती प्रार्थना पत्र का हवाला देते हुए पुलिस ने कहा कि भाजपा नेता और खंड प्रमुख आलोक सिंह ने कथित तौर पर 21 मई को कन्नौजिया को फोन किया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया, उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया तथा जान से मारने की धमकी दी। सिंह पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे और राज्यसभा सदस्य नीरज शेखर के करीबी रिश्तेदार हैं। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि सिंह ने इस दौरान कहा, ''अगर आप चाहें तो इस बातचीत को रिकॉर्ड कर लें।

ऑपरेशन सिंदूरः दरगाहों-मस्जिदों के बाहर चौपाल लगाएगा भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी और अल्पसंख्यकों को लेकर सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का अल्पसंख्यक मोर्चा पूरे उत्तर प्रदेश में दरगाहों, मदरसों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों जैसे धार्मिक स्थलों के बाहर चौपालें आयोजित करेगा।

इसके अलावा केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर मुस्लिम प्रबुद्ध वर्ग तक पहुंच बनाने के लिए अल्पसंख्यकों का पैगाम, मोदी के साथ मुसलमान विषय पर सभी महानगरों में सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों की शुरुआत 11 जून से होगी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि मोर्चा पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का प्रतीक बन चुके ऑपरेशन सिंदूर और सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को अल्पसंख्यक वर्ग तक पहुंचाने के लिए पूरे प्रदेश में दरगाहों, मदरसों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों जैसे धार्मिक स्थलों के बाहर चौपालें आयोजित करेगा।

उन्होंने बताया कि इन चौपालों में भारतीय संविधान की पुस्तिका का वितरण भी किया जाएगा ताकि अल्पसंख्यक समाज के लोग अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो सकें। इन चौपालों का आयोजन 11 जून को शुरू होगा।

अली ने बताया कि केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर मुस्लिम प्रबुद्ध वर्ग तक पहुंच बनाने के लिए अल्पसंख्यकों का पैगाम, मोदी के साथ मुसलमान विषय पर सभी महानगरों में सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे और इन सम्मेलनों की शुरुआत आगामी 12 जून को लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में होने वाले कार्यक्रम से की जाएगी।

लगभग 100 करोड़ रूपये की जमीन मूल खाते में स्थानांतरित करने का आदेश

लखनऊ। मऊ के अपर उप जिलाधिकारी एवं उप जिलाधिकारी न्यायिक सदर कोर्ट द्वारा लगभग 100 करोड़ रूपये मूल्य के 11.887 एकड़ जमीन को उनके मूल खाते में स्थानांतरित करने के आदेश जारी किए गए हैं। उपरोक्त भूमि संबंधित खातेदारों द्वारा कूटरचित फर्जी दस्तावेज के माध्यम से गलत तरीके से अपना नाम दर्ज कर लिया गया था, जिसे खारिज करते हुए उक्त भूमियों को वापस उनके मूल सुरक्षित खातों में स्थानांतरित करने के आदेश संबंधित पीठासीन अधिकारी ने दिए है। उपरोक्त भूमि स्थानीय निकाय नगर पालिका परिषद एवं ग्राम सभा की हैं। अपर उप जिलाधिकारी कोर्ट द्वारा ग्राम जहांगीराबाद में एक भीटा की कुल 7 गाटा जिनका रखवा 3.69 एकड़ अर्थात 5.98 बीघा है,एक बाहा तीन गाटा जिसका रकबा 0.41 एकड़ अर्थात लगभग 0.664 बीघा है। इस प्रकार ग्राम पंचायत जहांगीराबाद में कुल 5.44 एकड़ अर्थात 8.813 बीघा की जमीन से संबंधित खातेदारों का नाम खारिज कर ग्राम सभा के खाते में हस्तांतरित की गई है।

अध्यक्ष राजेश वर्मा ने की अध्यक्षता में पिछड़ा वर्ग आयोग की मासिक बैठक संपन्न

■ जातिगत जनगणना पर प्रधानमंत्री को दिया जाएगा धन्यवाद प्रस्ताव

■ कौशाम्बी प्रकरण की जांच हेतु प्रतिनिधिमण्डल जाएगा

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग की महत्वपूर्ण बैठक आज आयोग कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने की। बैठक में उपाध्यक्ष सोहन लाल श्रीमाली, सदस्यगण सूर्य प्रकाश पाल, विनोद कुमार, बाबा बालक दास, ऋष्या राजपूत, अशोक कुमार, घनश्याम चौहान तथा आयोग के सचिव मनोज कुमार सागर उपस्थित रहे।

बैठक में अन्य पिछड़े वर्गों से जुड़े आरक्षण, जातियों के सम्मिलन/निष्कासन तथा सामाजिक उत्थान एवं विकास से संबंधित विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री द्वारा जातिगत जनगणना कराये जाने के लिए लिये गये निर्णय का स्वागत करते हुए आयोग के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सभी सदस्यों की ओर से प्रधानमंत्री को धन्यवाद प्रस्ताव प्रेषित किये जाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में कौशाम्बी जनपद के ग्राम लोहन्दा धाना सैनी निवासी राधा देवी की पुत्री के साथ हुई अमानवीय घटना का मामला सदस्य विनोद कुमार द्वारा उठाया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों पर कार्यवाही न होकर पीड़ित पक्ष के ही लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। इस पर आयोग अध्यक्ष ने मामले की जांच हेतु 13 जून 2025 को उपाध्यक्ष सूर्यप्रकाश पाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमण्डल को कौशाम्बी भेजे जाने का निर्णय लिया, जिसमें सदस्य विनोद कुमार, बाबा बालक दास, ऋष्या राजपूत एवं अशोक कुमार शामिल होंगे। लोनिया जाति से सम्बन्धित एक प्रत्यावेदन पर चर्चा करते हुए सदस्य घनश्याम चौहान ने कहा कि प्रत्यावेदनकर्ताओं को आयोग के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए। अध्यक्ष ने प्रत्यावेदनकर्ताओं को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर पक्ष रखने के निर्देश दिये। कसौधन जाति के लोगों को जाति प्रमाणपत्र प्राप्त करने में हो रही कठिनाइयों के संबंध में आयोग द्वारा पूर्व में भेजे गये प्रतिनिधिमण्डल की रिपोर्ट पर चर्चा की गई।

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग का भागीदारी न्याय सम्मेलन 14 जून को

■ कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भी होंगे

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग ने विभिन्न जातियों को गोलबंद करने के लिए नई रणनीति अपनाई है। इसके तहत अब जिलेवार भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विभिन्न जिलों के साथ ही कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में भी यह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसकी शुरुआत 14 जून को लखनऊ से हो रही है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के दौरान पिछड़ी जातियों पर फोकस किया, जिसके सकारात्मक परिणाम मिले। इसके बाद से लगातार सामाजिक न्याय और मंडल कमीशन की रिपोर्ट को पूरी तरह से लागू करने की मांग की जा रही है। पार्टी विभिन्न आयोजनों के जरिए आरक्षण की सीमा भी बढ़ाने की मांग कर रही है। अब भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में 14 जून को होने वाले भागीदारी न्याय महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयसिंह मौजूद रहेंगे। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित अन्य पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। भागीदारी न्याय सम्मेलन में 14 जून से 14 जुलाई तक चलने वाले कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। इसके तहत हर जिले में भागीदारी न्याय पदयात्रा, ओबीसी वर्ग के विभिन्न जातियों का जातीय सम्मेलन, एक जुलाई से 14 जुलाई तक विभिन्न यूनिवर्सिटी-कॉलेज के युवाओं में भागीदारी न्याय, शिक्षा एवं रोजगार के लिए जागरुकता अभियान चलाया जाएगा।

राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन कार्यालय में विशाल भण्डारे का आयोजन

लखनऊ। ज्येष्ठ मास के अंतिम मंगलवार के अवसर पर कार्यालय राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन, उत्तर प्रदेश द्वारा जे0बी0टी0सी0 कम्पाउण्ड, निशातगंज में विशाल भण्डारे का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के प्रमुख सचिव सुभाष चन्द शर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं पूजन के साथ किया गया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष ज्येष्ठ मास में पांच बड़े मंगल पड़े हैं, जिसके अंतिम मंगलवार को यह आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यालय में सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया, जिसका पठन-पाठन दृष्टिबाधित छात्रों के समूह द्वारा पूरी श्रद्धा एवं भक्तिभाव से किया गया। सुन्दरकाण्ड पाठ के उपरांत आयोजित भण्डारे में हजारों श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन, उत्तर प्रदेश, उपायुक्त, दिव्यांगजन सहित दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नवजात शिशु का कूड़े के ढेर में मिला शव

■ जन्म लेते ही मौत का सामना

■ पुलिस जाँच में निजी अस्पताल की भूमिका पर संदेह

■ समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता का प्रतिबिंब

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ठाकुरगंज क्षेत्र में मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। बालागंज चौकी से चंद कदमों की दूरी पर, भीड़भाड़ वाले तीन मंदिर के पीछे स्थित एक कूड़े के ढेर पर एक नवजात शिशु का शव मिला है, जिसने अपनी क्रूर मौत से पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर किस बेरहम माँ-बाप ने इतनी जघन्य हरकत को अंजाम दिया।

इस नवजात ने अपनी माँ की कोख से बाहर आते ही दुनिया की रौशनी देखी ही थी कि उसे बेरहमी का दंश झेलना पड़ा। अभी उसकी आँखें ठीक से खुली भी नहीं होंगी कि उसे मौत के घाट उतार दिया गया। कूड़े के ढेर पर पड़े इस मासूम के बेजान शरीर को देखकर इलाकाई लोगों की आँखें भी नम हो गई। यह दृश्य इतना दर्दनाक था कि किसी का भी कलेजा काँप उठे। एक नन्हे से जीवन को इतनी निर्ममता से समाप्त कर देना, यह सोचने पर मजबूर करता है कि समाज में मानवीय मूल्यों का पतन किस हद तक हो चुका है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची। पुलिस ने नवजात शिशु के शव को तुरंत कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अज्ञात के खिलाफ हत्या और शव को छिपाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने इस मामले की गहनता से छानबीन शुरू कर दी है।

जानकार बताते हैं कि इस पूरे मामले में पास के एक निजी अस्पताल की भूमिका भी संदेह के दायरे में है। पुलिस इस पहलू पर भी गौर कर रही है कि कहीं इस नवजात का जन्म उसी अस्पताल में तो नहीं हुआ था और फिर उसे वहाँ से लाकर कूड़े के ढेर में फेंक दिया गया। अक्सर ऐसे मामलों में अवैध गर्भपात या अनचाही संतान से छुटकारा पाने के लिए इस तरह के जघन्य अपराधों को अंजाम दिया जाता है। पुलिस अस्पताल के रिकॉर्ड्स और कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

यह घटना केवल एक बच्चे की मौत नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों के पतन का एक भयावह उदाहरण है। एक नवजात, जो पूरी तरह से असहाय होता है, उसे इस तरह त्याग देना, यह दर्शाता है कि कुछ लोग किस हद तक पाषाण हृदय हो चुके हैं। इस घटना ने समाज के हर वर्ग को झकझोर दिया है और यह प्रश्न उठ रहा है कि आखिर कब तक ऐसे मासूम बच्चों को इस तरह की क्रूरता का शिकार होना पड़ेगा।

पुलिस का कहना है कि वे इस मामले की हर बारीकी से जाँच कर रहे हैं और जल्द ही दोषियों को पकड़ कर कानून के कटघरे में खड़ा करेंगे। उम्मीद है कि इस मासूम को जल्द से जल्द न्याय मिलेगा और ऐसे जघन्य अपराधों को रोकने के लिए समाज को भी जागरूक होना होगा।